इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट

2017–2018

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068, भारत

www.ignou.ac.in

fuek.k lfefr :	प्रो. टी.यू. फुलझले, डॉ. पंकज खरे, डॉ. पंकज खन्ना, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. नीलम चौधरी, श्री गिरिजा शंकर, डॉ. हरीश कुमार सेठी, डॉ. सुनील कुमार
xkfQDl :	डॉ. पंकज खरे और डॉ. सुनील कुमार
fgnh lLdj.k dk l;ktu&liknu :	डॉ. हरीश कुमार सेठी
iujh{k.k %	डॉ. जगदीश शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद पांडेय, डॉ. ज्योति चावला
QkVkxkQ :	श्री राजेश शर्मा, सहायक कुलसचिव, कुलपति कार्यालय
lkexh fuek.k :	श्री एस. बर्मन, उप कुलसचिव (प्रकाशन), श्री यदुनाथ शर्मा, सहायक कुलसचिव (प्रकाशन), श्री सुधीर कुमार, अनुभाग अधिकारी (प्रकाशन)
fMtkbu vkj fifVx %	हाईटेक ग्राफिक्स, डी–4/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़–2, नई दिल्ली–110020

इस रिपोर्ट को योजना और विकास प्रभाग, इग्नू द्वारा अंतिम रूप दिया गया और 8 सितंबर, 2018 को संपन्न हुई प्रबंध बोर्ड की 130वीं बैठक में अनुमोदित किया गया।

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
अध्याय-I	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफाइल	12
अध्याय-II	शैक्षिक गतिविधियाँ	18
अध्याय-III	नामांकन और विद्यार्थी प्रोफाइल	36
अध्याय-IV	विद्यार्थी सहायता सेवाएँ	50
अध्याय-**V**	शैक्षिक कार्यों में प्रौद्योगिकी	69
अध्याय-**VI**	गवर्नेंस, संसाधन और आधारभूत संरचना	75
परिशिष्ट-1	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी-निकायों के सदस्य और विश्वविद्यालय के अधिकारी	87
परिशिष्ट-2	इग्नू द्वारा किए गए समझौता-ज्ञापनों/सहयोग-ज्ञापनों/करारों/संविदाओं की सूची	104
परिशिष्ट-3	विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रम	108
परिशिष्ट-4	31 मार्च 2018 को क्षेत्रीय केन्द्रवार विद्यार्थी सहायता नेटवर्क	122
परिशिष्ट-5	बाहरी वित्त-पोषित परियोजनाओं का विवरण	125
परिशिष्ट-6	इग्नू द्वारा आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएँ/पैनल परिचर्चाएँ/व्याख्यान/संगोष्ठियाँ	128
परिशिष्ट-7	शोध प्रकाशन और सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में योगदान	132
	संक्षिप्ताक्षरों की सूची	153
	इग्नू के बारे में	

कुलपति की ओर से

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान नई–नई ऊँचाइयों को छूआ है और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर अग्रणी संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय की नई–नई उपलब्धियों का ब्यौरा देने वाली वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है।

मुक्त और डिजिटल शिक्षा में राष्ट्रीय नेतृत्व करने वाले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने अध्ययन–अध्यापन अंतःक्षेप और संबंधित सहायता सेवा ढाँचे को डिजिटीकृत करने के साथ–साथ 'मुक्त तथा दूर शिक्षा' को 'मुक्त और डिजिटल शिक्षा' के रूप में पुनर्परिभाषित करने में बड़ी तेज़ी से प्रगति की है। वर्ष 2017–18 में विश्वविद्यालय ने देश के सर्वाधिक दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा सहायता और विद्यार्थी सेवाओं के वितरण में पिछले वर्षों के दौरान किए गए अपने डिजिटीकरण संबंधी प्रयासों को बनाए रखा और उन्हें मजबूती प्रदान की। शुरू में धीमी गति के बाद रूपांतरण की इस प्रक्रिया में तेजी आई और स्थिरता बनी। साथ ही, विद्यार्थी–समुदाय ने ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षण परिवेश को स्वीकार करना शुरू किया है।

वर्ष 2017–18 के दौरान, इग्नू के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में 6,52,504 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया और 4,20,074 विद्यार्थियों ने पुनःनामांकन कराया। विद्यार्थियों की यह संख्या पिछले वर्ष की कुल संख्या से 17.0 प्रतिशत अधिक है। इतनी संख्या में नामांकन से, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की कुल संचयी संख्या बढ़कर 30 लाख 20 हजार हो गई है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 2,10,811 विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त किए। 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि और 63 हजार विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। इसी अवधि के दौरान इग्नू ने 120 पीएच.डी. और 10 एम.फिल. उपाधियाँ भी प्रदान की हैं।

विश्वविद्यालय के परिसर रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ ने विभिन्न स्थलों पर छह रोजगार–सहायक अभियान चलाए। इस अभियान में विश्वविद्यालय के कुल 1,539 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनमें से 275 को चिह्नित/चयनित किया गया।

विश्वविद्यालय इस समय 239 शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। सर्वाधिक विविधता से परिपूर्ण इन शैक्षिक कार्यक्रमों को 21 अध्ययन विद्यापीठों द्वारा तैयार किया गया है और इन्हें 67 क्षेत्रीय केंद्रों तथा 3,084 सक्रिय विद्यार्थी सहायता केंद्रों के व्यापक नेटवर्क की सहायता से चलाया जा रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान, इग्नू ने आठ नए शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए।

विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में से ज्यादातर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के हैं, जहाँ उच्च शिक्षा की पहुँच या तो बिल्कुल नहीं है या फिर बहुत कम है। मुझे, रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, महिलाओं के सशक्तीकरण के बारे में यह तथ्य साझा करने में गर्व की अनुभूति हो रही है कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकन कराने वाले कुल विद्यार्थियों में से 43.9 प्रतिशत महिला–विद्यार्थी हैं। विशेष बात यह भी है कि उनमें से अधिकांश महिला–विद्यार्थी (अर्थात 40 प्रतिशत से अधिक) पिछड़े वर्गों की हैं। विश्वविद्यालय, चुनिंदा क्षेत्रों में सामाजिक मुद्दों पर ध्यान दे रहा है और जागरूकता, एप्रीसिएशन तथा ब्रिज पाठ्यक्रमों के माध्यम से औपचारिक–अनौपचारिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण चलाकर कौशलों का प्रत्यायन कर रहा है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने योजना अनुदान में विशेष प्रावधान किए हैं। विश्वविद्यालय के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप इन राज्यों में विद्यार्थियों के नामांकन में काफी वृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय ने अपने अधिकांश स्नातक–पूर्व विद्यार्थियों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति/छूट की योजना को शुरू किया है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने अपने कुल व्यय के 20 प्रतिशत से अधिक बजट को इन समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित किया है।

ज्ञान के कई प्रकार के विषय–क्षेत्रों में स्व–शिक्षण निर्देश सामग्री, इग्नू की अद्वितीय सामर्थ्य है। विश्वविद्यालय ने भारत में उच्च शिक्षा के लिए स्व–शिक्षण निर्देश सामग्री का सबसे बड़ा संग्रह तैयार किया है। भारतीय युवाओं को अच्छे शैक्षिक संसाधनों की अत्यधिक आवश्यकता है, किंतु उनमें से अधिकतर महँगी विदेशी पुस्तकें खरीद नहीं पाते हैं। जब उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री हिंदी में नहीं मिलती तो यह समस्या और भी अधिक विकट हो जाती है। इग्नू का स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर स्तरों पर हिंदी माध्यम में स्व–शिक्षण निर्देश सामग्री का सबसे बड़ा मुद्रित भंडार है। इग्नू को अपने उत्तरदायित्व का बोध है कि उसे शैक्षिक संसाधनों के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र की भूमिका निभानी है इसलिए, विश्वविद्यालय आम लोगों के लिए उपलब्ध डिजिटल कोशागार को 'ई–ज्ञानकोश' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराके उन्हें अध्ययन सामग्री तक व्यापक पहुँच सुलभ करवाता है।

एक तरफ, कम लागत वाले परंपरागत तरीकों का इस्तेमाल करके इग्नू जहाँ हाशिए के समाज को मुख्य धारा में ला रहा है, वहीं दूसरी ओर, यह डिजिटल शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के इस प्रकार के प्रयासों में 'स्वयं' आधारित 'व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम' (मूक्स); शोधगंगा (यू.जी.सी.–इनफ्लिबनेट परियोजना); 24x7 स्वयंप्रभा और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (मानव संसाधन विकास परियोजना), 'समवय' (स्किल असेसमेंट मैट्रिक्स फॉर वोकेशनल एडवांसमेंट ऑफ यूथ), ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशन, ई–ज्ञानकोश; क्लाउड आधारित आई.टी. आधारभूत संरचना और डिजिटल लॉकर आदि शामिल हैं।

अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों के साथ–साथ अपने शिक्षकेतर स्टाफ का क्षमता निर्माण, प्रभावी शिक्षण सहायता उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। विश्वविद्यालय अपने अध्यापकों/शैक्षिक सदस्यों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम और पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित करता है। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन शिक्षा के डिज़ाइन और वितरण, अभिविन्यास कार्यशालाओं तथा अपने शैक्षिक सदस्यों एवं प्रशासनिक स्टाफ के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया जाता है।

विश्वविद्यालय ने 12 विदेशी अध्ययन केंद्रों को फिर से शुरू करके अपने विदेशी अध्ययन केंद्रों के नेटवर्क का विस्तार किया है। इन अध्ययन केंद्रों में 2,835 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए।

ओ.डी.एल. प्रणाली में अग्रणी होने के कारण इग्नू, भारत में मुक्त और दूर शिक्षा गुणवत्ता सुनिश्चयन तंत्र और प्रत्यायन प्रणाली स्थापित करने, उसे व्यवहार में लाने तथा जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने की दिशा में भी काम कर रहा है। विश्वविद्यालय ने आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन एकक (आई.क्यू.ए.सी.) की स्थापना करके ओ.डी.एल. प्रणाली के लिए प्रत्यायन तंत्र विकसित करने में पर्याप्त प्रगति की है।

विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए मैं विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के गंभीर प्रयासों की सराहना करता हूँ। मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय की सफलता यात्रा जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में सफलता के और मुकाम हासिल होंगे।

(नागेश्वर राव)

कार्य-निष्पादन सार

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, देश का वह राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जिसकी समाज के सभी वर्गों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 1985 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापना की गई थी। सभी जरूरतमंद लोगों के लिए विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाले नवीन और आवश्यकता–आधारित शैक्षिक कार्यक्रम चलाकर देश के सभी भागों और विदेशों में वहन योग्य लागत पर शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करके सुविधा–वंचितों तक पहुँचने के अपने स्पष्ट उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय उन्नति कर रहा है। इग्नू जीवन–पर्यंत उच्च शिक्षा और इसे समावेशी बनाकर शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने के लिए अवसरों का तेजी से विस्तार कर रहा है। विश्वविद्यालय ने लचीले और नवीन दृष्टिकोण को अपनाया है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा से कार्य और कार्य से शिक्षा की दिशा में जाने का प्रोत्साहन मिला है। यह दृष्टिकोण देश की विभिन्न प्रकार की जरूरतों और जनसांख्यिकीय लाभ की पूर्ण संभाव्यता एवं शक्ति में मानव संसाधनों को काम लाने की जरूरतों के संदर्भ में भी सर्वथा उपयुक्त है।

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017–18 के दो प्रवेश चक्रों के दौरान 10,72,578 विद्यार्थियों को प्रवेश देकर विद्यार्थी–नामांकन में 17.0% की दर से वार्षिक संवृद्धि दर्ज की है। इनमें से 6,52,504 विद्यार्थियों ने नव–नामांकन कराया, जोकि कुल पंजीकरण का 60% है। वहीं, इस दौरान 4,20,074 विद्यार्थियों ने पुनःपंजीकरण कराया। इस प्रकार, विद्यार्थियों की अनुमानित संचयी संख्या लगभग 30 लाख 20 हजार रही। समावेशी शिक्षा की दिशा में उल्लेखनीय सामाजिक प्रसार की दृष्टि से देखा जाए तो इग्नू के कुल विद्यार्थियों में से 43.9% महिलाएँ, 8.5% अनुसूचित जनजाति, 13.0% अनुसूचित जाति और 17.2% अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं। विश्वविद्यालय ने 1,440 विदेशी विद्यार्थियों; 114 असम राइफल्स; 4,186 थलसेना कार्मिकों और 2,266 नौसेना कार्मिकों को नामांकित किया।

वित्त वर्ष 2017–18 की समाप्ति के समय तक 243 शैक्षिक सदस्य तथा 267 अध्यापक कार्यरत थे। इसके अलावा, 958 प्रशासनिक और 409 तकनीकी स्टाफ है। प्रशासनिक स्टाफ में से 26.7% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं और तकनीकी स्टाफ में से 19.1% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से।

विश्वविद्यालय की 21 अध्ययन विद्यापीठों ने पाठ्यचर्या विकास के समन्वयन और अनुसंधान गतिविधियाँ करने सहित शैक्षिक कार्यक्रमों के नियोजन, डिज़ाइन और विकास संबंधी नियमित गतिविधियों को जारी रखा। वर्ष 2017–18 के दौरान, विद्यापीठों ने विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रमों को संशोधित किया और पहले से चल रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में नए पाठ्यक्रम विकसित किए। विश्वविद्यालय सततता विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, समाज कार्य परामर्श, विपणन और पर्यटन आदि नए शैक्षिक विषयों सहित विभिन्न विषयों में 239 शैक्षिक कार्यक्रम चला है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित कार्यक्रम शुरू/दोबारा शुरू किए :

i) पीएच.डी. (पर्यावरणीय विज्ञान)

ii) सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iii) समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iv) रिटेलिंग में डिप्लोमा (दोबारा शुरू किया गया)

v) होटल संचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र पर)

vi) हाउसकीपिंग संचालन में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र पर)

vii) फूड बेवरीज़ संचालन में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र पर)

viii) फ्रंटऑफिस संचालन में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र पर)

विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (एस.आर.डी.), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) और संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) ने विद्यार्थियों को सहायता सेवाओं को विस्तार प्रदान किया। 67

क्षेत्रीय केद्रों और 3,084 विद्यार्थी सहायता केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के जरिए शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकांशतः परंपरागत प्रणाली से लिए गए 60,262 अंशकालिक शैक्षिक परामर्शदाता विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर विद्यार्थियों के लिए मानव अंतःक्रियात्मकता उपलब्ध करा रहे हैं। 2017–18 में 141 नए विद्यार्थी सहायता केंद्रों की स्थापना करके विद्यार्थी सहायता नेटवर्क को विस्तृत किया है।

विश्वविद्यालय ने अध्ययन सामग्री के 1 करोड़ 59 लाख खंड प्रकाशित किए। विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री के समय पर वितरण के लिए मुद्रित सामग्री के निर्माण और वितरण की निगरानी की गई है।

दिसंबर 2017 की सत्रांत परीक्षा में 4 लाख 99 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा 856 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इसी प्रकार, जून 2017 में हुई सत्रांत परीक्षा में 6 लाख 24 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान मूल्यांकित उत्तर–पुस्तिकाओं की संख्या 35 लाख रही। देश–विदेश के सभी क्षेत्रों के 2,10,811 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए जिनमें 120 डॉक्टोरल उपाधियाँ प्राप्त विद्यार्थी भी शामिल हैं।

क्षेत्रीय केंद्रों ने भारत बोध, डिजिटल इंडिया, ऑनलाइन प्रवेश, वृक्षारोपण और पौधारोपण, दूर शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा अवसरों का संवर्धन, महिलाओं के शिक्षा अवसरों, सफल विद्यार्थियों के लिए शिक्षा तथा नौकरी संबंधी अवसर जैसे विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक मुद्दों पर जागरूकता के लिए विशेष प्रयास किए। रिपोर्टाधीन अवधि में क्षेत्रीय केंद्रों ने तत्काल प्रवेश, रोड शो, मोबाइल वैनों का प्रयोग, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों सहित हर जगह के संभावित विद्यार्थियों के साथ बैठकें आदि नए दृष्टिकोण को अपनाकर नामांकन बढ़ाने के सार्थक प्रयास किए। विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की भागीदारी में सुधार करने संबंधी एस.सी.एस.पी. और टी.एस.पी. योजना के अंतर्गत स्नातक–पूर्व शैक्षिक कार्यक्रमों (बी.ए, बी.एससी, बी.कॉम, बी.एस.डब्ल्यू. और बी.सी.ए.) में नामांकित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्गों के विद्यार्थियों को सीधे लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर – डी.बी.टी.) करने के अंतर्गत शुल्क प्रतिपूर्ति की अपनी लोकप्रिय योजना को जारी रखा।

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय के रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ ने संबंधित क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों के सक्रिय योगदान से विभिन्न स्थलों पर छह आयोजन किए। प्रकोष्ठ ने मुख्यालय में पाँच और कंपनी परिसर नोएडा में एक परिसर रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किया। इन रोज़गार सहायक अभियानों में कुल मिलाकर 1,539 उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनमें से 275 को चिह्नित/चयनित किया गया।

विश्वविद्यालय, विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विकलांगों की शैक्षिक, व्यावसायिक और पुनर्वास संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। विकलांग विद्यार्थियों को सहायता सेवा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना की है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की शिकायतों और समस्याओं का समाधान करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। दृष्टि–बाधित विद्यार्थियों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी पर एक दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम तैयार किया गया है ताकि वे इससे लाभान्वित हो सकें। दृष्टि–बाधित और कमजोर नज़र वाले विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें चुनिंदा पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट प्रति उपलब्ध कराई गई। इन्हें माँग के आधार पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया। मुख्य आयुक्त (विकलांगताजन) के कार्यालय की सिफारिशों के अनुसार विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकन की प्रवेश संभावनाओं को संशोधित किया ताकि विकलांग विद्यार्थियों को यह जानकारी दी जा सके कि वे अपनी विकलांगता के प्रकार के आधार पर पदों और भौतिक जरूरतों को पहचान कर अध्ययन कार्यक्रम चुनने का निर्णय लेने लायक हो सकें। विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय विकलांगताजन दिवस मनाया और 'ब्रेल दिवस', संवेदिता कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी जैसी गतिविधियाँ आयोजित कीं ताकि लोगों को विकलांगता संबंधी मुद्दों के बारे में जानकारी दी जा सके और शिक्षित किया जा सके। केंद्र ने ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर वाले लोगों के प्रति सहायता करने की ओर प्रवृत्त करना तथा जागरूकता कार्यक्रम के लिए 6 अप्रैल 2017 को 'ऑटिज़्म दिवस' आयोजित किया। केंद्र ने नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनैंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर 24–25 अक्तूबर 2017 को 'वोकेशनल रिहैबिलिटेशन एंड इकोनॉमिक इनक्लूशन ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज' विषय पर दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में 22 राज्यों के 250 प्रतिभागियों और विषय–विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुज्जर ने मुख्य अतिथि और राज्यमंत्री श्री रामदास अठावले ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ में दो केंद्र हैं – गांधी और शांति अध्ययन केंद्र (सी.जी.पी.एस.); और इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र (आई.जी.सी.एफ.एस.एस.)। इनमें से इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र (आई.जी.सी.एफ.एस.एस.) की तीन अध्ययन पीठें – (i) बहादुरशाह ज़फ़र, (ii) जर्नल शाह नवाज़खान, आई.एन.ए.; और (iii) शहीद करतार सिंह सराभा – हैं। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय इन अध्ययन पीठों का प्रायोजक है। केंद्र ने उर्दू और हिंदी के देशी समाचार–पत्रों में राष्ट्रवादी कविताओं, समाचारों, करारबद्ध श्रमिकों का इतिहास, फारसी अभिलेख, और आई.एन.ए. और सुभाष चंद्र बोस पर केंद्रित काव्य का संकलन किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (एन.सी.पी.एस.एल.) द्वारा प्रायोजित सिंधी अध्ययन पीठ, इग्नू की अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ में स्थापित है। रिपोर्टाधीन अवधि में इस अध्ययन पीठ ने एक व्याख्यान आयोजित किया।

इग्नू ने स्ट्राइड की सहायता से जनशक्ति के क्षमता निर्माण पर अपना ध्यान केंद्रित किया। स्ट्राइड ने इग्नू और राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों, दूर शिक्षा निदेशालयों/दूर शिक्षा संस्थाओं के अध्यापकों/शैक्षिक सदस्यों के साथ–साथ इग्नू के शिक्षकेतर/प्रशासनिक स्टाफ जैसे लक्ष्य समूहों के क्षमता निर्माण पर अपने प्रयास केंद्रित किए। 2017–18 के दौरान स्ट्राइड ने दूर शिक्षा में शोध प्रविधि, दूर शिक्षा में पुनश्चर्या कार्यक्रम, मुक्त और दूर शिक्षा के वित्तीय और प्रशासनिक पक्ष; तथा ओ.डी.एल. में स्व–शिक्षण सामग्री डिज़ाइन विषयों पर केंद्रित कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने एक 21–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम, तीन संकाय विकास कार्यक्रम, नौ कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, दो संगोष्ठियाँ और दो शैक्षिक दौरे आयोजित किए। अन्य अध्ययन विद्यापीठ, प्रभाग और केंद्र भी विशेषीकृत क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने और कार्यशाला आयोजित करने जैसे कार्यों में नियमित रूप से संलग्न रहे। इनके बारे में विवरण परिशिष्ट–5 में दिए गए हैं।

सेवारत अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने इग्नू की प्रमुख भूमिका को ध्यान में रखा है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान इग्नू और जम्मू–कश्मीर सरकार के बीच सहयोग–पत्र (एम.ओ.सी.) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अनुसार, बी.एड. कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के सेकेंडरी स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। त्रिपुरा सरकार के साथ भी इसी प्रकार का समझौता किया गया है। इसके अनुसार, इग्नू दो वर्ष के कार्यक्रम के माध्यम से त्रिपुरा सरकार के प्रारंभिक स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय के अध्यापकों के लिए छह महीने के 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ प्राइमरी टीचर्स' (सी.पी.पी.डी.पी.टी.) को जुलाई 2014 में अखिल भारत में परियोजना माध्यम से शुरू किया गया। विश्वविद्यालय, पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों और उत्तराखंड राज्य में सेवारत अध्यापकों को प्रशिक्षण देने का काम भी कर रहा है। विश्वविद्यालय ने अध्यापक शिक्षा विषय में हुए अधुनातन विकास सहित अध्यापकों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए बी.एड. के द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को रिपोर्टाधीन वर्ष में संशोधित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में शैक्षिक/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिज़ाइन और वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न उद्योगों/शैक्षिक/प्रशिक्षण/पेशेवर संस्थाओं के साथ शैक्षिक सहयोग किए हैं।

विश्वविद्यालय ने अध्ययन–अध्यापन प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) की क्षमताओं का उपयोग करने संबंधी प्रयास जारी रखे। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान दूर शिक्षा की गुणवत्ता में सर्वोत्कृष्टता अर्जित करने और पहुँच में सुधार करने के लिए आई.सी.टी. प्रयोग एवं परिनियोजन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने हेतु कई कदम उठाए हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष में संचार केंद्र ने 141 दृश्य और 182 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए। इस प्रकार, यह केंद्र अब तक कुल 4,806 दृश्य और 2,572 श्रव्य कार्यक्रम तैयार कर चुका है।

भारत के प्रथम शैक्षिक टी.वी. चैनल ज्ञान दर्शन–1 (जी.डी.1) ने अपने संचालन के 17 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर

लिए हैं। ज्ञान दर्शन–1 के कार्यक्रमों को एन.सी.ई.आर.टी. के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ओ.एस., राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सी.ई.सी. (यू.जी.सी), डी.एस.टी., डी.ए.ई. (प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय), एन.एल.एम. (राष्ट्रीय साक्षरता मिशन), एन.आई.टी.टी.टी.आर., बी.आर.ए.ओ.यू., और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों आदि जैसे विभिन्न विकास संगठनों एवं शैक्षिक संस्थाओं के साथ पूल किया गया है। मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में अंतःक्रियात्मकता बनाने के लिए, ज्ञान दर्शन–2 (जी.डी.2) के माध्यम से एक–तरफा दृश्य और दो–तरफा श्रव्य टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ प्रदान की जा रही थीं। इस चैनल के जरिए इग्नू विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम, प्रसिद्ध विशेषज्ञों/सम्मानित व्यक्तियों के व्याख्यान और क्षेत्रीय केंद्रों के स्टाफ के साथ चर्चाएँ आयोजित की जा रही थीं। वर्तमान इनसैट 3 सी उपग्रह से नए जी.एस.ए.टी–10 उपग्रह में अंतरित करने के लिए इसरो ने जून 2014 से ज्ञान दर्शन 1 और 2 का प्रसारण बंद किया हुआ था। ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू करने के लिए इग्नू और दूरदर्शन के बीच 7 अक्तूबर 2017 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अब ज्ञान दर्शन पर प्रसारण फिर से शुरू हो गया है। ज्ञान दर्शन को इग्नू वेबसाइट www.ignouonline.ac.in/gyandarshan पर भी प्रसारित किया जाता है।

शैक्षिक एफ.एम. रेडियो चैनल ज्ञान वाणी देश के 37 शहरों के एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के जरिए चलाया जा रहा है। ज्ञानवाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों का प्रसारण अक्तूबर 2014 से बंद था। ज्ञान वाणी और ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू कराने के लिए विश्वविद्यालय ने रिपोर्टाधीन अवधि में गंभीर प्रयास किए। विश्वविद्यालय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ अनुमति समझौता अनुमोदन (ग्रांट ऑफ परमिशन एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए। इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर से इग्नू 37 स्थानों से 15 वर्ष के लिए रेडियो स्टेशन चला सकेगा। 37 ज्ञान वाणी स्टेशनों के वायरलैस ऑपरेटिंग लाइसेंस (डब्ल्यू.ओ.एल.) को संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नवीकृत किया। रिपोर्टाधीन अवधि में ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो के पाँच केंद्र फिर से शुरू हुए। ये केंद्र वाराणसी, हैदराबाद, लखनऊ, नागपुर और औरंगाबाद में हैं। अप्रैल 2017 से हर रोज़ अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। हर रोज़, दिन में 11 बजे से 1 बजे के दौरान दो सीधे अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श (आई.आर.सी.) सत्र आयोजित किए जाते हैं और उन सत्रों का शाम 5.30 से 7.30 बजे के दौरान पुनःप्रसारण किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि में कुल 835 अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श सत्र आयोजित किए गए।

वर्ष 2016–17 में ज्ञान धारा नामक इंटरनेट आधारित अंतःक्रियात्मक श्रव्य परामर्श/वेब रेडियो सेवा शुरू की गई। इसके जरिए विद्यार्थी, दिन–विशेष के विषय पर अपने अध्यापकों और विशेषज्ञों की सीधे चर्चा सुन सकते हैं। इग्नू को 'स्वयं' (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds - SWAYAM) के पाँच डी.टी.एच. चैनलों तथा 'स्वयंप्रभा' (SWAYAMPRABHA) प्लेटफॉर्म की मेजबानी का दायित्व सौंपा गया। ये चैनल हैं – संस्कृति; लिबरल कला; राज्य मुक्त विश्वविद्यालय; कृषि और व्यावसायिक शिक्षा; और अध्यापक शिक्षा। 'स्वयंप्रभा' भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रयास है। विश्वविद्यालय, 'स्वयं' और 'स्वयंप्रभा' परियोजनाओं के अंतर्गत डी.टी.एच. चैनलों के लिए टेली–व्याख्यान मूक्स पाठ्यक्रमों के निर्माण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

विश्वविद्यालय ने 'नवधारणा' नामक मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तन संबंधी अंतःक्रियात्मक ऑनलाइन डाटाबेस डिज़ाइन और विकसित किया है। इसमें, हित–धारकों के लिए एक सौ से अधिक नवप्रवर्तन और विचार शामिल हैं। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच सृजनात्मकता, नवप्रवर्तनों और बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 'इनोवेट क्लब@इग्नू' स्थापित किया है। रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने इस क्लब के तत्वावधान में ओ.डी.एल. प्रणाली के अंतर्गत प्रयोगशाला आधारित कार्यक्रमों पर एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की। विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय 'इनोवेट' नामक ई–न्यूज़लेटर भी प्रकाशित करता है। रिपोर्टाधीन अवधि में इनोवेट के पाँच अंक प्रकाशित किए गए। इग्नू विद्यार्थियों द्वारा किए गए नवप्रवर्तनों का पता लगाने, उन्हें मान्यता एवं सहायता देने के लिए एन.सी.आई.डी.ई. ने 'रिकॉग्नाइजिंग स्टूडेंट्स इनोवेशन' नामक योजना शुरू की है। विश्वविद्यालय, विद्यार्थी सहायता सेवा को डिजिटल रूप में विस्तारित करने के लिए अंतःक्रियात्मक वेब पोर्टल विकसित करने की प्रक्रिया में है। प्रधानमंत्री के 'कौशल संपन्न भारत' के आहवान और भारत सरकार के कौशल

विकास प्रयासों के क्रम में इग्नू–हीरो मोटरसाइकिल तकनीशियन व्यावसायिक योग्यता परियोजना (इग्नू–एम.टी. वी.क्यू.पी.) के अंतर्गत मोटरसाइकिल रिपयेरिंग और सर्विंग में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए इग्नू और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (पूर्व नाम – हीरो होंडा मोटर्स लिमिटेड) ने 30 सितंबर 2014 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को 6 दिसंबर 2017 को नवीकृत किया गया।

विश्वविद्यालय ने खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला की स्थापना की है, जिसका वित्त–पोषण भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने किया है। इस प्रयोगशाला की स्थापना से विद्यार्थियों तथा अन्य प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की माननीय मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने 13 सितंबर 2017 को इस प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय ने 'डेवलपमेंट एंड डिलिवरी ऑफ ई–लर्निंग मैटीरियल्स इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' विषय पर मॉडल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के विस्तार निदेशालय ने प्रायोजित किया था। इसमें विभिन्न राज्यों के कृषि विभागों के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रिपोर्टाधीन अवधि में, विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई.) और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इग्नू, एफ.एस.एस.ए.आई. की क्षमता निर्माण गतिविधियों में प्रशिक्षण साझेदार के रूप में काम करेगा। विद्यापीठ ने 29 अक्तूबर से 26 नवंबर 2017 के दौरान मूल्य–वर्धित उत्पादों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

इंटरनेशनल सोलर एलायंस से प्राप्त अनुरोध के आधार पर विश्वविद्यालय सौर ऊर्जा और उसके अनुप्रयोगों से संबंधित जागरूकता/सर्टिफिकेट कार्यक्रम तैयार करने का काम कर रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड (बी.एस.ई.आई.एल.) के साथ जी.एस.टी, पूँजी बाज़ार और म्यूचुअल फंड से संबंधित गैर–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम मिलकर शुरू करने के लिए 27 नवंबर 2017 को एक समझौता–ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुसंधान पर बल बनाए रखते हुए, विश्वविद्यालय ने अनुसंधान शिक्षा को और अधिक प्रोत्साहन दिया है। रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने पीएच.डी./एम.फिल. में कुल मिलाकर 69 शोधार्थियों को नामांकित किया और 120 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 10 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की। विश्वविद्यालय ने इग्नू–अनुसंधान अध्येतावृत्ति (इग्नू–आर.एफ.) के व्यापक कार्य–क्षेत्र के अंतर्गत तीन अध्येतावृत्ति योजनाएँ शुरू की हैं। ये हैं – (1) पुरुष शोधार्थियों के लिए डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर अध्येतावृत्ति (2) महिला शोधार्थियों के लिए सावित्री बाई फुले अध्येतावृत्ति; और (3) भारतीय विरासत और डायस्पोरा में अनुसंधान के लिए वीर सावरकर अध्येतावृत्ति। वर्ष 2017–18 के दौरान, विभिन्न विषयों के 61 शोधार्थियों को इग्नू–आर.एफ. योजना के अंतर्गत अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया। विश्वविद्यालय ने 'शोधधारा' नामक नवीन ऑनलाइन अनुप्रयोग डिज़ाइन और विकसित किया है। 'शोधधारा' शोध कार्य में प्रगति, शोध पत्र प्रकाशन, शोध दस्तावेजों के कोषागार आदि के बारे में सूचना की प्रबंध–व्यवस्था करने और अद्यतन करने के प्रावधान के लिए तैयार किया गया है। इसमें पाँच मॉड्यूल हैं। ये हैं – प्रवेश मॉड्यूल, विद्यार्थी मॉड्यूल, शोध–निर्देशक मॉड्यूल, कार्यक्रम समन्वयक मॉड्यूल; और अनुसंधान मॉड्यूल। एन.सी.आई.डी.ई. ने अनुसंधान एकक के परामर्श से रिपोर्टाधीन अवधि में इन मॉड्यूलों को पुनःडिज़ाइन और अद्यतन करने का काम किया।

केंद्रीय पुस्तकालय के संसाधन होस्ट वेबसाइट, वेब–ओपेक और एकीकृत सर्च इंजनों के माध्यम से और रिमोट एक्सैस के जरिए सभी इग्नू हितधारकों के लिए सुलभ हैं। मुख्यालय में स्थित पुस्तकालय में 1,50,726 मुद्रित पुस्तकें हैं और क्षेत्रीय केंद्रों एवं विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर 2,51,762 पुस्तकें हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग 75,000 ई–जर्नल और 1,711 ई–पुस्तकों का ग्राहक रहा। विश्वविद्यालय संकाय, शैक्षिक सदस्य, शोधार्थी, शिक्षकेतर सदस्य और विद्यार्थी इनका नियमित रूप से इस्तेमाल करते हैं। 2,068 पंजीकृत उपयोक्ताओं (अध्यापकों, शैक्षिक सदस्यों, शोधार्थियों, शिक्षकेतर स्टाफ और विद्यार्थियों) को पुस्तकालय के इन ई–संसाधनों की रिमोट एक्सैस सर्विसिज़ उपलब्ध कराई गई। डिजिटल कोशागार (ई–ज्ञानकोश) सेवा की फिर से स्थापना की गई और उसे संचालित किया गया। ई–ज्ञानकोश पोर्टल से विश्वविद्यालय की अधिकांश अध्ययन सामग्री समाज को उपलब्ध हो जाती है। अब, कोई भी इंटरनेट–सुविधा प्राप्त व्यक्ति इग्नू के 227 से अधिक कार्यक्रमों की अध्ययन सामगी को पढ़ सकता है।

इग्नू में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) के अंतर्गत मुख्यालय में एक जी.बी.पी.एच. की अतिरिक्त इंटरनेट ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी है। सहभागियों और विश्व के अन्य लोगों के लिए इंटरनेट पहुँच और ऑनलाइन सेवाओं के लिए यह मूलभूत सुविधा है। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में सूचना प्रौद्योगिकी आदि सेवाओं के अलावा, एन.आई.सी. क्लाउड से सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटिंग और भंडारण संबंधी आधारभूत संरचना को किराए पर लिया गया है ताकि ऑनलाइन प्रवेश, वेबसाइट और डी.एन.सी. जैसी विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण आई.टी. सुविधाओं को उसमें सहेजा जा सके। इससे विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को इन सेवाओं की उच्च उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय मंच पर उपस्थिति नजर आती है। विश्वविद्यालय ने बढ़ते हुए शैक्षिक सहयोग तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के जरिए अपने विदेशी विद्यार्थियों के आधार को व्यापक किया है। इग्नू की इस समय 29 विदेशी अध्ययन केंद्रों (पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्किंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित अध्ययन केंद्रों के अलावा) के माध्यम से 15 देशों तक पहुँच है। प्रशासनिक कारणों से, कुछ समय के लिए, विदेशी अध्ययन केंद्र प्रास्थगित किए हुए थे। किंतु, पिछले तीन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों को फिर से शुरू करने की दिशा में प्रयास किए। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष, भारत के माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से पिछले दो वर्षों में 10 देशों में 12 विदेशी अध्ययन केंद्रों को दोबारा से शुरू किया गया। विश्वविद्यालय पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क के अंतर्गत अफ्रीका महाद्वीप के 31 देशों में प्रबंध अध्ययन; एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा; और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल विषयों में अपने शैक्षिक कार्यक्रम भी चला रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत 2,750 विद्यार्थी नामांकित थे। 635 विद्यार्थियों ने अपने–अपने अध्ययन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए। विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से नामांकित विद्यार्थियों की संचयी संख्या 69,604 थी, जिनमें से 2,835 विदेशी विद्यार्थी रिपोर्टाधीन अवधि में नामांकित हुए। इन नामांकित विद्यार्थियों में ऊपर उल्लिखित पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों की संख्या शामिल नहीं है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, प्रशासन प्रभाग ने अपने गवर्नेंस, स्थापना, केंद्रीय क्रय एकक, सामान्य प्रशासन, सुरक्षा एकक, जन संपर्क एकक, हिंदी प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, समन्वय एकक, भर्ती प्रकोष्ठ और आर.टी.आई. प्रकोष्ठ जैसे कार्यात्मक एककों के माध्यम से अपनी नियमित गतिविधियाँ कीं। विश्वविद्यालय ने प्रशासन और वित्त प्रभाग में डिजिटीकरण की प्रक्रिया अपनाने के प्रयास किए।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय की वित्तीय उपलब्धियों के अंतर्गत 589.52 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्ति की तुलना में व्यय 115.9% (683.21 करोड़ रुपए) रहा। कुल राजस्व में से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय निधियन 17.0% (100.00 करोड़ रुपए) है और शेष राजस्व विद्यार्थियों से शुल्क एवं अन्य आंतरिक स्रोतों के जरिए प्राप्त हुआ।

विश्वविद्यालय का बागवानी प्रकोष्ठ 150 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा रखता है। रिपोर्टाधीन वर्ष में प्रकोष्ठ ने परिसर में फल वाले अत्यधिक पौधे लगाने और इग्नू के भवनों को भीतरी पौधों से सजाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है। प्रकोष्ठ ने 1,700 सजावटी पौधों के गमले, और पौध–प्रजनन की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से कई गुणा प्रवर्धन करते हुए 4,000 पौधे, विभिन्न प्रकार के मौसमी फूलों के 4,985 गमले, 1000 सजावटी पौधों के साथ–साथ ओएस्टर मशरूम और नींबू की प्रजाति वाले (सिटरस) फूलों के पौधों के अलावा विश्वविद्यालय परिसर में मौसमी फूलों के पौधे लगाए।

समेकन की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अपने आकार और संचालनात्मक आयाम के समक्ष उभरी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। तदनुसार, सर्वोत्तम व्यवहारों को बनाए रखते हुए और समेकन करते हुए गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए समीक्षा, अनुचिंतन, विश्लेषण और समुचित कार्रवाई करने के लिए समुचित कदम उठाए गए हैं। मुख्य फोकस विद्यार्थी–केंद्रित उस दृष्टिकोण पर ही है, जो विद्यार्थियों की व्यक्तिगत अपेक्षाओं और संयुक्त जरूरतों के लिए उपयुक्त हो।

अध्याय-I
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफाइल

iLrkouk

विश्व के सबसे बड़े विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना वर्ष 1985 में संसद के अधिनियम के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए की गई :

- अपनी गतिविधियों के आयोजन में किसी भी संचार प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल सहित विविध माध्यमों के द्वारा शिक्षा और ज्ञान का उन्नयन और प्रसार;
- अपेक्षाकृत अधिक लोगों को उच्च शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध कराना;
- आम तौर पर समुदाय के शैक्षिक कल्याण को बढ़ावा देना; और
- देश के शैक्षिक प्रतिरूप में मुक्त विश्वविद्यालय और दूर शिक्षा प्रणाली को प्रोत्साहन देना।

विश्वविद्यालय ने मुक्त एवं दूर शिक्षा (ओ.डी.एल.) प्रणाली के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच बढ़ाकर देश की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान किया है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 1987 में थोड़े से विद्यार्थियों के साथ प्रबंध में डिप्लोमा; और दूर शिक्षा में डिप्लोमा नामक दो कार्यक्रमों से शुरुआत की थी। उस समय इसके विद्यार्थियों की कुल संख्या 4,528 थी। लेकिन धीरे–धीरे आगे बढ़ते हुए विश्वविद्यालय ने जबरदस्त प्रगति की है। इस समय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की अनुमानित संचयी संख्या 30 लाख 19 हजार है। वर्ष 2017–18 के दौरान 10,72,578 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। इनमें से 6,52,504 (कुल का 60.8%) नए विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नामांकन में 17.0% प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017–18 में कुल नव–नामांकन में से 8.5% अनुसूचित जनजाति, 13.0% अनुसूचित जाति और 17.2% अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी हैं। ये सभी देश के विभिन्न सामाजिक परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसी प्रकार, जेंडर के आधार पर वर्गीकरण से पता चलता है कि विश्वविद्यालय के कुल विद्यार्थियों में से 43.9% महिला–विद्यार्थी हैं।

विश्वविद्यालय 21 विद्यापीठों और 67 क्षेत्रीय केंद्रों, 3,084 विद्यार्थी सहायता केंद्रों के नेटवर्क के जरिए अपने शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। इनमें सुविधा–वंचित समूहों को मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के लिए स्थापित विशेष अध्ययन केंद्र (एस.एस.सी.) भी शामिल हैं।

प्रो. जी. राम रेड्डी
स्मृति व्याख्यान
22nd Pr
Mer

2 tykb 2017 dk ik- odBe }kjk 22ok ik- th- jke jMMh Lefr 0;k[;ku

इग्नू ने सतत व्यावसायिक विकास और विस्तार गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम चलाकर उच्च शिक्षा के उन्नयन और विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। दूर शिक्षा में विश्व के अग्रणी संस्थान के रूप में इग्नू को कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), कनाडा ने सर्वोत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। इंटरनेट पर प्रभाव, मुक्तता और सर्वोत्कृष्टता के संदर्भ में इसकी विद्यमानता के मानदंड के आधार पर भारतीय विश्वविद्यालयों की वेबमैट्रिक रैंकिंग की सूची में यह 217वें स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय अध्यापन, अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार सेवाओं में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दूर एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में विषेशज्ञता के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड), अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.), राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र (एन.सी.डी.एस.) और राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र (एन.सी.आई.डी.ई.) जैसे केंद्र विशिष्ट विद्यार्थी समूहों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और दूर शिक्षा प्रणाली को समृद्ध बना रहे हैं। अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम की स्थापना से विश्वविद्यालय ने देश में प्रौद्योगिकी–समर्थ शिक्षा के नए युग में प्रवेश किया।

विद्यार्थियों से अंतःक्रिया करने के लिए उच्च नामांकन वाले अध्ययन केंद्रों और अनेक क्षेत्रीय केंद्रों को कंप्यूटर आधारित नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। अब इंटरेक्टिव मल्टीमीडिया और ऑन–लाइन विद्यार्थी सहायता–सेवा प्रणाली विकसित करने के साथ–साथ मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के ढाँचे के भीतर परंपरागत दूर शिक्षा वितरण प्रणाली में आधुनिक प्रौद्योगिकी–समर्थ शिक्षा जोड़ने पर बल दिया जा रहा है।

विद्यार्थियों को वितरण के लिए अध्ययन सामग्री के पुनरुत्पादन और अनुवाद अधिकार प्रदान करने के लिए, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय (महाराष्ट्र) के साथ 29 मई 2017 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों (ओ.एस.सी.) के माध्यम से विदेशी विद्यार्थियों का नामांकन करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्याप्त ख्याति प्राप्त की है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी के साथ–साथ व्याख्यानों के अलावा अन्य संगोष्ठियों और सम्मेलनों में विदेशी शिक्षाविदों के नियमित दौरों से संकाय के साथ अंतःक्रिया का अवसर उपलब्ध होता है।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी–निकाय

भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं। वे विश्वविद्यालय के उच्चतम प्राधिकारी हैं। 'प्रबंध–बोर्ड' विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यपालक निकाय है। इसे संविधियों द्वारा विश्वविद्यालय के राजस्व, वित्त और संपत्ति तथा विश्वविद्यालय के सभी शैक्षिक तथा प्रशासनिक कार्यों के प्रबंधन तथा प्रशासन की शक्ति प्रदान की गई है। 'शैक्षिक परिषद' विश्वविद्यालय का शीर्षस्थ शैक्षिक प्राधिकारी–निकाय है जो विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों

संबंधी निर्णय लेता है और अध्ययन प्रणाली, मूल्यांकन और शैक्षिक मानकों में सुधार लाने के लिए दिशा–निर्देश देता है। यह विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों में मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों का डिज़ाइन तैयार करने, विकसित करने और वितरण करने का दायित्व 'योजना बोर्ड' का है। इस पर विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए प्राथमिकताओं को सूत्रबद्ध करने का दायित्व भी है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले किसी भी विषय पर यह प्रबंध बोर्ड और शैक्षिक परिषद को परामर्श भी देता है। अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना, डिज़ाइन, संगठन और देखरेख का दायित्व 'अनुसंधान परिषद' का है। अध्ययन विद्यापीठ आधारभूत शैक्षिक इकाइयाँ हैं जिन पर शैक्षिक कार्यक्रमों के संकल्पना–निर्माण, डिज़ाइन और विकास का दायित्व है। प्रत्येक अध्ययन विद्यापीठ में एक 'विद्यापीठ बोर्ड' होता है, जो विद्यापीठ की शैक्षिक गतिविधियों का निरीक्षण एवं देख–रेख करता है। विद्यापीठ के निदेशक बोर्ड की अध्यक्षता करते हैं। 'वित्त समिति' विश्वविद्यालय को सभी वित्तीय मामलों के संबंध में परामर्श देती है। यह सरकार से प्राप्त कुल अनुदान, और विश्वविद्यालय की आय के आधार पर कुल आवर्ती और गैर–आवर्ती व्यय के लिए सीमाएँ भी निश्चित करती है। यह विश्वविद्यालय के लेखा की जाँच और व्यय की संवीक्षा भी करती है।

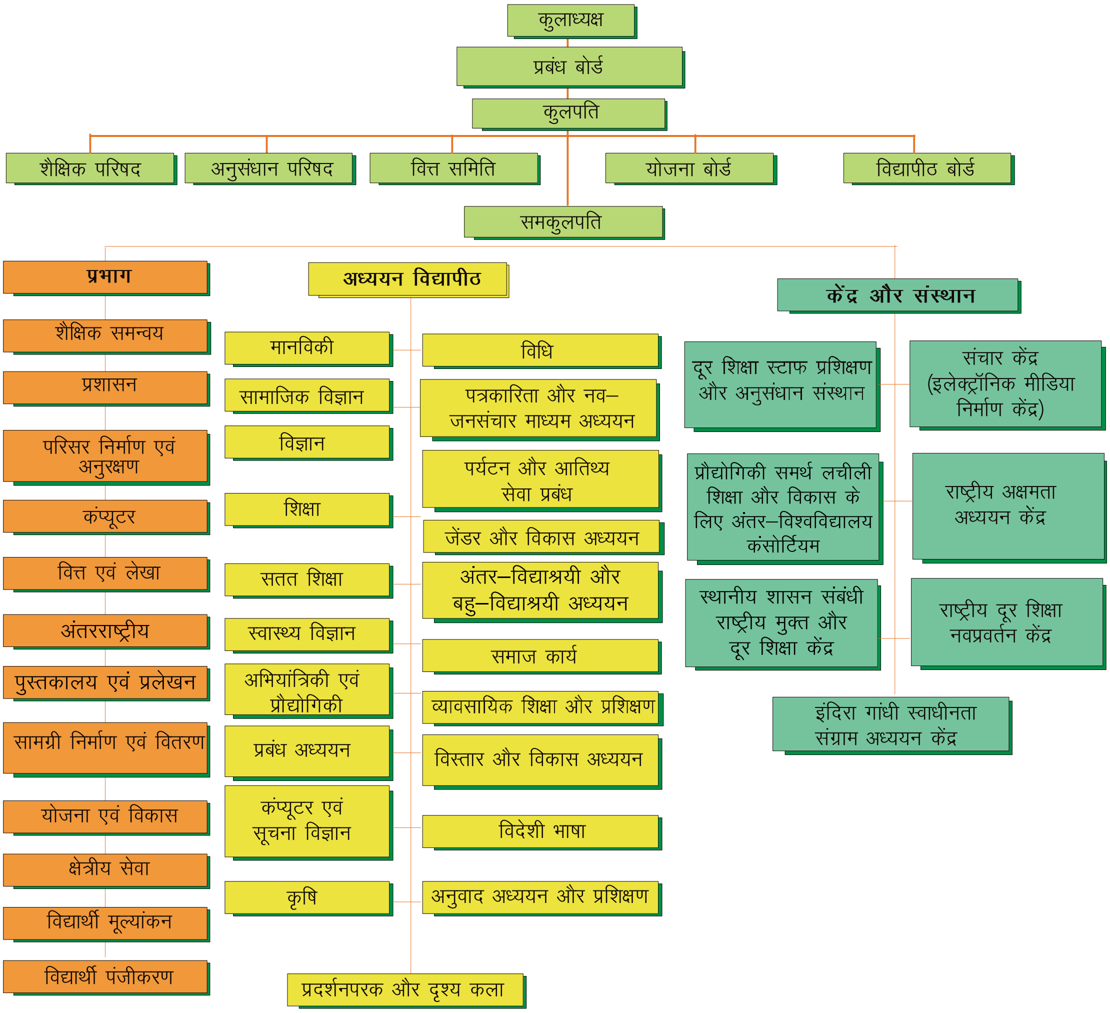
कुलाध्यक्ष
प्रबंध बोर्ड
कुलपति
शैक्षिक परिषद
अनुसंधान परिषद
वित्त समिति
योजना बोर्ड
विद्यापीठ बोर्ड
समकुलपति
प्रभाग
शैक्षिक समन्वय
प्रशासन
परिसर निर्माण एवं अनुरक्षण
कंप्यूटर
वित्त एवं लेखा
अंतरराष्ट्रीय
पुस्तकालय एवं प्रलेखन
सामग्री निर्माण एवं वितरण
योजना एवं विकास
क्षेत्रीय सेवा
विद्यार्थी मूल्यांकन
विद्यार्थी पंजीकरण
अध्ययन विद्यापीठ
मानविकी
सामाजिक विज्ञान
विज्ञान
शिक्षा
सतत शिक्षा
स्वास्थ्य विज्ञान
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
प्रबंध अध्ययन
कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान
कृषि
विधि
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध
जेंडर और विकास अध्ययन
अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन
समाज कार्य
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण
विस्तार और विकास अध्ययन
विदेशी भाषा
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला
केंद्र और संस्थान
दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान
संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्माण केंद्र)
प्रौद्योगिकी समर्थ लचीली शिक्षा और विकास के लिए अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम
राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र
स्थानीय शासन संबंधी राष्ट्रीय मुक्त और दूर शिक्षा केंद्र
राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र
इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र

bfnjk xk/kh jk"Vh; eDr fo'ofo|ky; dh lxBukRed ljpuk

विश्वविद्यालय के अधिकारी हैं – कुलपति, समकुलपति, विद्यापीठों/प्रभागों/केंद्रों/संस्थानों के निदेशक, कुलसचिव, वित्त अधिकारी और पुस्तकालयाध्यक्ष। कुलपति विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं और वे प्रबंध बोर्ड, शैक्षिक परिषद, योजना बोर्ड, अनुसंधान परिषद; और वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

'kSf{kd dk;ZØe

रिपोर्टाधीन अवधि में इग्नू 239 शैक्षिक, व्यावसायिक, रोज़गारमूलक, जागरूकता–सृजन करने वाले और कौशलमूलक अध्ययन कार्यक्रम चला रहा है। ये शैक्षिक कार्यक्रम सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल. और डॉक्टोरल उपाधि स्तर के हैं। लोगों और विशेष रूप से समाज के सुविधा–वंचित वर्गों के लोगों की विभिन्न शैक्षिक एवं रोज़गार संबंधी जरूरतों को पूरा करना इन कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र है। व्यावसायिक वृद्धि के लिए रोज़गाररत लोगों की सतत शिक्षा और प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इन शैक्षिक कार्यक्रमों का डिज़ाइन और विकास देश–भर के प्रसिद्ध विशेषज्ञों और इग्नू के शैक्षिक डिज़ाइनकारों तथा मीडिया विशेषज्ञों के सक्रिय सहयोग से संकाय–सदस्यों द्वारा किया जाता है। अपने विद्यार्थियों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री प्रदान करके विश्वविद्यालय देश में उच्च शिक्षा के मानकों को ऊँचा उठाने में सफल रहा है। विद्यार्थी–केंद्रिकता पर बल देने वाले इस विश्वविद्यालय ने ज्यादा लचीला शिक्षा परिवेश प्रदान करने के उद्देश्य से कई मॉड्यूलर कार्यक्रमों को भी शुरू किया।

जागरूकता/एप्रीसिएशन कार्यक्रमों के अलावा, अन्य सभी शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। सामान्यतः स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के लिए 64–72 क्रेडिट, स्नातक उपधि कार्यक्रम के लिए 96–124 क्रेडिट, डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 24–36 क्रेडिट और सर्टिफिकेट कार्यक्रम के लिए 12–18 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए अध्ययन समय के संदर्भ में, एक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के बराबर है। प्रत्येक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के बराबर है। अन्य शैक्षिक संस्थाओं से क्रेडिट छूट और क्रेडिट–अंतरण प्रदान करने के लिए भी एक नीति अपनाई गई है। मुक्त और दूर शिक्षा संस्थान होने के नाते इग्नू प्रवेश अर्हताओं, स्थान, गति और अध्ययन की अवधि में पर्याप्त लचीलापन प्रदान करता है। अध्ययन विद्यापीठों के सभी शैक्षिक विषयों में शोध के साथ–साथ मुक्त एवं दूर शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थित अनुसंधान इग्नू का प्रमुख उद्देश्य है। विद्यार्थी, विभिन्न विषयों में पी–एच.डी. और एम. फिल. कार्यक्रमों में अध्ययन कर रहे है। रिपोर्टाधीन अवधि में विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों में 69 शोधार्थियों को एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि कार्यक्रमों में दाखिला दिया गया। रिपोर्टाधीन अवधि में विभिन्न विषयों में 130 शोधार्थियों को एम.फिल./पीएच.डी. (120 पीएच.डी. और 10 एम.फिल.) उपाधियाँ प्रदान की गईं। प्रशिक्षण, अनुसंधान और शैक्षिक संवृद्धि के लिए बाह्य वित्त–पोषित परियोजनाओं के अलावा, शैक्षिक कार्यक्रमों के डिज़ाइन, विकास और वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न संगठनों से सहयोग किया है। इन संगठनों में कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू. आई.पी.ओ.), केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.), भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय, राज्य सरकारें, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.), प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया), नोएडा स्थित दि इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), बंबई आदि संगठन शामिल हैं।

vksiu ,.M fMLVsal yfuZax % vipsa;fuVht+ ,.M fjLikWfUlfcfyVht+ fo"k; ij Jh eqdqy dkfuVdj ds 0;k[;ku ds lkFk 19 uoacj 2017 dks fo'ofo|ky; ds 32osa LFkkiuk fnol lekjksg dk vk;kstu

शिक्षण प्रणाली

विश्वविद्यालय मल्टीमीडिया शिक्षण प्रणाली के माध्यम से अपने शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। इनमें स्व–शिक्षण मुद्रित सामग्री, दृश्य–श्रव्य सामग्री, रूबरू परामर्श, रेडियो, टेलीविजन, अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श, प्रयोगशाला और व्यावहारिक अनुभव, वेबकॉन्फ्रेंसिंग, अंतःक्रियात्मक मल्टी–मीडिया, सीडी–रोम और इंटरनेट आधारित अध्ययन के साथ–साथ तुरंत संदेश के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल शामिल हैं। विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, नर्सिंग, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी आदि जैसे विषय–क्षेत्रों में गहन प्रायोगिक कक्षाओं/प्रायोगिक अध्यापन के लिए कुछ चुनिंदा अध्ययन केंद्रों/कार्यक्रम केंद्रों की व्यवस्था की गई है। मुद्रित अध्ययन सामग्री और अध्ययन केंद्र सहायता जैसे दूर शिक्षा के परंपरागत वितरण तरीकों को अंतःक्रियात्मक रेडियो, टेलीविजन पर नियमित अंतराल में परामर्श, अंतःक्रियात्मक मल्टीमीडिया विषय–वस्तु, वेब–आधारित कॉन्फ्रेंस और डिजिटल विषय–वस्तु के साथ–साथ सी.डी./वेब सुविधा के माध्यम से पुष्ट किया जा रहा है। शैक्षिक प्रणाली का डिज़ाइन तथा अध्यापकों एवं काउंसिलरों के क्षमता निर्माण को विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठ, प्रभाग, संस्थान और केंद्र आगे बढ़ाते हैं।

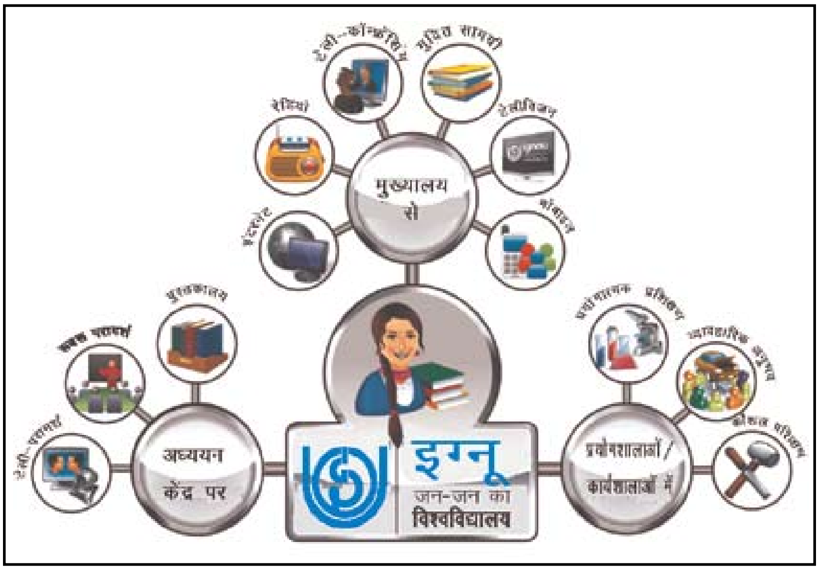

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षण प्रणाली

विद्यार्थी सहायता सेवाएँ

इग्नू ग्रामीण, शहरी, जनजातीय क्षेत्रों, शारीरिक रूप से विकलांगों, सामाजिक रूप से हाशिए के लोगों, सैक्स वर्करों, कैदियों; सरकारी और ग़ैर–सरकारी क्षेत्रों के कार्मिकों; नियोक्ताओं, संगठित और असंगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों; सशस्त्र सेनाओं और अर्ध–सैनिक बलों के कार्मिकों; अभिभावकों एवं गृहणियों आदि को शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के पास क्षेत्रीय केंद्रों तथा विद्यार्थी सहायता केंद्रों का राष्ट्रीय स्तर का विद्यार्थी सहायता नेटवर्क है। यह नेटवर्क क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के दिशा–निर्देश में काम करता है। गहरी जड़ें जमाए अपने इस विद्यार्थी सहायता सेवा नेटवर्क के जरिए इग्नू, देश के दूरदराज और हाशिए के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक लोगों तक पहुँचने में सक्षम है। विद्यार्थियों और अन्य सहभागियों को विषय–विशेष आधारित शैक्षिक परामर्श, श्रव्य/दृश्य कार्यक्रमों को सुनना/देखना, पुस्तकालय सुविधाएँ, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग, वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग, मल्टीमीडिया सहायता, कंप्यूटर की उपलब्धता, प्रयोगशाला कार्य और अन्य अभ्यास कार्य जैसी कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। विश्वविद्यालय महिलाओं, अल्पसंख्यक समुदायों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सुविधा–वंचित समूहों, कैदियों, पूर्वोत्तर क्षेत्र, और देश के जनजातीय क्षेत्रों तथा कम साक्षरता वाले क्षेत्रों की ओर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। पूरे देश में पहचान किए गए इन क्षेत्रों में विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्र खोले हैं। विशेष अध्ययन केंद्रों से संबंधित विवरण 'विद्यार्थी सहायता सेवाएँ' शीर्षक अध्याय–IV में दिया गया है।

शैक्षिक ज़रूरतों के आधार पर अपने विद्यार्थियों को कार्य–अनुभव, प्रैक्टिकल और व्यावहारिक प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय, बाहरी अभिकरणों के साथ सहयोग कर रहा है। विद्यार्थियों को सीधे सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले अन्य एकक/प्रभाग/केंद्र हैं – विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग और संचार केंद्र।

प्रशासन और वित्त

प्रशासन प्रभाग, विश्वविद्यालय का सामान्य प्रशासन संचालित करता है। यह प्रभाग, विश्वविद्यालय की सभी विद्यापीठों, प्रभागों, केंद्रों और अन्य एककों को प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराता है। इस प्रभाग की कार्य–प्रणाली से संबंधित विवरण, इस रिपोर्ट के 'गवर्नेंस, संसाधन और आधारभूत संरचना' शीर्षक अध्याय–VI में दिया गया है।

विश्वविद्यालय के वित्त की देख–रेख वित्त एवं लेखा प्रभाग द्वारा की जाती है। यह प्रभाग, विश्वविद्यालय की ओर से राजस्व प्राप्तियों को एकत्रित करने तथा व्यय करने का कार्य करता है। यह प्रभाग, वित्त समिति के दिशा–निर्देश में बजट अनुमान तैयार करना, प्राप्तियाँ और व्यय की समीक्षा, वित्तीय निवेश तथा विश्वविद्यालय के वित्त संबंधी सभी दायित्व निभाता है। वित्त और लेखा संबंधी विवरण भी अध्याय–VI में ही शामिल किए गए हैं।

उद्यम संसाधन नियोजन

विश्वविद्यालय के सभी संचालनों को कंप्यूटरीकृत करने के प्रयास में विभिन्न गतिविधियों को स्वचालित और एकीकृत किया गया है। बैक ऑफिस इंटीग्रेटिड ऑटोमेशन के लिए पीपुल्स सॉफ्ट ई.आर.पी. मॉड्यूलों को कार्यान्वित किया गया है। बैक ऑफिस ऑटोमेशन के अंतर्गत वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन, वेतन पत्रांक, प्रशासन और केंद्रीय पुस्तकालय आते हैं।

26 जनवरी 2018 को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

अध्याय–II
शैक्षिक गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से अध्ययन विद्यापीठों के जरिए संपन्न की जाती हैं। विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों की अनुसंधान संबंधी गतिविधियों का समन्वय 'अनुसंधान एकक' नामक एक अलग एकक के द्वारा किया जाता है। कुछ केंद्र, अनुसंधान सहित नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने, क्षमता निर्माण को मज़बूत करने और सहायक शैक्षिक गतिविधियों का कार्य भी करते हैं। इस अध्याय में रिपोर्टाधीन अवधि में अध्ययन विद्यापीठों, केंद्रों/संस्थान और अन्य नए शैक्षिक प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई है। विभिन्न विद्यापीठों द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी परिशिष्ट 3 में दी गई है। बाह्य वित्त–पोषण वाली अनुसंधान परियोजनाओं के साथ–साथ अध्ययन विद्यापीठों, दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड), केंद्रों और अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.) द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी परिशिष्ट 5 और 6 में अलग से दी गई है। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की संख्या के बारे में समेकित जानकारी इस अध्याय के अंत में तालिकाबद्ध रूप में और आरेख के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। इस अध्याय में विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों संबंधी जानकारी अध्ययन विद्यापीठ, केंद्र/संस्थान और अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ शीर्षक से तीन भागों में विभाजित करके प्रस्तुत की गई हैं।

v/;;u fo|kihB

इस समय विश्वविद्यालय में 21 अध्ययन विद्यापीठ हैं। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे सभी शैक्षिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के नियोजन, डिजाइन, विकास और समन्वय का उत्तरदायित्व इन विद्यापीठों पर है। प्रत्येक विद्यापीठ का एक स्कूल बोर्ड है जो विद्यापीठ विशेष के पाठ्यचर्या डिज़ाइन और विकास, अनुसंधान कार्य और अन्य प्रमुख कार्यकलापों जैसी शैक्षिक गतिविधियों की देखरेख करता है। शैक्षिक कार्यक्रमों, पात्रता, अवधि, अपेक्षित क्रेडिट और शिक्षा के माध्यम संबंधी जानकारी इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in और उसमें संबंधित विद्यापीठ के वेब–पृष्ठ पर उपलब्ध हैं।

ekufodh fo|kihB

अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करना और शुरू करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ में हिंदी, अंग्रेजी, असमिया, संस्कृत, बांग्ला, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी, ओड़िया,

स्मरण में है आज जीवन
रवीन्द्रनाथ टैगोर स्मृति व्याख्यान "मनुष्यता के स्वर"
वक्ता: प्रो. मुचकुंद दूबे
Remembering Gurudev
Rabindranath Tagore Memorial Lecture
"The Voice of Humanity"
Speaker: Prof. Muchkund Dubey
Date: 11th May 2017, Thursday
Time: 11:00 am

Xk#no johnukFk Vxkj dh Lefr e *fn ok;l vkQ g;efuVh* fo"k; ij 11 eb 2017 dk ik- epdn nc dk 0;k[;ku

पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, भोजपुरी और मैथिली के विषय शामिल हैं। विद्यापीठ हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पूर्व–स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रम/पाठ्यक्रम चला रहा है। हिंदी और अंग्रेजी विषयों में अनुसंधान कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विद्यापीठ ने भोजपुरी और मैथिली भाषाओं सहित 16 आधुनिक भारतीय भाषाओं में आधार पाठ्यक्रम भी डिज़ाइन और विकसित किए हैं। इसके अलावा, संकाय द्वारा विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री और अन्य प्रकाशनों का संपादन कार्य भी किया जा रहा है। विद्यापीठ का अनुवाद एकक अध्ययन सामग्री और अन्य प्रकाशनों का अनुवाद और पुनरीक्षण कार्य करता है। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने पाँच संगोष्ठियाँ/व्याख्यान आयोजित किए। (इनके विवरण परिशिष्ट–6 में दिए गए हैं।)

lkekftd foKku fo|kihB

सामाजिक विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम चलाना और अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के लिए निर्धारित किए गए विषय हैं – अर्थशास्त्र, इतिहास, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और नृविज्ञान। विद्यापीठ उसे सौंपे गए विषयों के क्षेत्रों में डॉक्टोरल, स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम चलाता है। इस समय, विद्यापीठ 31 शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है।

विद्यापीठ में दो केंद्र हैं :

d½ xk/kh vkj 'kkfr v/;;u dn ¼lh-th-ih-,l-½ संघर्ष में शांति निर्माण और संघर्षोत्तर समाजों में शांति निर्माण सहित शांति अध्ययन के सभी पक्षों में सृजनात्मक रूप से भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना इस केंद्र का उद्देश्य है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस केंद्र ने इस क्षेत्र में काम कर रहे जाने–माने भारतीय विद्वानों द्वारा विकसित यथार्थ शैक्षिक पाठ्यचर्या तैयार की है। इससे विद्यार्थियों को आलोचनात्मक चिंतन और विश्लेषणात्मक कौशल के साथ–साथ अनुसंधान के लिए वैकल्पिक प्रविधियाँ विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

[k½ bfnjk xk/kh Lok/khurk lxke v/;;u dæ ¼vkb-th-lh-,Q-,l-,l-½ यह केंद्र वर्ष 2008 में स्थापित किया गया। इस केंद्र में तीन अध्ययन पीठ हैं। ये हैं – (i) बहादुरशाह ज़फ़र, (ii) जर्नल शाह नवाज़खान, आई.एन.ए.; और (iii) शहीद करतार सिंह सराभा। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय इन अध्ययन पीठों का प्रायोजक है। इस केंद्र ने देशी समाचार पत्रों में राष्ट्रवादी कविताओं का संकलन किया है। केंद्र ने हिंदी, फारसी और उर्दू में काम शुरू किया है। केंद्र ने निम्नलिखित क्षेत्रों में संकलन कार्य करके अनुसंधान आयोजित किए :

1. 1857–58 के फारसी अभिलेख
2. उर्दू समाचार–पत्रों का राष्ट्रवादी काव्य
3. हिंदी समाचार–पत्रों का राष्ट्रवादी काव्य
4. करारबद्ध श्रमिकों के इतिहास पर भारतीय समाचार–पत्रों में प्रकाशित समाचार और रिपोर्टें
5. आई.एन.ए. और सुभाष चंद्र बोस पर केंद्रित काव्य

आधुनिक भारतीय इतिहास और विशेष तौर पर स्वाधीनता संग्राम संबंधी इतिहास के विद्वानों और शोधार्थियों की मदद के लिए इस संकलन को प्रकाशन के लिए तैयार किया गया है।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन और विकास अध्ययन पीठ है। डॉ. अंबेडकर के विचारों एवं चिंतन का प्रसार करना और संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, व्याख्यान, फिल्में आदि सहित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना इस अध्ययन पीठ का उद्देश्य है। अध्ययन पीठ से समानता पर आधारित समावेशी समाज के डॉ अंबेडकर के स्वप्न को पूरा करने की दिशा में प्रयास करने की अपेक्षा है।

foKku fo|kihB

विज्ञान और गणित के विभिन्न क्षेत्रों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और चलाने के साथ–साथ अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ में जैव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, भूविज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी और सांख्यिकी विषय हैं। विद्यापीठ द्वारा तैयार किए कुछ पाठ्यक्रम कुछ अन्य विद्यापीठों द्वारा चलाए जा रहे स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.ए. और बी.कॉम.), पर्यटन अध्ययन में स्नातक (बी.टी.एस.), कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बी.सी.ए.), पोस्ट बेसिक बी.एस–सी. (नर्सिंग), 'पर्यावरण अध्ययन में सर्टिफिकेट' (सी.ई.एस.), बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.पी.आर.), और स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम (बी.पी.पी.) जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के अनिवार्य घटक हैं।

f'k{kk fo|kihB

ज्ञान के साथ–साथ व्यावसायिक पेशे के एक क्षेत्र के रूप में शिक्षा संबंधी शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करना और शुरू करना एवं अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। रिपोर्टाधीन अवधि में पीएच.डी. पूर्व कोर्स वर्क तैयार किया गया। इसके अलावा, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान बी.एड. स्कूल में जोड़े गए (1) इनक्लूसिव स्कूल, और (2) जेंडर, स्कूल एंड सोसाइटी नामक दो पाठ्यक्रम संशोधित किए गए और बी.एड. की द्वितीय वर्ष की अध्ययन सामग्री शुरू की गई। 'विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली, (सी.बी.सी.एस.) के अनुसार, एम.ए. (शिक्षा) में विशेषीकरण के एक क्षेत्र के रूप में समावेशी शिक्षा पर तैयार पाठ्यक्रम तैयार किए गए और शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम को संशोधित किया गया। इग्नू और जम्मू–कश्मीर सरकार के बीच 4 जनवरी 2018 को एक सहयोग–पत्र (एम.ओ.सी.) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग–पत्र के अनुसार, इग्नू मुक्त और दूर शिक्षा माध्यम से दो वर्षीय शिक्षा स्नातक (बी.एड.) के द्वारा जम्मू–कश्मीर में सेकेंडरी स्तर पर सेवारत अप्रशिक्षित अध्यापकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देगा।

Ckh-,M- dk;Øe pykus ds fy, bXuw vkSj tEew&d'ehj ljdkj ds chp 4 tuojh 2018 dks lg;ksx&i= ¼,e-vks-lh-½ ij gLrk{kj

lrr f'k{kk fo|kihB

प्रत्येक व्यक्ति को जीवन–पर्यंत शिक्षा प्राप्त करने और उसे निरंतर अद्यतन करने के अवसर प्रदान करना विद्यापीठ का अधिदेश है ताकि व्यक्ति ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में और खास तौर से व्यावसायिक तथा रोज़गारमूलक क्षेत्रों में

हुई वृद्धि के साथ कदम से कदम मिला सकें। विद्यापीठ सतत विकास पर जोर दे रहा है जिसमें ग्रामीण गरीबी की स्थिति में सुधार के साथ–साथ महिलाओं और बच्चों का सशक्तीकरण भी शामिल है। इस विद्यापीठ में ग्राम विकास, पोषण विज्ञान, बाल विकास एवं गृह विज्ञान विषय शामिल हैं।

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

रोज़गार और सतत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी विभिन्न विषयों/शाखाओं में शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और चलाने के साथ–साथ अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने उद्योगों, प्रशिक्षण, व्यावसायिक और शैक्षिक संस्थाओं के साथ सहयोग में शिक्षा और प्रशिक्षण परियोजनाएँ की हैं। इंटरनेशनल सोलर एलायंस से प्राप्त अनुरोध के आधार पर विद्यापीठ रिपोर्टाधीन अवधि में सौर ऊर्जा और उसके अनुप्रयोगों से संबंधित जागरूकता/सर्टिफिकेट कार्यक्रम तैयार करने का काम कर रहा था।

इग्नू–हीरो मोटरसाइकिल तकनीशियन व्यावसायिक योग्यता परियोजना (इग्नू–एम.टी.वी.क्यू.पी.), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (एच.एम.सी.एल.) का सहयोगात्मक प्रयास है। देश के वर्तमान मोटर तकनीशियनों और शिक्षित किंतु नौसिखिए विद्यार्थियों को मोटरसाइकिल रिपयेरिंग और सर्विंग में कौशल एवं क्षमता विकसित करने के लिए संरचित प्रशिक्षण तथा प्रमाणन कार्यक्रम तैयार करना इस सहयोगात्मक प्रयास का मुख्य उद्देश्य है। इस परियोजना के अंतर्गत जुलाई 2006 से मोटरसाइकिल सर्विस और रिपेयर (सी.एम.एस.आर.) नामक एक सर्टिफिकेट कार्यक्रम देश–भर में स्थित वर्तमान 40 कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों के जरिए चलाया जा रहा है। इस अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक देश के 14,300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और प्रमाण–पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। इस अध्ययन कार्यक्रम की उल्लेखनीय विशेषताओं में सूचना–संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग, संसाधनों का आदान–प्रदान, शिक्षा–कार्य संपर्क की स्थापना, क्षमता आधारित प्रशिक्षण और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर.) को पूरा करना जैसे आयाम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री के 'कौशल संपन्न भारत' के आह्वान और भारत सरकार के कौशल विकास प्रयासों के क्रम में इग्नू और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (पूर्व नाम – हीरो होंडा मोटर्स लिमिटेड) ने 30 सितंबर 2014 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता इग्नू–हीरो मोटरसाइकिल तकनीशियन व्यावसायिक योग्यता परियोजना (आई.एच.–एम.टी.वी.क्यू.पी.) के अंतर्गत मोटरसाइकिल सर्विस और रिपेयर के क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए किया गया था। इस समझौते को 6 दिसंबर 2017 को नवीकृत किया गया।

मोटरसाइकिल सर्विस और रिपेयर के क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (पूर्व नाम – हीरो होंडा मोटर्स लिमिटेड) के साथ समझौता–ज्ञापन का 6 दिसंबर 2017 को नवीकरण

çc/k v/;;u fo|kihB

नौकरी कर रहे व्यक्तियों को प्रबंध संबंधी शैक्षिक योग्यता प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराना विद्यापीठ का अधिदेश है ताकि वे अपने प्रबंधकीय कौशल और सामर्थ्य का उन्नयन कर सकें। विद्यापीठ, व्यावसायिक जगत और समाज में व्यापक रूप से हो रहे विकास के संदर्भ में शैक्षिक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम चला रहा है। विद्यापीठ विशिष्ट लक्ष्य समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए विभिन्न शीर्षस्थ संस्थाओं के साथ सहयोग भी करता है। विद्यापीठ, नौकरी कर रहे व्यक्तियों और व्यावसायिक विशेषज्ञों को प्रबंध संबंधी शैक्षिक योग्यता प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराता है ताकि वे प्रबंधकीय कौशल और सामर्थ्य का उन्नयन कर सकें और क्षेत्र विशेष संबंधी योग्यताएँ अर्जित कर सकें। विद्यापीठ में प्रबंध और वाणिज्य विषय हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने रिटेलिंग में डिप्लोमा कार्यक्रम को फिर से शुरू किया। 2017–18 के दौरान विद्यापीठ ने एम.बी.ए. के दो पाठ्यक्रमों को संशोधित किया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड (बी.एस.ई.आई.एल.) के साथ जी.एस.टी, पूँजी बाज़ार और म्यूचुअल फंड से संबंधित गैर–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम मिलकर शुरू करने के लिए 27 नवंबर 2017 को एक समझौता–ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विद्यापीठ ने एक व्याख्यान आयोजित किया। (इसका विवरण परिशिष्ट–6 में दिया गया है।)

LokLF; foKku fo|kihB

चिकित्सा, नर्सिंग और परा–चिकित्सा कार्मिकों के लिए दूर एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली से शैक्षिक अवसरों में वृद्धि करना विद्यापीठ का अधिदेश है। स्वास्थ्य से संबंधित व्यावसायिक–विशेषज्ञों की विविध श्रेणियों के लिए डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तर के शैक्षिक कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनका विकास करना और उन्हें शुरू करना इस विद्यापीठ की मुख्य गतिविधि है। इसके अलावा, आम लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर शोध करना भी इस विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधियों में शामिल है।

विद्यापीठ ने शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास और प्रसार के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, तथा नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन (एन.बी.ई.) जैसे कई राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सहयोग किया है। विद्यापीठ ने माता और बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एच.आई.वी. चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों को संशोधित किया। इसके अलावा, विद्यापीठ ने स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में सर्टिफिकेट को संशोधित किया तथा उसके लिए नवीन अध्यापन विकसित किया। इसमें यथार्थता को क्यू.आर. कोड के रूप में जोड़ा गया। इसके अलावा, वेब पोर्टल पर अंतःक्रियात्मक शिक्षा सहायता जोड़ी गई और साथ ही आठ मल्टीमीडिया लर्नलैट भी जोड़े गए। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ, नर्सिंग में पोस्ट बेसिक बी.एससी. और दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों को संशोधित करने की प्रक्रिया में संलग्न रहा। विद्यापीठ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य दिवस के विषय 'डिप्रेसिंग : लैट्स टॉक' विषय पर अवसर पर 7 अप्रैल 2017 को व्याख्यान आयोजित किया। इसके अलावा विद्यापीठ ने 6 सितंबर 2017 को स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया और स्वास्थ्य शिविर लगाया।

dI;Vj vkj lpuk foKku fo|kihB

कंप्यूटर और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने इस चुनौती को स्वीकार किया कि कंप्यूटर शिक्षा न केवल मुक्त और दूर शिक्षा माध्यम से संभव है बल्कि प्राथमिकता भी दिए जाने योग्य है। विद्यापीठ, विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करता है और नवप्रवर्तनकारी बहु मीडिया अध्ययन/अध्यापन पैकेजों के द्वारा विभिन्न प्रकार के विद्यार्थियों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करता है। विद्यापीठ, कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.) के साथ हस्ताक्षर किए गए करार के अंतर्गत आई.सी.टी. कौशल में पाठ्यक्रमों को डिज़ाइन करने संबंधी कार्य भी कर रहा था। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने डाटाबेस और कंटेंट ऑर्गेनाइज़ेशन पर 'मूक' शुरू किया।

—f"k fo|kihB

संसाधनों के सुरक्षित एवं सतत उपयोग और पोषणात्मक खाद्य उत्पादन/सुरक्षा के लिए कृषि में शिक्षा और ज्ञान प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करना कृषि विद्यापीठ का अधिदेश है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नीतियों के साथ–साथ बाज़ार की जरूरतों के संदर्भ में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के लिए किसानों और ग्रामीण युवाओं के कृषि संबंधी ज्ञान, कौशल और उद्यमशीलता क्षमताओं में सुधार करना विद्यापीठ का विज़न है। विद्यापीठ सक्षमता–आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन तथा कम होती जा रही उत्पादकता जैसे कृषि संबंधी उभरते मुद्दों पर लाभार्थियों की क्षमता का विकास करना चाहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादकता और मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और उसे बनाए रखने के लिए शैक्षिक और विस्तार संबंधी कार्य करने के उद्देश्य से विद्यापीठ द्वारा शैक्षिक और विस्तार गतिविधियाँ की गईं। विद्यापीठ, भारत सरकार के प्रयास 'स्वयंप्रभा' परियोजना के अंतर्गत डी.टी.एच. चैनलों में से कृषि (व्यावसायिक) और संबंधित विज्ञान के एक चैनल का समन्वयन कर रहा है। विद्यापीठ ने खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला की स्थापना की है। इस प्रयोगशाला का वित्त–पोषण भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने किया है। इस प्रयोगशाला की स्थापना से विद्यार्थियों तथा अन्य प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

Hkkjr ljdkj ds [kk| izlaLdj.k m|ksx ea=ky; dh ekuuh; ea=h Jherh gjflejr dkSj cknY }kjk 13 flrEcj 2017 dks [kk| izlaLdj.k iz;ksx'kkyk dk mn?kkVu

विद्यापीठ ने 'डेवलपमेंट एंड डिलिवरी ऑफ ई–लर्निंग मैटीरियल्स इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' विषय पर मॉडल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के विस्तार निदेशालय ने प्रायोजित किया था। इसमें विभिन्न राज्यों के कृषि विभागों के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रिपोर्टाधीन अवधि में, विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई.) और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इग्नू, एफ.एस.एस.ए.आई. की क्षमता निर्माण गतिविधियों में प्रशिक्षण साझेदार के रूप में काम करेगा। विद्यापीठ ने 29 अक्तूबर से 26 नवंबर 2017 के दौरान फलों और सब्ज़ियों से मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, विद्यापीठ ने इस दौरान खाद्य सुरक्षा पर एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया। विद्यापीठ ने डिप्लोमा स्तर पर बारह पाठ्यक्रमों को संशोधित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ और इग्नू के गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र ने गुवाहाटी में एक दिन का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

fof/k fo|kihB

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से ज्ञान और पेशेवर प्रैक्टिस के क्षेत्र के रूप में विधि विषय में शिक्षा और अनुसंधान करना विद्यापीठ का अधिदेश है। उभरती विश्व व्यवस्था में विधिक अधिकारों और उत्तरदायित्वों के बारे में नवप्रवर्तनकारी, मल्टी–मीडिया शिक्षण पैकेजों के जरिए जागरूकता पैदा करना विद्यापीठ का उद्‌देश्य है। विद्यापीठ ने परा–लीगल शिक्षा, न्यायालय प्रशासन, विधि और कार्यालय प्रबंधन, विधिक सहायता प्रशासन, सरकारी तथा उद्योग जगत में मध्यम और उच्च स्तरों पर काम करने वालों के लिए व्यवसाय–आधारित और प्रबंधोन्मुखी विधि शिक्षा में कार्यक्रमों के विकास पर ज़ोर दिया है।

जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ और विधि विद्यापीठ मिलकर विधि में जेंडर में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने उपभोक्ता संरक्षण में सर्टिफिकेट स्तर के पाँच कार्यक्रमों को संशोधित करने का काम भी किया। नए शैक्षिक कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने के साथ–साथ मानवाधिकार संबंधी कार्यक्रमों को संशोधित और अद्यतन करने के लिए विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी.) के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए। इसके अलावा, रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने मानवाधिकार पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

28 tqykbZ 2017 dks vk;ksftr jk"Vªh; laxks"Bh esa eq[; vfrfFk ds :Ik esa vk/kkj O;k[;ku nsrs gq, Hkkjr ds mPpre U;k;ky; ds U;k;k/kh'k ekuuh; U;k;efrZ Jh nhid feJ

g;weu jkbV~l bu fn bafM;u iliZisfDVo % dalUlZ ,.M izhvksfjVht fo"k; ij 28 tqykbZ 2017 dks vk;ksftr jk"Vªh; laxks"Bh

i=dkfjrk vkj uo&tulpkj ek/;e v/;;u fo|kihB

मीडिया क्रांति के परिणामस्वरूप सामान्य रूप से मीडिया का और विशेष रूप से समाचार उद्योग का अत्यधिक प्रसार हुआ है। इस मीडिया क्रांति का मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शिक्षा और प्रशिक्षण में सार्थक उपयोग करना विद्यापीठ का अधिदेश है। समाज के बड़े वर्ग तक पहुँचने के लिए पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम, संचार के सशक्त साधनों के रूप में उभर रहे हैं। मीडिया क्रांति ने अत्यधिक व्यावसायिक अवसर खोले हैं। इसी के कारण उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान में प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत सामने आई है। विद्यापीठ, पत्रकारिता और नव–जनसंचार के विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यबल की अलग अलग प्रकार की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है।

tMj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

'महिलाएँ और जेंडर अध्ययन' तथा 'जेंडर और विकास अध्ययन' के क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान के जरिए जेंडर समता एवं न्याय प्राप्त करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ जेंडर असमानता के मुद्दे पर विचार करता है। महिलाओं को सशक्त बनाने और जेंडर संबंधी मुद्दों की अपेक्षाकृत गहन अवधारणात्मक समझ को बढ़ावा देने वाले व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों को सुदृढ़ करना इसका उद्देश्य है। विद्यापीठ अनुसंधान आयोजित करने; समुचित शोध प्रविधि तैयार करने; और दो मुख्य क्षेत्रों ('जेंडर और विकास' तथा 'महिलाएँ और जेंडर अध्ययन') में प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने एवं उन्हें लागू करने संबंधी कार्य कर रहा है। विद्यापीठ के अन्य प्रमुख केंद्रित विषय हैं – विधि, विज्ञान, कृषि, साहित्य और संस्कृति आदि ज्ञान क्षेत्रों में जेंडर समानता के मुद्दे पर विचार करना। विद्यार्थियों और विशेष तौर पर सीमित नामांकन वाले क्षेत्रों के विद्यार्थियों की परामर्श सहायता संबंधी जरूरतों को पूरा करने के अलावा विद्यापीठ ने वेब–आधारित सहायता भी उपलब्ध कराई। विश्वविद्यालय के स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) में शामिल करने के लिए विद्यापीठ ने 'जेंडर संसेटाइज़ेशन : सोसाइटी, कल्चर एंड चेंज' विषयक ऐच्छिक पाठ्यक्रम शुरू किया। विद्यापीठ ने महिला सशक्तीकरण और विकास संबंधी डिप्लोमा कार्यक्रम को संशोधित किया।

विद्यापीठ ने 21 अगस्त 2017 को 'मेमोरीज़ इन मार्च' शीर्षक फिल्म की स्क्रीनिंग की और 'विंग्स' (वूमैंस एंड जेंडर रिसोर्स स्पेस) के अंतर्गत 'लव एंड माउर्निंग' विषय पर वार्ता आयोजित की। विद्यापीठ ने 'मी टू कैम्पेन कैन चेंज रिएलिटी' विषय पर परिचर्चा आयोजित करके 8 मार्च 2018 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। विद्यापीठ ने रिपोर्टाधीन अवधि में एक व्याख्यान और पाँच दिन की अनुसंधान कार्यशाला भी आयोजित की (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

8 ekp 2018 dk vrjjk"Vh; efgyk fnol lekjkg dk vk;ktu

i;Vu vkj vkfrF; lok çc/k fo|kihB

पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्रों में प्रशिक्षण और शिक्षा के जरिए बढ़ती संभावनाएँ तलाशना विद्यापीठ का अधिदेश है। इन क्षेत्रों ने देश के आर्थिक परिदृश्य को बड़ी प्रेरणा दी है। पाठ्यक्रमों को तैयार करने तथा उनके प्रस्तुतीकरण की शैली में क्षेत्रीय विविधताओं के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में विकास को शामिल करना विद्यापीठ के शैक्षिक कार्यक्रमों की खास तौर पर उल्लेखनीय विशेषता है। ये दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले और शैक्षिक दृष्टि से वंचित विद्यार्थियों तक को उपलब्ध हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने होटल संचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, हाउसकीपिंग संचालन में सर्टिफिकेट, फूड वेबरेज संचालन में सर्टिफिकेट, और फ्रंट ऑफिस संचालन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम शुरू किए। ये शैक्षिक कार्यक्रम, इग्नू के भोपाल स्थित क्षेत्रीय केंद्र पर शुरू किए गए। विद्यापीठ ने 'यात्रा वृत्तांतों में भारतीय संस्कृति' विषय पर 22 फरवरी 2018 को एक व्याख्यान आयोजित किया (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

vrj&fo|kJ;h vkj cgfo|kJ;h v/;;u fo|kihB

सामाजिक नृविज्ञान, श्रम और विकास, पर्यावरणी अध्ययन, सतत विकास, भाषा और भाषाविज्ञान; तथा शांति और संघर्ष आदि के अध्ययन को समर्पित नवप्रवर्तनकारी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम शुरू करके परंपरागत एवं उभरते हुए विषय–क्षेत्रों के भीतर और बाहर शैक्षिक अध्ययन एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने लोकतत्व और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों को बढ़ावा भी दिया है। विद्यापीठ ने पीएच.डी. (पर्यावरण विज्ञान), सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, और मूक्स पर जैव–विविधता के सतत प्रबंध संबंधी कार्यक्रम शुरू किए। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने तीन संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। इनके विवरण परिशिष्ट–6 में दिए गए हैं। विद्यापीठ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग से विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न संसाधनों का उपयोग करते हुए अनुसंधान को भी बढ़ावा दे रहा है। (इनके विवरण परिशिष्ट–5 में दिए गए हैं।)

lekt dk;l fo|kihB

आजीवन शिक्षण और विशेष तौर पर समाज कार्य तथा सामाजिक अंतःक्षेप से संबंधित क्षेत्रों में शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ ने समाज कार्य, एच.आई.वी./एड्स, परामर्श, परिवार अध्ययन और जनजातीय अध्ययन जैसे कुछ चुनिंदा विचारणीय क्षेत्रों पर ध्यान दिया है। यह विद्यापीठ इन क्षेत्रों में ओ.डी.एल. के माध्यम से ऐसे कार्यक्रम चला रहा है जिनसे सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उपाधि प्राप्त होते हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया। इसके अलावा विद्यापीठ ने समाज कार्य में एम.ए. (एम.एस.डब्ल्यू.), एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्री को संशोधित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने एक सम्मेलन आयोजित किया (इसका विवरण परिशिष्ट 6 में दिया गया है)।

0;kolkf;d f'k{kk vkj çf'k{k.k fo|kihB

इग्नू देश के दूरदराज के हिस्सों में रहने वालों तक शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराने संबंधी अपने मूलभूत उद्देश्य को प्राप्त करने के बाद अब सतत समाज की दिशा में आगे बढ़ रहा है। व्यावसायिक शिक्षा, देश के ग्रामीण और अर्ध–ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को रोज़गार की अपेक्षाकृत नई एवं आशाजनक सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उनके उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से आय सृजन के ये नए अवसर व्यक्तियों के कौशल विकास में मदद के साथ–साथ पूरे परिवार के रहन–सहन के स्तर को ऊँचा उठाने में सहायता उपलब्ध कराते हैं। इस प्रकार विद्यापीठ साक्षर और आत्मनिर्भर समाज विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इन उद्देश्यों के साथ तालमेल करते हुए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ ने बाज़ार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे ये कार्यक्रम ज्ञान का संवर्धन करने के साथ–साथ कौशल विकास संभावनाएँ उपलब्ध कराते हैं। साथ ही ये कार्यक्रम व्यक्ति को बाजार में रोज़गार सुविधाएँ प्राप्त करने योग्य बनाने में मदद करते हैं। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सामाजिक तथा औद्योगिक जरूरतों की पहचान के लिए अनुसंधान भी विद्यापीठ की प्राथमिकता का अन्य क्षेत्र है। विद्यापीठ बी. वोक. कार्यक्रम तैयार कर रहा है।

विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ

विस्तार शिक्षा, विकास अध्ययन, आजीविका शिक्षा; और सशक्तीकरण अध्ययन संबंधी विद्यापीठ के चार प्रमुख क्षेत्रों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल उपाधि प्रदान करने वाले विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करके विस्तार और विकास के विभिन्न पक्षों में गुणवत्ता और प्रशिक्षण प्रदान करना इस विद्यापीठ का अधिदेश है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विद्यापीठ ने एम.ए. स्तर के एक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर के दो शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने पर काम किया।

विदेशी भाषा विद्यापीठ

विदेशी भाषाओं के शिक्षण के लिए मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से नवप्रवर्तनकारी, लचीले और लागत–प्रभावी शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करके विदेशों के साथ संप्रेषण को बढ़ावा देना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ जहाँ एक ओर विद्यार्थियों द्वारा चयनित भाषा/भाषाओं में संप्रेषण कौशल विकसित करना चाहता है, वहीं साथ ही, दूसरी ओर विभिन्न भाषिक पृष्ठभूमि के लोगों की भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन के जरिए विद्यार्थियों में सांस्कृतिक समझ और अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण विकसित करना चाहता है। अरबी और फ्रांसीसी भाषा, साहित्य और संस्कृति के ज्ञान को समझना और उसका विस्तार करने में योगदान देना अनुसंधान कार्यक्रमों का उद्देश्य है। विद्यापीठ इस समय अरबी, रूसी और फ्रांसीसी भाषाओं संबंधी शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। ये शैक्षिक कार्यक्रम, आज रोजगार के क्षेत्र में विद्यार्थियों को व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाते हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में विद्यापीठ ने दो प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित कीं (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ

अनुवाद के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना इस विद्यापीठ का अधिदेश है। अनुवाद सिद्धांत; अनुवाद की तुलनात्मक एशियाई और पश्चिमी परपंराएँ; अनुप्रयुक्त अनुवाद; अनुवाद और जनसंचार माध्यम; अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन तथा अनुवाद और भाषाविज्ञान जैसे क्षेत्र इसके प्रमुख शैक्षिक क्षेत्रों में शामिल हैं। इसके अलावा, अनुवाद के क्षेत्र में अपेक्षित मानव संसाधन तैयार करने के लिए विद्यापीठ नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विद्यापीठ ने कला, साहित्य और सांस्कृतिक कार्यो पर चर्चा के लिए 'उत्था' नामक गृह साहित्यिक मंच शुरू किया। युवाओं और प्रतिष्ठित कलाकारों और लेखकों को अपने विचारों के आदान–प्रदान के लिए यह एक मंच उपलब्ध कराता है। विद्यापीठ ने शोधार्थियों और संकाय के लिए विशेष व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। इस श्रृंखला के अंतर्गत विद्यापीठ ने रिपोर्टाधीन अवधि में तीन व्याख्यान आयोजित किए (विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं)।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (एन.सी.पी.एस.एल.) द्वारा प्रायोजित सिंधी अध्ययन पीठ, विद्यापीठ में है। विद्यापीठ ने 23 मार्च 2018 को एक व्याख्यान आयोजित किया। इसके अलावा, अध्ययन पीठ की गतिविधियों के रूप में रिपोर्टाधीन अवधि में 'विभाजन संबंधी सिंधी की कहानियों के हिंदी अनुवाद' के प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू की गई।

प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ

विभिन्न प्रकार के कला–रूप, प्रत्येक मनुष्य के विकास का अभिन्न अंग हैं। इनका संबंध विभिन्न प्रकार की

गतिविधियों और अभिव्यक्ति के तरीकों से सृजनात्मकता को विकसित करने से है। प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ, प्रदर्शनपरक और दृश्य कला के विभिन्न विषयों में शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास और वितरण में अग्रणी भूमिका के लिए प्रयास कर रहा है। संगीत, नृत्य, रंगमंच और दृश्य कला के क्षेत्रों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल उपाधि के शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने और शुरू करने के साथ–साथ इन क्षेत्रों में अनुसंधान आयोजित करना विद्यापीठ का अधिदेश है। विद्यापीठ कला और सौंदर्य शिक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकसित करने पर केंद्रित है।

dsæ

विश्वविद्यालय ने विशिष्ट अध्ययन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर बल देने के लिए कुछ केंद्रों की स्थापना की है। इनके विवरण निम्नलिखित भागों में दिए गए हैं :

jk"Vªh; nwj f'k{kk uoçorZu dsæ ¼,u-lh-vkbZ-Mh-bZ-½

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तनों का संवर्धन, समर्थन, नया रूप देने तथा उनका प्रसार राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र का उद्‌देश्य है। यह केंद्र रिपोर्टें, ई–न्यूजलेटर, ब्लॉग्स और पुस्तिकाओं आदि विभिन्न माध्यमों के जरिए प्रलेखों को अभिलेखित करता है और ओ.डी.एल. में नवप्रवर्तनों का प्रसार करता है। विश्वविद्यालय ने दूर शिक्षा में नवप्रवर्तन के लिए वर्ष 2006 में स्वर्ण पदक प्रदान करना शुरू किया था। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के संकाय/अन्य स्टाफ को दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र (एन.सी.आई.डी.ई.) ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 'नवधारणा' के नाम से मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में नवप्रवर्तन संबंधी अंतःक्रियात्मक ऑनलाइन डाटाबेस डिज़ाइन और विकसित किया है। इसमें, हितधारकों के लिए एक सौ से अधिक नवप्रवर्तन और विचार शामिल किए गए। यह डाटाबेस http://navdharana.ignouonline.ac.in/navdharana/ पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच सृजनात्मकता, नवप्रवर्तनों और बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्‌देश्य से 'इनोवेट क्लब@इग्नू' स्थापित किया है। इनोवेशन क्लब के तत्वावधान में 12 दिसंबर 2017 को एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में प्रयोगशाला–आधारित कार्यक्रमों के मुद्‌दे के साथ–साथ और दूर–मुक्त शिक्षा कार्यक्रमों की मान्यता संबंधी व्यापक मुद्‌दे पर नीति निर्धारण के लिए आगत उपलब्ध कराने के लिए चर्चा की गई। साथ ही, इस वर्ष क्षेत्रीय केंद्रों पर इनोवेशन क्लब शुरू करना निश्चित किया गया। शिमला, अलीगढ़, नागपुर, तिरुवनंतपुरम, मदुरै और दिल्ली–3 क्षेत्रीय केंद्रों पर इनोवेशन क्लब स्थापित किए गए।

विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन की संस्कृति को बढ़ावा देना केंद्र का उद्‌देश्य है। इसके लिए केंद्र ने 'इनोवेट' नामक ई–न्यूज़लेटर शुरू किया। इनोवेशन इनक्यूबेटर के रूप में यह केंद्र इग्नू की विभिन्न विद्यापीठों को शिक्षण के डिज़ाइन एवं वितरण में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के विचार से लेकर आदिप्ररूप विकसित करने तक की मदद करता है। रिपोर्टाधीन अवधि में 'इनोवेट' के पाँच अंक प्रकाशित किए गए।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान एकक के सहयोग से इस केंद्र ने 'शोधधारा' नामक नवीन ऑनलाइन अनुप्रयोग डिज़ाइन और विकसित किया है। 'शोधधारा' शोध कार्य में प्रगति, शोध पत्र प्रकाशन, शोध दस्तावेजों के कोषागार आदि के बारे में सूचना की प्रबंध–व्यवस्था करने और अद्यतन करने के प्रावधान के लिए तैयार किया गया है। इसमें पाँच मॉड्यूल हैं। ये हैं – प्रवेश मॉड्यूल, विद्यार्थी मॉड्यूल, शोध–निर्देषक मॉड्यूल, कार्यक्रम समन्वयक मॉड्यूल; और अनुसंधान मॉड्यूल। रिपोर्टाधीन अवधि में इन मॉड्यूलों को अनुसंधान एकक की सहायता से पुनःडिज़ाइन करने के साथ–साथ अद्यतन भी किया गया।

केंद्र देश–भर के दूर शिक्षा के विद्यार्थियों और विशेष तौर पर इग्नू के विद्यार्थियों के द्वारा नवप्रवर्तन को बढ़ावा दे रहा है। विद्यार्थियों द्वारा किए गए नवप्रवर्तनों की पहचान करने और उन्हें मान्यता देने हेतु उन्हें सहायता उपलब्ध कराने के लिए केंद्र ने आवश्यक कदम उठाए हैं। इग्नू विद्यार्थियों द्वारा किए गए नवप्रवर्तनों का पता लगाने, उन्हें मान्यता एवं सहायता देने के लिए एन.सी.आई.डी.ई. ने 'रिकॉग्नाइजिंग स्टूडेंट्स इनोवेशन' नामक योजना शुरू

की है। केंद्र ने इग्नू के शोधार्थियों के लिए अनुसंधान एकक के सहयोग से 'रिसर्च एंड इनोवेशन : दि रोड एहैड' विषय पर 19–27 मार्च 2018 के दौरान एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

One-day Seminar on
Innovative Ways of Offering Lab-based, Skill Development and Technical Programmes in the Context of the UGC Regulations on ODL 2017
December 12, 2017
National Centre for Innovation in Distance Education
Indira Gandhi National Open University

bukofVo o vkQ vkQfjx y c cLM ikxkEl fo"k; ij 12 fnlcj 2017 dk vk;kftr ,d fnu dh lxk"Bh

नवप्रवर्तनकारी अंतःक्षेपों की संभावनाओं के संदर्भ में ओ.डी.एल. प्रणाली में अंतरालों का पता लगाने के लिए एन.सी.आई.डी.ई. ने शोध अध्ययन आयोजित किया। नवप्रवर्तन के क्षेत्रों की पहचान करने और उनमें से ओ.डी.एल. प्रणााली के लिए सर्वोपयुक्त, लागत–प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और संभाव्य समाधान खोजने के लिए शोध अध्ययन भी किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि में केंद्र ने निम्नलिखित रिपोर्टें प्रकाशित कीं :

क) 'पर्सेपेशन ऑफ इनोवेशन : ए सर्वे ऑफ इग्नू लर्नर्स' संबंधी शोध अध्ययन रिपोर्ट

ख) 'क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन इन ओ.डी.एल.' पर सात–दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट

ग) इनोवेशन इन ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग : ए रिपोर्ट ऑफ दि 'गोल्ड मेडल 2015'

LFkkuh; 'kklu lc/kh jk"Vh; eDr vkj nj f'k{kk dæ ¼,u-vk-lh-,y-th-½

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए स्थानीय शासन संबंधी राष्ट्रीय मुक्त और दूर शिक्षा केंद्र (एन.ओ.सी.एल.जी.) की स्थापना की गई है। यह केंद्र उपयुक्त शैक्षिक एवं प्रशिक्षण हस्तक्षेप के माध्यम से संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण और कार्यनीति विकसित कर रहा है।

jk"Vh; fodykxrk v/;;u dæ ¼,u-lh-Mh-,l-½

अक्षम लोगों के हित में काम करने वाला समाज सृजित करने के लिए अक्षमता संबंधी विभिन्न क्षेत्रों में मानव संसाधन तैयार करना इस केंद्र का अधिदेश है। अक्षमता संबंधी अंतर–विद्याश्रयी अध्ययन को बढ़ावा देना भी इसका अधिदेश है। अक्षम लोगों को सशक्त बनाने के मार्ग में आने वाली बाधाएँ तोड़ना इस केंद्र का लक्ष्य है। यह केंद्र मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली के द्वारा अक्षमता अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान और विस्तार गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है और बढ़ावा देता है। सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के शैक्षिक सहयोग से एन.सी.डी.एस. विकलांगता अध्ययन में पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है।

केंद्र ने ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर वाले लोगों के प्रति सहायता करने की ओर प्रवृत्त करना तथा जागरूकता कार्यक्रम के लिए 6 अप्रैल 2017 को 'ऑटिज़्म दिवस' आयोजित किया। केंद्र ने नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनैंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर 24–25 अक्तूबर 2017 को 'वोकेशनल रिहैबिलिटेशन एंड इकोनॉमिक इनक्लूशन ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज' विषय पर दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में 22 राज्यों के 250 प्रतिभागियों और विषय–विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुज्जर ने मुख्य अतिथि और राज्यमंत्री श्री रामदास अठावले ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

okd'kuy fjgfcfyV'ku ,M bdkukfed buDy'ku vkQ ilUl fon fMlfcfyVht fo"k; ij
24 vDrcj 2017 dk vk;kftr jk"Vh; lEeyu dk mn?kkVu l=

एन.सी.डी.एस., इग्नू में हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय विकलांगजन दिवस आयोजित करता है। इस वर्ष केंद्र ने 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2017 के दौरान अनेक गतिविधियाँ भी आयोजित कीं। इन गतिविधियों में मुख्यालय में कार्यरत इग्नू स्टाफ के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, इग्नू के क्षेत्रीय केंद्रों पर कार्यरत सहित सभी कर्मचारियों के लिए स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की। 'पर्संस विद डिसेबिलिटीज़ : ए ह्यूमन रिसोर्स' विषय पर वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के संस्थापक–अध्यक्ष और स्कोर (SCORE) फाउंडेशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री जॉर्ज अब्राहम को 6 दिसंबर 2017 को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा, ज्ञान वाणी चैनल पर चार सीधे अंतःक्रियात्मक रेडियो कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सत्रों में विकलांगता के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित किया गया और उन्होंने चुनिंदा विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

6 fnlcj 2017 dk vrjjk"Vh; fodykxrk fnol dk vk;ktu

केंद्र ने 25 जनवरी 2018 को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया। इस अवसर पर, देहरादून स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि एम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सस विद विजुअल इम्पेयरमेंट में कार्यरत और अंधता विषय–क्षेत्र के प्रतिष्ठित दो विद्वानों – प्रो. एस.आर. मित्तल और श्री वीरेंद्र सिंह को आमंत्रित किया। इन विद्वानों के व्याख्यानों और प्रदर्शनों के आधार पर संचार केंद्र में साक्षात्कार रिकॉर्ड किए गए। 'ब्रेल' संबंधी कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया और इसे 1 मार्च 2018 को ज्ञान दर्शन पर प्रसारित किया गया। 'कंपाइलेशन ऑफ इंडियन रिसर्च एब्सट्रेक्ट्स इन डिसेबिलिटीज़ स्टडीज़' (भाग 2) और 'स्टडी ऑफ पॉपुलर एंड अनपॉपुलर प्रोग्राम्स ऑफ इग्नू अमंग लर्नर्स विद डिसेबिलिटीज़' शीर्षक दो अनुसंधान अध्ययनों पर कार्य प्रगति पर है।

दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान' (स्ट्राइड)

एक विषय के रूप में ओ.डी.एल. में अनुसंधान और विकास के साथ–साथ ओ.डी.एल. प्रणाली में काम करने वाले शैक्षिक सदस्यों और प्रशासनिक स्टाफ को प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालय ने 'दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान' (स्ट्राइड) की स्थापना की।

जर्मनी, बांग्लादेश और भारतीय विश्वविद्यालयों के भाग लेने वाले विद्यार्थियों के साथ 25 सितंबर 2017 को 'ओपन डिस्टेंस लर्निंग एंड इट्स रेलिवेंस फॉर लाइफलांग लर्निंग' विषय पर संगोष्ठी

विश्वविद्यालय मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में पद्धतिपरक अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्ध है। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), कनाडा की सहायता से इग्नू के दूर शिक्षा विभाग का 1993 में 'दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान' (स्ट्राइड) का दक्षिण एशियाई क्षेत्र में दूर शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की नोडल एजेंसी के रूप में उन्नयन किया गया। दूर और मुक्त शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़े स्टाफ के क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास, कार्यक्रम मूल्यांकन और प्रणाली विकास का दायित्व स्ट्राइड को सौंपा गया है। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने इग्नू के अध्यापकों, शिक्षक वर्ग, और शिक्षकेतर स्टाफ के लिए नौ कार्यशालाओं और प्रशिक्षण

कार्यक्रमों के साथ–साथ 21–दिनों का एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में स्ट्राइड ने तीन संकाय विकास कार्यक्रम, दो संगोष्ठियाँ और दो शैक्षिक दौरे आयोजित किए। इनके विवरण परिशिष्ट 6 में दिए गए हैं।

6&12 uocj 2017 d nkjku bXu ldk; d fy, ldk; fodkl dk;Øe

इस अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के संचार केंद्र के सहयोग से दूर शिक्षा, कौशल विकास, मुक्त विश्वविद्यालयों की भूमिका, शिक्षण कौशल, दूर शिक्षा में स्टाफ की भूमिका, जेंडर और ओपन बैज मुद्दे संबंधी विभिन्न विषयों पर दस वीडियो कार्यक्रम तैयार किए गए। इसके अलावा, ऑडियो कार्यक्रम तैयार किए गए। स्ट्राइड ने 'स्वयं' के अंतर्गत 'मूक' के रूप में 'डिज़ाइन एंड फैसिलिटेशन ऑफ ई–लर्निंग कोर्सिस' विषय पर चार क्रेडिट का एक ऑडियो कार्यक्रम भी तैयार किया।

vU; 'kf{kd xfrfof/k;k

वार्षिक रिपोर्ट का यह भाग विषय–विशेष केंद्रित अनुसंधान, शोध–पत्रिकाओं का प्रकाशन और चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों के समेकन पर केंद्रित है।

vul/kku mikf/k dk;Øe

अनुसंधान एकक इग्नू का मुख्य शैक्षिक स्कंध है। यह एकक, शैक्षिक परिषद और अनुसंधान परिषद के दिशा–निर्देश में विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रमों की प्रबंध व्यवस्था करता है। अनुसंधान एकक, अनुसंधान परिषद के समग्र दिशा–निर्देशन में काम करता है। अनुसंधान एकक द्वारा चलाए जा रहे शोध उपाधि कार्यक्रम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 'एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और क्रियाविधि' संबंधी समय–समय पर अधिसूचित विनियमों के अनुपालन में चलाए जाते हैं। ये अनुसंधान उपाधि कार्यक्रम 'इग्नू रेगुलेशन्स फॉर कंडक्टिंग रिसर्च डिग्री प्रोग्राम्स' विषयक इग्नू अनुसंधान अध्यादेश और समय–समय पर यू.जी.सी. विनियम के सामंजस्य के अनुसार यथासंशोधित प्रावधानों के अनुसार चलाए जाते हैं। विश्वविद्यालय ने शोध उपाधि कार्यक्रम पर इग्नू के अध्यादेश

में प्रावधान के अनुसार विद्यापीठ बोर्ड का उत्तरदायित्व निभाने संबंधी क्षेत्र समिति गठित की है।

अनुसंधान एकक आई.सी.एस.एस.आर, यू.जी.सी. और सी.एस.आई.आर. आदि जैसी विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करने के लिए इग्नू–शोधार्थियों को सेवाएँ भी प्रदान करता है। एकक, इग्नू से एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम करने के लिए शोधार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने संबंधी अध्येतावृत्ति आवेदन–पत्र उपलब्ध कराता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान लगभग 34 विद्यार्थी यू.जी.सी. जे.आर.एफ/एस.आर.एफ. ले रहे थे और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित दो शोधार्थी यू.जी.सी.–राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, तीन शोधार्थियों ने आई.सी.एस.एस.आर.–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति, और तीन शोधार्थियों ने आई.सी.एस.एस.आर.–पी.डी.एफ. अध्येतावृत्ति प्राप्त की।

उपर्युक्त के अलावा, विभिन्न विषयों में शोध उपाधि कार्यक्रम करने हेतु होनहार विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए विश्वविद्यालय ने इग्नू–अनुसंधान अध्येतावृत्ति (इग्नू–आर.एफ.) के व्यापक कार्य–क्षेत्र के अंतर्गत तीन अध्येतावृत्ति योजनाएँ शुरू की हैं। ये हैं – (i) पुरुष शोधार्थियों के लिए डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर अध्येतावृत्ति (ii) महिला शोधार्थियों के लिए सावित्री बाई फुले अध्येतावृत्ति; और (iii) भारतीय विरासत और डायस्पोरा में अनुसंधान के लिए वीर सावरकार अध्येतावृत्ति। वर्ष 2017–18 के दौरान, विभिन्न विषयों के 61 शोधार्थियों को इग्नू–आर.एफ. योजना के अंतर्गत अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया। विश्वविद्यालय ने जुलाई 2017 सत्र के लिए शोध उपाधि कार्यक्रमों में 69 शोधार्थियों को नामांकित किया। रिपोर्टाधीन अवधि में कुल 130 शोधार्थियों (120 पीएच.डी. और 10 एम.फिल.) ने अपने शोध उपाधि कार्यक्रम पूरे किए।

अनुसंधान एकक ने विश्वविद्यालय के एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रमों में जुलाई 2017 सत्र के लिए नामांकित विद्यार्थियों के लिए 3 जनवरी 2018 को परिचय कार्यक्रम आयोजित किया। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शोध उपाधि कार्यक्रम को शासित करने वाले विनियमों/दिशा–निर्देशों/विश्वविद्यालय नियमों के बारे में शोधार्थियों को जानकारी देना इस परिचय कार्यक्रम का उद्‌देश्य था। इस प्रकार के परिचय कार्यक्रम से शोधार्थियों को अपने अध्ययन कार्यक्रम से संबंधित प्रशासनिक और संचालनात्मक क्रियाविधियों के बारे में जानकारी दी गई। एकक ने एन.सी.आई.डी.ई. के सहयोग से अनुसंधान और नवप्रवर्तन संबंधी सात दिन की कार्यशाला आयोजित की। अनुसंधान के लिए अनिवार्य नवप्रवर्तनों और सृजनात्मकता के विभिन्न पक्षों के बारे में शोधार्थियों में जागरूकता पैदा करना और शोध प्रविधि का कौशल तथा आई.पी.आर. के ज्ञान जैसे मुद्‌दों के बारे में जानकारी देना इस कार्यशाला का उद्‌देश्य था।

इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग (आई.जे.ओ.एल.)

इग्नू वर्ष 1992 से 'इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग' (आई.जे.ओ.एल.) नामक एक संदर्भित/समीक्षायुक्त प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध–पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। यह पत्राचार और मल्टीमीडिया शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और संचार, स्वतंत्र और अनुभवजन्य शिक्षा और शिक्षा के अन्य नवीन रूपों सहित मुक्त और दूर शिक्षा के क्षेत्र में सिद्धांत, व्यवहार और अनुसंधान के बारे में सूचना प्रसारित करने वाली प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका है। इसके जरिए शोधार्थियों और विद्वानों को अपने लेखकीय योगदान प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। यह शोध पत्रिका विकासशील देशों के विशेष संदर्भ में ऊपर बताए गए विषय–क्षेत्रों पर बहस करने के लिए विश्व में शोधार्थियों को एक मंच भी प्रदान करती है। इस शोध पत्रिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान प्राप्त होता है, इसकी मांग है और जानकारी ग्रहण की जाती है। वर्ष 1992–1996 के दौरान यह शोध पत्रिका वर्ष में दो बार प्रकाशित होती थी और 1997 से यह वर्ष में तीन बार (जनवरी, मई और सितंबर) में प्रकाशित की जा रही है। इस शोध पत्रिका के अंक http://journal.ignouonline.ac.in/iojp/index.php/ijol.login पर भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

शैक्षिक कार्यक्रम – एक विश्लेषण

चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की संख्या के बारे में समेकित सूचना तालिका 2.1 और इस सूचना का आरेखीय निरूपण आरेख 2.1 में दिया गया है। विश्वविद्यालय 53 अनुसंधान, 35 स्नातकोत्तर और 13 स्नातक स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा स्तरों के 138 अल्पकालीन शैक्षिक कार्यक्रम भी चला रहा है। 'अन्य' के अंतर्गत उल्लिखित दस शैक्षिक कार्यक्रम सामाजिक मामलों की समझ को बढ़ावा देने के लिए बिना क्रेडिट वाले जागरूकता पाठ्यक्रम हैं।

तालिका 2.1 : शैक्षिक कार्यक्रमों की स्तरवार और विद्यापीठवार संख्या

विद्यापीठ	अनुसंधान	स्नातकोत्तर	स्नातक	डिप्लोमा	सर्टिफिकेट	अन्य	कुल
मानविकी विद्यापीठ	2	2	--	3	3	--	10
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	11	9	2	4	4	1	31
विज्ञान विद्यापीठ	11	1	1	4	3	1	21
शिक्षा विद्यापीठ	3	4	1	7	4	--	19
सतत शिक्षा विद्यापीठ	3	3	--	5	3	--	14
अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	--	--	--	--	3	1	4
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	3	6	4	3	2	--	18
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	1	--	1	8	5	1	16
कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	1	1	1	--	1	--	4
कृषि विद्यापीठ	2	--	--	8	7	3	20
विधि विद्यापीठ	1	--	--	3	7	--	11
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	1	--	--	2	1	--	4
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	2	2	--	2	--	--	6
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	1	2	2	3	4	--	12
अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी विद्यापीठ	2	1	--	2	--	1	6
समाज कार्य विद्यापीठ	2	2	1	3	2	--	10
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	1	--	--	3	2	--	6

fo|kihB	vu|l/kku	Lukrd dkŸkj	Lukrd	fMIykek	lfVfQdV	vU;	d|y
विस्तार शिक्षा और विकास अध्ययन विद्यापीठ	1	1	--	2	2	--	6
विदेशी भाषा विद्यापीठ	1	--	--	1	3	--	5
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	2	1	--	1	2	--	6
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	2	--	--	--	7	--	9
d|y	53	35	13	64	65	9*	239*

**इसमें कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम (जागरूकता कार्यक्रम) भी शामिल है।*

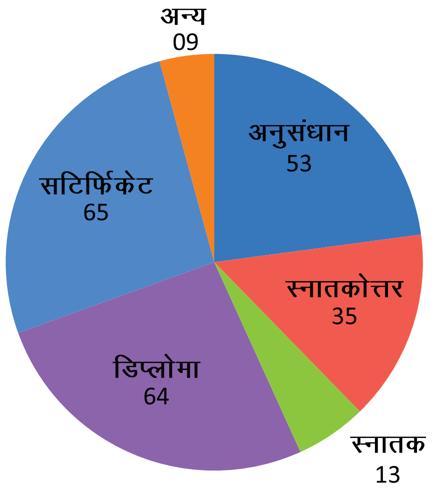

vkj[k 2-1 % 'kf{kd dk;Øek dh 2017&18 e Lrjokj l[;k

अध्याय-III
नामांकन और विद्यार्थी प्रोफाइल

वर्ष 2017–18 के दौरान, इग्नू के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में 10,72,578 विद्यार्थी नामांकित थे। इनमें से नए प्रवेश प्राप्त 6,52,504 हैं और 4,20,074 विद्यार्थियों ने पुनःनामांकन कराया। विद्यार्थियों की यह संख्या पिछले वर्ष की कुल संख्या से 17.0 प्रतिशत अधिक है। इतनी संख्या में नामांकन से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की कुल संचयी संख्या बढ़कर 30 लाख 20 हजार हो गई है।

विश्वविद्यालय अधिकांश कार्यक्रमों के लिए दो शैक्षिक वार्षिक चक्रों – जनवरी से दिसंबर और जुलाई से जून का अनुसरण करता है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रवेश के नोडल केंद्र हैं। आमतौर पर विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में प्रवेश न्यूनतम पात्रता को पूरा करने पर निर्भर करता है। किंतु पीएच.डी. और एम.फिल., प्रबंध कार्यक्रम, शिक्षा स्नातक (बी.एड.) और पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग जैसे कुछ विशिष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश संबंधी निर्णय प्रवेश–परीक्षाओं के आधार पर लिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की सूची परिशिष्ट–3 में दी गई है।

किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम में प्रवेश/नामांकन ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली के माध्यम से दिया जाता है। पुनःपंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों का पुनःपंजीकरण भी इसी माध्यम से किया जाता है। विवरणिका में प्रवेश, पात्रता, शुल्क, अध्ययन का माध्यम, क्षेत्रीय और अध्ययन केंद्रों के स्थान के साथ–साथ प्रवेश और परीक्षा प्रणालियों संबंधी विस्तृत जानकारी दी हुई होती है। विवरणिका इग्नू की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) पर अपलोड की गई है। सक्रिय विद्यार्थियों के प्रवेश की स्थिति का रखरखाव इग्नू वेब पोर्टल पर किया जाता है और इसका क्षेत्रीय केंद्रों तथा मुख्यालय के बीच सूचना के आदान–प्रदान के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र की अपने–अपने कार्य–क्षेत्र के भीतर आने वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए अपनी वेबसाइट भी हैं।

पुनःप्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की जानकारी पिछली रिपोर्टों में शामिल हैं, इसलिए इस अध्याय के अगले भागों में केवल वर्ष 2017–18 में नव–प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के संबंध में जानकारी का विश्लेषण किया गया है।

d- fo|kihBokj fo'ys"k.k

अध्ययन विद्यापीठ, कार्यक्रम का स्तर, जेंडर, रहने का क्षेत्र और सामाजिक वर्ग से संबंधित नव–नामांकित विद्यार्थियों का प्रोफाइल निम्नलिखित तालिकाओं और आरेखों में दिया गया है।

tsaMj fo'ys"k.k

तालिका 3.1 यह दर्शाती है कि 2017–18 में नए पंजीकृत कुल 6 लाख 52 हजार विद्यार्थियों में से 2 लाख 86 हजार महिला–विद्यार्थी हैं, जोकि कुल का 43.9 प्रतिशत है। विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित कुल 219 विद्यार्थियों ने प्रवेश–फॉर्म में 'जेंडर' कॉलम में 'अन्य' विकल्प को चुना। ये वे विद्यार्थी हैं जो या तो ट्रांसजेंडर हैं या फिर अपना जेंडर बताने के इच्छुक नहीं हैं।

rkfydk 3-1 % uo&ukekafdr fo|kfFk;ksa dh tsaMjokj la[;k

fo|kihB dk uke	fo|kihB dksM	iq#"k		Ekfgyk,¡		vU;		vkadM+s vuqiyC/k	dqy
		Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%		
कृषि विद्यापीठ	एस.ओ.ए.	2711	65.9	1396	33.9	5	0.1	1	4113
सतत शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.सी.ई.	16521	43.8	21174	56.2	12	0.0		37707

विद्यापीठ का नाम	विद्यापीठ कोड	पुरुष		महिलाएं		अन्य		आंकड़े अनुपलब्ध	कुल
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%		
कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.सी.आई.एस.	14828	69.6	6455	30.3	7	0.0		21290
शिक्षा विद्यापीठ	एस.ओ.ई.	21197	60.7	13696	39.2	7	0.0		34900
विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.ई.डी.एस.	1473	68.8	668	31.2		0.0		2141
अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	एस.ओ.ई.टी.	329	80.2	81	19.8		0.0		410
विदेशी भाषा विद्यापीठ	एस.ओ.एफ.एल.	829	59.3	568	40.7		0.0		1397
जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जी.डी.एस.	271	21.2	1004	78.8	1	0.1		1276
मानविकी विद्यापीठ	एस.ओ.एच.	16583	34.1	32053	65.9	4	0.0		48640
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एच.एस.	890	43.3	1166	56.7		0.0	78	2134
अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी विद्यापीठ	एस.ओ.आइ.टी.एस.	1132	60.3	744	39.7		0.0		1876
पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	538	66.5	271	33.5		0.0		809
विधि विद्यापीठ	एस.ओ.एल.	2962	68.3	1370	31.6	4	0.1		4336

fo|kihB dk uke	fo|kihB dkM	i#"k		Ekfgyk,¡		vU;		vkdMs vuqiyC/k	dqy
		Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%		
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	एस.ओ.एम.एस.	39573	54.4	33168	45.6	12	0.0		72753
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ	एस.ओ.पी.वी.ए.	117	45.9	137	53.7	1	0.4		255
विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.	16452	57.6	12107	42.4	8	0.0		28567
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	एस.ओ.एस.एस.	204415	58.7	143786	41.3	82	0.0	2	348285
समाज कार्य विद्यापीठ	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	4784	47.7	5222	52.0	30	0.3		10036
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.	15963	71.8	6216	28.0	43	0.2	1	22223
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.टी.एस.टी.	1554	51.4	1470	48.6		0.0		3024
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ	एस.ओ.वी.ई.टी.	1955	42.8	2608	57.1	3	0.1		4566
अध्ययन विद्यापीठों के अलावा अन्य के द्वारा की जा रही शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रबंध–व्यवस्था									
दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान	स्ट्राइड	175	30.1	412	69.9		0.0		587
सतत विकास अध्ययन पीठ	सी.एस.डी.	25	73.5	9	26.5		0.0		34
पूर्वोत्तर क्षेत्र शैक्षिक विकास एकक	एडनेरू	578	53.7	498	46.3		0.0		1076
अनुसंधान एकक	आर.यू.	38	55.1	31	44.9		0.0		69
dqy ;kx		**365893**	**56.1**	**286310**	**43.9**	**219**	**0.03**	**82**	**652504**

जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ, प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ, मानविकी विद्यापीठ, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, समाज कार्य विद्यापीठ; और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ में नव–नामांकित विद्यार्थियों में से महिला–विद्यार्थियों की संख्या 50% से भी अधिक है। इनमें से जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ में यह प्रतिशतता सर्वाधिक (78.6%) है और उसके बाद मानविकी विद्यापीठ में (65.9%) है। विद्यार्थियों की जेंडरवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.1 में किया गया है।

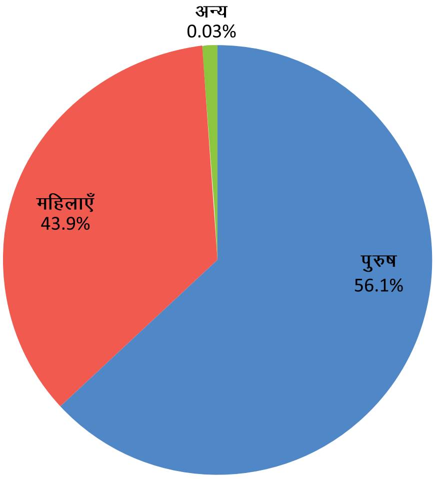

vkjs[k 3-1 % 2017&18 esa uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dh tsaMjokj la[;k dk oxhZdj.k

lkekftd oxZ

तालिका 3.2 रिपोर्टाधीन अवधि में समाज के सुविधा–वंचित और उपेक्षित वर्गों के विद्यार्थियों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व की सूचक है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों में से अनुसूचित जाति वर्ग के 84,929 (13.0%), अनुसूचित जनजाति वर्ग के 55,647 (8.5%); और अन्य पिछड़ा वर्ग के 1,11,816 (17.2%) विद्यार्थी थे। वहीं, समाज कार्य विद्यापीठ, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ, विधि विद्यापीठ, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ, कृषि विद्यापीठ, प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ, विज्ञान विद्यापीठ, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में सुविधा–वंचित समूह की संख्या काफी अच्छी है। इन विद्यापीठों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जाति के नव–नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 20% से भी अधिक थी। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ में नामांकित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या काफी अधिक थी। इन वर्गों के कुल विद्यार्थियों में से इस विद्यापीठ में विद्यार्थियों की संख्या 54.9% है। सामाजिक वर्गवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.2 में किया गया है।

rkfydk 3-2 % uo&ukekafdr fo|kfFkZ;ksa dh lkekftd oxZokj
¼lkekU;@vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr@vU; fiNM+k oxZ½ la[;k

fo|kihB dksM	lkekU;		vuqlwfpr tkfr		vuqlwfpr tutkfr		vU; fiNM+k oxZ		vuqiyC/k vkadM+s	dqy ukekadu
	Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%	Lka[;k	%		
एस.ओ.ए.	1687	41.0	1026	24.9	489	11.9	911	22.1		4113
एस.ओ.सी.ई.	19816	52.6	7050	18.7	4002	10.6	6838	18.1	1	37707

fo|kihB dkM	lkekU;		vu|lfpr tkfr		vu|lfpr tutkfr		vU; fiNMk oxl		vu|iyC/k vkdMs	d|y ukekdu
	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%		
एस.ओ.सी.आई.एस.	12246	57.7	4561	21.5	1332	6.3	3098	14.6	53	21290
एस.ओ.ई.	23573	67.6	3452	9.9	3520	10.1	4339	12.4	16	34900
एस.ओ.ई.डी.एस.	1500	70.1	161	7.5	101	4.7	379	17.7		2141
एस.ओ.ई.टी.	254	62.0	48	11.7	36	8.8	72	17.6		410
एस.ओ.एफ.एल.	1160	83.0	64	4.6	11	0.8	162	11.6		1397
एस.ओ.जी.डी.एस.	556	43.6	347	27.2	273	21.4	100	7.8		1276
एस.ओ.एच.	31799	65.4	5178	10.7	3266	6.7	8356	17.2	41	48640
एस.ओ.एच.एस.	1128	52.9	360	16.9	157	7.4	489	22.9		2134
एस.ओ.आई.टी.एस.	1354	72.2	110	5.9	164	8.7	248	13.2		1876
एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	614	76.0	68	8.4	23	2.8	103	12.7	1	809
एस.ओ.एल.	2598	59.9	968	22.3	243	5.6	527	12.2		4336
एस.ओ.एम.एस.	51420	71.5	6447	9.0	2448	3.4	11557	16.1	881	72753
एस.ओ.पी.वी.ए.	137	53.7	65	25.5	24	9.4	29	11.4		255
एस.ओ.एस.	15691	54.9	4620	16.2	2027	7.1	6226	21.8	3	28567
एस.ओ.एस.एस.	207688	59.7	43844	12.6	33905	9.7	62511	18.0	337	348285

विद्यापीठ कोड	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		अनुपलब्ध आँकड़े	कुल नामांकन
	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%		
एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	5644	56.3	1827	18.2	1084	10.8	1470	14.7	11	10036
एस.ओ.टी.एच.एस.एम.	16055	72.6	2359	10.7	1539	7.0	2171	9.8	99	22223
एस.ओ.टी.एस.टी.	1704	56.3	423	14.0	177	5.9	720	23.8		3024
एस.ओ.वी.ई.टी.	1231	27.0	1800	39.4	707	15.5	828	18.1		4566
अध्ययन विद्यापीठों के अलावा शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रबंध–व्यवस्था										
स्ट्राइड	405	69.0	45	7.7	70	11.9	67	11.4		587
सी.एस.डी.	28	82.4	2	5.9		0	4	11.8		34
एडनेरू	335	31.1	98	9.1	46	4.3	597	55.5		1076
आर.यू.	46	66.7	6	8.7	3	4.3	14	20.3		69
कुल योग	**398669**	**61.2**	**84929**	**13.0**	**55647**	**8.5**	**111816**	**17.2**	**1443***	**652504**

**1,443 विद्यार्थियों से संबंधित आँकड़े उपलब्ध नहीं थे।*

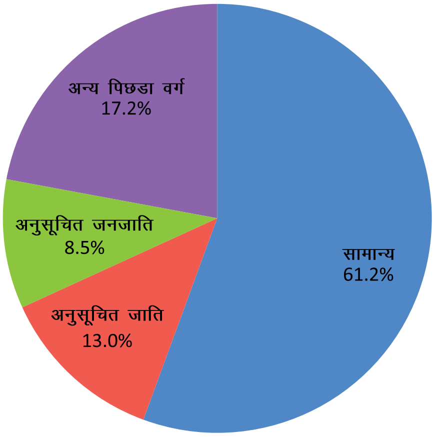

आरेख 3.2 : 2017–18 में नव–नामांकित विद्यार्थियों की सामाजिक वर्गवार संख्या

क्षेत्रवार वर्गीकरण

तालिका 3.3 रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों का शहरी, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के रूप में क्षेत्रवार वितरण को दर्शाती है। ग्रामीण और जनजातीय, दोनों क्षेत्रों से आने वाले कुल विद्यार्थियों की संख्या सराहनीय है। नव–नामांकित विद्यार्थियों में से 40.8% विद्यार्थी, ग्रामीण अथवा जनजातीय क्षेत्रों में रहते हैं। इसके अलावा, कृषि विद्यापीठ, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ, सतत शिक्षा विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ,

और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। इन विद्यापीठों में नामांकित विद्यार्थियों में 40% से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। इसी प्रकार, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ, तथा प्रदर्शनपरक तथा दृश्य कला विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों में जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। इन विद्यापीठों में नामांकित विद्यार्थियों में 5% से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। विद्यार्थियों के आवास के क्षेत्र के आधार पर क्षेत्रवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण, आरेख 3.3 में किया गया है।

rkfydk 3-3 % vkoklh; {k= ¼'kgjh@xkeh.k@tutkrh;½ d vk/kkj ij
uo&ukekfdr fo|kfFk;k dh v/;;u fo|kihBokj l[;k

fo|kihB dkM	'kgjh		xkeh.k		Tkutkrh;			dqy ukekdu Lk[;k
	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	vuqiyC/k vkdM	
एस.ओ.ए.	1540	37.5	2459	59.8	113	2.7	1	4113
एस.ओ.सी.ई.	21230	56.3	15552	41.2	923	2.4	2	37707
एस.ओ.सी.आई.एस.	14465	68.1	6257	29.5	512	2.4	56	21290
एस.ओ.ई.	7800	22.4	26242	75.2	842	2.4	16	34900
एस.ओ.ई.डी.एस.	1797	83.9	318	14.9	26	1.2		2141
एस.ओ.ई.टी.	301	73.4	77	18.8	32	7.8		410
एस.ओ.एफ.एल.	1248	89.3	148	10.6	1	0.1		1397
एस.ओ.जी.डी.एस.	704	55.2	498	39.0	74	5.8		1276
एस.ओ.एच.	32598	67.1	15285	31.5	715	1.5	42	48640
एस.ओ.एच.एस.	1388	65.0	716	33.6	30	1.4		2134
एस.ओ.आई.टी.एस.	1355	72.2	480	25.6	41	2.2		1876
एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	664	82.2	140	17.3	4	0.5	1	809
एस.ओ.एल.	2869	66.2	1413	32.6	54	1.2		4336
एस.ओ.एम.एस.	56221	78.2	15049	20.9	602	0.8	881	72753
एस.ओ.पी.वी.ए.	181	71.0	56	22.0	18	7.1		255
एस.ओ.एस.	18338	64.2	9879	34.6	347	1.2	3	28567
एस.ओ.एस.एस.	194773	56.0	146208	42.0	6950	2.0	354	348285
एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	6174	61.6	3581	35.7	269	2.7	12	10036
एस.ओ.टी.एच.एस.एम.	16259	73.5	5423	24.5	441	2.0	100	22223

fo|kihB dkM	'kgjh		xkeh.k		Tkutkrh;			d|y ukekdu Lk[;k
	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	vu|iyC/k vk|dM	
एस.ओ.टी.एस.टी.	2273	75.2	729	24.1	22	0.7		3024
एस.ओ.वी.ई.टी.	2109	46.2	2105	46.1	352	7.7		4566
अध्ययन विद्यापीठों के अलावा शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रबंध–व्यवस्था								
स्ट्राइड	360	61.5	214	36.3	13	2.2		587
सी.एस.डी.	29	85.3	5	14.7		0		34
एडनेरू	657	61.1	396	36.8	23	2.1		1076
आर.यू.	49	71	19	27.5	1	1.4		69
d|y ;kx	**385382**	**59.2**	**253249**	**38.9**	**12405**	**1.9**	**1468***	**652504**

**1,468 विद्यार्थियों से संबंधित आँकड़े उपलब्ध नहीं थे। इसलिए प्रतिशत निर्धारित करते समय इस संख्या को शामिल नहीं किया गया है।*

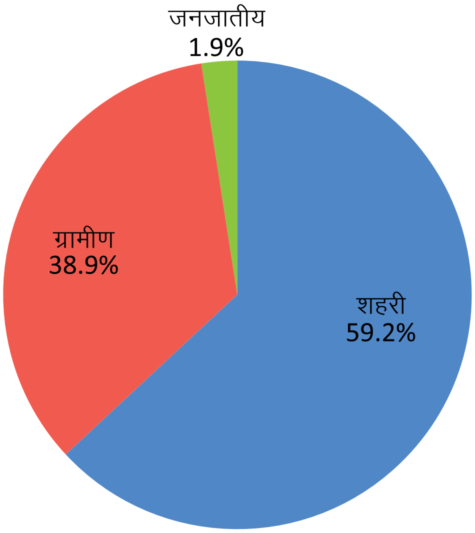

vkj[k 3-3 % vkoklh; {k= ¼'kgjh@xkeh.k@tutkrh;½ d vk/kkj ij 2017&18 e uo&ukekfdr fo|kFk;k dh l[;k

[k- 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vu|lkj tulkf[;dh; fooj.k

विश्वविद्यालय विभिन्न प्रकार के वर्गों की शैक्षिक और प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अध्ययन के विभिन्न स्तरों/उन्नयन के डॉक्टोरल उपाधि, स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रम चला रहा है।

tMj fo'y"k.k

तालिका 3.4 में नव–नामांकित विद्यार्थियों का शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर के आधार पर वर्गीकृत जेंडरवार विवरण दिया गया है।

तालिका 3.4 : जेंडर-स्तर के आधार पर शैक्षिक कार्यक्रमों का वितरण

शैक्षिक कार्यक्रम का स्तर	पुरुष		महिलाएँ		अन्य		आंकड़े अनुपलब्ध	कुल नामांकन
	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%		
अनुसंधान	38	55.1	31	44.9				69
स्नातकोत्तर	94687	44.0	120286	55.9	34	0.02	3	215010
स्नातक	198193	64.8	107301	35.1	94	0.03	78	305666
डिप्लोमा	23925	52.8	21489	47.3	6	0.01	1	45421
सर्टिफिकेट	49050	56.8	37203	43.1	85	0.10		86338
कुल	**365893**	**56.1**	**286310**	**43.9**	**219**	**0.03**	**82**	**652504**

तालिका 3.4 से पता चलता है कि स्नातकोत्तर स्तर पर महिला–विद्यार्थियों की संख्या 55.9% और डिप्लोमा स्तर पर 47.3% है। नव–नामांकित विद्यार्थियों में से स्नातक स्तर पर महिला–विद्यार्थियों की संख्या सबसे कम (35.1%) है। विद्यार्थियों की जेंडरवार संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.4 में दिया गया है।

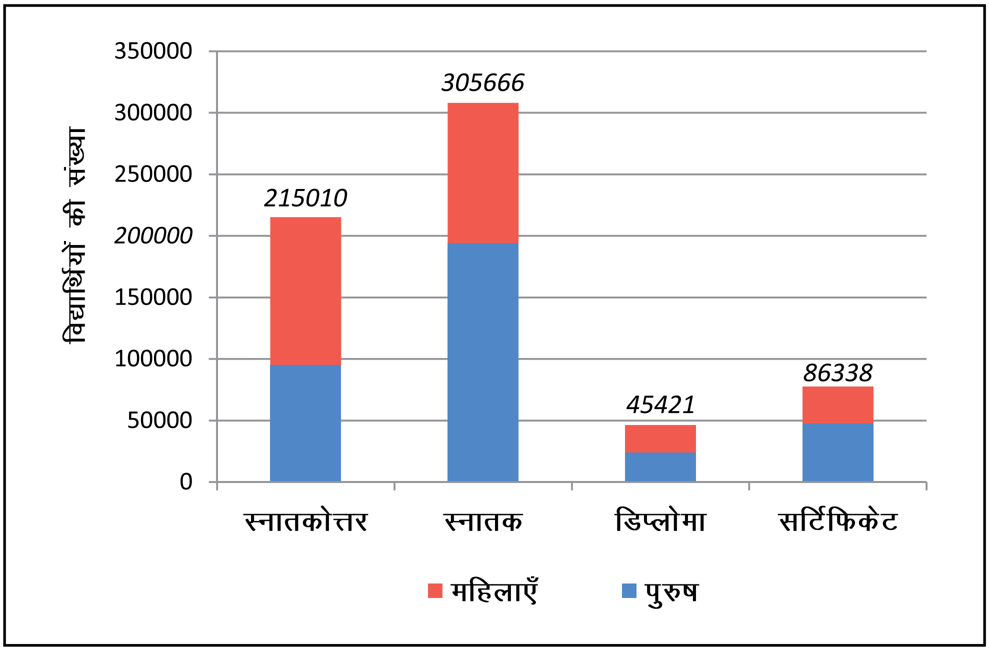

आरेख 3.4 : 2017-18 में नव-नामांकित विद्यार्थियों के जेंडर और शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर के आधार पर संख्या

सामाजिक प्रतिनिधित्व

तालिका 3.5 में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों का सामाजिक वर्ग अर्थात सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आधार पर वर्गीकरण दिया गया है।

तालिका 3.5 से पता चलता है कि सर्टिफिकेट स्तर पर अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों की भागीदारी अधिक है। स्नातक स्तर पर कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों में से 8.6% विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति के हैं, जबकि डिप्लोमा स्तर पर ये 9.0% हैं।

rkfydk 3-5 % 'kf{kd dk;Øek d Lrj d vk/kkj ij lkekftd ox ¼vulfpr tkfr@ vulfpr tutkfr@vU; fiNMk ox½ dk forj.k

'kf{kd dk;Øe dk Lrj	lkekU;		vulfpr tkfr		vulfpr tutkfr		vU; fiNMk ox		vkdM vuiyC/k	dy ukekdu
	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%	Lk[;k	%		
अनुसंधान	46	66.7	6	8.7	3	4.3	14	20.3		69
स्नातकोत्तर	143494	66.8	19190	8.9	15792	7.4	36183	16.9	351	215010
स्नातक	189184	62.1	37912	12.4	26298	8.6	51306	16.8	966	305666
डिप्लोमा	26335	58.0	7529	16.6	4079	9.0	7471	16.5	7	45421
सर्टिफिकेट	39610	45.9	20292	23.5	9475	11.0	16842	19.5	119	86338
dy ;kx	**398669**	**61.2**	**84929**	**13.0**	**55647**	**8.5**	**111816**	**17.2**	**1443**	**652504**

स्नातक, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तरों के शैक्षिक कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की भागीदारी प्रत्येक शैक्षिक कार्यक्रम के स्तर पर कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों के 12% से अधिक है। सर्टिफिकेट स्तर पर यह भागीदारी सर्वाधिक (अर्थात 23.5%) है। इसी प्रकार, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत अनुसंधान स्तर के अलावा, अन्य सभी स्तरों पर 16 से 20% के बीच में है। उनमें से अनुसंधान के स्तर पर यह संख्या सर्वाधिक (अर्थात 20.3%) है। स्नातक स्तर पर कुल नव–नामांकित विद्यार्थियों में से 16.8% विद्यार्थी अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं। नव–नामांकित विद्यार्थियों की सामाजिक वर्गवार संख्या और शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.5 में दिया गया है।

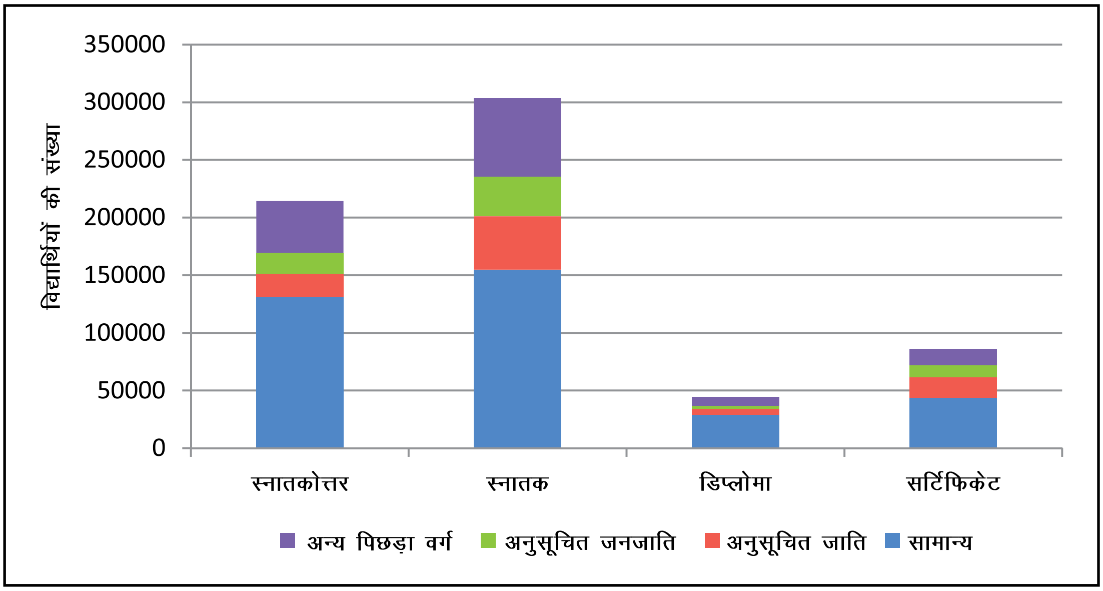

vkj[k 3-5 % 2017&18 e uo&ukekfdr fo|kfFk;k d lkekftd ox d vk/kkj ij l[;k

{k=okj forj.k

तलिका 3.6 में रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नव–नामांकित विद्यार्थियों के रहने के क्षेत्रवार (अर्थात शहरी, ग्रामीण, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों) के आधार पर वर्गीकरण दिया गया है।

तालिका 3.6 : शैक्षिक कार्यक्रमों के स्तर के आधार पर नव–नामांकित विद्यार्थियों की आवासीय क्षेत्रवार (अर्थात शहरी, ग्रामीण, शहरी और जनजातीय) विवरण

शैक्षिक कार्यक्रम का स्तर	शहरी		ग्रामीण		जनजातीय		आंकड़े अनुपलब्ध	कुल नामांकन
	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%		
सर्टिफिकेट	45133	52.3	38483	44.6	2604	3.0	118	86338
डिप्लोमा	28998	63.9	15383	33.9	1031	2.3	9	45421
स्नातकोत्तर	146244	68.1	64981	30.3	3427	1.6	358	215010
अनुसंधान	49	71.0	19	27.5	1	1.4		69
स्नातक	164958	54.1	134383	44.1	5342	1.8	983	305666
कुल योग	**385382**	**59.2**	**253249**	**38.9**	**12405**	**1.9**	**1468**	**652504**

तालिका 3.6 से पता चलता है कि सर्टिफिकेट स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की भागीदारी अधिक है। इस स्तर पर 44.6% विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों के हैं और उसके बाद स्नातक के स्तर पर यह संख्या 44.1% है। स्नातक स्तर के 1 लाख 30 हज़ार से अधिक विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। सर्टिफिकेट स्तर पर जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों की भागीदारी सर्वाधिक है। इस स्तर पर लगभग 3.0% नव–नामांकित विद्यार्थी जनजातीय क्षेत्रों के हैं। आवासीय क्षेत्र और शैक्षिक कार्यक्रमों के आधार पर विद्यार्थियों की संख्या का आरेखीय प्रस्तुतीकरण आरेख 3.6 में दिया गया है।

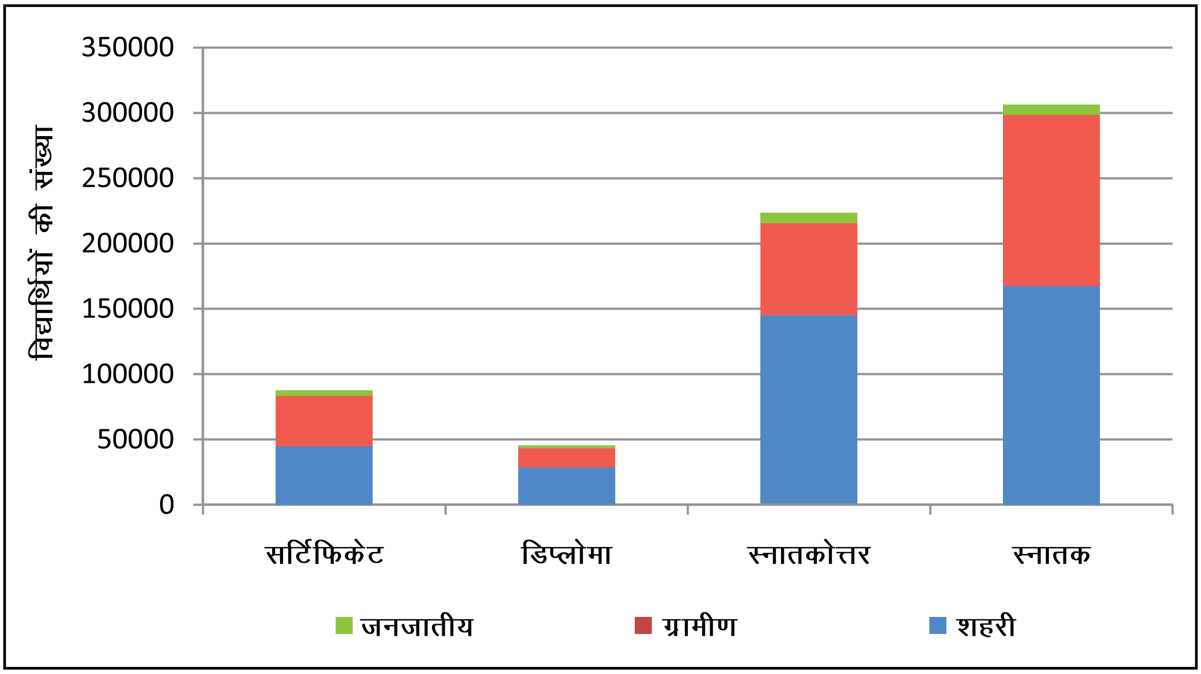

आरेख 3.6 : 2017–18 में नव–नामांकित विद्यार्थियों की आवासीय क्षेत्र और शैक्षिक कार्यक्रम के आधार पर संख्या

ग. राज्यवार नामांकन विश्लेषण

रिपोर्टाधीन अवधि में नव–नामांकित विद्यार्थियों में दिल्ली–2 क्षेत्रीय केंद्र का योगदान सबसे अधिक रहा। यह कुल नव–नामांकन का 9.2% था। यहाँ से 58,394 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। उसके बाद कुल नव–नामांकित

विद्यार्थियों में से 45,735 जम्मू क्षेत्रीय केंद्र से थे, जोकि कुल नव–नामांकन का 7.2% है। तत्पश्चात 38,377 विद्यार्थी (6%) दिल्ली 1 क्षेत्रीय केंद्र; दिल्ली–3 क्षेत्रीय केंद्र (34,267), कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र (27,165), राँची क्षेत्रीय केंद्र (25,797) करनाल क्षेत्रीय केंद्र (24,353), जयपुर क्षेत्रीय केंद्र (23,763), श्रीनगर क्षेत्रीय केंद्र (22,080), और भुवनेश्वर क्षेत्रीय केंद्र (20,654) आते हैं। अन्य क्षेत्रीय केंद्रों में से प्रत्येक केंद्र से रिपोर्टाधीन अवधि में बीस हजार से कम नए विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। पर्वतीय क्षेत्रों वाले राज्यों अथवा समाज के हाशियाकृत ज्यादा जनसंख्या बहुल राज्यों से पर्याप्त नामांकन हुआ है। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थित राज्यों से भी पर्याप्त नामांकन हुआ है। इस प्रकार, उच्च शिक्षा के लिए प्रावधान करके विश्वविद्यालय समाज के सुविधा वंचित और हाशिए के वर्गों के लोगों से संपर्क करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। विश्वविद्यालय में कुल नामांकित विद्यार्थियों में से 1,440 विदेशी; 114 असम राइफल्स; 4,186 थल सेना कार्मिक; और 2,266 नौसेना कार्मिक हैं।

तालिका 3.7 : नव-नामांकित विद्यार्थियों का राज्यवार विवरण

क्षेत्रीय केन्द्र का स्थान	क्षेत्रीय केन्द्र कोड	विद्यार्थियों की संख्या	%	संचयी %
दिल्ली 2	29	58394	9.2	9.2
जम्मू	12	45735	7.2	16.3
दिल्ली 1	7	38377	6.0	22.4
दिल्ली 3	38	34267	5.4	27.7
कोलकाता	28	27165	4.3	32.0
राँची	32	25797	4.0	36.1
करनाल	10	24353	3.8	39.9
जयपुर	23	23763	3.7	43.6
श्रीनगर	30	22080	3.5	47.1
भुवनेश्वर	21	20654	3.2	50.3
पटना	5	17130	2.7	53.0
शिमला	11	15643	2.5	55.5
लखनऊ	27	14357	2.3	57.7
नोएडा	39	14104	2.2	59.9
देवघर	87	12746	2.0	61.9
कोच्चि	14	12367	1.9	63.9
वाराणसी	48	11362	1.8	65.7
जोधपुर	88	10519	1.7	67.3
बंगलुरु	13	10519	1.7	69.0
गुवाहाटी	4	9044	1.4	70.4
सिलीगुड़ी	45	8977	1.4	71.8
अहमदाबाद	9	7894	1.2	73.0

क्षेत्रीय केन्द्र का स्थान	क्षेत्रीय केन्द्र कोड	विद्यार्थियों की संख्या	%	संचयी %
दरभंगा	46	7873	1.2	74.3
सहरसा	86	7800	1.2	75.5
चंडीगढ़	6	7785	1.2	76.7
कोरापुट	44	7710	1.2	77.9
पुणे	16	7260	1.1	79.1
अगरतला	26	7200	1.1	80.2
देहरादून	31	7121	1.1	81.3
हैदराबाद	1	7025	1.1	82.4
खन्ना	22	6752	1.1	83.5
तिरुवनंतपुरम	40	6717	1.1	84.5
मुंबई	49	6637	1.0	85.6
चेन्नई	25	6229	1.0	86.5
वडाकरा	83	6094	1.0	87.5
षिलांग	18	6084	1.0	88.5
भोपाल	15	6039	0.9	89.4
अलीगढ़	47	5274	0.8	90.2
ईटानगर	3	5045	0.8	91.0
जबलपुर	41	4839	0.8	91.8
भागलपुर	82	4754	0.7	92.5
जोरहाट	37	4654	0.7	93.3
नागपुर	36	4621	0.7	94.0
इम्फाल	17	4220	0.7	94.7
रायपुर	35	4111	0.6	95.3
बीजापुर	85	3697	0.6	95.9
विजयवाड़ा	33	3584	0.6	96.4
पणजी	8	3293	0.5	97.0
विशाखापतनम	84	3111	0.5	97.4
आईज़ॉल	19	3096	0.5	97.9
गंगटोक	24	2470	0.4	98.3
मदुरै	43	2433	0.4	98.7
कोहिमा	20	2233	0.4	99.1

{k=h; dsn dk LFkku	{k=h; dsn dkM	fo|kfFk;k dh la[;k	%	lap;h %
राजकोट	42	2178	0.3	99.4
पोर्ट ब्लेयर	2	2056	0.3	99.7
रघुनाथ गंज	50	1818	0.3	100.0
mi&;kx 1		637060		
{k=h; dsnk ds vfrfjDr vU; ek/;ek ls iow'k				
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	एस.ओ.टी. एच.एस.एम.	7369	47.7	47.7
अंतरराष्ट्रीय प्रभाग	34	1440	9.3	57.0
चंडीमंदिर, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	52	1406	9.1	66.1
मुंबई, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	72	1219	7.9	74.0
उधमपुर, थल सेना क्षेत्रीय केंद	55	742	4.8	78.8
कोलकाता थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	51	712	4.6	83.4
विशाखापतनम, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	73	683	4.4	87.9
लखनऊ, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	53	516	3.3	91.2
पुणे, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	54	487	3.2	94.4
जयपुर, थल सेना क्षेत्रीय केंद्र	56	323	2.1	96.5
कोच्चि, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	74	228	1.5	97.9
नई दिल्ली, नौसेना क्षेत्रीय केंद्र	71	136	0.9	98.8
शिलांग, असम राइफल्स क्षेत्रीय केंद्र	81	114	0.7	99.6
अनुसंधान एकक		69	0.4	100.0
mi&;kx 2		**15444**		
dqy ;kx		**652504**		

अध्याय-IV
विद्यार्थी सहायता सेवाएँ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पास रूबरू परामर्श और प्रौद्योगिकी–समर्थ शैक्षिक एवं प्रशासनिक सहायता सहित विद्यार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रव्यापी विद्यार्थी सहायता सेवा नेटवर्क है। इग्नू का यह विद्यार्थी सेवा नेटवर्क, विश्व के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों में से सबसे ज्यादा बड़ा है। मुख्यालय में स्थित विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (एस.आर.डी.), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) और संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) आदि जैसे संचालन प्रभागों द्वारा विद्यार्थियों की सहायता सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। मुख्यालय से बाहर देश–विदेश में विद्यार्थियों को सहायता सेवाएँ क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों के नेटवर्क द्वारा प्रदान की जाती हैं। देश में विद्यार्थी सहायता सेवा उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) प्रमुख नोडल इकाई है और विदेशों में सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रभाग (आई.डी.) व्यवस्था करता है।

d- fo|kFkhZ lgk;rk lsokvksa dk usVodZ

देश–भर में फैले विद्यार्थियों को विद्यार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों को संचालित करने के लिए वर्ष 1986 में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी.) की स्थापना की गई। क्षेत्रीय सेवा प्रभाग को जो दायित्व और कार्य सौंपे गए, वे इस प्रकार हैं :

क) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की स्थापना और प्रबंध करने के संदर्भ में नीतियाँ, प्रणालियाँ और कार्यविधियाँ विकसित करना;

ख) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क की व्यवस्था और प्रबंध करना;

ग) नए क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की स्थापना करने के लिए सरकारी विभागों, शैक्षिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य संगठनों के साथ बातचीत करना;

घ) परामर्श, प्रैक्टिकल सत्रों तथा सत्रीय कार्यों के मूल्यांकन के लिए शैक्षिक परामर्शदाताओं के रूप में उपयुक्त व्यक्तियों की पहचान करके उनकी नियुक्ति करना;

ङ) अध्ययन केंद्रों पर अंशकालिक आधार पर काम करने वालों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना;

च) क्षेत्रीय केंद्रों के पूर्णकालिक स्टाफ के लिए परिचय और सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना;

छ) क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की वित्त–व्यवस्था एवं व्यय का नियंत्रण करना;

ज) क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों को आवश्यक फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराना; और

झ) मुख्यालय में अध्ययन विद्यापीठों और प्रभागों के बीच तथा क्षेत्रीय केंद्रों एवं विद्यार्थी सहायता केंद्रों के बीच विद्यार्थी सहायता सेवाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में तालमेल स्थापित करना।

विद्यार्थियों को अपने शैक्षिक परामर्शदाताओं और साथी–विद्यार्थियों के बीच सीधे विचार–विमर्श की सुविधाएँ उपलब्ध कराना इग्नू की सहायता सेवाओं का प्रमुख आधार है। सहायता–सेवा उपलब्ध कराने वाली गतिविधियों में विद्यार्थी सहायता केंद्र (एल.एस.सी.) स्थापित करना; विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर कार्मिकों का चयन करना, उन्हें नियुक्त करना और प्रशिक्षित करना; संसाधन उपलब्ध कराना तथा उन संसाधनों का समुचित प्रयोग सुनिश्चित करना; सैद्धांतिक/व्यावहारिक परामर्श और विद्यार्थियों की प्रगति संबंधी प्रतिपुष्टि की निगरानी; परीक्षा केंद्रों को चिह्नित करना तथा वर्ष में दो बार सत्रांत (सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक) परीक्षाएँ आयोजित कराने संबंधी सहायता देना शामिल है।

इन उत्तरदायित्वों को निभाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्वविद्यालय में 9 और देश के अन्य भागों में 47 क्षेत्रीय केंद्र हैं। इन क्षेत्रीय केंद्रों के अलावा, 11 मान्यता–प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र भी काम कर रहे हैं। इनमें से छह थल सेना, चार नौसेना और एक असम राइफल्स का है। इस प्रकार क्षेत्रीय केंद्रों की कुल संख्या 67 है। तालिका 4.1 में क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों/विद्यार्थी सहायता केंद्रों संबंधी विद्यार्थी सहायता नेटवर्क की वर्गीकृत संख्या को दर्शाया गया है।

rkfydk 4-1 % 31 ekp 2018 dk fo|kFkh lgk;rk uVod dh fLFkfr

{k=h; dn	Lk[;k
पूर्वोत्तर भारत में क्षेत्रीय केंद्र	9
शेष भारत में क्षेत्रीय केंद्र	47
मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र (थल सेना, नौसेना और असम राइफल्स)	11
dy ¼{k=h; dn½	**67**
fo|kFkh lgk;rk dn	
नियमित अध्ययन केंद्र	865
कार्यक्रम अध्ययन केंद्र	1,636
विशेष अध्ययन केंद्र	471
मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्र	11
महिलाओं के लिए नियमित अध्ययन केंद्र	8
उत्तर बिहार प्रतिरूप विद्यार्थी अध्ययन केंद्र	1
उप–अध्ययन केंद्र	8
mi&;kx	**3,000**
मान्यता प्राप्त थल सेना अध्ययन केंद्र	49
मान्यता प्राप्त नौसेना अध्ययन केंद्र	5
असम राइफल्स मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्र	30
उप–योग (मान्यता प्राप्त विद्यार्थी सहायता केंद्र)	84
dy ;kx ¼fo|kFkh lgk;rk dn½	**3,084**

रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय ने 141 नए विद्यार्थी सहायता केंद्रों की स्थापना की है। रिपोर्टाधीन वर्ष में विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए 60,262 शैक्षिक परामर्शदाता कार्य कर रहे थे।

[k- iokÙkj {k= 'kf{kd fodkl ,dd

इग्नू, पूर्वोत्तर क्षेत्र शैक्षिक विकास एकक (एडनेरू) के माध्यम से देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास और अन्य प्रयासों से सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है। शुरू में, इस एकक को पूर्वोत्तर परियोजना (एन.ई.पी.) के रूप में वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था और इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री की अव्यपगमनीय (non-lapsable) निधि के अंतर्गत 8 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया था। पूर्वोत्तर क्षेत्र में समान शैक्षिक अवसरों और पहुँच को बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर परियोजना (एन.ई.पी.) शुरू की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से एडनेरू ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों में 9 क्षेत्रीय केंद्रों और 512 अध्ययन केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से शैक्षिक विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। एडनेरू, सभी 9 क्षेत्रीय केंद्रों के लगभग 68,061 विद्यार्थियों (2017–18) की जरूरतों को पूरा कर रहा है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पूर्वोत्तर परिषद' (नॉर्थ–ईस्ट काउंसिल फॉर इग्नू रीजनल सेंटर्स – एन.ई.सी.आई.आर.सी.) सृजित की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र शैक्षिक विकास के लिए कार्यनीतियाँ विकसित करना इस परिषद का अधिदेश है। इस परिषद के लिए शिलांग स्थित क्षेत्रीय केंद्र में नोडल कार्यालय बनाया गया है और शिलांग क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक पहले दो वर्षों के लिए इस परिषद के समन्वयक के रूप में काम करेंगे। परिषद की दूसरी बैठक शिलांग क्षेत्रीय केंद्र पर 5 अगस्त 2017 को हुई।

f'kykax {k=h; dn ij 5 vxLr 2017 dk *bXu {k=h; dn IkokÙkj ifj"kn*
¼,u-b-lh-vkb-vkj-lh-½ dh nljh cBd

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए गए अन्य प्रयास इस प्रकार हैं :

पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- 'विज़न 2025 : कनेक्टिंग नॉर्थ ईस्ट इंडिया थ्रू ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग' विषय पर 8–9 जुलाई 2017 को जोरहाट में सम्मेलन आयोजित हुआ। के.के.एच.एस.ओ.यू. और आई.सी.एस.एस.आर.–एन.ई.आई.एस.टी. इस सम्मेलन के सहभागी थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता देखी गई और इसमें आई.सी.टी, समावेशी शिक्षा, कौशल विकास, उभरती हुई कार्यनीतियाँ और उच्च शिक्षा जैसे विभिन्न विषयों में 57 शोध आलेख प्रस्तुत किए गए।

- आई.आई.टी. गुवाहाटी के सहयोग से इग्नू क्षेत्रीय केंद्र ने 8–9 सितंबर 2017 को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आ.ई.आई.टी. गुवाहाटी परिसर में आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था – 'एग्रीकल्चर एंड ह्यूमैन डेवलपमेंट इन इंडिया : इंडिजिनस प्रैक्टिसिस, साइंटिफिक व्यू एंड सस्टेनेबिलिटी'। इसमें देशी आंदोलन, कृषि संबंधी व्यवहार और सामाजिक विकास जैसी अनुसंधान प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं। इस सम्मेलन में लगभग एक सौ शोध आलेख प्रस्तुत किए गए।

vkb-vkb-Vh- xqokgkVh d lg;kx l xqokgkVh {k=h; dn }kjk 8&9 flrcj 2017
dk vk;kftr vrjjk"Vh; lEeyu

- आईज़ौल क्षेत्रीय केंद्र ने भारत सरकार के हथकरघा वस्त्र मंत्रालय की एक पहल में भाग लिया। सरकार के इस प्रयास के अंतर्गत आईज़ौल बुनकर सेवा केंद्र ने राज्य के आठ ज़िलों के विभिन्न स्थानों पर हस्तकला सहयोग शिविर कार्यक्रम आयोजित किया था। बुनकर समुदाय के 81 विद्यार्थियों ने बिना किसी शुल्क के बी.पी.पी. कार्यक्रम में नामांकन कराया।

x- leUo;dk d lEeyu

प्रत्येक राज्य के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रीय केंद्रों को समूहों में विभाजित करते हुए विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष से समन्वयकों के सम्मेलन की शुरुआत की थी। इन सम्मेलनों के जरिए क्षेत्र–स्तर पर काम करने वालों को अपने अनुभव साझा करने और पूरे राज्य के व्यापक परिप्रेक्ष्य में आम मुद्दों पर विचार–विमर्श का मंच प्राप्त होता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के विद्यार्थी सहायता केंद्रों के समन्वयकों का सम्मेलन 2 अप्रैल 2017 को विजयवाड़ा में आयोजित किया गया। इसी प्रकार, राजस्थान के समन्वयकों का 30 अप्रैल 2017 को उदयपुर में, कर्नाटक राज्य के समन्वयकों का 11–12 अगस्त 2017 को बंगलौर में; और बिहार, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के समन्वयकों के लिए 25–26 अगस्त 2017 को राँची में आयोजित किया गया। इससे विश्वविद्यालयों के कार्यों को मज़बूती मिलेगी और क्षेत्र–स्तर पर काम करने वालों द्वारा अनुभव की जाने वाली चुनौतियों का समाधान कर पाना संभव हो पाएगा। इन सम्मेलनों में प्रेस से मिलने जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मीडिया में भी इन आयोजनों के बारे में व्यापक जानकारी दी गई थी।

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
Regional Centre, Ranchi
Two Days Joint Coordinators Conference
of
BIHAR, CHHATTISGARH & JHARKHAND
on 25th & 26th August, 2017

jkph e fcgkj] NÙkhlx< vkj >kj[kM d leUo;dk dk 25&26 vxLr 2017
dk vk;kftr nk&fnolh; jk"Vh; l;Dr lEeyu

?k- jk"Vh; lEeyu] lxkf"B;k vkj dk;'kkyk,

विश्वविद्यालय ने एक प्रमुख शैक्षिक प्रयास किया है। यह प्रयास क्षेत्रीय केंद्रों और क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के शैक्षिक सदस्यों के द्वारा देश के अग्रणी संस्थानों के सहयोग से राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन से संबंधित है। भोपाल क्षेत्रीय केंद्र ने आई.आई.ई. और पी.एस.एस. सी.आई.वी.ई. एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल के सहयोग से 15–16 सितंबर 2017 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। अहमदाबाद क्षेत्रीय केंद्र ने राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, बी.ए.ओ.यू., अहमदाबाद के साथ मिलकर 14–15 अक्तूबर 2017 को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

International Conference
The Journey of Indian Languages : Perspectives on Culture and Society
ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY
Chief Guest
Shri M. Venkaiah Naidu
Hon'ble Vice President of India
Guest of Honour
Shri Bhupendrasinh Chudasama
Hon'ble Education & Revenue Minister of Gujarat
14-15 October, 2017
Organisers
Dr. Babasaheb Ambedkar Open University Ahmedabad
Indira Gandhi National Open University

14&15 vDrcj 2017 dk vgenkckn {k=h; dn ij vk;kftr vrjjk"Vh; lEeyu dk mn?kkVu l=

p- gkf'k, d ykxk d leko'k vkj l'kDrhdj.k lc/kh i;kl

पहुँच से दूर बुनकरों समुदाय तक विस्तार

देश के हथकरघा बुनकरों के सुविधा–वंचित समुदाय तक अपनी पहुँच बनाने के लिए क्षेत्रीय केंद्रों ने निरंतर प्रयास किए और इस दिशा में पर्याप्त प्रगति की है। उन्हें उच्च शिक्षा की परिधि में लाने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि बी.पी.पी. और कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर उन्हें शुल्क में छूट दी जाए। बुनकर समुदाय के लिए क्षेत्रीय केंद्रों ने जागरूकता शिविर और प्रवेश अभियान चलाए। विभिन्न गाँवों में वस्त्र मंत्रालय द्वारा आयोजित हस्तकला सहयोग शिविरों में क्षेत्रीय केंद्रों ने भाग लिया। एम.ईएल.टी. वैन का उपयोग करते हुए करूर ज़िले के तनीरपल्ली गाँव में हथकरघा बुनकर सोसाइटी में 35 विद्यार्थियों के लिए मदुरै क्षेत्रीय केंद्र ने तत्काल प्रवेश परामर्श सत्र आयोजित किया। जुलाई 2017 तक देश के बुनकर समुदाय के लाभार्थियों की संख्या 10,308 है।

HASTKALA SAHYOG SHIVIR
कामन सर्विस सेन्टर
(C.S.C.)
IGNOU / NIC
अन्तर्गत

14&24 Qjojh 2018 dk vk;kftr gLrdyk lg;kx f'kfoj e Hkkxyij {k=h; dn }kjk rRdky io'k

ट्रांसजेंडर समुदाय का सशक्तीकरण

इग्नू ने ट्रांसजेंडर समुदाय के हाशिए के समाज तक अपने अध्ययन कार्यक्रमों के जरिए उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने का विशेष प्रयास किया है। अपने क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से इग्नू इस समुदाय के सदस्यों को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश देकर मुख्य धारा में लाया। अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश वाले ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों की संख्या अभी कुछ सैकड़ों में है, लेकिन उम्मीद है कि भविष्य में उनकी संख्या में पर्याप्त वृद्धि होगी।

Vkl tMj d ennk ij jk;ij {k=h; dn e 12 tuojh 2018 dk tkx:drk dk;'kkyk

दिल्ली–1, बीजापुर, भोपाल, रायपुर, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम और कई अन्य क्षेत्रीय केंद्रों पर ट्रांसजेंडर के संदर्भ में इसी प्रकार के जागरूकता अभियान चलाए गए।

पहुँच से दूर महिला विद्यार्थियों तक के लिए प्रयास

- **tEe {k=h; dn** ने 6 फरवरी 2018 को एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें जम्मू–कश्मीर सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत यह घोषणा की कि इग्नू से स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अध्ययन करने की इच्छुक जम्मू–कश्मीर राज्य की 120 लड़कियों को निःशुल्क शिक्षा के लिए प्रायोजित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन 120 लड़कियों में से 50 लड़कियाँ जुलाई 2018 प्रवेश सत्र के लिए जम्मू क्षेत्रीय केंद्र के कार्य–क्षेत्र से चुनी जाएँगी।

- **enj {k=h; dn** और धन फाउंडेशन, मदुरै ने गैर–सरकारी संगठनों की महिला लाभार्थियों के लिए 8 दिसंबर 2017 को 'वूमैन्स एम्पॉवरमेंट एंड दि राइट्स फॉर सोशल डेवलपमेंट' विषय पर संयुक्त रूप से एक दिन कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्घाट्न मदुरै के ज़िला कलक्टर थिरु के. वीरराघवन राव, आई.ए.एस. ने किया। इस असर पर उन्होंने 'वूमन एम्पॉवरमेंट एंड देयर एज्यूकेशनल डेवलपमेंट स्ट्रेटज़िज़' विषय पर एक भाषण भी दिया।

पहुँच से दूर ग्रामीण युवाओं के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से प्रयास

- उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के एन.एस.एस. एकक द्वारा लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र को राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की एक इकाई आबंटित की गई है। क्षेत्रीय केंद्र ने लखनऊ के मोहनलाल गंज के अपनाए गए गाँव बिंदोवा में 10–16 मार्च 2018 को सात दिन का विशेष एन.एस.एस. शिविर आयोजित किया। शिविर के समापन सत्र में इग्नू के पूर्व कुलपति प्रो. ए.डब्ल्यू. खान मुख्य अतिथि और श्री पीयूष वर्मा (आई.एफ.एस.) विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए थे।

17 03 2018 18 27

Yk[kuÅ {k=h; dsn e 17 ekp 2018 dk xkeh.k ;okvk d fy, ,u-,l-,l- f'kfoj dk lekiu l=

सैक्स वर्करों में संवेदनशीलता और जागरूकता निर्माण

समाज के सर्वाधिक दमित वर्ग 'व्यावसायिक सैक्स वर्करों' (सी.एस.डब्ल्यू.) तक इग्नू की पहुँच बनाने के लिए नागपुर क्षेत्रीय केंद्र ने अद्वितीय प्रयास किए। अध्यापक दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र ने उनके लिए 5 सितंबर 2017 को 'ज्ञान गंगा' जागरूकता बैठक आयोजित की। उनके लिए रेडक्रॉस अस्पताल में 'शिक्षा मार्गदर्शन स्थल' खोला गया।

N- {kerk fuek.k vkj dk'ky fodkl d fy, fo'k"k i;kl

पणजी क्षेत्रीय केंद्र पर शोध प्रविधि कार्यशाला

पणजी क्षेत्रीय केंद्र ने नई दिल्ली के आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित और गोआ सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के सहयोग से 14 दिन की एक क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की। शोध प्रविधि पर केंद्रित इस कार्यशाला को 8–21 जनवरी 2018 के दौरान सामाजिक विज्ञान के युवा संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया।

Indian Council of Social Science Research
Capacity Building Workshop on Research Methodology for Faculty Members in Social Science
Organized by
Indira Gandhi National Open University
IGNOU Regional Centre Panaji, Goa
Directorate of Higher Education
Government of Goa
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
क्षेत्रीय केंद्र पणजी, गोवा
उच्च शिक्षा निदेशालय, गोवा सरकार

8&21 tuojh 2018 dk i.kth {k=h; dsn e 'kk/k ifof/k ij {kerk fuek.k dk;'kkyk

ग्राम–स्तरीय उद्यमियों (वी.एल.ई.एस.) के लिए प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

भारत सरकार के डिजिटल अभियान के एक भाग के रूप में, क्षेत्रीय केंद्रों ने अपने–अपने कार्य–क्षेत्र के विभिन्न गाँवों/ज़िलों के ग्राम–स्तरीय उद्यमियों (वी.एल.ई.) के अभिविन्यास और प्रशिक्षण से संबंधित प्रयास किए। क्षेत्रीय केंद्र के शैक्षिक सदस्यों ने विशेष तौर पर गाँव के स्तर पर इग्नू कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने और ऑनलाइन प्रवेश के बारे में ग्राम–स्तरीय उद्यमियों को जानकारी दी और उनका अभिविन्यास किया।

मदुरै क्षेत्रीय केंद्र में दिसंबर 2017 में 'ई–सहायता सेवा एकक' का शुभारंभ किया गया। इस एकक का उद्घाटन मदुरै ज़िले के ज़िला कलक्टर श्री के. वीर राघवन, आई.ए.एस. ने किया। क्षेत्रीय केंद्र पर यह एकक, ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराएगा।

fnlcj 2017 e enj {k=h; dn ij b&lgk;rk lok ,dd dk mn?kkVu djr
g, enj ftyk d ftyk dyDVj Jh d- ohj jk?kou] vkb-,-,l-

जयपुर क्षेत्रीय केंद्र के कौशल विकास संबंधी प्रयास

राजस्थान सरकार की माननीय उच्च, तकनीकी और संस्कृति मंत्री सुश्री किरण माहेश्वरी और इग्नू के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार ने 10 अक्तूबर 2017 को जयपुर के इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में राजस्थान के सरकारी कॉलेजों के स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को कौशल–संपन्न बनाने के लिए एक संयुक्त कौशल विकास परियोजना का शुभारंभ किया। यह संयुक्त परियोजना इग्नू के जयपुर क्षेत्रीय केंद्र और राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय (कमीशनरेट ऑफ कॉलेज एज्यूकेशन – सी.सी.ई.) का संयुक्त प्रयास है। यह, इग्नू के लघु अवधि के विभिन्न क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से कॉलेज युवाओं में कौशल विकास करने से संबंधित एक विशिष्ट परियोजना है। इस प्रयास के अंतर्गत, जुलाई 2017 सत्र में 5,008 विद्यार्थियों ने और जनवरी 2018 सत्र में 10,730 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

10 vDrcj 2017 dk jktLFkku ljdkj d lh-lh-b- d lkFk l;Dr dk'ky fodkl ifj;ktuk dk mn?kkVu djrh gb jktLFkku ljdkj dh f'k{kk e=h fdj.k ekg'ojh

इग्नू–एस.एस.ए. प्रयास के माध्यम से जम्मू–कश्मीर में अप्रशिक्षित अध्यापकों का प्रशिक्षण

जम्मू–कश्मीर राज्य के लगभग 20,000 अप्रशिक्षित अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए जम्मू–कश्मीर सरकार के सर्व शिक्षा अभियान और इग्नू ने सहयोग–पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग पत्र के अनुसार जम्मू क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत जम्मू–कश्मीर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को इग्नू के बी.एड. कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इग्नू–एस.एस.ए. बी.एड. परियोजना, जम्मू क्षेत्रीय केंद्र की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इससे न केवल राजस्व की प्राप्ति होगी बल्कि यह परियोजना जम्मू–कश्मीर सरकार के द्वारा इग्नू के प्रति दर्शाए गए विश्वास को भी पुष्ट करती है। जम्मू–कश्मीर सरकार ने पूरे राज्य के सभी अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षण के लिए निर्धारित पात्रता मानदंड और क्रियाविधि को अपनाते हुए बी.एड. कार्यक्रम में नामांकित करने का कार्य सौंपा है।

t- {k=h; dnk }kjk jktxkj lgk;rk vfHk;ku

उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उनकी अपनी शैक्षिक योग्यता और अभिरुचि के अनुसार रोज़गार प्राप्त करने में मदद करने के लिए मुख्यालय के रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ के पर्यवेक्षण के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र रोज़गार सहायता गतिविधियाँ आयोजित करते हैं।

'जस्ट क्लीन इंडिया' के सहयोग से दिल्ली–2 क्षेत्रीय केंद्र पर 20 फरवरी, 2018 को इग्नू विद्यार्थियों के लिए रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने इस मेले में भाग लिया। इसमें 59 विद्यार्थी चयनित किए गए।

^tLV Dyhu bfM;k* d lg;kx l 20 Qjojh 2018 dk fnYyh&2 {k=h; dn d }kjk jktxkj lgk;rk vfHk;ku

इग्नू के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए जयपुर क्षेत्रीय केंद्र पर 16 अगस्त 2017 को रोज़गार सहायता साक्षात्कार आयोजित किया गया। इस साक्षात्कार में 120 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 16 की कस्टमर केयर एग्ज़ीक्यूटिव के पद के लिए टेली परफॉर्मेंस कंपनी के लिए छटनी की गई। फॉर्टिस एस्कोर्ट्स, जयपुर के सहयोग से इग्नू के सी.एच.बी.एच.सी. विद्यार्थियों के लिए भी 28 दिसंबर 2017 को रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किया गया। जे.वी.एस. फूड्स प्राइवेट लिमिटेड और टेली सर्विसिज़ ने भी इग्नू विद्यार्थियों के लिए 31 मार्च 2018 को रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किए।

>- fodykax fo|kfFkZ;ksa dk lgk;rk&lsok

विश्वविद्यालय, अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण और जागरूकता संबंधी व्यापक गतिविधियों के माध्यम से विकलांगों की शैक्षिक, व्यावसायिक और पुनर्वास संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। विकलांग विद्यार्थियों को सहायता सेवा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना की है। विद्यार्थियों की शिकायतों और समस्याओं को सुलझाने के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष व्यवस्था की है। इग्नू मुख्यालय में स्थित विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र पर विकलांग आगंतुकों/विद्यार्थियों के लिए समर्पित स्टाफ, कंप्यूटर और व्हील चेयर जैसी मूलभूत सुविधाओं से संपन्न एक अलग से काउंटर स्थापित किया गया है। विकलांग विद्यार्थियों के लाभ के लिए दृष्टि–बाधित विद्यार्थियों संबंधी सहायक प्रौद्योगिकी पर एक दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम तैयार किया गया है। विकलांग विद्यार्थियों को उनके लिए सुविधाजनक फॉर्मेट में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई।

fodykax vkxarqdksa@fo|kfFkZ;ksa ds fy, bXuw eq[;ky; ds fo|kFkhZ lgk;rk lsok dsanz ij LFkkfir ,d vyx dkmaVj

V- Lkkexzh fuekZ.k vkSj forj.k

मुद्रित अध्ययन सामग्री, ओ.डी.एल. प्रणाली में शैक्षिक कार्यक्रमों के वितरण का एक अनिवार्य घटक है। इसलिए सामग्री निर्माण और वितरण विश्वविद्यालय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। सामग्री निर्माण और वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.) को सभी अध्ययन विद्यापीठों द्वारा तैयार अध्ययन सामग्री के मुद्रण कार्य का दायित्व सौंपा गया है। विद्यार्थियों को उनके घर पर ही डाक द्वारा अध्ययन सामग्री पहुँचाने के लिए जुलाई 2017 प्रवेश सत्र से अध्ययन सामग्री के वितरण संबंधी कार्य का केंद्रीकरण किया गया है। इस कार्य के लिए विश्वविद्यालय ने डाक केंद्र की स्थापना की है। विद्यार्थियों को समय पर अध्ययन सामग्री वितरित करने के लिए रिपोर्टाधीन अवधि में विशेष प्रयास किए गए।

निम्नलिखित आरेख 4.1 में पिछले एक दशक में प्रभाग द्वारा मुद्रित अध्ययन सामग्री के खंडों के बारे में दर्शाया गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 239 शैक्षिक कार्यक्रमों में नामांकित 10 लाख 70 हज़ार विद्यार्थियों को मुद्रित सामग्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभाग ने अध्ययन सामग्री के 1 करोड़ 59 लाख खंड (ब्लॉक) प्रकाशित किए।

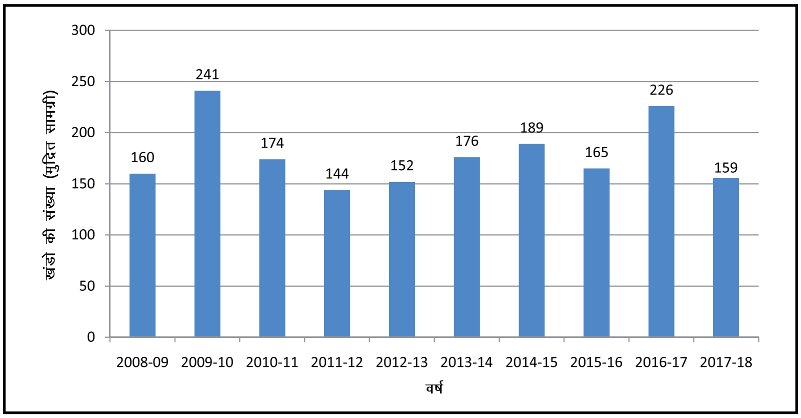

vkjs[k 4-1 % fiNys ,d n’kd esa eqfnzr v/;;u lkexzh ¼yk[k esa½

B- fo|kFkhZ lgk;rk lsok dsnz

विद्यार्थी सहायता सेवाएँ मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न और अनिवार्य घटक हैं। ये सेवाएँ, शिक्षण संस्थान और विद्यार्थियों के बीच परस्पर संपर्क–स्थल का कार्य करती हैं। इग्नू मुख्यालय में स्थित यह विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र विद्यार्थियों को एक ही जगह पर विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इग्नू मुख्यालय में स्थित विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र विद्यार्थियों को एक ही जगह पर विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराता है, विद्यार्थियों की शिकायतों–समस्याओं का निवारण करता है। इस प्रकार यह केंद्र, संगठन और विद्यार्थियों के बीच दूरी को पाटने वाले सेतु का काम करता है। विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र पर फैक्स, डाक के जरिए तथा प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने, ई–मेल/एस.एम.एस. और टेलीफोन आदि जैसे अनेक तरीकों से विद्यार्थियों की समस्याएँ और शिकायतें प्राप्त होती हैं। विद्यार्थियों द्वारा अक्सर पूछे गए प्रश्नों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है :

- भावी विद्यार्थियों को शैक्षिक कार्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया–विधियों, शुल्क आदि संबंधी सूचना, मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए प्रवेश–पूर्व पूछताछ। हैंडबुक और विवरणिका की बिक्री, प्रवेश फॉर्म भरने और समय पर जमा कराने के संबंध में मार्गदर्शन जैसी विद्यार्थी सहायता सेवाएँ भी प्रदान की गईं।
- नामांकित विद्यार्थियों की परामर्श/संपर्क कक्षाओं की अनुसूची, प्रयोगात्मक कार्य के आयोजन, सत्रीय कार्यों को जमा कराना, अंकों का अद्यतन न होना, अंक–तालिका/उपाधि के प्राप्त न होने, अध्ययन सामग्री के न मिलने, परीक्षा–परिणाम की घोषणा न होने आदि से संबंधित प्रवेश–पश्चात पूछताछ और शिकायतों का निवारण।
- उत्तीर्ण/पूर्व–विद्यार्थियों द्वारा दीक्षांत समारोह, कैरियर संभावनाओं, आगे अध्ययन के लिए शिक्षा प्रणाली में पुनःप्रवेश आदि से संबंधित कार्यक्रमोत्तर पूछताछ। यह केंद्र शून्य शिकायत और विद्यार्थियों को पूरी तरह से संतुष्टि के विज़न के साथ सहायता सेवाओं को मज़बूत करना चाहता है।

इस वर्ष विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त विद्यार्थियों की समस्याओं/शिकायतों का निम्नलिखित विवरण के अनुसार जवाब दिया :

rkfydk 4-2 % iwNrkN ds ek/;e

Øe la-	iwNrkN@f'kdk;r dk ek/;e@izdkj	Lka[;k
1.	डाक द्वारा पत्र	978
2.	ई–मेल	60,117

क्रम सं.	पूछताछ/शिकायत का माध्यम/प्रकार	संख्या
3.	टेलीफोन पर पूछताछ	1,19,585
4.	व्हाट्सएप संदेश	23
5.	इग्नू शिकायत निवारण पोर्टल	5,600
6.	ऑनलाइन आर.टी.आई. एम.आई.एस. शिकायत निवारण पोर्टल	1,768
7.	मुख्यालय में आकर व्यक्तिगत रूप से पूछताछ	64,304
8.	सी.पी.जी.आर.ए.एम.एस. पोर्टल	1,270

30वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर 13 अप्रैल 2017 को विद्यार्थी–हितैषी
शिकायत निवारण पोर्टल के शुभारंभ का उद्घाटन

30वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर 13 अप्रैल 2017 को 'इग्नू ग्रीवांस रिड्रेस और मैनेजमेंट' (आई.जी.आर.ए.एम.) नामक विद्यार्थी–हितैषी शिकायत निवारण पोर्टल का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल, एकल–स्थलीय आई.टी. समाधान है। इससे विद्यार्थियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के लिए घूमकर उत्तर आने में लगने वाले समय में कमी आएगी और दक्ष, प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से समाधान प्राप्त हो सकेगा। आर.टी.आई. एम.आई.एस. ऑनलाइन पोर्ट के नोडल कार्यालय के रूप में विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय किया और व्यवस्था की। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अनुक्रम में सभी सी.पी.आई.ओ. की ओर से प्राप्त अनुरोध के आधार पर 20 मार्च 2018 को इग्नू मुख्यालय में केंद्र ने एक दिन की कार्यशाला भी आयोजित की। स्ट्राइड के सहयोग से इस कार्यशाला को 30 सी.पी.आई.ओ. के लिए आयोजित किया गया था। एस.एस.सी. ने एम.बी.ए, बी.एड. और बी.एससी. (नर्सिंग) के भावी विद्यार्थियों के लिए 8 अगस्त 2017 को प्रवेश परामर्श और ओपन हाउस आयोजित किया। इसमें आर.एस.डी, एस.ई.डी, एम.पी.डी.डी. और संबंधित अध्ययन विद्यापीठों ने भी भाग लिया। केंद्र ने स्टाफ के क्षमता निर्माण के लिए कई प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं ताकि वे विद्यार्थियों को दक्ष और प्रभावी सहायता सेवाएँ उपलब्ध करा सकें। जनवरी 2017 से एस.एस.सी. ने हर महीने के दूसरे और चौथे मंगलवार को स्टाफ के क्षमता निर्माण के लिए कार्यशाला श्रृंखलाएँ शुरू की हैं ताकि केंद्र का हर सदस्य एस.एस.सी. की समग्र कार्य–प्रणाली से भली–भाँति परिचित रहे।

एस.एस.सी. द्वारा किए जाने वाली कार्यों को दर्शाने वाला *'आश्रय'* नामक ई–न्यूज़लेटर 2017 में शुरू किया गया।

ड. विद्यार्थी प्रबंधन प्रणाली

विद्यार्थियों, क्षेत्रीय केंद्रों और अन्य लोगों को ऑनलाइन सूचना और सेवाएँ प्रदान करने में सहायता के लिए इग्नू ने 'इग्नू विद्यार्थी प्रबंधन प्रणाली' (आई.एस.एम.एस.) नामक एकीकृत प्रणाली विकसित की है। इस सहायता प्रणाली के जरिए विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं:

- प्रवेश और पुनःपंजीकरण गतिविधियों का संकलन;
- सत्रीय कार्य, प्रैक्टिकल और परियोजना जमा कराना और उसका प्रबंधन;
- विद्यार्थियों के पंजीकरण से संबंधित आँकड़ों का क्षेत्रीय केंद्रों से मुख्यालय में हस्तातंरण;
- सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जमा कराना;
- परीक्षा से पहले और बाद की गतिविधियों का प्रबंधन और देख–रेख;
- डायनैमिक डैशबोर्ड सुविधा; और
- मांग पर विद्यार्थी ई–प्रोफाइल।

ढ. विद्यार्थी आकलन और मूल्यांकन

इग्नू में विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए त्रि–स्तरीय प्रणाली को अपनाया गया है। इस प्रणाली में पाठ्य सामग्री में शामिल युक्तियों के जरिए स्व–मूल्यांकन; सिद्धांत और व्यवहार आधारित सत्रीय कार्यों के मिले–जुले प्रयोग के माध्यम से सतत मूल्यांकन; तथा परीक्षाओं के माध्यम से सत्रांत मूल्यांकन शामिल है। ये सत्रांत परीक्षाएँ जेलों और विदेशों के अलावा पूरे देश में वर्ष में दो बार (जून और दिसंबर में) आयोजित की जाती हैं। परियोजना कार्य वाले स्नातकोत्तर/स्नातक स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रमों के मामले में, मूल्यांकन प्रणाली के अंतर्गत मौखिकी भी शामिल है।

दिसंबर 2017 सत्रांत परीक्षा में 856 परीक्षा केंद्रों पर 4 लाख 99 हज़ार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसी प्रकार, जून 2017 में आयोजित सत्रांत परीक्षा में 1,032 परीक्षा केंद्रों पर 6 लाख 24 हज़ार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

सत्रांत परीक्षाओं के संदर्भ में, सात मूल्यांकन केंद्रों पर उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के विकेंद्रीकरण से जल्दी परीक्षा परिणाम घोषित करने में मदद मिली। ये सात मूल्यांकन केंद्र हैं – दिल्ली, कोलकाता, पटना, लखनऊ, गुवाहाटी, पुणे; और चेन्नई। अधिकांश क्षेत्रीय केंद्रों ने प्रयोगात्मक परीक्षाएँ आयोजित कीं। उन्होंने बी.सी.ए., एम.सी.ए. और एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रमों के परियोजना प्रस्तावों और परियोजना रिपोर्टों के मूल्यांकन की व्यवस्था भी की। विश्वविद्यालय, देश–भर में फैले अपने क्षेत्रीय केंद्रों की सहायता से परीक्षा केंद्रों पर सत्रांत परीक्षा का नज़दीकी से अनुवीक्षण (मॉनीटरिंग) भी करता है। विश्वविद्यालय परीक्षा होने के 45 दिनों के भीतर सत्रांत परीक्षाओं के परीक्षा–परिणाम घोषित करता है।

आरेख 4.2 में जून 2008 से दिसंबर 2017 (अर्थात पिछले दस से अधिक वर्षों की अवधि) के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत परीक्षाओं की जाँची गई उत्तर–पुस्तिकाओं की संख्या को दर्शाया गया है। जून 2017 की सत्रांत परीक्षा की 21 लाख 8 हज़ार उत्तर–पुस्तिकाओं को मूल्यांकित किया गया है और दिसंबर 2017 की सत्रांत परीक्षा की 13 लाख 94 हज़ार उत्तर–पुस्तिकाओं का।

विश्वविद्यालय ने जून 2017 सत्रांत परीक्षाओं के दौरान 21,22,824 सत्रीय कार्य अंकों; 78,654 प्रैक्टिकल अंकों और 20,402 परियोजना अंकों को संसाधित किया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2017 सत्रांत परीक्षाओं के दौरान 10,69,001 सत्रीय कार्य अंकों; 60,929 प्रैक्टिकल अंकों और 12,349 परियोजना अंकों को संसाधित किया।

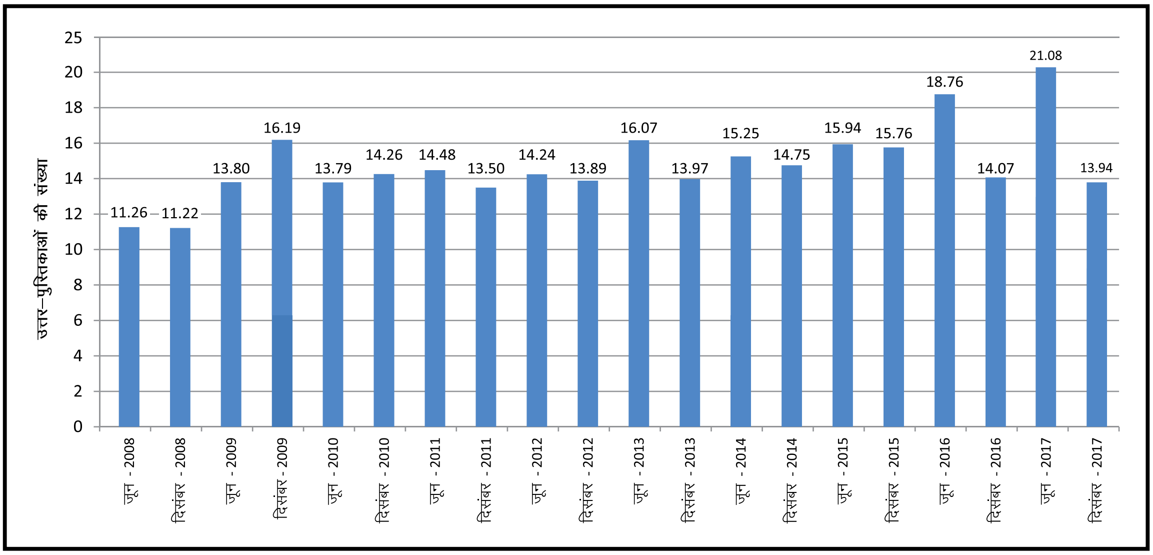

vkjs[k 4-2 % fiNys ,d n'kd esa l=kar ijh{kk esa tkph xbZ mÙkj&iqfLrdk,a ¼yk[k esa½

r- nh{kkar lekjksg

किसी भी कार्यक्रम विशेष के लिए निर्धारित क्रेडिटों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। दीक्षांत समारोह का आयोजन हर वर्ष आम तौर पर मार्च/अप्रैल में विश्वविद्यालय परिसर में और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ चुनिंदा क्षेत्रीय केंद्रों पर एक साथ किया जाता है। विश्वविद्यालय के सभी डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में प्रति वर्ष स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाते हैं।

विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया कि इग्नू अधिनियम की संविधि 21 के अंतर्गत दीक्षांत समारोहों के अध्यादेश की धारा 5 के अनुसार दिसंबर 2016 और जून 2017 को आयोजित सत्रांत परीक्षाओं में अपना शैक्षिक अध्ययन कार्यक्रम पूरा करने वाले पात्र विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। इस प्रावधान के अनुसार विश्वविद्यालय का 30वाँ दीक्षांत समारोह 13 अप्रैल 2017 को आयोजित किया गया। इस दीक्षांत समारोह में मानव संसाधन विकास (उच्च शिक्षा) राज्यमंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय मुख्य अतिथि थे। तदनुसार, 30वें दीक्षांत समारोह में पात्र विद्यार्थियों की डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट उनके क्षेत्रीय केंद्रों पर भिजवा दिए गए ताकि उन्हें विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार विद्यार्थियों को जारी किया जा सके। देश–विदेश के सभी क्षेत्रों के 2,10,811 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इनमें 120 विद्यार्थियों को प्रदत्त डॉक्टोरल उपाधियाँ और 10 विद्यार्थियों की एम.फिल. उपाधियाँ भी शामिल हैं।

13 vizSy 2017 dks vk;ksftr 30osa nh{kkar lekjksg esa lQy fo|kfFkZ;ksa dks lfVZfQdsV iznku djrs gq, ekuo lalk/ku fodkl ¼mPp f'k{kk½ jkT;ea=h MkW- egsanz ukFk ikaMs;

आरेख 4.3 में 30वें दीक्षांत समारोह में प्रमाण–पत्र प्राप्त करने वालों की संख्या को स्तर–वार दर्शाया गया है। इसमें कुल 2,10,811 विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इनमें से सर्वाधिक संख्या स्नातक उपाधि प्राप्त करने वालों की थी। उसके पश्चात स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीएच.डी और एम.फिल. उपाधि वालों की। इसमें 85,979 (41%) स्नातक; 63,065 (30%) स्नातकोत्तर; 46,064 (22%) डिप्लोमा; 15,573 (7%) सर्टिफिकेट और 120 पीएच.डी. तथा 10 एम.फिल. उपाधि शामिल हैं।

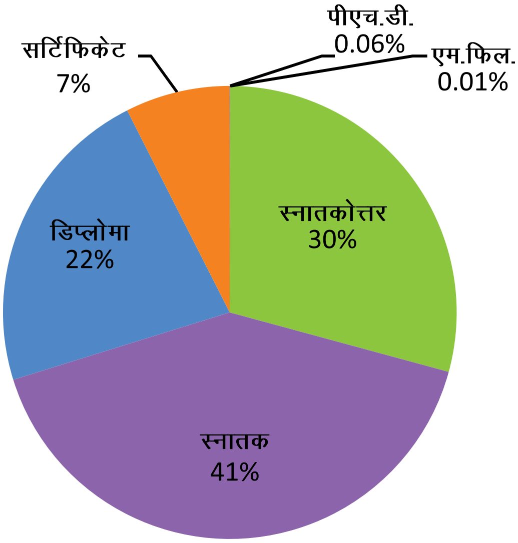

आरेख 4.3 : 30वें दीक्षांत समारोह में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्राप्त करने वालों की संख्या (दीक्षांत समारोह-वार)

आरेख 4.4 में वर्ष 2008 (19वें दीक्षांत समारोह) से लेकर वर्ष 2017 में संपन्न हुए 30वें दीक्षांत समारोह, अर्थात पिछले एक दशक में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट की संख्या की संवृद्धि को दर्शाया गया है।

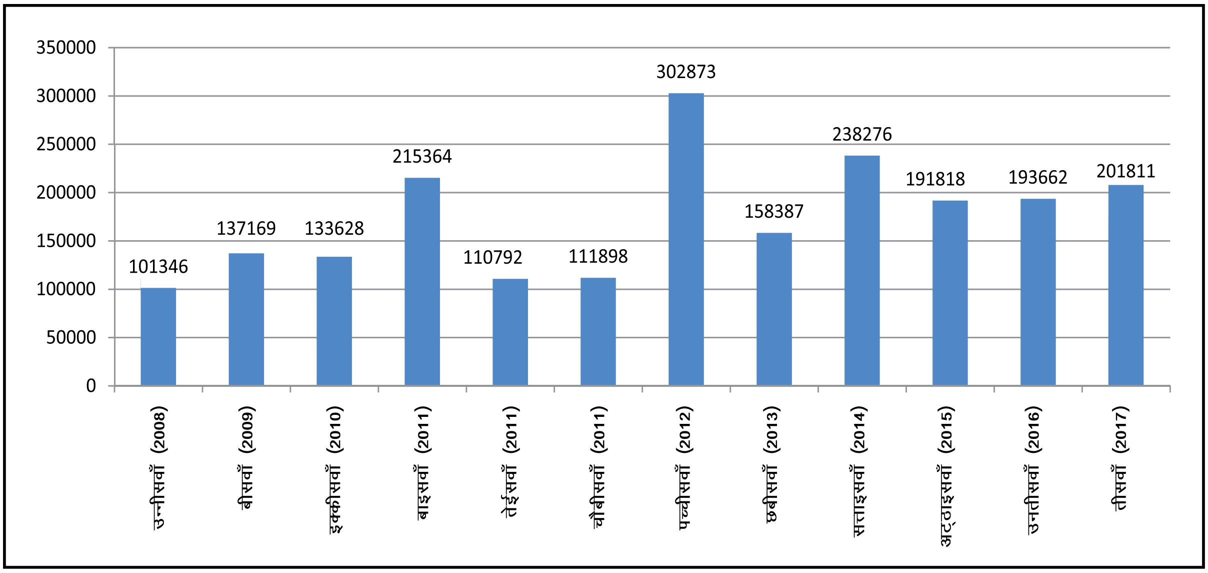

आरेख 4.4 : पिछले एक दशक में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संवृद्धि (दीक्षांत समारोह-वार)

Fk- ifjlj jkstxkj lgk;rk

सफल विद्यार्थियों और संभावित नियोक्ताओं के बीच आपसी संपर्क की सुविधा उपलब्ध कराना और सहायता करना 'परिसर रोज़गार सहायक प्रकोष्ठ' का उद्देश्य है ताकि वे उपयुक्त नियोक्ताओं से मिल सकें। रोज़गार सहायता के लिए मुख्यालय का परिसर रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ नोडल इकाई है।

रिपोर्टाधीन अवधि में हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशन (एच.जी.एस), नोएडा; फ्लैक्सेबिलिटी, पी.आर.ओ. ऑफ ए.बी.सी. कंसलटेंट्स गुरुग्राम; एम. सदाशिव एंड एसोशिएट (सनातन समूह), नोएडा; रोड टू नौकरी डॉट कॉम, नोएडा; कैपजैमिनी, नोएडा और टाटा ए.आई.ए. लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड आदि कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने सी.पी.सी. से सहयोग किया। विद्यार्थियों को उनकी स्थानन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इन कंपनियों के साथ मिलकर विभिन्न भर्ती अभियान, परिसर रोज़गार सहायता अभियान, नौकरी मेल आदि आयोजित किए गए।

efgykvksa ds fy, 23 eb 2017 dks vk;ksftr jkstxkj lgk;rk vfHk;ku

विश्वविद्यालय, अपने विविध प्रयासों के माध्यम से हमेशा महिला सशक्तीकरण/विकास से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रहता है और उन्हें बढ़ावा देता है। कॉर्पोरेट जगत में बढ़ती प्रतियोगी भावना को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने महिला सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा। परिसर रोज़गार सहायता प्रकोष्ठ ने गुरुग्राम के ए.बी.सी. कंसलटेंट के आर.पी.ओ. पर फ्लैक्सेबिलिटी के साथ 23 मई 2017 को महिलाओं के लिए रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किया।

रिपोर्टाधीन अवधि में संबंधित क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों के सक्रिय योगदान से विभिन्न स्थलों पर छह आयोजन किए गए। प्रकोष्ठ ने मुख्यालय में पाँच परिसर रोज़गार सहायता अभियान और नोएडा में कंपनी परिसर में एक रोज़गार सहायता अभियान आयोजित किया। इन रोज़गार सहायता अभियानों में कुल मिलाकर 1,539 विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनमें से 275 विद्यार्थियों को चिह्नित/चयनित किया गया।

n- leku volj ¼Equal Opportunity½

जाति, मत/पंथ, धर्म, भाषा, नृजातीयता, जेंडर और विकलांगता जैसे किसी भी आधार के बिना किसी भेदभाव के सभी विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा करना और समान अवसर एकक का उद्देश्य है। समाज के किसी भी समूह से संबंधित होने के बावजूद, बिना किसी भेदभाव के विद्यार्थियों के सभी समूहों को बढ़ावा देना भी इस एकक का उद्देश्य है। समान अवसर एकक के कार्य इस प्रकार हैं :

1. किसी भी विद्यार्थी अथवा विद्यार्थियों के समूह के द्वारा भेदभाव की किसी भी शिकायत से निपटने और निर्णय लेने के लिए प्रविधि और तंत्र निर्धारित करना।

2. समानता के महत्व के बारे में शिक्षित–संवेदित करने और जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिलाएँ, ट्रांसजेंडर आदि सहित हाशिए के वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों के विरुद्ध किसी भी रूप में जाति आधारित भेदभाव और उत्पीड़न से पार पाना।

3. सामाजिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की योजनाओं और कार्यक्रमों से संबंधित सूचना का प्रसार करना। साथ ही, सरकार अथवा अथवा अन्य एजेंसियों/संगठनों के द्वारा समय–समय पर जारी की गई अधिसूचनाओं/ज्ञापनों/कार्यालयों आदेशों से संबंधित सूचना का भी प्रसार करना।

4. विद्यार्थियों के साथ भेदभाव दूर करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णयों और इनका उल्लंघन करने पर दंड के संबंध में सूचना इग्नू बेवसाइट पर डालना और विद्यार्थियों में व्यापक तौर पर प्रसारित करना।

5. यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णयों को कड़ाई से लागू करना।

6. समाज के सुविधा–वंचित समूहों से संबंधित विद्यार्थियों के प्रवेश/पंजीकरण के लिए बाधाविहीन औपचारिकताएँ/कार्यविधियाँ तैयार करना।

/k- vrjjk"Vh; xfrfof/k;k

अंतरराष्ट्रीय मंच पर इग्नू, विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग करने, अनुसंधान परियोजनाएँ आयोजित करने, और क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित करने से जुड़ी अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रभाग, विदेशों में प्रवेश और विद्यार्थी सहायता सेवा की प्रबंध–व्यवस्था करता है। अंतरराष्ट्रीय प्रभाग ने देश से बाहर इग्नू की सीमाओं के विस्तार के लिए वैश्विक पटल पर सहयोग, सहकारिता, समन्वय और प्रतियोगिता के माध्यम से चार–स्तरीय दृष्टिकोण को अपनाया। पहले, पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्किंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित अध्ययन केंद्रों के अलावा इग्नू के 29 विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से लगभग 15 देशों तक पहुँच रही। पैन अफ्रीकी ई–नेटवर्क परियोजना के बारे में विवरण 'शैक्षिक कार्यों में प्रौद्योगिकी' शीर्षक अध्याय–IV में दिया गया है। विदेशी अध्ययन केंद्रों पर विद्यार्थी सहायता सेवाएँ, परामर्श सत्रों का आयोजन, विश्वविद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों के लिए प्रैक्टिकल और परीक्षा–सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान विश्वविद्यालय ने विदेशी अध्ययन केंद्रों को फिर से शुरू करने की दिशा में प्रयास किए। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष, भारत के माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से पिछले तीन वर्षों में 10 देशों में 12 विदेशी अध्ययन केंद्रों को दोबारा से शुरू किया गया।

rkfydk 4-3 % fon'kh v/;;u dn ¼vk-,l-lh-½

fon'kh v/;;u dn dk uke vkj LFkku
इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऐकेडेमिक्स, काठमांडु, नेपाल (9602)
ग्लोरी इंस्टीट्यूट, सल्तनत ऑफ ओमान, मस्कट (5905)

रीजेंट इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन, गम्पा, श्रीलंका (9702)
सेंट मैरीज़ यूनिवर्सिटी कॉलेज, अदिस अबाबा, इथोपिया (8105)
नेपाल इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, काठमांडु, नेपाल (9604)
गल्फ सेंटर फॉर यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन, कुवैत (5704)
ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस, मॉरिशस (7202)
सेंटर फॉर ओपन एंड डिस्टेंस एज्यूकेशन, केन्या (9401)
हाउत्ज इतुदस कमर्शियलिज़ (एच.ई.सी.), आइवरी कोस्ट (8203)
इंडियन एकेडेमी डब्ल्यू.एल.एल, बहरीन (6001)
एज्यूकेशनल कंसलटिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज़, जद्दा, सउदी अरब (6101)
एज्यूकेशनल कंसलटिंग एंड गाइडेंस सर्विसिज़, रियाद, सउदी अरब (6102)

विदेशी अध्ययन केंद्रों के माध्यम से विदेशी विद्यार्थियों की अब तक कुल संख्या 69,604 है, जिनमें से रिपोर्टाधीन अवधि में 1,440 नए विद्यार्थियों ने नामांकन कराया और 1,395 विद्यार्थियों ने पुनः पंजीकरण कराया। इस दौरान, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग की अन्य प्रमुख गतिविधियों में निम्नलिखित प्रतिनिधिमंडलों के दौरों का समन्वयन शामिल था :

1) मलावी में मुक्त विश्वविद्यालय विकसित करने के प्रश्न पर चर्चा करने के लिए वहाँ के शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. इमैनुअल फेबिआनो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 20 अप्रैल 2017 को इग्नू का दौरा किया।

2) विधि में एम.एस.सी. कार्यक्रम (एम.एस.एल.) और इग्नू के साथ सहयोग के तरीकों के बारे में चर्चा करने के लिए शिकागो के नॉर्थवेस्टर्न प्रित्ज़कर स्कूल ऑफ लॉ के प्रतिनिधिमंडल ने 9 नवंबर 2017 को इग्नू में दौरा किया।

fof/k esa foKku esa Lukrdksùkj dk;Øe vkSj bXuw ds lkFk lg;ksx ds rjhdksa ds ckjs esa ppkZ djus ds fy, f'kdkxks ds ukWFkZoSLVuZ fizRtdj Ldwy vkWQ ykW ds izfrfuf/keaMy dk 9 uoacj 2017 dks bXuw esa nkSjk

eykoh esa eqDr fo'ofo|ky; fodflr djus ds iz'u ij ppkZ djus ds fy, ogka ds f'k{kk ea=h ekuuh; MkW- beSuqvy QsfcvkukS ds usr`Ro esa ,d izfrfuf/keaMy dk 20 viSzy 2017 dks bXuw esa nkSjk

विद्यापीठ/केंद्र/प्रभाग–विशेष में दौरा करने वाले विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के दौरों का समन्वय संबंधित एककों के द्वारा किया गया। इन दौरों के बारे में 'शैक्षिक गतिविधियाँ' शीर्षक अध्याय–II में जानकारी दी गई है।

15&17 tuojh 2018 dk fon'kh v/;;u dnk d leUo;dk dh 9oh cBd

अध्याय–V

शैक्षिक कार्यों में प्रौद्योगिकी

अत्याधुनिक नई–नई प्रौद्योगिकियों और विशेष तौर पर सूचना–संचार प्रौद्योगिकी के आविष्कार से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण प्रणाली और वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहा है। देश का मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली का शीर्षस्थ विश्वविद्यालय होने के नाते इग्नू इन अपेक्षाकृत नवीन प्रौद्योगिकियों और सूचना–संचार प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करने के साथ ज्ञान के सृजन और प्रसार में योगदान दे रहा है।

पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क

पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क, इथोपिया के अदिस अबाबा और हरमाया विश्वविद्यालय के 40 विद्यार्थियों के परिचय कार्यक्रम के साथ जनवरी 2007 में प्रायोगिक आधार पर शुरू किया गया था। यह प्रायोगिक परियोजना मई 2009 में सफलतापूर्वक पूरी हुई। तब इस परियोजना में 34 विद्यार्थियों ने दो विशेषीकरण – विपणन और मानव संसाधन विकास – के साथ अपनी एम.बी.ए. उपाधि पूरी की थी।

प्रायोगिक परियोजना के अनुभवों के आधार पर, पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क की मुख्य परियोजना चार अफ्रीकी देशों (मिस्र, रवांडा, बोत्सवाना और मलावी) के विद्यार्थियों के लिए 'व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर' (एम.बी.ए.) और 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.ई.सी.ई.) कार्यक्रमों के साथ 11 फरवरी 2010 को शुरू हुई। जुलाई 2010 में घाना और इथोपिया एम.बी.ए. कार्यक्रम के लिए इस परियोजना में शामिल हो गए। आगे चलकर बोत्सवाना, मलावी और रवांडा में भी पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्क में शामिल हो गए और इन देशों के विद्यार्थियों ने भी 'एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.ए.एफ.ई.) कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इग्नू ने पैन–अफ्रीका ई–नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत अफ्रीका महाद्वीप के 31 देशों की 32 संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ये देश हैं – बेनिन, बोत्सवाना, बुर्कीना फासो, कैमरून, केप वर्डे, कांगो, लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डी.आर.कांगो), इथोपिया, मिस्र, इरीट्रिया, गेबोन, घाना, गुयाना, आइवरी कोस्ट, लेसोथो, मेडागास्कर, मलावी, माली, मॉरिशस, मोज़ाम्बीक, नाइजीरिया, रवांडा, सेशेल्स, सेनेगल, सिएरा लियोन, सोमालिया, सूडान, साओ तोमे, तंज़ानिया, यूगांडा और ज़ाम्बिया। लेकिन, इनमें से केवल 19 देशों ने ही पैन–अफ्रीकी ई–नेटवर्क में भाग लिया।

इस परियोजना के अंतर्गत उपर्युक्त स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 2,750 थी। 635 विद्यार्थियों ने अपने–अपने अध्ययन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए। अंतिम शैक्षिक सत्र अर्थात जनवरी 2017 में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों सहित अब तक कुल 412 विद्यार्थी इसमें सक्रिय रूप से अध्ययनरत हैं।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने इस परियोजना को जून 2017 के बाद विस्तार प्रदान नहीं किया है। वैसे, इग्नू विद्यार्थियों को उनके अपने अध्ययन कार्यक्रमों की अधिकतम अवधि पूरी होने तक उन्हें अपने–अपने अध्ययन कार्यक्रम पूरे करने के लिए हर प्रकार की संभव सहायता देने के प्रति प्रतिबद्ध है।

प्रौद्योगिकी–समर्थ लचीली शिक्षा और विकास के लिए अन्तर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम

अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (आई.यू.सी.) मुक्त एवं दूर शिक्षा प्रणाली की संवृद्धि और विकास के लिए काम करने वाली संस्थाओं के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का एक प्लेटफॉर्म है। मुक्त और दूर शिक्षा, ई–लर्निंग, नव ज्ञान सृजन और समुचित प्रौद्योगिकी सृजन जैसे विभिन्न प्रकार के सहयोगात्मक कार्यों को करने के लिए यह कंसोर्टियम नोडल केंद्र के रूप में भी काम करता है। इसके उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश के समग्र विकास के लिए प्रौद्योगिकी समर्थ शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना;
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के माध्यम से लचीले, परिवर्धित अंतःक्रियात्मक फॉर्मेट के जरिए वर्तमान दूर और मुक्त शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देना;
- दूर और मुक्त शिक्षा प्रौद्योगिकी समर्थ कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास से संबंधित अनुसंधान और विकास कार्य करना;

- विकलांगों, शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ों और कमज़ोर वर्गों के लोगों को शिक्षा और रोज़गार के विकास के बारे में और अधिक विचार करने के लिए प्रेरित करना;
- मुक्त विश्वविद्यालयों, परंपरागत विश्वविद्यालयों, ग़ैर–सरकारी संगठनों जैसे समाज के विभिन्न वर्गों में उपलब्ध प्रतिभाओं का पूल तैयार करना; और
- राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों के सहयोग से एक भाषा में उपलब्ध शिक्षण सामग्री का समुचित प्रौद्योगिकी की सहायता से अन्य भाषाओं में अनुवाद करना।

कंसोर्टियम को रिपोर्टाधीन अवधि में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रयास 'स्वयं' (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds - SWAYAM) तथा 'स्वयंप्रभा' (SWAYAMPRABHA) के पाँच डी.टी.एच. चैनलों की मेज़बानी का दायित्व सौंपा गया। विश्वविद्यालय द्वारा समन्वयन किए जा रहे पाँच चैनलों में से एक 'राज्य मुक्त विश्वविद्यालय' चैनल है। कंर्सोटियम ने इस चैनल के लिए वीडियो विषय–वस्तु विकसित और संचालित करने के लिए कार्य योजना बनाई।

डिजिटल कोशागार (ई–ज्ञानकोश) सेवा फिर से शुरू की गई और इसने काम करना शुरू कर दिया। आई.यू.सी. को ऑनलाइन ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म और बेवकास्टिंग के साथ ई–ज्ञानकोश की मेज़बानी, अद्यतनीकरण और रख–रखाव का उत्तरदायित्व सौंपा गया। इग्नू द्वारा चलाए जा रहे 227 से अधिक कार्यक्रमों की स्व–शिक्षण सामग्री ई–ज्ञानकोश पोर्टल पर डिजिटल रूप में उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति, इंटरनेट की सहायता से इसका उपयोग कर सकता है। कंसोर्टियम, देश–भर में स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्रों के साथ इग्नू मुख्यालय के दो–तरफा वीडियो अंतःक्रिया उपलब्ध कराने वाली वेब–कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का समन्वयन कर रहा है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, नियमित रूप से वेब–कॉन्फ्रेंसिंग सत्र आयोजित किए गए। प्रमुख आयोजनों के वेब–कास्ट वीडियो, ई–ज्ञानकोश डिजिटल कोशागार के इग्नू यू–ट्यूब भाग में अपलोड किए गए।

संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर)

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से शैक्षिक विषय–वस्तु के विकास और प्रसार का दायित्व इग्नू के संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर – ई.एम.पी.सी.) पर है। शुरू में यह केंद्र विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की स्व–शिक्षण सामग्रियों के अनुपूरक के रूप में पाठ्यचर्या–आधारित दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम निर्मित करता था। समय बीतने के साथ–साथ संचार केंद्र रेडियो, टेलीविज़न और वेब–आधारित टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंतःक्रियात्मक प्रसारण सहित अपनी गतिविधियों में कई स्तरों पर विविधता लाया है। संचार केंद्र, ज्ञान दर्शन 1 और 2 चैनलों तथा ज्ञानवाणी केंद्रों के लिए नोडल केंद्र के रूप में काम भी करता है। इग्नू के कार्यक्रम डी.डी. राष्ट्रीय चैनल पर हर रोज़ सुबह 6.00 से 6.30 बजे तक भी प्रसारित होते हैं।

संचार केंद्र ने अब तक 4,806 दृश्य और 2,572 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए हैं। इनमें से रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल 141 दृश्य और 182 श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए गए।

समय बीतने के साथ–साथ संचार केंद्र ने अपनी गतिविधियों को दृश्य और श्रव्य कार्यक्रमों के निर्माण से लेकर रेडियो और टेलीविज़न के साथ–साथ एडूसेट कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अंतःक्रियात्मक प्रसारणों तक कई गुणा बढ़ा लिया है। संचार केंद्र ज्ञान दर्शन चैनलों और ज्ञानवाणी केंद्रों का प्रबंधन करने के लिए नोडल केंद्र के रूप में काम करता है। इन सुविधाओं का विभिन्न राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों, केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, गैर–सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट निकायों और अन्य क्षेत्रों जैसे विभिन्न शिक्षण और प्रशिक्षण केंद्रों के साथ आदान–प्रदान किया जाता है।

पाठ्यचर्या आधारित दृश्य और श्रव्य कार्यक्रमों के निर्माण संबंधी अपनी अद्वितीय क्षमता के कारण संचार केंद्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संबंधी कार्यों में भी संलग्न है। केंद्र ने इग्नू अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाएँ आयोजित कीं। रिपोर्टाधीन अवधि में केंद्र ने विश्वविद्यालय–संकाय

के लिए पाठ्यचर्या आधारित दृश्य/श्रव्य कार्यक्रमों के लिए पटकथा लेखन पर दो कार्यशालाएँ तथा वीडियो कैमरा के साथ प्रलेखन/अभिलेखन पर एक कार्यशाला आयोजित की। रिपोर्टाधीन अवधि में संचार केंद्र ने कृषि विद्यापीठ द्वारा 'डेवलपमेंट एंड डिलिवरी ऑफ ई–लर्निंग मैटीरियल्स इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' विषय पर आयोजित कार्यशाला–व–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञता–सेवा और आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई।

fLØIV jkbfVx Qkj D;fjD;ye&cLM vkfM;k@ohfM;k ikxkEl fo"k; ij
Lkdk; d fy, 17&23 viy 2017 dk vk;kftr dk;'kkyk

संचार केंद्र ने विद्यार्थियों और स्टाफ के अलावा अन्य शैक्षिक संस्थाओं के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण सुविधाओं को विस्तार प्रदान किया है। संचार केंद्र ने पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ द्वारा चलाए जा रहे श्रव्य कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.पी.पी.) और कम्युनिटी रेडियो में सर्टिफिकेट (सी.सी.आर.) कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया, व्यावहारिक सत्र आयोजित किए और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। पी.जी.डी.ए.पी.पी. और सी.सी.आर. कार्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए हर वर्ष 14 दिन का व्यावहारिक/इंटर्नशिप दिया जाता है।

Ik=dkfjrk d fo|kfFk;k d fy, if'k{k.k l=

Kku n'ku&1

वर्ष 2000 में शुरू हुआ भारत का प्रथम शैक्षिक टी.वी. चैनल ज्ञान दर्शन–1 (जी.डी.1) शिक्षा जगत में एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का एक संयुक्त प्रयास है और इग्नू नोडल एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। (जी.डी. 1) चौबीसों घंटे प्रसारित होने वाला एक विशिष्ट राष्ट्रीय शैक्षिक चैनल है जिससे विविध विषयों के सर्वोत्तम कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं और विभिन्न वर्गों के दर्शकों की जरूरतों को पूरा किया जाता है। इनमें शाला–पूर्व, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों, कॉलेज/विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, कैरियर अवसरों के इच्छुक युवाओं, गृहणियों और कामकाजी

व्यावसायिक–विशेषज्ञ शामिल हैं। ज्ञान दर्शन–1 पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों को एन.सी.ई.आर.टी. के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ओ.एस., राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सी.ई.सी. (यू.जी.सी), डी.एस.टी., डी.ए.ई. (प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय), एन.एल.एम. (राष्ट्रीय साक्षरता मिशन), एन.आई.टी.टी.टी.आर., बी.आर.ए.ओ.यू., और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों आदि जैसे विभिन्न विकास संगठनों एवं शैक्षिक संस्थाओं के साथ पूल किया गया है।

bXu d lpkj dn d LVkQ d }kjk 'kf{kd ohfM;k d fy, vkmVMkj 'kfVx

Kku n'ku&2

मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली में अंतःक्रियात्मकता निर्मित करने के लिए, ज्ञान दर्शन–2 (जी.डी.2) के माध्यम से एक–तरफा दृश्य और दो–तरफा श्रव्य टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ प्रदान की जा रही थीं। इस चैनल के जरिए इग्नू विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम, प्रसिद्ध विषेशज्ञों/सम्मानित व्यक्तियों के व्याख्यान और क्षेत्रीय केंद्रों के स्टाफ के साथ चर्चाएँ आयोजित की जाती थीं। इग्नू के अलावा, आई.सी.ए.आई., एन.बी.ई., डी.ए.वी.सी. एम.सी., आई.सी.ए.आई. और यूनिसेफ जैसी कई अन्य संस्थाएँ भी इस सुविधा का लाभ उठाती थीं। तकनीकी कारणों से जी.डी. 1 और जी.डी. 2 चैनलों का प्रसारण जून, 2014 के बाद स्थगित हो गया था। ज्ञान दर्शन को फिर से शुरू करने के लिए इग्नू और दूरदर्शन के बीच 7 अक्तूबर 2016 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अब ज्ञान दर्शन का प्रसार फिर से शुरू हो गया है। ज्ञान दर्शन को इग्नू वेबसाइट www.ignouonline.ac.in/gyandarshan पर भी प्रसारित किया जाता है।

27 flrcj 2017 dk Kku n'ku codkLV dk 'kHkkjHk

Kku ok.kh ,Q-,e- jsfM;ks

शैक्षिक एफ.एम. रेडियो चैनल ज्ञान वाणी देश के 37 शहरों में स्थित एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के जरिए चलाया जा रहा है। कम लागत वाले लोकप्रिय जनसंचार माध्यम के जरिए विद्यार्थियों तक पहुँचकर अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया में अनुपूरक का काम करना और उसे बढ़ाना ज्ञान वाणी का उद्देश्य है। ज्ञान वाणी स्टेशन, मीडिया प्रसारण सहकारिता के रूप में काम करते हैं। ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो से एन.सी.ई.आर.टी, एन.आई.ओ.एस, इग्नू, राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों, ग़ैर–सरकारी संगठनों, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी संगठनों और विदेशी प्रसारकों जैसी विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं के योगदान से शैक्षिक कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित किए जाते हैं।

ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो स्टेशनों का प्रसारण अक्तूबर 2014 से बंद था। लेकिन, ज्ञान वाणी को फिर से शुरू करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। फलस्वरूप पिछले वित्त वर्ष में ज्ञान वाणी दिल्ली एफ.एम. रेडियो के दोबारा शुरू होने पर ज्ञान वाणी दिल्ली को फिर से शुरू किया गया था। रिपोर्टाधीन अवधि में ज्ञान वाणी एफ.एम. रेडियो के पाँच और केंद्र फिर से शुरू हुए। ये केंद्र वाराणसी, हैदराबाद, लखनऊ, नागपुर और औरंगाबाद में हैं।

'kSf{kd osc jsfM;ks esa iz;ksx & Kku /kkjk

वर्ष 2016–17 में शुरू किए गए 'ज्ञान धारा' नामक इंटरनेट आधारित अंतःक्रियात्मक श्रव्य परामर्श/वेब रेडियो सेवा शुरू की गई। इसके जरिए विद्यार्थी, अपने अध्यापकों और विशेषज्ञों के साथ दिन–विशेष के विषय पर सीधे चर्चा को सुन सकते हैं। इसके साथ–साथ विद्यार्थी उनसे टेलीफोन, ई–मेल अथवा चैट माध्यम से बातचीत भी कर सकते हैं।

bXuw }kjk vius fo|kfFk;ksa dks iznku dh tkus okyh bUVjusV vk/kkfjr jsfM;ks lsok & Kku /kkjk

vUrfØ;kRed jsfM;ks ijke'kZ ¼vkbZ-vkj-lh-½

इग्नू के विद्यार्थियों के लिए अप्रैल 2017 से हर रोज़ अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श (आई.आर.सी.) सत्र आयोजित किए जाते हैं। इन सत्रों में विश्वविद्यालय के 21 अध्ययन विद्यापीठ, स्ट्राइड और अन्य प्रभाग भाग लेते हैं। हर रोज दिन में 11:00 से 1:00 बजे तक दो सत्रों का सीधा प्रसारण किया जाता है और शाम 5:30 से 7:30 बजे के दौरान उनका पुनःप्रसारण किया जाता है। इग्नू के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान वाणी, दिल्ली से हर रोज दिन में 11:00 से 1:00 बजे तक दो सत्र और फिर शाम 5:30 से 7:30 बजे के दौरान उनका पुनःप्रसारण निर्धारित है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 835 अंतःक्रियात्मक रेडियो परामर्श (आई.आर.सी.) सत्र आयोजित किए गए। ये आई.आर.सी. सेवाएँ टेक्स्ट इंटरेक्टिविटी के साथ इग्नू वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। ज्ञान धारा, विश्व में कहीं पर भी इंटरनेट उपयोक्ताओं के लिए इसे प्रसारित कर रहा है। ज्ञान वाणी दिल्ली के द्वारा प्रसारित महत्वपूर्ण गतिविधियों/कार्यक्रमों को ज्ञान धारा फीड का उपयोग करते हुए सभी ज्ञान वाणी केंद्रों पर भी प्रसारित किया जा सकता है।

Kku ok.kh fnYyh vkj Kku /kkjk ij vkb-vkj-lh- l= dk lh/kk ilkj.k

20–24 फरवरी 2018 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित भारत के आठवें राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म समारोह में प्रतियोगी श्रेणी 'ए' में इग्नू की फिल्म 'ट्राइबल्स एंड इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम' ने विशेष जूरी पुरस्कार जीता।

b&llk/kuk dh njLFk igp

पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने जून 2011 में 'रैट' (रिमोट एक्सेस टू ई–रिर्सोसिज़) सेवा लागू की थी। यह सेवा, पुस्तकालय द्वारा जारी प्रत्यय पत्र (क्रीडेंशियल) का इस्तेमाल करते हुए वेब आधारित ई–विषयवस्तु से पुस्तकालय उपयोक्ताओं को कनेक्ट करती है। इस समय 2,068 से अधिक उपयोक्ताओं (संकाय, स्टाफ, क्षेत्रीय केंद्र, शोधार्थी और विद्यार्थी आदि) की देश के किसी भी कोने में कहीं भी, किसी भी समय और कभी भी 7,500 से अधिक ई–जर्नलों, और डिजिटल रूप में उपलब्ध 1,711 पुस्तकों तक पहुँच संभव हो पाती है।

अध्याय–VI
गवर्नेंस, संसाधान और आधारभूत संरचना

इस अध्याय में विश्वविद्यालय के गवर्नेंस, वित्त परिव्यय और आधारभूत संरचना संबंधी संक्षिप्त जानकारी दी जा रही है। विश्वविद्यालय की संगठनात्मक संरचना और अधिकारियों संबंधी विवरण 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफाइल' शीर्षक अध्याय–I और परिशिष्ट 1 (1.6: विद्यापीठों के निदेशक; और 1.7: प्रभाग/एकक/केंद्र के निदेशक/अध्यक्ष) में शामिल किया गया है।

प्रशासन और गवर्नेंस

विश्वविद्यालय के दैनिक प्रशासन और गवर्नेंस की देखरेख अन्य क्रियाशील एवं संचालन प्रभागों की सहायता से प्रशासन प्रभाग द्वारा की जाती है। यह प्रभाग विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक और गैर–शैक्षिक गतिविधियों में सहायता के लिए सभी क्रियाशील और संचालन प्रभागों, केंद्रों, एककों, अध्ययन विद्यापीठों, संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों को प्रशासनिक एवं संभार संबंधी सहायता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय परिसर और दिल्ली के अन्य स्थलों के साथ–साथ क्षेत्रीय केंद्रों पर विश्वविद्यालय की संपत्ति एवं सुरक्षा का प्रबंधन भी प्रशासन प्रभाग द्वारा किया जाता है।

विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए प्रशासन प्रभाग को कर्तव्यों और दायित्वों के आधार पर अनुभागों में वर्गीकृत किया गया है। गवर्नेंस अनुभाग प्रबंध बोर्ड और उसकी स्थायी समितियों (स्थापना समिति और क्रय समिति) की बैठकें आयोजित करने का कार्य करता है। यह अनुभाग विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित अध्यादेशों और विनियमों; विश्वविद्यालय के अधिनियमों और संविधियों में संशोधन, परिवर्धन और विलोपन से संबंधित कार्य भी करता है। अनुभाग इनका अनुपालन भी सुनिश्चित करता है। यह प्रभाग, संसदीय प्रश्नों से संबंधित मामले भी निपटाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय/प्रधानमंत्री कार्यालय आदि से प्राप्त विद्यार्थियों की शिकायतों का निपटारा करने और इग्नू से संबंधित अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराने के लिए यह प्रभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से निकट संपर्क भी बनाए रखता है। गवर्नेंस अनुभाग अन्य अनुभागों/प्रभागों/केंद्रों/एककों/प्रकोष्ठों/विद्यापीठों को विशेष रूप से नीति विषयों से संबंधित उनके कार्य की सुविधा के लिए मुख्य दस्तावेज़/कार्यवृत्त/निर्णय इत्यादि उपलब्ध कराता है। गवर्नेंस अनुभाग ने रिपोर्टाधीन अवधि में प्रबंध बोर्ड की एक बैठक आयोजित कराने की व्यवस्था भी की।

स्थापना

स्थापना अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी गैर–शैक्षिक कर्मचारियों (प्रशासनिक और तकनीकी) के सेवा संबंधी मामलों का कार्य करता है। तालिका 6.1 संस्वीकृत और कार्यरत प्रशासनिक स्टाफ की संख्या को दर्शाती है। तकनीकी स्टाफ की तुलना में प्रशासनिक स्टाफ की संख्या 2.34 गुणा है। कुल प्रशासनिक स्टाफ में से 26.7% और तकनीकी स्टाफ में से 19.1% स्टाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित है।

भर्ती

भर्ती एकक, समूह 'क', 'ख' और 'ग' सेवाओं के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती से संबंधित विज्ञापन देने, प्राप्त आवेदन–पत्रों की छानबीन और अन्य कार्यकलाप करता है। इन कार्यकलापों में विज्ञापन का प्रकाशन, आवेदन पत्रों की प्राप्ति, गठित छानबीन समिति के माध्यम के आवेदन पत्रों की छानबीन, लिखित परीक्षा/साक्षात्कार आयोजित करना, चयन समिति/समितियों की सिफारिशों के आधार पर प्रत्याशियों का चयन शामिल हैं।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय में पृथक एकक है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की निगरानी करता है। प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के एस.सी./एस.टी. स्टाफ और विद्यार्थियों से संबंधित कल्याणकारी गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय के इस एकक ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों और विद्यार्थियों से संबंधित सांख्यिकीय आँकड़ों को समानुक्रमित किया है और उन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अन्य बाहरी अभिकरणों को उपलब्ध कराया।

Rkkfydk 6-1 % Loh—r vkSj dk;Zjr iz'kklfud vkSj rduhdh LVkQ dh la[;k

	iz'kklfud LVkQ				Rkduhdh LVkQ				dqy LVkQ			
Js.kh lewg&[k	lk& Loh& d`r	dk;Zjr		[kkyh in	lk& Loh& d`r	dk;Zjr		[kkyh in	lk& Loh& d`r	dk;Zjr		[kkyh in
		vuq& tk& fr@ vuq& tu& tkfr	lk& ekU; @vks- ch- lh-			vuq& tk& fr@ vuq& tu& tkfr	lk& ekU; @vks- ch- lh-			vuq& tk& fr@ vuq& tu& tkfr	lk& ekU; @vks- ch- lh-	
समूह–क	203	27	105	71	81	3	51	27	284	30	156	98
समूह–ख	527	80	341	106	345	51	178	116	872	131	519	222
समूह–ग	1137	149	256	732	206	24	102	80	1343	173	358	812
dqy ;ksx	**1867**	**256**	**702**	**909**	**632**	**78**	**331**	**223**	**2499**	**334**	**1033**	**1132**

jktHkk"kk uhfr dk;kZo;u

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का कार्य राजभाषा प्रकोष्ठ करता है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के रोज़मर्रा के कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए आवश्यक सहायता/सामग्री उपलब्ध कराता है। प्रकोष्ठ, राजभाषा अधिनियम और उसकी अपेक्षाओं के अनुसार प्रशासनिक दस्तावेज़ों के अनुवाद का कार्य करता है। प्रकोष्ठ ने स्टाफ सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएँ और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए ताकि उन्हें कार्यालयी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। प्रकोष्ठ ने कार्यालयी कामकाज में हिंदी के प्रयोग और जागरूकता में सुधार करने के लिए कवि सम्मेलन, वाद–विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित करके हिंदी दिवस मनाया।

lwpuk dk vf/kdkj ¼vkj-Vh-vkbZ-½

विश्वविद्यालय सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत मांगी गई सूचनाओं को शीघ्र उपलब्ध कराता है। इस कार्य के लिए अलग प्रकोष्ठ है। आर.टी.आई. अधिनियम के कठोरता से अनुपालन करने और समय पर प्रश्नों के उत्तर देने के लिए विश्वविद्यालय में मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों में जन सूचना अधिकारी (पी.आई.ओ.) और अपीलीय प्राधिकारी पदनामित किए हैं। मुख्य सूचना आयोग (सी.आई.सी.) द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार आर.टी.आई. से संबंधित मुद्दों के लिए विश्वविद्यालय की त्रैमासिक रिपोर्ट को आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत मांगी गई 1,824 जानकारियों के उत्तर दिए।

इग्नू मुख्यालय के जन सूचना अधिकारियों के लिए, 20 मार्च 2018 को
सूचना का अधिकार – प्रबंधन सूचना प्रणाली ऑनलाइन पोर्टल संबंधी कार्यशाला

केंद्रीय क्रय

केंद्रीय क्रय एकक, गवर्नमेंट ई–मार्किट प्लेस (जीईएम) सहित विश्वविद्यालय के लिए मदों की खरीद करने की प्रबंध–व्यवस्था करता है। विश्वविद्यालय की परिसंपत्तियों और संपत्तियों के बीमे के साथ–साथ एकक द्वारा संप्राप्त सभी उपकरणों/मशीनों के रखखाव संबंधी कार्य भी केंद्रीय क्रय एकक के द्वारा किया जाता है। एकक, टेंडर प्रक्रिया संबंधी कार्यों की व्यवस्था भी करता है। इसके अलावा यह एकक, टेंडरों की वित्तीय सहमति के लिए क्रय समिति के समक्ष एजेंडा प्रस्तुत करने के लिए मूल्यांकन की व्यवस्था भी करता है।

विधि संबंधी मामले

विश्वविद्यालय से संबंधित सभी कानूनी मामलों, देश–भर में स्थित विभिन्न अदालतों के समक्ष लंबित अदालती मामलों और क्षेत्रीय केंद्रों के जरिए उनकी निगरानी का कार्य विधि प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है। प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय द्वारा उसे भेजे गए विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों का कानूनी दृष्टि से पुनरीक्षण करने संबंधी कार्य भी करता है।

सतर्कता

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.) द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के आधार पर इग्नू ने 1998 में सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना की। मुख्य सतर्कता अधिकारी, सतर्कता संबंधी सभी मामलों में कुलपति के विशेष सहायक/सलाहकार की भूमिका निभाता है। वह केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं विश्वविद्यालय तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) तथा अपने संस्थान के बीच संपर्क–सेतु की भूमिका का निर्वहन करता है। सतर्कता प्रकोष्ठ के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- शिकायतों की जाँच–पड़ताल करने के लिए विश्वविद्यालय की सतर्कता व्यवस्था को सक्रिय बनाना;
- विश्वविद्यालय समुदाय को भ्रष्टाचार और भ्रष्ट व्यवहारों के विरुद्ध जागरूक बनाना;
- कार्यविधियों को सुव्यवस्थित करके निवारक सतर्कता को सुदृढ़ बनाना; और
- भ्रष्टाचार की संभावनाओं को रोकना तथा ईमानदारी और सत्यनिष्ठता की संस्कृति को बढ़ावा देना।

30 अक्तूबर–4 नवंबर 2017 के दौरान 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' आयोजित किया। विश्वविद्यालय स्टाफ ने भ्रष्टाचार–उन्मूलन गतिविधियों तथा ईमानदारी के साथ कार्य करने की शपथ ली।

सामान्य प्रशासन

सामान्य प्रशासन अनुभाग आवास आबंटन, विद्यापीठों/प्रभागों/केंद्रों को स्थान आबंटन, लाइसेंस शुल्क की प्राप्ति/भुगतान, बिजली के बिल, संपत्ति कर संबंधी भुगतान, कर्मचारी कल्याण गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय वाहनों का रख–रखाव, अधिकारियों और सरकारी दौरों/बैठकों आदि के लिए वाहनों की प्रबंध–व्यवस्था संबंधी मामलों को देखता है। यह आवासों के आबंटन के लिए बैठकें आयोजित करता है और विश्वविद्यालय की अन्य बैठकों, सम्मेलनों, दीक्षांत समारोह आदि के लिए साजो–सामान की व्यवस्था करने संबंधी कार्य भी करता है। इसके अलावा, यह अनुभाग टेलीफोन एक्सचेंज, इंटरकॉम लाइनों के रख–रखाव के साथ–साथ एम.सी.डी/डी.डी.ए/डी.जे.बी./बी.आर.पी.एल. जैसे सरकारी निकायों/एजेंसियों के साथ संपर्क करने के मामलों को देखता है।

कर्मचारियों का कल्याण

समन्वय अनुभाग इनडोर और आउटडोर चिकित्सा बिलों, एल.टी.सी, स्थानांतरण, टी.ए. और सी.ई.ए. जैसे व्यक्तिगत दावों का निपटान करता है। ये दावे कंप्यूटरीकृत ओ.डी.एल. प्रणाली के माध्यम संसाधित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह अनुभाग व्यक्तिगत अग्रिमों के लिए कर्मचारियों के अनुरोध, भविष्य निधि, अग्रिम निकासी और सामूहिक बीमा संबंधी कार्य भी करता है। यह अनुभाग मैदान गढ़ी में स्थित मुख्यालय और नई दिल्ली के खेल गाँव आवासीय परिसर में स्थित दो स्वास्थ्य केंद्रों की प्रबंध–व्यवस्था भी करता है।

21 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन

यौन उत्पीड़न से रोकथाम

विश्वविद्यालय ने अपनी महिला कर्मचारियों और विद्यार्थियों के विरुद्ध यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए नीति को अपनाया और नियम–विनियम तैयार किए हैं। यौन–उत्पीड़न के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय के निर्णय के

आलोक में विश्वविद्यालय ने चार समितियाँ गठित की हैं। इनमें से एक–एक क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आर.एस.डी. सी.ए.एस.एच.) क्षेत्रीय केंद्र स्तर (आर.सी.डी.सी.ए.एस.एच.) पर और मुख्यालय (आई.सी.ए.एस.एच.) के स्तर पर हैं और चौथी शीर्षस्थ समिति (ए.सी.ए.एस.एच.) है। यौन–उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल संबंधी संवेदिता और जागरूकता संदेश तथा पोस्टर इग्नू मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों पर व्यापक रूप से वितरित किए गए। वेबसाइट पर 'टूवर्ड्स जेंडर इक्वैलिटी' शीर्षक पेज सृजित किया गया जिसमें 'महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध और दंड व्यवस्था' संबंधी इग्नू की वर्ष 2008 की नीति और 'कार्य–स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध और दंड व्यवस्था' से संबंधित इग्नू की वर्ष 2008 की नियमावली और कार्यविधि संबंधी जानकारी हिंदी और अंग्रेजी में दी गई है।

v/;kidk@'kf{kd lnL;k d lok lc/kh ekey

अध्यापकों/शैक्षिक स्टाफ के सेवा संबंधी कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय में शैक्षिक समन्वय प्रभाग नामक एक अलग प्रभाग है। यह अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों की भर्ती, शिक्षा नीति का निर्धारण और उसे लागू करने, कैरियर प्रगति योजना, यात्रा अनुदान, अध्ययन/सबैटिकल अवकाश, शैक्षिक परिषद और उसकी स्थायी समिति की बैठकों का आयोजन से संबंधित सभी प्रशासनिक और शैक्षिक गतिविधियों का समन्वय भी करता है। प्रभाग, मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों पर तैनात अध्यापकों और शैक्षिक स्टाफ के सेवा संबंधी कार्य करता है। वित्त वर्ष के अंत तक 243 शैक्षिक स्टाफ और 267 अध्यापक हैं। प्रभाग ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान शैक्षिक परिषद की एक तथा उसकी स्थायी समिति की दो बैठकें आयोजित कीं।

fuek.k ,o vuj{k.k lc/kh xfrfof/k;k

निर्माण एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियाँ विश्वविद्यालय के निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग (सी.एम.डी.) द्वारा की जाती हैं। विश्वविद्यालय की संपदा में अस्थायी भवनों, अकादमिक ब्लॉक, संचार केंद्र (ई.एम.पी.सी.) भवन, कुलपति कार्यालय भवन, अतिथि गृह, सभागार, इग्नू परिसर में स्थित आवासीय परिसर के साथ–साथ एशियाई खेल गाँव आवासीय परिसर तथा दिल्ली स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्र शामिल हैं। रख–रखाव संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत इग्नू मुख्यालय और आवासीय परिसर में बिजली और पानी की आपूर्ति, एयरकंडीशनिंग प्रणाली की व्यवस्था के साथ–साथ स्ट्रीट लाइट, पंप हाउस और ट्यूबवैलों आदि का रख–रखाव भी शामिल है। विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों के भवनों का निर्माण और रख–रखाव के बारे में उल्लेखनीय उपलब्धियों को 'अध्याय–IV : विद्यार्थी सहायता सेवाएँ' में शामिल किया गया है।

;ktuk ,o fodkl

विश्वविद्यालय के समग्र नियोजन और निगरानी का दायित्व योजना एवं विकास प्रभाग का है। इस प्रभाग के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- विश्वविद्यालय की मुक्त और दूर शिक्षा प्रणााली के लिए विज़न और दिशा–निर्देश निर्धारित करना;
- विश्वविद्यालय के लिए मुद्दों, सरोकारों और उभरते अवसरों की पहचान करना;
- अल्पकालिक और दीर्घकालिक संवृद्धि लक्ष्यों को निर्धारित करना; इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यविधियाँ निर्धारित करना एवं कार्य–निष्पादन की निगरानी करना;
- प्रणाली की क्षमताओं और प्रभावशीलता में सुधार करके संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करना; तथा विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा अधिकार नीति के अनुपालन में शैक्षिक संस्थाओं एवं एजेंसियों के साथ बौद्धिक संसाधनों का आदान–प्रदान; और
- विश्वविद्यालय के योजना प्रस्ताव तैयार करना।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रभाग ने योजना बोर्ड की एक बैठक और योजना बोर्ड की 'शैक्षिक कार्यक्रम समिति' नामक स्थायी समिति की दो बैठकें आयोजित कीं। रिपोर्टाधीन अवधि में प्रभाग ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्गों के विद्यार्थियों को सीधे लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर – डी.बी.टी.) नीति का समन्वय भी किया। इस योजना के अंतर्गत बजट के एस.सी.एस.पी. और टी.एस.पी. घटकों के उपयोग के लिए चुनिंदा स्नातक पूर्व कार्यक्रमों (बी.ए, बी.एस–सी, बी.कॉम, बी.एस.डब्ल्यू. और बी.सी.ए.) में नामांकित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति के प्रावधान किया गया।

वित्त एवं लेखा

प्रबंध बोर्ड के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी प्रबंध–व्यवस्था वित्त एवं लेखा प्रभाग द्वारा की जाती है। प्रभाग बजट अनुमान तैयार करना; प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम.आई.एस.) के लिए प्राप्ति और व्यय की समीक्षा; स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) ज्ञापन के लिए निविष्टियाँ तैयार करना; विकास योजनाओं के वित्तीय लक्ष्यों की निगरानी; वित्तीय परामर्श/सहमति प्रदान करना; राजस्व/प्राप्तियाँ एकत्रित करना; क्षेत्रीय केंद्रों/विद्यापीठों/एककों को योजना और गैर–योजना निधि के अंतर्गत त्रैमासिक अनुदान जारी करना; योजना/गैर–योजना तथा ई.एम.एफ. निधियों के अंतर्गत प्रभागों/एककों/केंद्रों से संबंधित बिलों/दावों पर कार्रवाई करना और भुगतान करना; और विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा–विवरण तैयार करने के साथ–साथ भविष्य निधि और पेंशन फंड लेखा और क्षेत्रीय/अध्ययन केंद्रों, प्रभागों और विद्यापीठों की आंतरिक लेखापरीक्षा आदि जैसे दायित्व निभाता है।

इग्नू को उसकी विकास संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय से आंशिक रूप से अनुदान के द्वारा वित्त–पोषण किया जाता है। विश्वविद्यालय की विकास संबंधी गतिविधियों के अलावा, अन्य संदर्भों में विश्वविद्यालय अपने आंतरिक स्रोतों से एकत्रित किए गए राजस्व से व्यय करता है। वर्ष 2017–18 सहित पिछले पाँच वर्षों के विश्वविद्यालय की प्राप्तियों का ब्यौरा तालिका 6.2 में और योजना एवं गैर–योजना व्यय का ब्यौरा तालिका 6.3 में दिया गया है। वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान विश्वविद्यालय को 589.52 करोड़ रुपए की कुल प्राप्तियाँ हुईं। इनमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान कुल प्राप्ति का 17.0% है। कुल राजस्व का 64.2% विद्यार्थियों से शुल्क के रूप में प्राप्त हुआ और 18.8% अन्य स्रोतों से आय हुई। यह विवरण आरेख 6.1 में भी प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 6.2 : विश्वविद्यालय की प्राप्तियों का विवरण

(राशि करोड़ रुपयों में)

प्राप्ति का स्वरूप	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
कुल प्राप्तियाँ	569.71	564.79	498.63	631.93	589.52
एम.एच.आर.डी. से प्राप्त अनुदान	46.25	100	74.25	120.32	100.00
प्राप्तियों का प्रतिशत	8.1	17.7	14.9	19.0	17.0
विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क	435.21	382.26	349.89	423.19	378.69
प्राप्तियों का प्रतिशत	76.4	67.7	70.2	67.0	64.2
अन्य प्राप्तियाँ*	88.25	82.53	74.49	88.42	110.83
प्राप्तियों का प्रतिशत	**15.5**	**14.6**	**14.9**	**14.0**	**18.8**

**इसके अंतर्गत आवेदन–पत्रों की बिक्री, परीक्षा शुल्क और अन्य प्राप्तियाँ शामिल हैं।*

vkj[k 6-1 % fo’ofo|ky; dh ikfIr;k dk fooj.k

(राशि करोड़ रुपयों में)

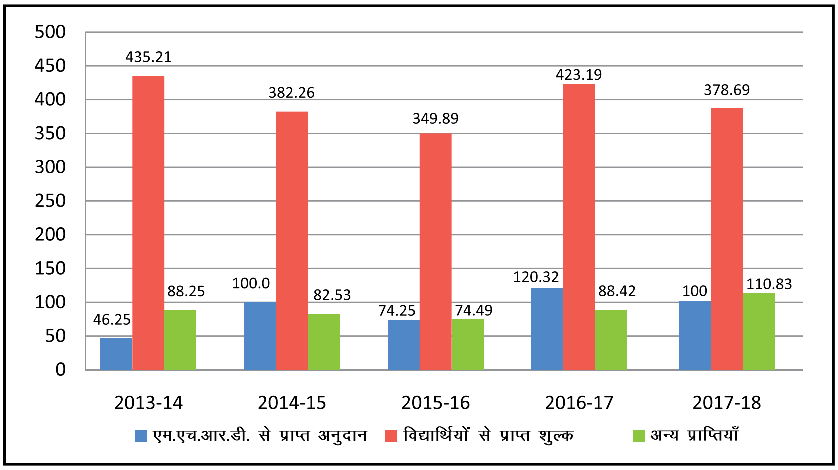

तालिका 6.3 में रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालय के योजना और गैर–योजना व्यय को दर्शाया गया है। यह व्यय विवरण आरेख 6.2 में भी आरेखीय रूप में दर्शाया गया है।

rkfydk 6-3 % ;ktuk vkj xj&;ktuk 0;; dk fooj.k

(राशि करोड़ रुपयों में)

0;; dk Lo:Ik	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
कुल व्यय	565.65	527.66	584.04	668.21	683.21
वेतन	168.81	187.99	202.55	248.17	251.31
व्यय का प्रतिशत	29.9	35.6	34.7	37.1	36.8
कर्मचारी कल्याण	10.48	11.47	12.82	10.56	13.23
व्यय का प्रतिशत	1.9	2.2	2.2	1.6	1.9
सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	94.72	35.9	116.84	88.52	78.24
व्यय का प्रतिशत	16.7	6.8	20	13.2	11.5
शैक्षिक व्यय	142.53	150.67	148.4	164.9	171.97
व्यय का प्रतिशत	25.2	28.5	25.4	24.7	25.2
मरम्मत एवं रखरखाव	4.6	5.81	4.61	4.34	3.59
व्यय का प्रतिशत	0.8	1.1	0.8	0.6	0.5
प्रशासनिक व्यय	91.14	90.89	87.26	91.62	113.23
व्यय का प्रतिशत	16.1	17.2	14.9	13.7	16.6
ज्ञान वाणी/ज्ञान दर्शन संचालन	27.18	40.93	1.24	22.38	14.29
व्यय का प्रतिशत	4.8	7.8	0.2	3.3	2.1
पूँजीगत व्यय	6.79	4	10.32	37.72	37.35
व्यय का प्रतिशत	1.2	0.8	1.8	5.6	5.5
राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों और दूर शिक्षण संस्थानों को अनुदान	19.40*	0	0	0	0.00
व्यय का प्रतिशत	3.4	0	0	0	0.00

***विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) को 19.4 करोड़ रुपए अंतरित किए गए।**

vkjs[k 6-2 % ;kstuk vkSj xSj&;kstuk 0;; dk fooj.k

(राशि करोड़ रूपयों में)

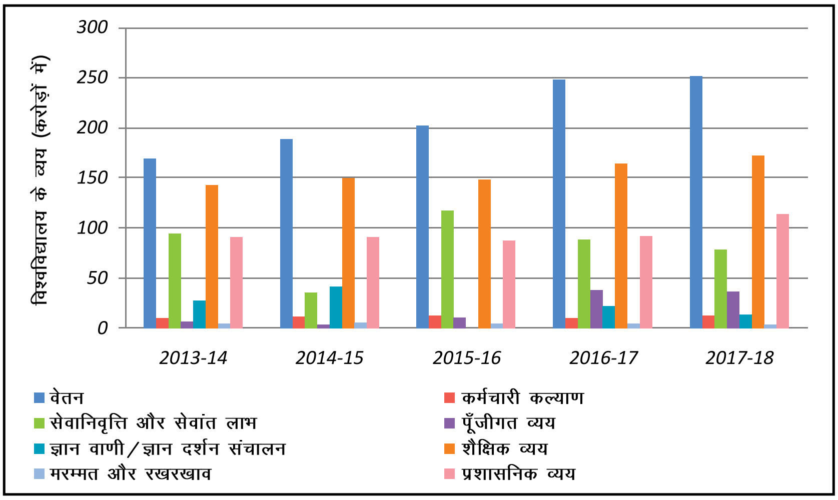

lpuk vkj lpkj ik|kfxdh lok,¡

मुख्यालय स्थित कंप्यूटर प्रभाग विश्वविद्यालय को मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रदान करता है। यह सूचना–संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के माध्यम से विभिन्न कंप्यूटिंग और नेटवर्क सेवाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक संप्रेषण का मूलाधार है। प्रभाग मुख्यालय, क्षेत्रीय केंद्रों, अध्ययन केंद्रों और विदेशों में स्थित विदेशी अध्ययन केंद्रों में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और संकाय को सेवाएँ प्रदान करता है। यह प्रभाग, इग्नू की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) की प्रबंध व्यवस्था भी करता है। इस वेबसाइट का आभासी माध्यम से गहन विद्यार्थी सहायता सेवा के लिए बहुत अधिक इस्तेमाल किया जाता है।

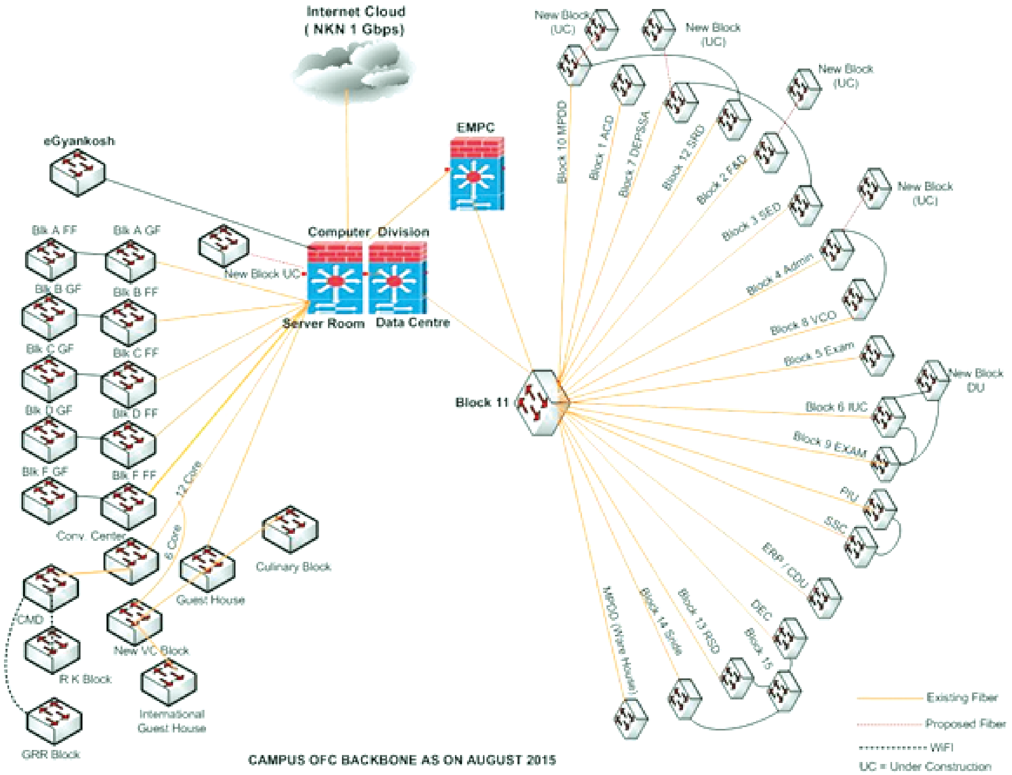
Internet Cloud
(NKN 1 Gbps)
eGyankosh
EMPC
Computer Division
Server Room
Data Centre
New Block UC
Blk A FF
Blk A GF
Blk B GF
Blk B FF
Blk C GF
Blk C FF
Blk D GF
Blk D FF
Blk F GF
Blk F FF
12 Core
6 Core
Conv. Center
CMD
R K Block
GRR Block
Guest House
Culinary Block
New VC Block
International Guest House
Block 11
New Block (UC)
New Block (UC)
New Block (UC)
New Block (UC)
Block 10 MPDD
Block 1 ACD
Block 7 DEPSSA
Block 12 SRD
Block 2 F&D
Block 3 SED
Block 4 Admin
Block 8 VCO
Block 5 Exam
New Block DU
Block 6 IUC
Block 9 EXAM
PIU
SSC
ERP / CDU
DEC
Block 15
Block 13 RSD
Block 14 Sride
MPDD (Ware House)
Existing Fiber
Proposed Fiber
WiFi
UC = Under Construction
CAMPUS OFC BACKBONE AS ON AUGUST 2015

Ek[;ky; dk lpuk vkj lpkj ik|kfxdh vk/kkj

इग्नू, बैक ऑफिस प्रक्रियाओं के लिए ई.आर.पी. कार्यान्वयन करके संबंधित कार्यों का स्वचलन करने और प्रभाविता को सुधारने तथा प्रबंधन करने वाला राष्ट्रीय स्तर का पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने इसे वर्ष 2008 में लागू किया और यह 'ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी.' नाम से प्रचलित है। मानव संसाधन, वेतन पत्रक, क्रय, वित्त एवं लेखाकरण के साथ–साथ आपूर्ति शृंखला प्रबंधन प्रक्रियाओं का स्वचलन करने के लिए इस परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है ताकि मुख्यालय की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। कंप्यूटर प्रभाग ने वर्ष 2014 में बाहरी एजेंसी से इस परियोजना को अपने अधिकार में ले लिया। प्रभाग ने मुख्यालय स्थित सभी कार्यालय क्षेत्रों में 'लैन' और 'इंटरनेट' सुविधा का विस्तार किया। प्रभाग, क्षेत्रीय केंद्रों के साथ और माँग पर अन्य एजेंसियों/विशेषज्ञों के साथ की जाने वाली वेब–कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित कराने की सुविधाएँ प्रदान करता है।

ओ.डी.एल. सॉफ्ट–ई.आर.पी. के लिए डाटा सेंटर के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आधारभूत संरचना और संबंधित सेवाएँ सृजित की गईं। इसमें ओ.एफ.सी., सी.ए.टी.6, और वाई–फाई कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते हुए लगभग 2500 नेटवर्क नोड चौबीसों घंटे डाटा सेंटर के माध्यम से कार्य करते रहते हैं। ओ.डी.एल. सॉफ्ट के कार्यान्वयन के लिए ई.आर.पी. पैकेज के विभिन्न संचालनात्मक मॉड्यूलों से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण और कौशल विकास आयोजित किए गए। इग्नू में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) के अंतर्गत मुख्यालय में 1 जी.बी.पी.एच. की इंटरनेट ब्राडबैंड कनेक्टिविटी है। सहभागियों और विश्व के अन्य लोगों के लिए इंटरनेट पहुँच और ऑनलाइन सेवाओं के लिए यह मूलभूत सुविधा है। विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों के केंद्रीकृत प्रोफाइल का ऑनलाइन डाटाबेस और ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली लागू की गई थी। भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक अधिप्राप्ति पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के लिए मदों की खरीद के लिए ई–निविदा शुरू की। एन.आई.सी. क्लाउड से सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटिंग और भंडारण संबंधी आधारभूत संरचना को किराए पर लिया गया है ताकि ऑनलाइन प्रवेश, वेबसाइट और डी.एन.सी. जैसी विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण आई.टी. सुविधाओं को उसमें सहेजा जा सके। इससे विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को इन सेवाओं की उच्च उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

रिपोर्टाधीन अवधि में कंप्यूटर प्रभाग से इग्नू के स्ट्राइड के सहयोग से 'टेक्नोलॉजी–सेंट्रिक फ्रेमवर्क फॉर ओपन यूनिवर्सिटी सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनजमेंट' पर तीन दिन की एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। विद्यार्थियों को भुगतान सेवाएँ/गतिविधियों प्रदान करने के लिए ऑनलाइन पोर्टलों को नए भुगतान गेटवेज़ के साथ एकीकृत किया गया। वेबसाइट की विषय–वस्तु को अद्यतन करने और संचालन के बारे में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र–दिल्ली क्षेत्र में अवस्थित क्षेत्रीय केंद्रों के स्टाफ के लिए कंप्यूटर प्रभाग ने एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

iLrdky; lsok,

विश्वविद्यालय का इग्नू का पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग, पुस्तकालय सेवाएँ और प्रलेखन संबंधी कार्य करता है। यह प्रभाग मुक्त और दूर शिक्षा के क्षेत्र में देश का सर्वाधिक संसाधन संपन्न भंडार है। यह तीन स्तरों पर काम करने वाली प्रणाली है। इस प्रणाली के अंतर्गत मुख्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय पुस्तकालय के साथ–साथ क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर स्थित पुस्तकालय कार्य करते हैं। केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षक वर्ग के साथ–साथ प्रशासनिक, तकनीकी एवं सहायक स्टाफ, शोधार्थियों और विज़िटिंग संकाय की ज़रूरतों को पूरा करता है। विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय 2675.89 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालय वहाँ के स्टाफ, शैक्षिक परामर्शदाताओं और समन्वयकों की पुस्तकालय सबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं। नज़दीक के क्षेत्रों के अध्ययन केंद्रों के विद्यार्थी भी क्षेत्रीय केंद्र पुस्तकालय में आ सकते हैं और वहाँ उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों, ई–संसाधनों और अन्य संसाधनों को संदर्भ के लिए देख–पढ़ सकते हैं। अध्ययन केंद्रों के पुस्तकालय विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए हैं। इसके अलावा ये, विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त ई–संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच उपलब्ध कराकर उपयोक्ताओं को सेवाएँ भी प्रदान करते हैं। पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने पुस्तकों की खरीद की प्रक्रिया को क्षेत्रीय केंद्रों तथा विद्यार्थी सहायता केंद्र को विकेंद्रित किया है ताकि वे अपनी जरूरतों के अनुसार पुस्तकें खरीद सकें।

Ek[;ky; fLFkr dnh; iLrdky; dk iLrd tkjh dju okyk dkmVj

पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग ने इग्नू के पिछले वर्षों की सत्रांत परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों को डिजीकृत करके उन्हें इग्नू वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। पुस्तकालय की पुस्तकों और ई–संसाधनों की पहुँच को केंद्रीय पुस्तकालय के सदस्य वेब–ओपेक के जरिए ब्राउज़ और डाउनलोड कर सकते हैं। ई–संसाधनों की पहुँच को केंद्रीय पुस्तकालय के सदस्य अपने डेस्कटॉप, घर पर या फिर किसी अन्य स्थल पर रिमोट एक्सैस सेवा वेब–ओपेक के माध्यम से ब्राउज़ और डाउनलोड भी कर सकते हैं। इग्नू केंद्रीय पुस्तकालय के संग्रह को लिबसिस सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए स्वचालित किया गया है। वहीं, क्षेत्रीय केंद्रों पर कोहा ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर इसी प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराता है।

ई–संसाधनों तक पहुँच उपलब्ध कराने और देश की राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संपर्क के लिए पुस्तकालय, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एन.डी.एल.) का भी सदस्य है। विश्वविद्यालय ई–संसाधनों की रिमोट एक्सैस सर्विसिज़ भी उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराई गई ई–संसाधनों की रिमोट एक्सैस सर्विसिज़ का विवरण अध्याय-V में दिया गया है।

इग्नू पुस्तकालय डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरीज़ नेटवर्क) का भी सदस्य है। डेलनेट, केंद्रीय तथा क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालयों को यूनियन केटलॉगों, अंतर्पुस्तकालय उधारी और प्रलेख वितरण सुविधा प्रदान करता है।

इग्नू पुस्तकालय, निम्नलिखित संसाधनों तक पहुँच उपलब्ध कराने वाले यू.जी.सी. के ई–शोधसिंधु का सदस्य हैः अमेरिकन फिज़िकल सोसाइटी; इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली; इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज़ इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट; आई.गेट प्लस (जे.सी.सी.सी); जे.एस.टी.ओ.आर; नेचर; ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी; प्रोजेक्ट म्यूस; स्प्रिंगर लिंक; तथा टेलर एंड फ्रांसिस। यह राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के जरिए निम्नलिखित संसाधनों तक पहुँच भी उपलब्ध कराता है :

1. विश्व ई–पुस्तक पुस्तकालय (वर्ल्ड ई–बुक लाइब्रेरी)
2. दक्षिण एशियाई अभिलेखागार

dnh; iLrdky; dk iBu d{k

तालिका 6.4 में मुख्यालय, क्षेत्रीय केंद्रों और विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर पुस्तकों आदि की संख्या को दर्शाया गया है। कुल मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की संख्या काफी अधिक है। मुख्यालय में 1.50 लाख मुद्रित पुस्तकें हैं और क्षेत्रीय केंद्रों एवं विद्यार्थी सहायता केंद्रों पर 2.5 लाख पुस्तकें हैं। इस समय इग्नू पुस्तकालय 280 जर्नल और 29 समाचार–पत्रों का ग्राहक है। ई–संसाधनों में लगभग 75 हजार शोध पत्रिकाएँ और (खरीदी गई) 1,700 पुस्तकें शामिल हैं। रिपोर्टाधीन अवधि में 1,52,094 पुस्तकों (एक्सैस/देखी गई), 18,000 शोध–पत्रिकाओं (जारी की गई) और 14,000 पत्रिकाओं (अंकों) का ई–संसाधनों का उपयोग किया गया।

rkfydk 6-4 % 31 ekp] 2018 rd iLrdky; e iLrdk vkfn dh l[;k

Lkl k/kuk dk Lo:i	Lk[;k
dnh; iLrdky;	
क) मुद्रित पुस्तकें	1,50,726
ख) शोध प्रबंध	291
ग) पम्फलेट्स	94
घ) इग्नू अध्ययन सामग्री	2,443
ङ) जिल्दबंद जर्नल	16,865
च) माइक्रोफिच	17,558
छ) माइक्रोफिल्में	199
ज) जर्नल	280
झ) सी.डी. रोम	4,160
ञ) समाचार–पत्र	29
ट) पत्रिकाएँ	51
ठ) फोटोग्राफ एल्बम	209

Lkalk/kuksa dk Lo:i	Lka[;k
{ks=h; dsUnz vkSj v/;;u dsUnz esa iqLrdsa क) मुद्रित पुस्तकें	2,51,762
Eq[;ky; vkSj {ks=h; dsUnz ij b&lalk/ku igq¡p क) ई–पुस्तकें ख) ई–जर्नल	1,711 75,000

पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग ने 22वें प्रो. जी.राम रेड्डी स्मृति व्याख्यान के अवसर पर 2 जुलाई, 2017 को अभिलेखीय सामग्रियों की प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

ifjlj dk gjk&Hkjk cukuk

विश्वविद्यालय का बागवानी प्रकोष्ठ 150 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा रखता है। प्रकोष्ठ, बीजों को चारों ओर फैला कर तथा जगह–जगह पर पौधारोपण करके प्राकृतिक वन को समृद्ध करता है और उसका रखरखाव करता है। प्रकोष्ठ परिसर की पारिस्थितिकी को बनाए रखने में मदद करता है। प्रकोष्ठ, परिसर को पर्यावरण हितैषी बनाने और पौधों संबंधी जैव–विविधता को मज़बूत करने के लिए मार्गस्थ पौधों, मौसमी फूलों, सजावटी पौधों, मौसमी फूलों के पौधारोपण, रसायन–मुक्त सब्ज़ियाँ उगाने तथा परिसर में लॉन तैयार करने का कार्य करता है। पिछले कुछ वर्षों से प्रकोष्ठ ने परिसर में फलों वाले अधिकाधिक पौधे लगाने और इग्नू के कार्यालय भवनों को भीतरी पौधों से सजाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है। खाली पड़े भूभागों के टुकड़ों को मनोहार भू–दृश्यों का रूप प्रदान गया और उन्हें सुंदर लॉन के रूप में विकसित किया गया। प्रकोष्ठ, सरकार की पर्यावरण संबंधी नीतियों और वन कानून का कड़ाई से पालन करता है। चिकित्सीय पौधों की 75 प्रजातियों सहित नींबू की प्रजाति वाले (सिटरस) फलों के उद्यान के अलावा, अलग से बाड़े में चिकित्सीय पौधे उगाए गए हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए नर्सरी में स्थित तालाब में 62 बत्तखें हैं।

प्रकोष्ठ ने वर्षा जल संचयन के लिए परिसर में पहली बार 2,000 अस्थायी जल निकास खंदक बनाए। प्रकोष्ठ ने पोथस, ऑक्सीक्लैडियम, ड्रासिना, पेडिलैंथस और सांग ऑफ इंडिया आदि के 1,700 सजावटी पौधे तैयार किए। प्रजनन (संचरण) की विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए कई गुणा प्रवर्धन करते हुए प्रकोष्ठ ने 4,000 पौधे, विभिन्न प्रकार के मौसमी फूलों के 4,985 गमले, 1000 सजावटी पौधे और ओएस्टर मशरूम के अलावा मौसम के अनुसार जैविक सब्ज़ियाँ और फूलों के पौधे उगाए। प्रकोष्ठ ने कृषि–अपशिष्टों का इस्तेमाल करते हुए वर्मी–कम्पोस्ट और एन.ए.डी.ई.पी. इकाइयों के माध्यम से खाद की सहायता से जैविक सब्ज़ियाँ उत्पादित कीं।

परिशिष्ट-1

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी-निकायों के सदस्य और विश्वविद्यालय के अधिकारी
(1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की अवधि के दौरान)

1.1 प्रबंध बोर्ड

क्र.सं.	सदस्यों का नाम	पद/नामांकन
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–10.07.2017) (28.11.2014–10.07.2017 तक अवकाश पर) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–31.10.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (31.10.2017–आज तक)	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
भारत सरकार के प्रतिनिधि (पदेन)		
2.	श्री केवल कुमार शर्मा (01.03.2017–28.02.2018) श्री आर. सुब्रह्मण्यम (01.03.2018–आज तक)	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
3.	श्री अजय मित्तल (02.05.2016–30.06.2017) श्री एन.के. सिन्हा (30.06.2017–आज तक)	सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
कुलाध्यक्ष द्वारा नामित		
4.	प्रो. वसुधा कामत (08.10.2015–07.10.2018)	कुलपति, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
5.	प्रो. जे.एस. राजपूत (08.10.2015–07.10.2018)	पूर्व निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी ए–16, सेक्टर पी–7, मित्र एनक्लेव (ग्रेटर वैली स्कूल के सामने), ग्रेटर नोएडा–201 310 (उत्तर प्रदेश)
6.	श्री रामजी राघवन (08.10.2015–01.05.2017)	संस्थापक और अध्यक्ष, आगस्त इंटरनेशनल फाउंडेशन, बंगलुरु

ic/k cksM }kjk lg;kftr		
7.	डॉ. हितेश डेका (04.03.2016–03.03.2019)	कुलपति, कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
8.	प्रो. के.एन त्रिपाठी (31.10.2014–30.10.2017)	पूर्व समकुलपति, इग्नू
9.	डॉ. ए. सूर्य प्रकाश (05.01.2016–04.01.2019)	अध्यक्ष, प्रसार भारती बोर्ड, प्रसार भारती हाउस, नई दिल्ली
dqyifr }kjk ukfer		
10.	प्रो. स्वराज बसु (04.10.2016–03.10.2018)	निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
11.	प्रो. कपिल कुमार (04.05.2016–03.05.2018)	प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
12.	डॉ. पी. शिवस्वरूप (04.05.2016–03.05.2018)	क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर, महाराष्ट्र
Lkfpo ¼inu½		
13.	श्री एस.के.शर्मा (19.10.2016–31.08.2017) प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव (31.08.2017–आज तक**)	कुलसचिव (प्रभारी), प्रशासन, इग्नू

* *मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.एल. के अनुपालन में 28.04.2016 से 31.10.2017 तक प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति रहे; और 31.10.2017 से आज तक प्रो. एस.बी. अरोड़ा कार्यकारी कुलपति हैं।*

** *'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक का सूचक है।*

1-2 'kf{kd ifj"kn

Ø-l-	lnL;ksa ds uke	in@ukekadu
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–10.07.2017) (28.11.2014–10.07.2017 तक अवकाश पर) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–31.10.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (31.10.2017–आज तक)	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
lnL; ¼insu½		
2.	प्रो. सत्यकाम (01.10.2016–30.09.2019)	निदेशक, मानविकी विद्यापीठ
3.	प्रो. स्वराज बसु (01.07.2016–30.06.2019)	निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
4.	प्रो. एम.एस. नाथावत (01.07.2016–30.06.2019)	निदेशक, विज्ञान विद्यापीठ
5.	प्रो. पिटी कौल (06.08.2014–05.08.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (06.08.2017–05.08.2020)	निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
6.	डॉ. पी.वी. सुरेश (14.05.2015–13.05.2018)	निदेशक, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ
7.	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (05.08.2014–04.08.2017) डॉ. राखी शर्मा (05.08.2017–04.08.2020)	निदेशक, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
8.	प्रो. टी.यू. फुलझले (25.11.2016–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), विधि विद्यापीठ
9.	प्रो. एम.के. सलूजा (25.06.2016–24.06.2019)	निदेशक, कृषि विद्यापीठ
10.	डॉ. आर.एस.पी. सिंह (25.06.2016–24.06.2019)	निदेशक, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
11.	प्रो. शंभुनाथ सिंह (25.02.2016–24.06.2019)	निदेशक, पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ
12.	प्रो. रवींद्र कुमार (30.04.2015–31.10.2017) प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव (01.11.2017–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
13.	डॉ. रोज़ नेम्बियाकिम (25.06.2016–24.06.2019)	निदेशक, समाज कार्य विद्यापीठ
14.	प्रो. अन्नू अनेजा (11.02.2015–10.02.2018) प्रो. नीलिमा श्रीवास्तव (11.02.2018–10.02.2021)	निदेशक, जेंडर और विकास विद्यापीठ
15.	डॉ. पी.वी.के. शशिधर (25.06.2016–24.06.2019)	निदेशक, विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ
16.	डॉ. सीमा जौहरी (25.06.2016–24.06.2019)	निदेशक, प्रदर्शनपरक एवं दृश्य कला विद्यापीठ
17.	प्रो. अंजु सहगल गुप्ता (27.10.2014–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), विदेशी भाषा विद्यापीठ
18.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद पांडेय (02.06.2014–01.06.2017) डॉ. जगदीश शर्मा (06.06.2017–05.06.2020)	निदेशक, अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
19.	डॉ. बोइना रूपिणी (04.08.2016–03.08.2019)	निदेशक, अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ
20.	प्रो. नीरजा चड्डा (01.01.2015–31.12.2017) डॉ. हिना के. बिजली (01.01.2018–31.12.2020)	निदेशक, सतत शिक्षा विद्यापीठ
21.	प्रो. सरोज पांडेय (01.08.2016–31.07.2019)	निदेशक, शिक्षा विद्यापीठ
22.	प्रो. मधु त्यागी (05.08.2016–04.08.2019)	निदेशक, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
23.	प्रो. जयदीप शर्मा (01.01.2014–आज तक)	पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी), पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग

क्र.सं.	सदस्यों का नाम	पद/नामांकन
इग्नू के प्रबंध बोर्ड द्वारा नामित		
24.	प्रो. प्रदीप साहनी (24.11.2016–23.11.2018)	प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
25.	प्रो. भारत इंद्र फौज़दार (24.11.2016–23.11.2018)	प्रोफेसर, विज्ञान विद्यापीठ
26.	प्रो. एस. श्रीलता (24.11.2016–23.11.2018)	प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
27.	डॉ. नीलिमा श्रीवास्तव (24.11.2016–23.11.2017)	रीडर, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ
28.	डॉ. नीरा सिंह (24.11.2016–31.10.2017)	रीडर, मानविकी विद्यापीठ
29.	डॉ. ओ.पी. देवल (24.11.2016–23.11.2018)	रीडर, पत्रकारिता और नव मीडिया अध्ययन विद्यापीठ
30.	डॉ. हरीश कुमार सेठी (24.11.2016–23.11.2018)	सहायक प्रोफेसर, अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
31.	डॉ. रचना अग्रवाल (24.11.2016–23.11.2018)	सहायक प्रोफेसर, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ
32.	डॉ. आनंद गुप्ता (24.11.2016–23.11.2018)	सहायक प्रोफेसर, विधि विद्यापीठ
33.	डॉ. बिन्नी टॉम्स (24.11.2016–23.11.2018)	निदेशक (प्रभारी), विद्यार्थी सहायता केंद्र
34.	प्रो. टी.यू. फुलझले (24.11.2016–23.11.2018)	निदेशक (प्रभारी), योजना एवं विकास प्रभाग
35.	प्रो. उमा कांजीलाल (24.11.2016–23.11.2018)	निदेशक (प्रभारी), आई.यू.सी.
36.	डॉ. एस.राजाराव (24.11.2016–23.11.2018)	क्षेत्रीय निदेशक, विशाखापतनम, इग्नू
37.	डॉ. पूर्णेंदु त्रिपाठी (24.11.2016–23.11.2018)	उप निदेशक, कुलपति का कार्यालय, इग्नू
शैक्षिक परिषद द्वारा सहयोजित (जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी नहीं हैं)		
38.	प्रो. रजनी ढींगरा (19.04.2016–18.04.2018)	डीन, विज्ञान संकाय और प्रोफेसर (मानव विकास), जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
39.	प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश

क्र.सं.	सदस्यों के नाम	पद/नामांकन
40.	प्रो. फुरकान कमर (19.04.2016–18.04.2018)	महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली
41.	प्रो. माधव वेंकट बसवेश्वर राव (19.04.2016–18.04.2018)	विशेष अधिकारी और विज्ञान संकाय, कृष्णा विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
42.	प्रो. माखन लाल (19.04.2016–18.04.2018)	निदेशक, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च मैनजमेंट, नई दिल्ली
43.	प्रो. एस.पी. बंसल (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, हरियाणा
44.	प्रो. मोहम्मद मियाँ (19.04.2016–18.04.2018)	पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद
45.	प्रो. ए.एन. मौर्य (19.04.2016–18.04.2018)	पूर्व डीन, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
46.	प्रो. एम.एम. सलुंखे (19.04.2016–18.04.2018)	कुलपति, भारतीय विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय, पुणे
47.	प्रो. रमेश चंद्र (19.04.2016–18.04.2018)	प्रोफेसर (रसायन विज्ञान), रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रबंध बोर्ड द्वारा नामित कुलसचिव (पदेन)		
48.	श्री एन.पी. सिंह (12.05.2015–29.12.2017) डॉ. वी.वी. रेड्डी (11.01.2018–आज तक)	कुलसचिव (पदेन), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू कुलसचिव (पदेन), विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू
49.	प्रो. एस. श्रीलता (28.11.2016–आज तक)	कुलसचिव (प्रभारी), विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू
सदस्य सचिव (पदेन)		
50.	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (17.11.2015–02.04.2017) प्रो. बी.बी. खन्ना (03.04.2017–13.12.2018) डॉ. देवकांत राव (14.02.2018–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), शैक्षिक समन्वय प्रभाग, इग्नू

---

* *मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.एल. के अनुपालन में 28.04.2016 से 31.10.2017 तक प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति रहे; और 31.10.2017 से आज तक प्रो. एस.बी. अरोड़ा कार्यकारी कुलपति हैं।*

** *'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक का सूचक है।*

1-3 ;ktuk ckM

Ø-l-	lnL;k d uke	in@ukekdu
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–10.07.2017) (28.11.2014–10.07.2017 तक अवकाश पर) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–31.10.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (31.10.2017–आज तक)	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
d|yifr }kjk ukfer		
2.	प्रो. एम.के. सलूजा (12.07.2017–16.07.2018)	प्रोफेसर, कृषि विद्यापीठ, इग्नू
3.	प्रो. स्वराज बसु (17.07.2015–16.07.2018)	प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
4.	प्रो.के. रविशंकर (17.07.2015–16.07.2018)	प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, इग्नू
5.	डॉ. गुलाब झा (06.03.2017–16.07.2018)	क्षेत्रीय निदेशक, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू
d|y lfpo ¼inu½		
6.	श्री एस.के. शर्मा (19.10.2016–31.08.2017) प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव (31.08.2017–आज तक)	कुलसचिव (प्रभारी), प्रशासन, इग्नू
d|yk/;{k }kjk ukfer		
7.	श्री शशि कुमार (28.04.2014–27.04.2017)	अध्यक्ष, एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज़्म, चेन्नई
8.	प्रो. संतोष महरोत्रा (28.04.2014–27.04.2017)	प्रोफेसर, सेंटर फॉर इनफॉर्मल सेक्टर एंड लेबर स्टडीज, स्कूल ऑफ साइंसिज़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
9.	प्रो. अनुपमा रॉय (28.04.2014–27.04.2017)	प्रोफेसर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

Ø-l-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
Ikkc/k ckM }kjk ukfer		
10.	डॉ. विजय पी. भटकर (15.06.2017–14.06.2020)	कंप्यूटर वैज्ञानिक, पाषाण रोड, पाषाण गाँव, पुणे
11.	डॉ. सूर्य गुंजाल (15.06.2017–14.06.2020)	प्रोफेसर और निदेशक, कृषि विज्ञान विद्यापीठ, नासिक, महाराष्ट्र
12.	डॉ. उज्जवला एस. चक्रदेव (15.06.2017–14.06.2020)	प्राचार्य और प्रोफेसर, एस.एम.एम.सी.ए., नागपुर, महाराष्ट्र
13.	सुश्री मोनिका अरोड़ा (15.06.2017–14.06.2020)	अधिवक्ता, शिवालिक, मालवीय नगर, नई दिल्ली
14.	प्रो. बी.पी. खंडेलवाल (15.06.2017–14.06.2020)	पूर्व निदेशक, न्यूपा, सेक्टर 50, नोएडा, उत्तर प्रदेश
lnL; lfpo ¼inu½		
15.	प्रो. टी.यू. फुलझले (16.10.2012–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), योजना एवं विकास प्रभाग, इग्नू

* *मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.एल. के अनुपालन में 28.04.2016 से 31.10.2017 तक प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति रहे; और 31.10.2017 से आज तक प्रो. एस.बी. अरोड़ा कार्यकारी कुलपति हैं।*

** *'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक का सूचक है।*

1.4 वित्त समिति

क्र.सं.	सदस्य का नाम	पद/नामांकन
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–10.07.2017) (28.11.2014–10.07.2017 तक अवकाश पर) पदेन	कुलपति – अध्यक्ष
	प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–31.10.2017)	प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
	प्रो. एस.बी. अरोड़ा (31.10.2017–आज तक)	प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
कुलाध्यक्ष द्वारा नामित		
2.	श्री एस.पी.गोयल (21.11.2014–मई 2017)	संयुक्त सचिव (टी.ई.एल.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
	श्री मधु रंजन कुमार (30.06.2017–29.06.2020)	संयुक्त सचिव (डी.एल.एंड बी.पी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
3.	सुश्री दर्शना एम. डबराल (06.01.2017–05.01.2019)	संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
प्रबंध बोर्ड द्वारा नामित		
4.	श्री विवेक मेहरोत्रा (10.03.2017–02.11.2017)	पूर्व सचिव, अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार
	प्रो. जे.बी.पी. तिलक (11.12.2017–10.12.2020)	पूर्व कुलपति, न्यूपा और प्रतिष्ठित प्रोफेसर, काउंसिल फॉर सोशल, डेवलपमेंट, नई दिल्ली
5.	प्रो. के.एन. त्रिपाठी (28.05.2015–30.10.2017)	प्रबंध बोर्ड सदस्य और पूर्व समकुलपति, इग्नू
	डॉ. हितेश डेका (08.12.2017–03.03.2019)	प्रबंध बोर्ड सदस्य और कुलपति, कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम

Ø-la-	lnL;k dk uke	in@ukekadu
dqyifr }kjk ukfer fo|kihB dk funs'kd		
6.	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (15.10.2014–04.08.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (07.09.2017–31.10.2017) प्रो. अनू अनेजा (15.12.2017–आज तक)	निदेशक, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ, इग्नू
Lkfpo ¼Iknsu½		
7.	श्री डी.के. इसरानी (21.10.2016–06.04.2017) प्रो. के. रविशंकर (06.04.2017–आज तक)	वित्त अधिकारी (प्रभारी), इग्नू

* *मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.एल. के अनुपालन में 28.04.2016 से 31.10.2017 तक प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति रहे; और 31.10.2017 से आज तक प्रो. एस.बी. अरोड़ा कार्यकारी कुलपति हैं।*

** *'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक का सूचक है।*

1-5 vu|l/kku ifj"kn

Ø-l-	lnL;k d uke	in@ukekdu
1.	प्रो. एम.असलम* (20.03.2013–10.07.2017) (28.11.2014–10.07.2017 तक अवकाश पर) पदेन प्रो. रवींद्र कुमार (28.04.2016–31.10.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (31.10.2017–आज तक)	कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष प्रभारी कुलपति – अध्यक्ष
dyifr }kjk ukfer pkj fo'k"kK ¼ic/k ckM l de l de nk½] tk fo'ofo|ky; d depkjh u gk		
2.	प्रो. के.एन. त्रिपाठी (24.07.2015–23.07.2017)	प्रबंध बोर्ड सदस्य एवं पूर्व समकुलपति, इग्नू
3.	प्रो. वसुधा कामत (22.12.2015–21.12.2018)	प्रबंध बोर्ड सदस्य और कुलपति, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
4.	प्रो. के.एन.एस. यादव (24.07.2015–23.07.2018)	कुलपति, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश
5.	प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल (24.07.2015–23.07.2018)	कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश
dyifr }kjk ;ktuk ckM vkj 'kf{kd ifj"kn l ukfer ,d&,d ifrfuf/k		
6.	प्रो. टी.यू. फुलझले (24.07.2015–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), योजना और विकास प्रभाग, इग्नू
7.	प्रो. स्वराज बसु (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
dyifr }kjk ukfer rhu fo|kihBk d fun'kd@iHkkxk d v/;{k		
8.	प्रो. एम.के. सलूजा (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, कृषि विद्यापीठ, इग्नू
9.	प्रो. रवींद्र कुमार (25.11.2015–31.10.2017) प्रो. सत्यकाम (11.01.2018–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ, इग्नू निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू
10.	प्रो. पी.के. विश्वास (25.11.2016–आज तक)	निदेशक, स्ट्राइड, इग्नू

क्र.सं.	सदस्य का नाम	पद/नामांकन
कुलपति द्वारा नामित पाच सदस्य (तीन अध्यापक (जिनमें से दो इग्नू के और एक बाहर के अध्यापक) हों और दो अन्य अकादमिक सदस्य)		
11.	प्रो. आभा सिंह (16.05.2017–23.07.2018)	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू
12.	प्रो. अवधेश कुमार सिंह (24.07.2015–30.06.2017)	अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ, इग्नू
13.	प्रो. हरजीत सिंह (24.07.2015–23.07.2018)	पूर्व–डीन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
14.	श्री के. रविकांत (22.12.2015–14.12.2018)	संचार केंद्र, इग्नू
15.	डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी (24.07.2015–23.07.2018)	क्षेत्रीय सेवा प्रभाग, इग्नू
सदस्य सचिव (पदेन)		
16.	प्रो. नारायण प्रसाद (06.10.2016–24.05.2017) प्रो. कौस्तुभ बारिक (25.05.2017–आज तक)	निदेशक (प्रभारी), अनुसंधान एकक, इग्नू

* *मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 18.11.2014 के क्रमांक एफ 10–2/2014–डी.एल. के अनुपालन में 28.04.2016 से 31.10.2017 तक प्रो. रवींद्र कुमार कार्यकारी कुलपति रहे; और 31.10.2017 से आज तक प्रो. एस.बी. अरोड़ा कार्यकारी कुलपति हैं।*

** *'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक का सूचक है।*

1-6 v/;;u fo|kihBksa ds funs'kd

Ø-la-	fo|kihB dk uke	fUkns'kd@v/;{k dk uke
1.	कृषि विद्यापीठ	प्रो. एम.के. सलूजा (25.06.2016–24.06.2019)
2.	कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	डॉ. पी.वी. सुरेश (14.05.2015–13.05.2018)
3.	सतत शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. नीरजा चड्डा (01.01.2015–31.12.2017) डॉ. हिना के. बिजली (01.01.2018–31.12.2020)
4.	शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. सरोज पांडेय (01.08.2016–31.07.2019)
5.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार (05.08.2014–04.08.2017) डॉ. राखी शर्मा (05.08.2017–04.08.2020)
6.	विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ	डॉ. पी.वी.के. शशिधर (25.06.2016–24.06.2019)
7.	विदेशी भाषा विद्यापीठ	प्रो. अंजू सहगल गुप्ता (प्रभारी) (27.10.2014–आज तक)
8.	जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. अनू अनेजा (11.02.2015–10.02.2018) प्रो. नीलिमा श्रीवास्तव (11.02.2018–10.02.2021)
9.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. पिटी कौल (06.08.2014–05.08.2017) प्रो. एस.बी. अरोड़ा (06.08.2017–05.08.2020)
10.	मानविकी विद्यापीठ	प्रो. सत्यकाम (01.10.2016–30.09.2019)
11.	अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ	डॉ. बोइना रूपिणी (04.08.2016–03.08.2019)
12.	पत्रकारिता और नव–जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. शंभूनाथ सिंह (25.02.2016–24.02.2019)

क्र.सं.	विद्यापीठ का नाम	निदेशक/अध्यक्ष का नाम
13.	विधि विद्यापीठ	प्रो. टी.यू. फुलझले (प्रभारी) (25.11.2016–आज तक)
14.	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ	प्रो. मधु त्यागी (05.08.2016–04.08.2019)
15.	प्रदर्शनपरक एवं दृश्य कला विद्यापीठ	डॉ. सीमा जौहरी (25.06.2016–24.06.2019)
16.	विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. एम.एस. नाथावत (01.07.2016–30.06.2019)
17.	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. स्वराज बसु (01.07.2016–30.06.2019)
18.	समाज कार्य विद्यापीठ	डॉ. रोज़ नेम्बियाकिम (25.06.2016–24.06.2019)
19.	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	प्रो. रवींद्र कुमार (प्रभारी) (30.04.2015–31.10.2017) प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव (01.11.2017–आज तक)
20.	अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ	डॉ. राजेंद्र प्रसाद पांडेय (02.06.2014–01.06.2017) डॉ. जगदीश शर्मा (06.06.2017–आज तक)
21.	व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ	डॉ. आर.एस.पी. सिंह (25.06.2016–24.06.2019)

टिप्पणी : 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक की अवधि का सूचक है।

1.7 प्रभाग/इकाई/केंद्र/संस्थान के निदेशक/अध्यक्ष

क्र.सं.	विद्यापीठ का नाम	निदेशक का नाम
1.	अंतरराष्ट्रीय प्रभाग	डॉ. सिलिमा नंदा (प्रभारी) (07.09.2012–आज तक)
2.	पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग	प्रो. जयदीप शर्मा (प्रभारी) (31.12.2013–आज तक)
3.	क्षेत्रीय सेवा प्रभाग	डॉ. वी. वेणुगोपाल रेड्डी (12.05.2015–11.05.2018)
4.	दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान	प्रो. पी.के. विश्वास (26.08.2016–25.08.2019)
5.	योजना एवं विकास प्रभाग	प्रो. टी.यू. फुलझले (प्रभारी) (16.10.2012–आज तक)
6.	संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर)	प्रो. कपिल कुमार (प्रभारी) (09.01.2017–आज तक)
7.	अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम	प्रो. उमा कांजीलाल (प्रभारी) (02.08.2016–आज तक)
8.	राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र	प्रो. मनोज कुलश्रेष्ठ (प्रभारी) (04.10.2016–आज तक)
9.	राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र	डॉ. हेमलता (प्रभारी) (26.04.2016–आज तक)
10.	अनुसंधान एकक	प्रो. नारायण प्रसाद (प्रभारी) (06.10.2016–24.05.2017) प्रो. कौस्तुभ बारिक (प्रभारी) (25.05.2017–आज तक)
11.	शैक्षिक समन्वय प्रभाग	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (प्रभारी) (17.11.2015–02.04.2017) प्रो. बी.बी. खन्ना (प्रभारी) (03.04.2017–13.02.2018) डॉ. देवकांत राव (प्रभारी) (14.02.2018–आज तक)

12.	प्रशासन प्रभाग	श्री एस.के. शर्मा (प्रभारी) (20.10.2016–31.08.2017) प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव (प्रभारी) (31.08.2017–आज तक)
13.	निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग	श्री सुधीर रेड्डी (प्रभारी) (14.06.2012–आज तक)
14.	कंप्यूटर प्रभाग	डॉ. मुरली एम. राव (प्रभारी) (01.02.2016–आज तक)
15.	वित्त एवं लेखा प्रभाग	श्री डी.के. इसरानी (प्रभारी) (20.10.2016–06.04.2017) प्रो. के. रविशंकर (प्रभारी) (06.04.2017–आज तक)
16.	सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग	प्रो. प्रदीप साहनी (प्रभारी) (03.05.2016–25.05.2017) प्रो. टी.यू. फुलझले (प्रभारी) (26.05.2017–13.07.2017) डॉ. पंकज खरे (प्रभारी) (13.07.2017–21.07.2017) डॉ. वी.वी. रेड्डी (प्रभारी) (21.07.2017–14.12.2017) डॉ. संजीव पांडेय (प्रभारी) (15.12.2017–आज तक)
17.	विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग	श्री एन.पी. सिंह (प्रभारी) (10.06.2015–29.12.2017) डॉ. वी.वी. रेड्डी (प्रभारी) (11.01.2018–आज तक)
18.	विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग	प्रो. एस. श्रीलता (प्रभारी) (28.11.2016–आज तक)
19.	सतर्कता प्रकोष्ठ	प्रो. भारत इंद्र फौज़दार (13.07.2016–14.09.2017) डॉ. पूर्णेंदु त्रिपाठी (14.09.2017–आज तक)

20.	इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र	प्रो. कपिल कुमार (20.12.2012–आज तक)
21.	आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (प्रभारी) (03.04.2017–आज तक)
22.	रक्षा एकक	प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव (प्रभारी) (26.07.2017–आज तक)
23.	परिसर रोज़गार सहायक प्रकोष्ठ	प्रो. बी.बी. खन्ना (प्रभारी) (25.11.2016–आज तक)
24.	विद्यार्थी सहायता सेवा केंद्र	डॉ. बिन्नी टॉमस (प्रभारी) (29.07.2016–आज तक)

fVIi.kh ¼ 'आज तक' रिपोर्टाधीन अवधि के अंत अर्थात 31 मार्च 2018 तक की अवधि का सूचक है।

परिशिष्ट–2

इग्नू द्वारा किए गए समझौता-ज्ञापनों/सहयोग-ज्ञापनों/करारों/संविदाओं की सूची (1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की अवधि के दौरान)

क्र.सं.	इग्नू के साथ संविदा/करार/समझौता-ज्ञापन/सहयोग-ज्ञापन	हस्ताक्षर करने की तिथि	उद्देश्य	संबंधित विद्यापीठ/प्रभाग/केंद्र
1.	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आई.जी.एन.सी.ए.), नई दिल्ली	11.05.2017	संस्कृति की गत्यात्मकता को समझने की सुविधा उपलब्ध कराना	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
2.	यशवंत राव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक (वाई.सी.एम.ओ.यू.), महाराष्ट्र	29.05.2017	विद्यार्थियों में अध्ययन सामग्री वितरित करने के लिए उसके पुनरुत्पादन और अनुवाद अधिकार अर्जन का अनुमोदन।	कुलपति का कार्यालय
3.	ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (ओ.एस.ओ.यू.), ओडिशा	10.06.2017	इग्नू और ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा डिज़ाइन किए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुद्रित सामग्री के अर्जन और पुनरुत्पादन अधिकारों के रूप में और उन्हें विद्यार्थियों को आपूर्ति करने के संबंध में एक–दूसरे विश्वविद्यालय के द्वारा इस्तेमाल करने के संबंध में।	कुलपति का कार्यालय
4.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी.), नई दिल्ली	20.07.2017	पुलिस कार्मिकों, न्यायपालिका, लोक सेवकों, सांसदों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और आम लोगों के लिए मानवाधिकार संबंधी जागरूकता कार्यक्रम डिज़ाइन/संशोधित करने के संबंध में।	विधि विद्यापीठ
5.	त्रिपुरा सरकार के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के माध्यम से स्कूली शिक्षा विभाग	28.07.2017	त्रिपुरा के प्रारंभिक (प्राथमिक और अपर प्राथमिक) स्तर के अप्रशिक्षित अध्यापकों को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए दो–वर्षीय डी.ईएल.ईडी. कार्यक्रम (मुक्त–दूर शिक्षा माध्यम से) उपलब्ध कराने के लिए।	शिक्षा विद्यापीठ

6.	रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आर.ए.आई.), मुंबई, महाराष्ट्र	03.08.2017	राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ) के लिए अध्ययन संसाधन विकसित करने के लिए रिटेलिंग में गैर–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम विकसित करने के लिए आर.ए.आई–इग्नू।	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
7.	सी.एस.सी. ई–गवर्नेंस सर्विसिज़ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली	22.08.2017	इग्नू के नामांकित और भावी विद्यार्थियों को सी.एस.सी. एस.पी.पी. डिजिटल सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान सुविधा सहित इग्नू द्वारा उपलब्ध ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म जमा कराना, ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म जमा कराना और अन्य ऑनलाइन सेवाएँ एवं अन्य सेवा–सुविधाएँ उपलब्ध कराने के संबंध में।	ई–एस.यू. (ई–सपोर्ट एकक)
8.	भारतीय वायुसेना (आई. ए.एफ), रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली	23.08.2017	भारतीय वायुसेना के द्वारा नामित अधिकारियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी) के द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार एम.फिल./ पीएच.डी. अध्ययन कार्यक्रम उपलब्ध कराना।	उप निदेशक, कुलपति का कार्यालय
9.	राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस प्रभाग (एन.ई.जी.डी.), इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली	22.08.2017	3 विज़न क्षेत्रों में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम उपलब्ध कराने के लिए। fo t u {k= 1 % प्रत्येक नागरिक के उपयोग के रूप में डिजिटल आधारभूत संरचना fo t u {k= 2 % मांग पर शासन और सेवाएँ fo t u {k= 3 % नागरिकों का डिजिटल सशक्तीकरण	ई–एस.यू. (ई–सपोर्ट एकक)
10.	पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत 'राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और कैटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद' (एन.सी.एच.एम.सी.टी) नामक सोसाइटी	14.09.2017	इग्नू की शैक्षिक परिषद और एन.सी.एच. एम.सी.टी. के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित बी.एससी. आतिथ्य और होटल प्रबंधन (जेनेरिक) और होटल प्रबंध में स्नातक (मेजर) कार्यक्रमों को दूर शिक्षा माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए।	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ

11.	पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत ‘राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और कैटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद’ (एन.सी.एच.एम.सी.टी) नामक सोसाइटी	14.09.2017	दूर शिक्षा माध्यम से आतिथ्य और होटल प्रबंधन में एम.एससी. उपलब्ध कराने के लिए।	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
12.	विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (वी.वाई.ए.एस.ए), एन.जी.ओ., बंगलुरु	22.09.2017	1. योग से संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं डॉक्टरोल स्तर के सहयोगात्मक शैक्षिक कार्यक्रम डिज़ाइन, विकसित और प्रदान करना। 2. इसी प्रकार के क्षेत्रों की पहचान करना जहाँ सहक्रिया/सहयोग/आपसी आदान–प्रदान विकसित/संचालित किए जा सकें।	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
13.	रिलायंस जियो इनफोकॉम लिमिटेड (महाराष्ट्र)	13.10.2017	निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध कराना : 1. मुख्यालय स्थित सभी कार्यालयों, अध्ययन विद्यापीठों और इग्नू के सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर कनेक्टिविटी 2. इग्नू डिजिटल विषय–वस्तु की सुरक्षित होस्टिंग 3. विश्वविद्यालय के प्राधिकृत उपयोक्ताओं को डिजिटल विषय–वस्तु की पहुँच सुविधा उपलब्ध कराना; और 4. रिलायंस द्वारा इग्नू के विशिष्ट स्थलों पर विद्यार्थियों को कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध कराना।	कुलपति का कार्यालय
14.	बेशसनवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था नामक पब्लिक चैरिटी ट्रस्ट, अहमदाबाद	29.10.2017	स्वामिनारायण वैदिक मेटा–अध्ययन, भारतीय संस्कृति, परंपरा और अध्यात्मवाद के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ विद्यार्थियों की नई पीढ़ी को वैश्विक भारतीय संस्कृति–आध्यात्मिकता संबंधी मूल्यों से संपन्न करने के लिए बी.ए.पी.एस. स्वामिनारायण के नाम पर विश्वविद्यालय में अध्ययन पीठ स्थापित करने के बारे में।	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ

15.	टाटा कंसलटेंसी सर्विसिज़ लिमिटेड (टी.सी.एस.), महाराष्ट्र	30.10.2017	टी.सी.एस. और इग्नू के बीच कौशलन विचार, डिजिटल विश्वविद्यालय प्रयास आदि समझ पैदा करना।	उप निदेशक, कुलपति का कार्यालय
16.	बी.एस.ई. इंस्टीट्यूट लिमिटेड, महाराष्ट्र	21.11.2017	पूँजी बाज़ार, म्यूचुअल फंड और जी.एस.टी. संबंधी क्रेडिट और जागरूकता कार्यक्रम उपलब्ध कराने के लिए।	उप निदेशक, कुलपति का कार्यालय
17.	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई), नई दिल्ली	12.12.2017	फॉस्टैक प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वित करना।	कृषि विद्यापीठ
18.	हीरो मोटर कोर्प लिमिटेड (एच.एम.सी.एल)	06.12.2017	इग्नू–एच.एम.सी.एल. मोटर साइकिल तकनीशियनों के लिए व्यावसायिक योग्यता परियोजना को डिज़ाइन एवं विकसित करना।	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
19.	भारतीय कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई), गुरुग्राम	17.01.2018	समाज के सभी वर्गों को उच्च शिक्षा तक पहुँच उपलब्ध कराना।	कृषि विद्यापीठ
20.	विद्यालय शिक्षा विभाग (डी.एस.ई.), जम्मू–कश्मीर	04.01.2018	जम्मू–कश्मीर के विद्यालयों के सेवारत अप्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों को पेशेवर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।	शिक्षा विद्यापीठ
21.	आई.डी.बी.आई. बैंक, नई दिल्ली	10.01.2018	इग्नू को पेमेंट गेटवे सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए।	वित्त एवं लेखा प्रभाग
22.	एच.डी.एफ.सी. बैंक, नई दिल्ली	08.11.2017	इग्नू के लिए ऑनलाइन संव्यवहार गेटवे उपलब्ध कराने के लिए।	वित्त एवं लेखा प्रभाग

परिशिष्ट–3

fo'ofo|ky; }kjk pyk, tk jg 'kf{kd dk;Øe ¼1 viy 2017 l 31 ekp 2018½

Ø-l-	dk;Øe dk uke	dk;Øe dkM	vof/k		Ekk/;e	fo|kihB dk uke
			U;u-	vf/k-		
1.	हिंदी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एच.आई.एन.	3 वर्ष	6 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.एच.
2.	अंग्रेजी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ई.एन.जी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
3.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एल.आई.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
4.	अर्थशास्त्र में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ई.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
5.	इतिहास में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एच.आई.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
6.	राजनीति विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.पी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
7.	लोक प्रशासन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.पी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
8.	समाजशास्त्र में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एस.ओ.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
9.	मनोविज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.पी.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
10.	नृविज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ए.एन.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
11.	रसायन विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.सी.एच.ई.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
12.	जीवन विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एल.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
13.	भूविज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.जी.वाई.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
14.	संख्यिकी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एस.ए.टी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
15.	भूगोल में पीएच.डी.	पी.एच.डी.जी.ई.ओ.जी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
16.	जैव–रसायनिकी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.बी.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
17.	भौतिकी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.पी.एच.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.

18.	गणित में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एम.टी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
19.	गणित शिक्षा में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एम.टी.ई.डी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
20.	अंतर–विद्याश्रयी और बहु–विद्याश्रयी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.आई.टी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.आई.टी.एस.
21.	जेंडर और विकास अध्ययन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.जी.डी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
22.	महिला अध्ययन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.डब्ल्यू.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
23.	कंप्यूटर विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.सी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.आई.एस.
24.	डेरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पीएच.डी.	पी.एच.डी.डी.आर.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
25.	कृषि विस्तार में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ए.जी.ई.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
26.	भोजन और पोषण में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एफ.एन.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
27.	ग्रामीण विकास में पीएच.डी.	पी.एच.डी.आर.डी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
28.	बाल विकास में पीएच.डी.	पी.एच.डी.सी.डी.ई.वी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
29.	शिक्षा में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ई.डी.यू.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
30.	समाज कार्य में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एस.डब्ल्यू.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
31.	विस्तार और विकास अध्ययन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ई.डी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.डी.एस.
32.	प्रदर्शनपरक और दृश्य कला में पीएच.डी. (ललित कला/रंगमंच कला)	पी.एच.डी.पी.वी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.पी.वी.ए.
33.	नर्सिंग में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एन.यू.आर.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एच.एस.
34.	व्यावसायिक शिक्षा में पीएच.डी.	पी.एच.डी.वी.ई.टी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.वी.ई.टी.
35.	पत्रकारिता और जनसंचार में पीएच.डी.	पी.एच.डी.जे.एम.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.

36.	विधि में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एल.ए.डब्ल्यू.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
37.	अनुवाद अध्ययन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.टी.टी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
38.	पर्यटन अध्ययन में पीएच.डी.	पी.एच.डी.टी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
39.	वाणिज्य में पीएच.डी.	पी.एच.डी.सी.ओ.एम.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
40.	प्रबंध में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एम.जी.एम.टी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
41.	पर्यावरणी विज्ञान में पीएच.डी.	पी.एच.डी.ई.वी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.आइ.टी.एस.
42.	दूर शिक्षा में पीएच.डी.	पी.एच.डी.डी.ई.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
43.	फ्रांसीसी भाषा में पीएच.डी.	पी.एच.डी.एफ.एल.	3 वर्ष	6 वर्ष	फ्रांसीसी	एस.ओ.एफ.एल.
44.	राजनीति विज्ञान में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.पी.एस.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
45.	अर्थशास्त्र में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.ई.सी.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
46.	समाजशास्त्र में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.एस.ओ.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
47.	रसायन विज्ञान में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.सी.एच.ई.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
48.	वाणिज्य में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.सी.ओ.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
49.	अनुवाद अध्ययन में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.टी.टी.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
50.	रंगमंच कला में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.पी.वी.ए.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.पी.वी.ए.
51.	समाज कार्य में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.एस.डब्ल्यू.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
52.	भूगोल में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.जी.ई.ओ.जी.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
53.	दूर शिक्षा में एम.फिल.	एम.पी.एच.आई.एल.डी.ई.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
54.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर	एम.सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.

55.	एम.एससी. (आहार पोषण)	एम.एस.सी.डी.एफ.एस.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
56.	एम.ए. (ग्रामीण विकास)	एम.ए.आर.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
57.	एम.कॉम.	एम.सी.ओ.एम.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
58.	पर्यटन और यात्रा प्रबंध में स्नातकोत्तर	एम.टी.टी.एम.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
59.	एम.ए. (अंग्रेजी)	एम.ई.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
60.	एम.ए. (हिंदी)	एम.एच.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.एच.
61.	समाज कार्य में स्नातकोत्तर	एम.एस.डब्ल्यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
62.	समाज कार्य में स्नातकोत्तर (परामर्श)	एम.एस.डब्ल्यू.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
63.	एम.ए. (दर्शनशास्त्र)	एम.ए.पी.वाई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
64.	एम.ए. (गांधी विचारधारा एवं शांति अध्ययन)	एम.जी.पी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
65.	एम.ए. (शिक्षा)	एम.ए.ई.डी.यू.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
66.	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	एम.ई.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
67.	एम.ए. (इतिहास)	एम.ए.एच.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
68.	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)	एम.पी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
69.	एम.ए. (लोक प्रशासन)	एम.पी.ए.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
70.	एम.ए. (समाजशास्त्र)	एम.एस.ओ.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
71.	एम.ए. (मनोविज्ञान)	एम.ए.पी.सी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
72.	विज्ञान में स्नातकोत्तर (परामर्श और परिवार चिकित्सा)	एम.एस.सी.सी.एफ.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
73.	एम.ए. (विकास अध्ययन)	एम.ए.ई.डी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
74.	एम.ए. (प्रौढ़ शिक्षा)	एम.ए.ए.ई.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
75.	एम.ए. (जेंडर और विकास अध्ययन)	एम.ए.जी.डी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.

76.	एम.ए. (दूर शिक्षा)	एम.ए.डी.ई.	2 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
77.	एम.ए. (नृविज्ञान)	एम.ए.ए.एन.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
78.	विज्ञान में स्नातकोत्तर (गणित)	एम.एस.सी.एम.ए.सी.एस.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
79.	एम.ए. (महिला और जेंडर अध्ययन)	एम.ए.डब्ल्यू.जी.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जी.डी.एस.
80.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	एम.एल.आई.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
81.	शिक्षा में स्नातकोत्तर	एम.ई.डी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
82.	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर	एम.पी.	2-½ वर्ष	8 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
83.	एम.कॉम. (वित्त और कराधान)	एम.सी.ओ.एम.एफ.टी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
84.	एम.कॉम. (व्यवसाय नीति और कॉर्पोरेट गवर्नेंस)	एम.सी.ओ.एम.बी.पी.सी.जी.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
85.	एम.कॉम. (प्रबंध लेखाकरण और वित्तीय कार्यनीतियाँ)	एम.सी.ओ.एम.एम.ए.एफ.एस.	2 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
86.	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (बैंकिंग और वित्त)	एम.पी.बी.	2-½ वर्ष	8 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
87.	एम.एससी. (आतिथ्य प्रशासन)	एम.एच.ए.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
88.	एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)	एम.ए.टी.एस.	2 वर्ष	4 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
89.	बी.ए. (पर्यटन अध्ययन)	बी.टी.एस.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
90.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक	बी.सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.
91.	कला स्नातक	बी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
92.	वाणिज्य स्नातक	बी.सी.ओ.एम.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
93.	विज्ञान स्नातक	बी.एस.सी.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
94.	समाज कार्य में स्नातक	बी.एस.डब्ल्यू.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
95.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातक	बी.एल.आई.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.

96.	विज्ञान में स्नातक (आतिथ्य और होटल प्रशासन)	बी.एच.एम.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस.एस.एम.
97.	शिक्षा स्नातक	बी.ई.डी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
98.	बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	बी.एस.सी.एन.	3 वर्ष	5 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
99.	बी.कॉम. (लेखाविधि और वित्त)	बी.सी.ओ.एम.ए.एफ.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
100.	बी.कॉम. (कॉर्पोरेट मामले और प्रशासन)	बी.सी.ओ.एम.सी.ए.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
101.	बी.कॉम. (वित्तीय और लागत लेखांकन)	बी.सी.ओ.एम.एफ. सी.ए.	3 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
102.	स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम	बी.पी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, उड़िया, तमिल, बांग्ला, तेलुगु, मलयालम और गुजराती	एस.ओ.एस.एस.
103.	पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एल.ए.एन.	1 वर्ष	6 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
104.	आपदा प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.डी.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
105.	ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आर.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
106.	अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
107.	अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.बी.ओ.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एम.एस.
108.	पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.एस.डी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
109.	वैश्लेषिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.सी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
110.	पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.जे.एम.सी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.

111.	श्रव्य कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.पी.पी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
112.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.टी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
113.	विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एस.एल.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.
114.	शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.एम.ए.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
115.	उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
116.	जनजातियों में समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.एस.डब्ल्यू.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
117.	औषधि बिक्री प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.एस.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
118.	माता और शिशु स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एम.सी.एच.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
119.	बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.पी.आर.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
120.	दंड–न्याय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.जे.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
121.	विस्तार और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ई.डी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
122.	प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
123.	लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एफ.सी.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
124.	गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.जी.पी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
125.	महिला और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.डब्ल्यू.जी.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.जी.डी.एस.
126.	परामर्श और परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.एफ.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
127.	अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.एच.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.

128.	जरा–चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.जी.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
129.	एच.आई.वी. चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एच.आई.वी.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
130.	बागान प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
131.	पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.बी.पी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
132.	पूर्व–प्राथमिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.पी.पी.ई.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
133.	सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.आई.एस.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
134.	खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एफ.एस.क्यू.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
135.	हृदयरोग चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.सी.सी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
136.	प्रबंध में अध्यापन और अनुसंधान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.टी.आर.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस., आर.सी. कोच्चि
137.	शहरी नियोजन और विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
138.	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.ए.एस.टी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
139.	सततता विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एस.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.
140.	मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.एम.एच.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
141.	समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पी.जी.डी.सी.ओ.यू.एन.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
142.	होटल संचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र)	पी.जी.डी.एच.ओ.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
143.	प्रारंभिक बाल्यावस्था और देखभाल में डिप्लोमा	डी.ई.सी.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी और तमिल	एस.ओ.सी.ई.
144.	पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा	डी.एन.एच.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.

145.	पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा	डी.टी.एस.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस. एस.एम.
146.	जल–कृषि में डिप्लोमा	डी.ए.क्यू.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
147.	अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा	डी.सी.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
148.	उर्दू में डिप्लोमा	डी.यू.एल.	1 वर्ष	3 वर्ष	उर्दू	एस.ओ.एच.
149.	रिटेलिंग में डिप्लोमा	डी.आई.आर.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम. एस.
150.	पाककला में डिप्लोमा	डी.सी.यू.एल.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.टी.एच.एस. एम.
151.	एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा	डी.ए.एफ.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
152.	महिला सशक्तीकरण और विकास में डिप्लोमा	डी.डब्ल्यू.ई.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जी.डी.एस.
153.	बी.पी.ओ. वित्त और लेखाकरण में डिप्लोमा	डी.बी.पी.ओ.एफ.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
154.	परा–लीगल प्रेक्टिस में डिप्लोमा	डी.आई.पी.पी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
155.	फलों और सब्ज़ियों से मूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादन में डिप्लोमा	डी.वी.ए.पी.एफ.वी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
156.	अनाजों, दलहल और तिलहन से मूल्य–संवर्धित उत्पादों के उत्पादन में डिप्लोमा	डी.पी.वी.सी.पी.ओ.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
157.	माँस प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.एम.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
158.	डेरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.डी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
159.	वाटरशेड प्रबंधन में डिप्लोमा	डी.डब्ल्यू.एम.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
160.	मछली उत्पाद प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा	डी.एफ.पी.टी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
161.	नर्सिंग प्रशासन में डिप्लोमा	डी.एन.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
162.	पंचायत स्तरीय प्रशासन और विकास में डिप्लोमा	डी.पी.एल.ए.डी.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.ई.
163.	क्रिटिकल देखभाल नर्सिंग में डिप्लोमा	डी.सी.सी.एन.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.

164.	प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा	डी.ई.एल.ई.डी.	2 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, खासी, गारो	एस.ओ.ई.
165.	जर्मन भाषा अध्यापन में डिप्लोमा	डी.टी.जी.	1 वर्ष	4 वर्ष	जर्मन	एस.ओ.एफ.एल.
166.	बिजली वितरण प्रबंधन में उच्च सर्टिफिकेट	ए.सी.पी.डी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.टी.
167.	सूचना सुरक्षा में उच्च सर्टिफिकेट	ए.सी.आई.एस.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
168.	बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.बी.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
169.	मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.एम.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	हिंदी	एस.ओ.टी.एस.टी.
170.	विस्तार और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ई.डी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
171.	प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ए.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
172.	साइबर विधि में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.सी.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
173.	पेटेंट व्यवहार में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.पी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
174.	गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.जी.पी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
175.	कृषि नीति में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.ए.पी	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
176.	दृष्टि–बाधितों के अनुदेशकों के लिए सूचना और सहायक प्रौद्योगिकियों में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.आई.ए.टी. आई.वी.आई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
177.	जियोइनफॉर्मेटिक्स में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट	पी.जी.सी.जी.आई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.
178.	डायलिसिस चिकित्सा में पोस्ट–डॉक्टोरल सर्टिफिकेट*	पी.डी.सी.डी.एम.	1 वर्ष	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.

179.	देशज कला व्यवहार में सर्टिफिकेट	सी.आई.ए.पी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी/हिंदी/अन्य	एस.ओ.पी.वी.ए.
180.	दृश्य कला में सर्टिफिकेट – पेंटिंग	सी.वी.ए.पी.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
181.	दृश्य कला में सर्टिफिकेट – अनुप्रयुक्त कला	सी.वी.ए.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
182.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – रंगमंच कला	सी.पी.ए.टी.एच.ए.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
183.	प्रदर्शनपरक कला में में सर्टिफिकेट – हिंदुस्तानी संगीत	सी.पी.ए.एच.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
184.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – कर्नाटक संगीत	सी.पी.ए.के.एम.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
185.	प्रदर्शनपरक कला में सर्टिफिकेट – भरतनाट्यम	सी.पी.ए.बी.एन.	1 वर्ष	3 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.पी.वी.ए.
186.	अरबी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.ए.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी/अरबी	एस.ओ.एच.
187.	आपदा प्रबंध में सर्टिफिकेट	सी.डी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
188.	पर्यावरण अध्ययन में सर्टिफिकेट	सी.ई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.एस.
189.	अंग्रेजी अध्यापन में सर्टिफिकेट	सी.टी.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
190.	प्रयोजनमूलक अंग्रेजी (बेसिक लेवल) में सर्टिफिकेट	सी.एफ.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.
191.	उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट	सी.यू.एल.	6 माह	2 वर्ष	द्विभाषिक हिंदी/उर्दू	एस.ओ.एच.
192.	एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में सर्टिफिकेट	सी.ए.एफ.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
193.	समाज कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में सर्टिफिकेट	सी.एस.डब्ल्यू.सी.जे.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.डब्ल्यू.
194.	स्वास्थ्य देखभाल आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एच.एस.
195.	नवजात शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग में सर्टिफिकेट	सी.एन.आई.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.

196.	माता एवं शिशु स्वास्थ्य नर्सिंग में सर्टिफिकेट	सी.एम.सी.एच.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
197.	गृह–आधारित स्वास्थ्य देखभाल में सर्टिफिकेट	सी.एच.बी.एच.सी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एच.एस.
198.	कम्युनिटी रेडियो में सर्टिफिकेट	सी.सी.आर.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.जे.एन.एम.एस.
199.	पर्यटन अध्ययन में सर्टिफिकेट	सी.टी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
200.	भोजन और पोषण में सर्टिफिकेट	सी.एफ.एन.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल और उड़िया	एस.ओ.सी.ई.
201.	पोषण और बाल देखभाल में सर्टिफिकेट	सी.एन.सी.सी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
202.	ग्रामीण विकास में सर्टिफिकेट	सी.आर.डी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.सी.ई.
203.	जैविक कृषि में सर्टिफिकेट	सी.ओ.एफ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
204.	मानव अधिकार में सर्टिफिकेट	सी.एच.आर.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
205.	उपभोक्ता संरक्षण में सर्टिफिकेट	सी.सी.पी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एल.
206.	सहकारिता, सहकारी विधि एवं व्यावसायिक विधि में सर्टिफिकेट	सी.सी.एल.बी.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
207.	मानव–तस्करी निवारण में सर्टिफिकेट	सी.ए.एच.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
208.	अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी विधि में सर्टिफिकेट	सी.आई.एच.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एल.
209.	सूचना प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट	सी.आई.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.सी.आई.एस.
210.	मार्गदर्शन में सर्टिफिकेट	सी.आई.जी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.

211.	व्यवसाय कौशल में सर्टिफिकेट	सी.बी.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
212.	रेशम–उत्पादन में सर्टिफिकेट	सी.आई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
213.	प्रयोगशाला तकनीकों में सर्टिफिकेट	सी.पी.एल.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
214.	प्राथमिक विद्यालय गणित अध्यापन में सर्टिफिकेट	सी.टी.पी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
215.	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी कौशल में सर्टिफिकेट	सी.सी.आई.टी.एस.के.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.वी.ई.टी.
216.	मूल्य शिक्षा में सर्टिफिकेट	सी.पी.वी.ई.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.डी.एस.
217.	जल संचयन और प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.डब्ल्यू.एच.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
218.	मुर्गीपालन में सर्टिफिकेट	सी.पी.एफ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी/ हिंदी/ मिजो	एस.ओ.ए.
219.	मधुमक्खी पालन में सर्टिफिकेट	सी.आई.बी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
220.	एन.जी.ओ. प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.एन.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एम.एस.
221.	ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में सर्टिफिकेट	सी.ई.टी.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.टी.
222.	बिजली वितरण में सक्षमता में सर्टिफिकेट	सी.सी.पी.डी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ई.टी.
223.	ग्रामीण डेरी किसानों के लिए डेरी फार्मिंग में जागरूकता कार्यक्रम	ए.पी.डी.एफ.	2 माह	–	हिंदी	एस.ओ.ए.
224.	फलों और सब्ज़ियों से मूल्य–संवर्धित उत्पाद में जागरूकता कार्यक्रम	ए.पी.वी.पी.एफ.वी.	1-½ माह		अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.ए.
225.	कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम	सी.एल.पी.	1 माह	–	अंग्रेजी	आर.एस.डी.
226.	आलू की खेती संबंधी एकीकृत कीट प्रबंधन प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट कार्यक्रम	सी.आई.पी.एम.टी.	3 माह	–	बांग्ला और अंग्रेजी	एस.ओ.ए.
227.	पान की खेती करने वाले किसानों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम*	टी.पी.बी.वी.	2 सप्ताह	–	बांग्ला और अंग्रेजी	एस.ओ.ए.

228.	पर्यावरण संबंधी एप्रीसिएशन पाठ्यक्रम	ए.सी.ई.	3 माह	–	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.एस.
229.	मोटरसाइकिल सर्विस और रिपेयर में सर्टिफिकेट	सी.एम.एस.आर.	2 माह	–	अंग्रेजी, हिंदी, बांग्ला, तमिल और मलयालम	एस.ओ.ई.टी.
230.	जैव–नीतिशास्त्र (बायो–एथिक्स) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा*	पी.जी.डी.बी.ई.	1 वर्ष	4 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
231.	प्राथमिक अध्यापकों के व्यावसायिक विकास के लिए सर्टिफिकेट	सी.पी.पी.डी.पी.टी.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.ई.
232.	फ्रांसीसी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.एफ.एल.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एफ.एल.
233.	रूसी भाषा में सर्टिफिकेट	सी.आर.यू.एल.	6 माह	2 वर्ष	रूसी और अंग्रेजी	एस.ओ.एफ.एल.
234.	नर्सों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में (सर्टिफिकेट) ब्रिज कार्यक्रम	बी.पी.सी.सी.एच.एम.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एच.एस.
235.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में सर्टिफिकेट	सी.एल.आई.एस.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.एस.एस.
236.	हाउसकीपिंग संचालन में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र)	सी.एच.ओ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
237.	फूड बिवरेज संचालन में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र)	सी.एफ.बी.ओ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
238.	फ्रंट ऑफिस में सर्टिफिकेट (केवल भोपाल क्षेत्रीय केंद्र)	सी.एफ.ओ.	6 माह	2 वर्ष	अंग्रेजी और हिंदी	एस.ओ.टी.एच.एस.एम.
239.	जनसंख्या और सतत विकास में एप्रीसिएशन पाठ्यक्रम	ए.सी.पी.एस.डी.	3 माह	1 वर्ष	अंग्रेजी	एस.ओ.आई.टी.एस.

** रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान इन शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया गया।*

परिशिष्ट-4

31 मार्च 2018 तक के आँकड़ों के अनुसार क्षेत्रीय केंद्रों का विद्यार्थी सहायता नेटवर्क

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का स्थान	नियमित केंद्र	कार्यक्रम केंद्र	विशेष केंद्र	महिलाओं के लिए नियमित केंद्र	उत्तर बिहार प्रतिरूप केंद्र	मान्यता प्राप्त केंद्र	उप-केंद्र	कुल विद्यार्थी सहायता केंद्र
1.	अगरतला	9	35						44
2.	अहमदाबाद	19	15	12					46
3.	आईज़ौल	14	17	12					43
4.	अलीगढ़	10	2	4					16
5.	बंगलौर	15	57	2					74
6.	भागलपुर	4	6	4			1		15
7.	भोपाल	16	48	13		1			78
8.	भुवनेश्वर	36	29	16					81
9.	बीजापुर	8	20	5					33
10.	चंडीगढ़	8	21	5					34
11.	चेन्नई	14	81	5			1		101
12.	कोच्चि	15	16	8					39
13.	दरभंगा	11	20	1					32
14.	देहरादून	17	36	3					56
15.	दिल्ली 1	22	38	9					69
16.	दिल्ली 2	17	18	8	1				44
17.	दिल्ली 3	19	28	4			1	8	**60**
18.	देवघर	9	3	6	1				19
19.	गंगटोक	7	7	3					17
20.	गुवाहाटी	15	125	3					143
21.	हैदराबाद	12	34	1					47
22.	इम्फाल	15	64	2					81
23.	ईटानगर	8	55						63

क्र.सं.	क्षेत्रीय केन्द्र का स्थान	नियमित केन्द्र	कार्यक्रम केन्द्र	विशेष केन्द्र	महिलाओं के लिए नियमित केन्द्र	उत्तर बिहार प्रतिरूप केन्द्र	मान्यता प्राप्त केन्द्र	उप-केन्द्र	कुल विद्यार्थी सहायता केन्द्र
24.	जबलपुर	7	15	49					71
25.	जयपुर	29	19	16					64
26.	जम्मू	23	15	25					63
27.	जोधपुर	16	15	5					36
28.	जोरहाट	11	13	3					27
29.	करनाल	11	17	13					41
30.	खन्ना	10	32	8					50
31.	कोहिमा	15	10	5					30
32.	कोलकाता	24	52	18					94
33.	कोरापुट	8	6	25					39
34.	लखनऊ	41	46	25	2		1		115
35.	मदुरै	19	81	9					109
36.	मुंबई	8	23	3			2		36
37.	नागपुर	11	30	4					45
38.	नोएडा	34	41	15	1		1		92
39.	पणजी	8	4	2					14
40.	पटना	21	33	6					60
41.	पोर्टब्लेयर	2	3	6					11
42.	पुणे	18	23	4					45
43.	रघुनाथ गंज	5	2	5					12
44.	रायपुर	13	140	14					167
45.	राजकोट	7	8	15					30
46.	राँची	28	28	7	1		1		65
47.	सहरसा	11	11	3					25
48.	शिलांग	17	37	13					67

क्र. सं.	क्षेत्रीय केंद्र का स्थान	नियमित केंद्र	कार्यक्रम केंद्र	विशेष केंद्र	महिलाओं के लिए नियमित केंद्र	उत्तर बिहार प्रतिरूप केंद्र	मान्यता प्राप्त केंद्र	उप-केंद्र	कुल विद्यार्थी सहायता केंद्र
49.	शिमला	27	19	7			1		54
50.	सिलीगुड़ी	13	10	11					34
51.	श्रीनगर	20	21	7	1				49
52.	तिरुवनंतपुरम	12	32	7	1				52
53.	वाराणसी	33	19	6			2		60
54.	वडाकरा	12	12	4					28
55.	विजयवाड़ा	20	28						48
56.	विशाखापतनम	11	16	5					32
	कुल	**865**	**1636**	**471**	**8**	**1**	**11**	**8**	**3000**

31 मार्च 2018 को इग्नू–थल सेना शिक्षा परियोजना (आई.ए.ई.पी.), इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना (आई.एन.ई.पी.) और इग्नू–असम राइफल्स शिक्षा परियोजना (आई.ए.आर.ई.पी.) के अंतर्गत विद्यार्थी सहायता केंद्र

क्रम संख्या	मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र का स्थान	मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र का प्रकार	कुल
1.	आई.ए.ई.पी. – चंडीमंदिर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	8
2.	आई.ए.ई.पी. – जयपुर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	4
3.	आई.ए.ई.पी. – कोलकाता	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	14
4.	आई.ए.ई.पी. – लखनऊ	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	5
5.	आई.ए.ई.पी. – पुणे	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	8
6.	आई.ए.ई.पी. – उधमपुर	इग्नू–थलसेना शिक्षा परियोजना	10
7.	आई.एन.ई.पी. – कोच्चि	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	2
8.	आई.ए.ई.पी. – मुंबई	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
9.	आई.ए.ई.पी. – नई दिल्ली	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
10.	आई.ए.ई.पी. – विशाखापतनम	इग्नू–नौसेना शिक्षा परियोजना	1
11.	आई.ए.आर.ई.पी. – शिलांग	इग्नू–असम राइफल्स शिक्षा परियोजना	30
कुल			84

विद्यार्थी सहायता केंद्रों की कुल संख्या (3000 + 84 = 3084

परिशिष्ट-5

Ckkgjh foÙk&ikf"kr Ikfj;ktukvk dk fooj.k

ukMy fo|kihB@,dd dk uke	vu|l/kku Ikfj;ktukvk dk 'kh"kd	foÙk&ik"k.k dju okyh ,tlh
Ñf"k fo|kihB	• IGNOU-APEDA Development of Agricultural Exports Related Educational Programmes	एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट्स डेवलपमेंट एथोरिटी (एपीडा), वाणिज्य मंत्रालय
	• Capacity Building Diploma Training Programme Under Common Guidelines 2008 For Watershed Development Project	भू–संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय
	• Human Resource Development in Sericulture and Ancillary Disciplines	केंद्रीय रेशम बोर्ड (सी.एस.बी.), वस्त्र मंत्रालय
	• Capacity Building in Horticulture	कृषि मंत्रालय
Ekkufodh fo|kihB	• A Study on Implementation of Reservation in Public Sector and Private Sector : Challenges and Prospects	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
vrj&fo|kJ;h vkj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB	• Functionalized Nano Antimalarials : Design Synthesis and Structural aspects of Novel Aspartic Protease Plasmepsin I and Plasmepsin II	भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
	• Asymmetric Reductive Animation of Carbonyl Compounds in Chiral Ionic Liquids	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	• Functionalized Nano Antimalarials : Design Synthesis and Structural characterization of Novel Metal Complexes as Inhibitors of Plasmepsin I and Plasmepsin II	भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग परियोजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
	• Search for proficient Antimalarials Agents : Design Synthesis and Structural Characterization of Small Molecule Inhibitors of Malarial Aspartic Proteases, Plasmepsin I and Plasmepsin II	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग–विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (डी.एस.टी–एस.ई.आर.बी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

foKku fo|kihB	Role of Adiponectin and Uncoupling Protein in Diabetic Heart in rats: Molecular and Stemic Mechanisms	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
	Free Radical Mediated Mechanism of Cardiovascular Dysfunction in Chronic Heart Failure : Molecular and Systemic Mechanism	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.)
	Geochemistry, Petrogenesis and Isotopic Studies of Mafic Dykes from Sonbhadra District, Son valley: Implications to Evolution of Sub-continental Lithosphere in Central India	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)
	Integrated Geospatial Information Technologies for Water Resources Management: A Case study of Thatipudi Watershed, Eastern Ghat Terrain, Andhra Pradesh	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
f'k{kk fo|kihB	State Open Universities (SOUs) in India : An Evaluation	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	Certificiate Programme for Professional Development of Primary Teachers (CPPDPT) for Kendriya Vidyalaya Teachers	केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.)
Lkkekft d foKku fo|kihB	Multi-National in India: Consumption, Culture and Cooperate Life Style	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	Assessment of Human Wellbeing: A Multidimensional Approach	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	Prevalence of Obesity and its Association with Blood Pressure and Blood Glucose Levels	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	Capacity Building in Disaster Management for Government Officials and Representatives of Panchayat Raj Institutions and Urban Local Bodies at District Level	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.)
	Politics of Separate States in Uttar Pradesh: Castes, Regions and Development	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)
	The Post Liberalization Rural Transformation: A Study of Rural Society of Bihar	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)

	• Seeing the Unseen: A Visual/ Photographic Documentation of Manual Scavenging in NCR Region	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.)
	• National Virtual Library of India	संस्कृति मंत्रालय
	• National Coordinator for SWAAYAM and SWAYAM PRABHA	मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	• Design and Development of a Certificate programme on Life and Thought of B.R. Ambedkar	डॉ. भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
Ikc/k v/;;u fo|kihB	• Study on Corporate Governance Practices of India Financial Sector Companies	नेशनल फाउंडेशन फॉर कॉर्पोरेट गवर्नेंस, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय

परिशिष्ट-6

इग्नू द्वारा आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं/पैनल परिचर्चाएं/व्याख्यान/संगोष्ठियाँ

विद्यापीठ/एकक का नाम	विषय, स्थान और तिथि
विश्वविद्यालय स्तर	● 2 जुलाई 2017 को 'Education to the Door Step' विषय पर प्रो. वाई. वैकुंठम का 22वाँ प्रो. जी.राम रेड्डी स्मृति व्याख्यान। ● 19 नवंबर 2017 को 'Open and Distance Learning : Opportunities and Responsibilities' विषय पर श्री मुकुल कानिटकर के व्याख्यान के साथ विश्वविद्यालय के 32वें स्थापना दिवस का आयोजन ● 21 जून 2017 को तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन। ● 30 अक्तूबर–4 नवंबर 2017 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन। ● 6 दिसंबर 2017 को 'Persons with Disabilities : A Humam Resource' विषय पर वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के संस्थापक–अध्यक्ष और स्कोर फाउंडेशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री जॉर्ज अब्राहम के व्याख्यान के साथ अंतरराष्ट्रीय विकलांगजन दिवस का आयोजन। ● 14 सितंबर 2018 को 'हिंदी दिवस' का आयोजन। ● 8 मार्च 2018 को '#Me Too Campaign Can Change Reality' विषय पर परिचर्चा के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन।
कृषि विद्यापीठ	● 3–10 अक्तूबर 2010 को 'Development & Delivery of e-Learning Material in Agriculture Extension' विषय पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। ● 8–9 सितंबर 2017 को आई.आई.टी. गुवाहाटी और इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र) के सहयोग से 'Agriculture and Human Development in India : Indigenous Practices, Scientific Views and Sustainability' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी। ● 15 फरवरी 2018 को 'खाद्य सुरक्षा' पर एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम। ● 29 अक्तूबर–26 नवंबर 2017 को फलों और सब्ज़ियों से मूल्य संवर्धित उत्पाद संबंधी जागरूकता कार्यक्रम।
विदेशी भाषा विद्यापीठ	● 27–28 मार्च 2018 को जर्मन भाषा शिक्षण में डिप्लोमा के शैक्षिक परामर्शदाताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला। ● 3 जनवरी 2018 को गेटे इंस्टीट्यूट/मैक्समूलर भवन के सहयोग से विदेशी भाषा के रूप में जर्मन भाषा के अध्यापन (Teaching German as a foreign language) के अध्यापकों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला।
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ	अनुवाद अध्ययन विषय के शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए विशेष व्याख्यानमाला: ● 6 फरवरी 2018 को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के निदेशक डॉ. श्रीनारायण सिंह 'समीर' का 'प्रशासनिक अनुवाद : स्वरूप, क्षेत्र और चुनौतियाँ' विषय पर प्रथम व्याख्यान। ● 16 मार्च 2018 को ई–भाषा सेतु के संस्थापक और भाषा अनुवाद तकनीकविद डॉ. पवन कुमार का 'मशीन अनुवाद' पर द्वितीय व्याख्यान।

	• 22 मार्च 2018 को इग्नू की अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ के पूर्व निदेशक प्रो. के. सच्चिदानंदन का 'Translation and the Idea of Indian Literature' विषय पर तृतीय व्याख्यान। fl/kh v/;;u ihB d vrxRk • 23 मार्च 2018 को राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश टेकचंदाणी का 'Interaction between Sindhi and the Indian Languages : Translation as Bridge' विषय पर व्याख्यान।
tMj vkj fodkl v/;;u fo|kihB	• 25 अगस्त 2017 को प्रो. सविता सिंह द्वारा 'Love and Mourning' विषय पर वार्ता। • 21 अगस्त 2017 को 'Memories in March' शीर्षक फिल्म की स्क्रीनिंग। • 26 फरवरी 2018 को 'Concepts of Postcoloniality and Neocoloniality : A Short Story of Sri Lanka' विषय पर व्याख्यान। • 12–16 मार्च 2018 को 'Academic Writing' विषय पर अनुसंधान कार्यशाला।
fof/k fo|kihB	• 28–29 जुलाई 2017 को 'Human Rights in the Indian Perspective : Concerns and Priorities' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
Ikc/k v/;;u fo|kihB	• 23 मार्च 2018 को 'Goods and Services Tax (GST)' पर व्याख्यान।
vrj&fo|kJ;h vkj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB	• 4 जुलाई 2017 को 'Immigration Laws in the USA – A return to Conservatism and what it means for the World' विषय पर संगोष्ठी। • 9 अगस्त 2017 को 'GST : Impact on Economy' विषय पर संगोष्ठी। • 31 अक्तूबर 2017 को 'Environment and Society' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
LokLF; foKku fo|kihB	• विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल 2017 को 'Depression : Let us talk' विषय पर व्याख्यान। • 6 सितंबर 2017 को आयुर्वेद शिविर और स्वास्थ्य वार्ता।
Ekkufodh fo|kihB	• 11 मई 2017 को 'Rembering Gurudev' विषय पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. मुचकुंद दुबे का व्याख्यान। • 31 जुलाई 2017 को 'Relevance of Premchand in Contemporary Times' विषय पर लेखक और 'तद्भव' के संपादक श्री अखिलेश का व्याख्यान। • 22 सितंबर 2017 को 'रामधारी सिंह' विषय पर ललित नारायण मिश्र विश्वविद्यालय के प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह का व्याख्यान। • 23 नवंबर 2017 को 'भारत में नवजागरण' विषय पर डॉ. कर्मेंदु शिशिर का व्याख्यान। • 26 मार्च 2018 को 'In Memory of Prof. Kedarnath Singh' विषय पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. रामबक्ष का व्याख्यान।
nj f'k{kk LVkQ if'k{k.k vkj vu|l/kku lLFkku	• 6–28 अप्रैल 2017 को क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के सहयोग से इग्नू के अध्यापकों और शैक्षिक सदस्यों के लिए 'ICT in ODL' विषय पर 21–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम। • 21–23 जून 2017 को सहायक कुलसचिवों के लिए प्रशिक्षण–व–कार्यशाला।

	• 10–16 जुलाई 2017 को 'Quality Issues in Developing/Revising Self Learning Materials in Opan and Distance Learning' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला। • 9–11 अगस्त 2017 को इग्नू के कार्यपालक सहायकों के लिए प्रशिक्षण–व–कार्यशाला। • 21–23 अगस्त 2017 को वित्त एवं लेखा प्रभाग के सहयोग से लेखा–परीक्षा में इग्नू के अधिकारियों के प्रशिक्षण–व–कार्यशाला। • 21–27 अगस्त 2017 को मुक्त और दूर शिक्षा में कार्यक्रम मूल्यांकन संबंधी संकाय विकास कार्यक्रम। • 28 अगस्त से 3 सितंबर 2017 तक 'Quality Issues in Developing/Revising Self Learning Materials in Opan and Distance Learning' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला। • 20 सितंबर 2017 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एज्यूकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (न्यूपा) के सहभागियों का शैक्षिक दौरा और राष्ट्र–स्तरीय संगोष्ठी। • 25 सितंबर 2017 को जर्मनी, बांग्लादेश और भारतीय विश्वविद्यालयों के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ संगोष्ठी। • 26–27 सितंबर 2017 को अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़ा वर्ग और विकलांगजनों के लिए सेवाओं में आरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यशाला। • 6–12 नवंबर 2017 को इग्नू संकाय के लिए विकास कार्यक्रम। • 27 नवंबर 2017 को सी–डैक के अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का शैक्षिक दौरा। • 18 जनवरी 2018 को न्यूपा के प्रतिभागियों का इग्नू में शैक्षिक दौरा। • 21–23 फरवरी 2018 को कंप्यूटर प्रभाग के सहयोग से 'Technology-Centric Framework for Open University System Administration & Management' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला। • 9 मार्च 2018 को 'Statistical Interface into Research' विषय पर कार्यशाला। • 12–21 मार्च 2018 को क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के सहयोग से 'Planning and Management in Open and Distance Learning' पर संकाय विकास कार्यक्रम। • 20 मार्च 2018 को विद्यार्थी सहायता–सेवा केंद्र (एस.एस.सी.) के सहयोग से इग्नू मुख्यालय के जन सूचना अधिकारियों (पी.आई.ओ) के लिए 'Right to Information (RTI) – Management Information System (MIS) on-line portal' विषय पर कार्यशाला।
पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ	• 22 फरवरी 2018 को 'यात्रा वृत्तांतों में भारतीय संस्कृति' विषय पर प्रो. त्रिभुवन नाथ शुक्ला और श्री विपिन बी. पाठक का व्याख्यान।
समाज कार्य विद्यापीठ	• 22–23 फरवरी 2018 को 'Made in India : The Social Work Journey' विषय पर संगोष्ठी।

jk"Vh; fodykxrk v/;;u dn	● 24–25 अक्तूबर 2017 को नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ 'Vocational Rehabilitation & Economic inclusion of Person with Disabilities' विषय पर संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सम्मेलन।
jk"Vh; nj f'k{kk uoioru dn	● 12 दिसंबर 2017 को 'Innovative Way of Offering Lab Based Programme' विषय पर संगोष्ठी। ● 19–27 मार्च 2018 को 'Research and Innovation: The Road Ahead' विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला।
Lkpkj dn ¼byDVkfud ehfM;k ikMD'ku lVj½	● 17–25 अप्रैल 2017 और 28 अगस्त–3 सितंबर 2017 को इग्नू संकाय के लिए 'Script Writing' वित Curriculum based Audio/Video programme' विषय पर दो कार्यशालाएँ। ● 3–9 अगस्त 2017 को 'Camera Handling for Documentation/ Archieve' विषय पर कार्यशाला।
dI;Vj iHkkx	● 21–23 मार्च 2018 को 'Technology Centric Framework for Open University System Administation and Management' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
{k=h; lok iHkkx	● 8–9 जुलाई 2017 को कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (के.के.एच.एस.ओ.यू.) और आई.सी.एस.एस.आर–एन.ई.आई.एस.टी. के सहयोग से 'Vision 2025: Connecting North-East India through Open & Distance Learning' विषय पर सम्मेलन। ● 14–15 अक्तूबर 2017 को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के सहयोग से 'The Journey of Indian Language : Perspectives on Culture and Society' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। ● 8–9 सितंबर 2017 को आर.आई.ई, एन.सी.ई.आर.टी. और पी.एस.एस., भोपाल एन.सी.ई.आर.टी. के सहयोग से 'Tourism and Hospitality in India : Challenges, Potentials, Possibilities and New Dimensions' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन। ● 12 जनवरी 2018 को रायपुर क्षेत्रीय केंद्र में ट्रांसजेंडरों संबंधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन। ● 8 दिसंबर 2017 को 'Women Empowerment and their Rights for Social Development' विषय पर मदुरै क्षेत्रीय केंद्र में कार्यशाला। ● आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित और गोआ सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के सहयोग से 8–21 जनवरी 2018 को पणजी क्षेत्रीय केंद्र में 'Research Methodology' विषय पर कार्यशाला।

परिशिष्ट–7

शोध प्रकाशन और सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में योगदान

d- 'kk/k idk'ku

d-1 idkf'kr xFk

nj f'k{kk LVkQ if'k{k.k vkj vulk/kku lLFkku ¼LVkbM½

ik- lrk"k ikMk

- Planning and Management in Distance Education: Open and Flexible Learning Series, प्रथम संस्करण, लंदन, रूटलेज, आई.एस.बी.एन. : 978–113816487 ।

{k=h; lok iHkkx

Mk- lhju e[kth vkj Mk- i.kn f=ikBh

- "Handbook of Research on Technology centric Strategies for Higher Education Administration", आई.जी.आई–ग्लोबल, हर्षे, पी.ए, यू.एस.ए., आई.एस.बी.एन : 9781522506720, 2017. (डॉ. पूर्णेंदु त्रिपाठी के साथ संयुक्त लेखन)
- "Handbook of Research on Administration, Policy, and Leadership in Higher Education", आई.जी.आई–ग्लोबल, हर्षे, पी.ए, यू.एस.ए., आई.एस.बी.एन : 13 9781522506720, 2017. (डॉ. पूर्णेंदु त्रिपाठी के साथ संयुक्त लेखन)

d2- ifrf"Br 'kk/k&if=dvk e vkys[k

Ñf"k fo|kihB

Mk- edk'k dekj

- "Effectiveness of Short Duration Training Programmes on Field Level Watershed Functionaries", *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेषन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट,* वर्ष 13(1), पृ. 147–150, नई दिल्ली, 2018. (डॉ. पी. विजयकुमार के साथ संयुक्त लेखन)
- "Hydraulics of Water and Nutrient Application through Drip Irrigation-A Review", *जर्नल ऑफ सॉइल एंड वाटर कंज़र्वेशन,* वर्ष 17(1), पृ. 65–74, नई दिल्ली, 2018. (श्री रोहिताश्व कुमार के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ih-d- tu

- "An explanatory study on dropout of learners and support servies in distance education programme", *एडुटेक ई–जर्नल ऑफ एज्यूकेशन एंड टेक्नोलॉजी,* आई.एस.एस.एनः 0975–5004, अंक संख्या 1701, पृ. 1–9, 2017. (प्रो. एम.के. सलूजा और डॉ. जी. मैथिली के साथ संयुक्त लेखन) (http://www.edutech.net.in/issues.htm)
- "Impact of technologies assessed refined, demonstrated and disseminated to paddy farmers – a case study", *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनजमेंट,* वर्ष 18(1), पृ. 101–120, दिसंबर 2017. (एन. वेंकटेश्वर राव, एन. किशोर कुमार और एम. जगन रेड्डी के साथ संयुक्त लेखन)

Lkrr f'k{kk fo|kihB

Mk- fguk d- fctyh

- "Learining Event Management through Open and Distance Learning", *एडुटेक ई–जर्नल ऑफ एज्यूकेशन एंड टेक्नोलॉजी,* आई.एस.एस.एन: 095–5004, अंक संख्या 1701, पृ. 1–4, दिसंबर 2017.

- "Migrant and Displaced Women: Gender Dimensions and Crucial Issues for Promoting Health", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिव्यू एंड रिसर्च इन सोशल साइंसिज़,* आई.एस.एस.एन: 2347–5145, वर्ष 6(1), पृ. 15–24 जनवरी–मार्च, 2018.

- "Delivery of Non Formal Education through Open and Distance Learning : Role of CSR", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस,* आई.एस.एस.एन: 2394–1413, वर्ष 5(2), पृ. 506–513, फरवरी 2018.

dI;Vj vkj lpuk foKku fo|kihB

Mk- oh-oh- lcge.;e

- "Salient Point Based Steganography", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटिंग,* आई.एस.एस.एन: 2321–3361, वर्ष 9, पृ. 14899–14901, सितंबर 2017. (एम. रेणुका और डॉ. जगदीश पुजारी के साथ संयुक्त लेखन)

f'k{kk fo|kihB

Mk- lrik ckl

- "The pedagogy of the instructional components comprising a distance teacher education programme : A critique", *न्यू फ्रंटियर्स इन एज्यूकेशन,* वर्ष 49(1), पृ. 93–104, 2017.

Mk- xkjo flg

- "Continuous Professional Development of Teachers though Open and Distance Learning : Perception and Concerns", *इश्यूज़ एंड आइडियाज़ इन एज्यूकेशन,* वर्ष 6(1), पृ.63–68, 2018. (http://dspace.chitkara.edu.in/jspui/bitstream/123456789/679/1/61004_IIE_Gaurav.pdf)

foLrkj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- ih-oh-d- 'kf'k/kj

- "Adoption Behaviour of Groundnut Farmers in Chittoor District of Andhra Pradesh", *जर्नल रिसर्च,* आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, वर्ष 46(1), पृ. 72–84, 2018.

- "Factors Influencing Participation of Famers in Contract and Non Contract Broiler Poultry Farming", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च,* वर्ष 8(4), पृ. 115–120, 2018. (जी.टी. गोपाला, के.सी. वीरण्णा, एम. हरीषा, टी.एन. कृष्णमूर्ति और नगप्पा ए. बनुवल्ली के साथ संयुक्त लेखन)

- "A Comparative Study on Technical and Economic Perfomance of Contract and Non Contract Broiler Farming Systems in Karnataka", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च,* वर्ष 7(5), पृ. 121–128, 2017. (जी.टी. गोपाला, के.सी. वीरण्णा, एम. हरीषा और बी. चेनप्पागौड़ा के साथ संयुक्त लेखन)

- “Comparative Study on Socio Economic Status of Contract and Non Contract Broiler Framers in Karnataka”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च,* वर्ष 7(11), पृ. 153–160, 2017. (जी.टी. गोपाला, के.सी. वीरण्णा, एम. हरीषा, सुशांत हंगडे और बी.जी. वीरण्णा गौड़ा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ch-d- iVVuk;d

- “Traditional health care practices of women in urban slums : Focus on maternal health and nutritional status”, *इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ जर्नल,* वर्ष 9(3), पृ. 275–284, 2017. (एस. श्रद्धान्विता और डॉ. एन.ए. फारूकी के साथ संयुक्त लेखन)
- “Food security, gender and occupational seasonality in urban low-income households”, *इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ जर्नल,* वर्ष 9(3), पृ. 267–274, 2017. (एस. श्रद्धान्विता और डॉ. एन.ए. फारूकी के साथ संयुक्त लेखन)
- “Backward Region Grant Fund and Agriculture Development: A Micro Evaluative Study”, *पॉलिटिकल इकोनॅमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 26(1 और 2), पृ. 64–69, 2017. (हंस लाल के साथ संयुक्त लेखन)
- “Decentralized Governance and Natural Resource Management in Uttarakhand and Arunachal Pradesh of North East Himalaya”, *पॉलिटिकल इकोनॅमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 26(1 और 2), पृ. 69–79, 2017. (डॉ. एन.ए. फारूकी के साथ संयुक्त लेखन)
- “Self Concept and Daily Living Skills of Children with Special Needs: An Empirical Study”, *पॉलिटिकल इकोनॅमी जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 26(3 और 4), पृ. 74–84, 2017. (गौड़ एस.एस. और डॉ. एन.ए. फारूकी के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- x|l Mk|u uefp|x

- “Gender Representation in Folklore Culture:Dissection of Selected Paite Tribe in Manipur”, *पॉलिटिकल जर्नल ऑफ इंडिया,* वर्ष 26, अंक 1 और 2, पृ. 80–86, 2017. (मर्सी वी.जी. के साथ संयुक्त लेखन)
- “Customary laws among the Paite Tribe of Manipur with specific reference to marriage”, *मैन एंड सोसाइटी,* वर्ष 14, पृ. 128–135, 2017.

vfHk;kf=dh vkj ik|kfxdh fo|kihB

Mk- vu|t d|ekj ijokj

- “LiDAR Technology and its Applications”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स,* वर्ष 6(1), पृ. 363–372, अहमदाबाद, मार्च 2018.

Mk- 'ork f=ikBh

- “Experimental investigation of utilization of soya soap stock based acid oil biodiesel in an automotive compression ignition engine”, *एप्लाइड एनर्जी,* वर्ष 198, पृ. 332–346, जुलाई 2017. (के.ए. सुब्रह्मण्यन के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- lt; vxoky

- “A meta-heuristic firefly algorithm based smart control strategy and analysis of a grid connected hybrid photovoltaic/wind distributed generation system”, *सोलर एनर्जी,* एल्सवियर, वर्ष 150, पृ. 265–274, जुलाई 2017. (ए.के. सिंह, जी.एस. चौरसिया और एन.के. शर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- rfey d- eUuu

- “Parametric Optimization in Wire Electric Discharge Machining of Titanium Alloy Using Response Surface Methodology”, *साइंस डायरेक्ट मैटीरियल्स टूडे प्रोसीडिंग्स, एल्सवियर,* पृ. 1434–1441, अप्रैल 2017. (शिव प्रसाद ए. और अरकांतिक्रिहनैया के साथ संयुक्त लेखन)
- “Surface Integrity Characteristics in Wire Electric Discharge Machining of Titaium Alloy during Main Cut and Trim Cuts”, *एल्सवियर साइंस डायरेक्ट मैटीरियल्स टूडे प्रोसीडिंग्स,* पृ. 1434–1441, अप्रैल 2017. (शिव प्रसाद ए. और अरकांतिक्रिहनैया के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ,- vxoky

- “Lean six sigma application in healthcare of patients”, *इंटरनेशनल जर्नल इंटैलीजेंट इंटरप्राइज़,* वर्ष 4(3), पृ. 275–282, मई 2017. (डी. गर्ग और बी. चौरसिया के साथ संयुक्त लेखन)

fons'kh Hkk"kk fo|kihB

Mk- ekgEen lyhe

- “Hadithun Un Rawai Weaite Guwa”, *थक़ाफत उल हिंद (अरबी भाषा त्रैमासिक),* वर्ष 68, पृ. 1–5, नई दिल्ली, 2017.
- “Teaching Arabic in Distance Mode: Some Issues”, *लैंग्वेज एज्यूकेशन इन डिस्टेंस मोड,* पृ. 175–189, नई दिल्ली, 2017.

f'kokth HkkLdj

- “Technology Mediated Russian Language Learning in Open & Distance Learning Mode”, *क्रिटीक,* अंक 14, पृ. 29–36, आई.एस.एस.एन : 2229–7146, रूसी अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2018.

tMj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

Mk- vUk vutk

- “Blending in: reconciling feminist pedagogy and distance education across cultures”, *जेंडर एंड एज्यूकेशन,* वर्ष 29(7), पृ. 850–868, 2017. (जारी करने की तिथिः 10.1080/09540253.2016.1237621)

foKku fo|kihB

Mk- d- ukx'oj jko

- "Groundwater quality in a tribal region of Thatipudi, watershed, Visakhapatnam district, Andhra Pradesh, India", *इंडियन ग्राउंडवाटर*, वर्ष 9, पृ. 9–15, कोलकाता, जुलाई 2017.

Ikk- 'kHkk xk[ky

- "Probing influence of rare earth ions (Er3+ , Dy3+ and Gd3+) on structural, magnetic and optical properties of magnetite nanoparticles", *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज़्म एंड मैग्नेटिक मैटीरियल्स*, वर्ष 456, पृ. 179–185, एल्सवियर, 2018. (वंदना अरोड़ा और ऋचा जैन के साथ संयुक्त लेखन)
- "Exchange Hardening in FePt/Fe3Pt Dual Exchange Spring Magnet: Monte Carlo Modelling", *जर्नल ऑफ एलॉयज़ एंड कंपाउंड्स*, वर्ष 695, पृ. 1014, 2017. (वंदना अरोड़ा और ऋचा जैन के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- luhrk eYgk=k

- "Synthesis, Biological Evaluation, Molecular Docking and DFT Study of Potent Antileishmanial Agents Based on the Thiazolo [3, 2-a] pyrimidine Chemical Scaffold.", *मेडिसिनल कैमिस्ट्री एंड ड्रग डिस्कवरी*, वर्ष 3(10), पृ. 2756–2762, मार्च 2018. (राधा एन. चतुर्वेदी, मो. हम्मद आरिश, मोहम्मद काशिफ, वरींद्र कुमार, डॉ. रीनू, डॉ. कृष्णैया पेंडम और डॉ. अब्दुर्रब के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- Hkkjr bn Qktnkj

- "Cuspidate A, new anti-fungal triterpenoid saponin from Lepidagathis cuspidate", नैचुरल प्रोडक्ट रिसर्च, वर्ष 31(7), पृ. 773–779, टेलर और फ्रांसिस, 2017. (राजीव रत्तन, वीणा गौतम,. ऋतिका शर्मा, दिनेश कुमार और उपेंद्र शर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- tkon ,- Qk:dh

- "Synthesis and Antimicrobial Activity of Some New Aeredinediones", *जे फार्म.एप्ल.कैम.*, वर्ष 3(2), पृ. 147–150, नेचुरल साइंसिज़ पब्लिशिंग, न्यूयॉर्क, 2017. (मुख्तार ए. वानी और वजाहत ए. शाह के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- yfyrk ltho dekj

- "Adsorption-Desorption of Tebuconazole in Three Soils", *पेस्टीसाइड रिसर्च जर्नल*, वर्ष 29(1), पृ. 82–87, सोसाइटी ऑफ पेस्टीसाइड साइंस इंडिया, जून 2017. (रौनक़, सत्यवीर आर्य और शशिबाला सिंह के साथ संयुक्त लेखन)
- "Design, Synthesis and Charaterization of Novel Amine Derivatives of 5-[5-(Chloromethyl)-1, 3, 4-Oxadiazol-2-yl]-2-(4-Fluorophenyl)-Pyridine as a New Class of Anticancer Agents", *ढाका यूनिवर्सिटी जे. फार्म.साइ.*, वर्ष 16(1), पृ. 11–19, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश, जून 2017. (एम. सुधा और कुमार आदिमुले विनायक के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ijo'k cCcj

- "Thiamine deficiency induced dietary disparity promotes oxidative stress and neurodegeneration", *इंडियन जर्नल क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री,* आई.एस.एस.एन. 0970–1915, 2017. (जारी करने की तारीख : 10.1007/s12291-017-0690-1) (एन. श्रीवास्तव और ए. चौहान के साथ संयुक्त लेखन)

- "Effect of Thiamine nutritional deficiency on the energy metabolism and neurotransmission in mice brain", *दि इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन एंड डाइटैटिक्स,* आई.एस.एस.एन. 0022–3174, वर्ष 6(2), पृ. 82–87, 2017. (एन. श्रीवास्तव के साथ संयुक्त लेखन)

- "Neuroprotective potential of Azadirachta indica leaves in diabetic rats", *एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च,* आई.एस.एस.एन. 0974–2441, वर्ष 10(14), पृ. 243–248, 2017. (निधि श्रीवास्तव, संजीव पुरी, नवीन कुमार गुप्ता और वीना पुरी के साथ संयुक्त लेखन)

- "ECG Alterations Precedes Cardiac Hypertrophy in Rat Model of Diabetes", *ओपन एक्सैस जर्नल ऑफ टॉक्सिकोलॉजी,* आई.एस.एस.एन. 2774–7599, वर्ष 2(5), 2018. (स्वाति ओमनवार, चारु गुप्ता और बानो सैयदुल्ला के साथ संयुक्त लेखन) (जारी करने की तारीख : 10.19080/ओ.ए.जे.टी.2018.02.555598)

Mk- vjfoan dqekj 'kkD;

- "Protective effect of Sharbat-e-Deenar against acetaminophen-induced hepatotoxicity in experimental animals", *जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल चाइनिज़ मेडिसिन,* वर्ष 37(3), पृ. 387–392, एल्सवियर, 2017. (संगीता शुक्ला के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- Ekuh"kk ikMs;

- "Accurate identification of urinary isolates: Integration of conventional, automated, and molecular methods", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ सिस्टम एंड डिज़ास्टर मैनजमेंट,* वर्ष 6(2), पृ. 82–87, वॉल्टर्स क्लूवर – मेडनो, 2017. (मीना वर्मा, गणेश भातंब्रे और तृप्ति बाजपेयी के साथ संयुक्त लेखन)

- "Etiological landscape of micro-organisms causing blood stream infections: Commensal? Or pathogen?", *वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च,* आई.एस.एस.एन. 2277–7105, वर्ष 6(14), पृ. 895–905, 2017. (तृप्ति बाजपेयी के साथ संयुक्त लेखन)

- "An unusual case of urinary sparganosis in Indian Subcontinent", *इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी,* वर्ष 34, पृ. 158–160, 2018. (नांदेडकर शिरीश, तृप्ति बाजपेयी और संतोष अग्रवाल के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- ekgEen vCnqy djhe

- "Molecular assessment of protective effect of Vitexnegundo in ISO induced myocardial infarction in rats", *बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथैरेपी,* वर्ष 92, आई.एस.एस.एन. 249–253, एल्सवियर, 2017. (मधुसूदन पी., मारुति ई. प्रसाद, मोहम्मद शाहिदुल इस्लाम, दासेगौड़ा आर, मैकराजलरीनिफ, यिंगली लू और लक्ष्मी देवी कोडीढेला के साथ संयुक्त लेखन)

- "In vivo and molecular docking studies using whole extract and phytocompounds of Aegle marmelos fruit protectives effects against Isoproterenol-induced Muocardial infarction in rats", *बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथैरेपी,* वर्ष 91, पृ. 880–889, एल्सवियर, 2017. (वी. लीला शिवरंजनी, जे.

उमा माहेश्वरी, सी. श्रीनिवासुलु, एस. अल्ताफ हुसैन, जी. सायी कृष्ण, वी.डी. रेड्डी, दारुद अली, किरण भारत लोखंडे, के. वेंकटेश्वर स्वामी और लक्ष्मी देवी कोडीढेला के साथ संयुक्त लेखन)

- “Trace Element Determination and Cardioprotection of Terminalia pallid Fruit Ethanolic Extract in Isoproterenol Induced Myocardial Infarcted Rats by ICP-MS”, *बायोलॉजिकल ट्रेस एलिमेंट रिसर्च,* वर्ष 181(1), पृ.112–121, स्प्रिंगर, 15 मई 2017. (जारी करने की तारीख 10.1007/s12011-017-1037-8- (शेख अल्ताफ हुसैन, शेख नायब रसूल, सुलिमान युसुफ अल उमर, अल्वासेद सालेह, मनाल अब्दुलरहमान अल–फवुएरिज, जयसिम्हा रायलु ददम और लक्ष्मी देवी कोडीढेला के साथ संयुक्त लेखन)

- “Terminalia Pallida fruit ethanolic extract ameliorated lipids, lipoproteins, lipid metabolism marker enzymes and paraoxonase in isoproterenol-induced myocardial infracted rats”, *साउदी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसिज़,* वर्ष 25(3), पृ.431–436, एल्सवियर, मार्च 2018. (नायब रसूल शेख, अल्ताफ हुसैन शेख, सुलिमान युसुफ अल उमर, अल्ताफ मोहम्मद, तलल अब्दुल अज़ीज़ मोहाया और लक्ष्मी देवी कोडीढेला के साथ संयुक्त लेखन) (http://doi.org/10.1016/j.sjbs.2017.11.002)

vrj&fo|kJ;h vkj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB & ,l-vk-,p-,l-

Ikk- ch- :fi.kh

- “Synthesis and characterization of functionalized amino coumarins in ionic liquid”, *जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री एंड कैमिकल साइंसिज़,* आई.एस.एस.एन. 2319–7625, वर्ष 7(9), पृ. 710–713, सितंबर 2017.

- “Inventive use of Information and Communication Technology in the Open and Distance Learning System: An Empirical Study”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स, आई.टी. एंड मैनजमेंट,* आई.एस.एस.एन. 2231–5756, वर्ष 7(7), पृ. 6–11, जुलाई 2017.

- “A Synthetic and Spectral Studies of Mn (II),Co(II), Ni(II),Cu(II),Pd(II),and Fe(III)Complexes of some Naphthyridine Based Schiff Bases”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी एज्यूकेशनल रिसर्च,* आई.एस.एस.एन. 2277–7881, वर्ष 6(7)5, पृ. 197–209, जुलाई 2017. (के. सोमी रेड्डी के साथ संयुक्त लेखन)

- “ICT Enabled Skill-based Programmes for Empowerment of Marginalised Women in Rural India through Open Distance e-Learning”, *आई.ओ.एस.आर. जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसिज़ (आई.ओ.एस.आर–जे.एच.एस.एस.),* वर्ष 22 (8), पृ. 18–21, अगस्त 2017. ई–आई.एस.एस.एन. 2279–0837, पी–आई.एस.एस.एन. : 2279–0845. www.iosrjournals.org (डॉ. ए. मुरली एम. राव के साथ संयुक्त लेखन)

- “Physico-chemical properties of some polymer blended task specific novel S-(+)-2-3-dihydroxy-N, N, N-tributylpropanaminiumtriflate and 1-(2-propoxy)- 3-methylimdazolium-borohydride room temperature ionic liquids”, *इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिज़िक्स,* वर्ष 55, पृ. 1–9, जुलाई 2017. (वाई कुमारब, एच. अकडगे, सी. वरलिकलि, वाई.एम. शुल्गड, एन.वाई शुल्गड और वी.के.कसाने के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- lf"erk cLdj

- “Calcite precipitation by Rhodococcus sp. isolated from Kotumsar cave, Chattisgarh, India”, *करंट साइंस,* वर्ष 114, अंक 5, पृ. 1063–1074, मार्च 2018. (बस्कर एस, चालिया एस. और बस्कर आर. के साथ संयुक्त लेखन) (DOI: 10.18520/cs/v114/i05/1063-1074)

- “Microbes Identified from Some Caves in Chattisgarh and Their Biocalcifying Abilities”, *एम्बिएंट साइंस, नेशनल केव रिसर्च एंड प्रोटेक्शन ऑर्गेनाइज़ेशन, इंडिया* द्वारा प्रकाशित, वर्ष 4(2), आई.एस.एस.एन. : 2348 5191 और ई–आई.एस.एस.एन.: 2348 8980, 2017.

Ekkufodh fo|kihB

Ikk- ufnuh lkgw

- “The Liberty of Utterance : the Emancipation to Thin: G Karmakar in Cnversation with Nandini Sahu”, *इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीकल्चरल जर्नल,* वर्ष 5(4), पृ. 17–27, अप्रैल 2017.
- “Myth as Metaphor: Benares the Sacred City in Verses and Hymns”, *दि जर्नल ऑफ दि पोएट्री सोसाइटी,* वर्ष 27, पृ. 38–43, दि पोएट्री सोसाइटी, जून 2017.
- “Review of Encounters with people and the Angels of Hope by H K Kaul”, *दि जर्नल ऑफ दि पोएट्री सोसाइटी,* वर्ष 28, पृ. 67–80, दि पोएट्री सोसाइटी, 2017.

LokLF; foKku fo|kihB

Ikk- fiVh dkSy

- “Effect of Community based nurse led programme on management of Hypertension among geriatric population in an urban community of Delhi”, *जर्नल ऑफ इंडियन एकेडेमी ऑफ जेरियाटिक्स,* वर्ष 12(4), दिसंबर 2017. (शशि मवार के साथ संयुक्त लेखन)
- “Effectiveness of suction protocol on Nurses and Patient out care in ICU”, *एशियन जर्नल ऑफ नर्सिंग एज्युकेशन एंड रिसर्च,* वर्ष 7, अक्तूबर–दिसंबर 2017. (सीमा सचदेवा के साथ संयुक्त लेखन)
- “Hospital Acquired Pressure Ulcer Protocol in Intensive Care Unit”, *एशियन जर्नल ऑफ नर्सिंग एज्युकेशन एंड रिसर्च,* वर्ष 7, अक्तूबर–दिसंबर 2017. (सीमा सचदेवा के साथ संयुक्त लेखन)
- “Effectiveness of Protocol on Physical Restraints on Nurses and Patients in ICU”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एज्युकेशन,* वर्ष 10(11), 2017. (सीमा सचदेवा के साथ संयुक्त लेखन)

jkfg.kh 'kekZ Hkkj}kt

- “Online Academic Counselling- A Futuristic Model in Distance Education for Health Sciences Programmes”, *इंटरनेशनल एज्यूकेशन एंड रिसर्च जर्नल (आई.ई.आर.जे.),* वर्ष 3(5), पृ. 564–566, नई दिल्ली, मई 2017. (प्रो. पिटी कौल के साथ संयुक्त लेखन) (http://ierj.in/journal/index.php/ierj/article/view/1027)

Ikk- uhjtk lwn

- “Skill training of in-service nurses in Delhi Government: Challenges and Future Interventions”, *स्टाफ एंड एज्यूकेशनल डेवलपमेंट इंटरनेशनल,* आई.एस.एस.एन. : 0971–9008, वर्ष 22(1), पृ. 43–55, जनवरी 2018. (http://journal.netsed.net/index.php/SEDI/issue/view/23)
- “Evidence Based Monitoring Mechanism for Quality of Distance Education Programme using ICT and Its Impact”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ केयर एज्यूकेशन एंड मेडिकल इनफॉर्मेटिक्स,* वर्ष 4(1), पृ. 19, 2017. (https://medical.adrpublications.in/index.php/IntlJ-Healthcare-Education/issue/view/102)

- “Assessment of Faculty Workload in Distance Education: Case of Indira Gandhi National Open University”, *स्टाफ एंड एज्यूकेशनल डेवलपमेंट इंटरनेशनल,* आई.एस.एस.एन. : 0971–9008, वर्ष 22(1), पृ. 41–57, मई 2017. (http://journal.netsed.net/index.php/SEDI/issue/view/2)

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ

डॉ. सुनील कुमार

- “International Financial Reporting Standards: The Roadmap Ahead”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनजमेंट एंड सोशल साइंस,* वर्ष 5, (2)3, पृ. 1–6, पटना, 2017. (क्षितिज महर्शि, रीतेश और संजीव मित्तल के साथ संयुक्त लेखन)

- “Can Stock Market Time the FPIs: A Study of Seasonality”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर एंड कम्युनिकेशन,* वर्ष 15,(3), पृ. 3–8, 2017. (आर.के. शर्मा और दीपाली रात्रा के साथ संयुक्त लेखन)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. देबल के. सिंहराय

- “ODL, ICTS and Knowledge Society: New Roles with Knowledge Gaps and Policy Apathy in India”, टीचिंग सोशल साइंस थ्रू ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग, पृ. 25–41, एन.एस.ओ.यू, कोलकाता.

दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान* (स्ट्राइड)

प्रो. संतोष पांडा

- “Asian leaders in open and distance education”, *जर्नल ऑफ लर्निंग फॉर डेवलपमेंट,* वर्ष 4(3), पृ. 245–259, 2017.

- “Faculty perception of openness and attitude to open sharing at the Indian National Open University”, *इंटरनेशल जर्नल ऑफ ओपन एंड डिस्ट्रिब्यूटिड लर्निंग,* वर्ष 8(7), 2017. (एस. संतोष के साथ संयुक्त लेखन)

क्षेत्रीय सेवा प्रभाग

डॉ. भानु प्रताप सिंह

- “Empowerment of Women through Higher Education of IGNOU”, *कंटम्परेरी सोशल साइंसिज़,* वर्ष 26(3), पृ.27–40, आई.एस.एस.एन. : 0302 9298, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित, जुलाई–सितंबर 2017. (डॉ. अमित चतुर्वेदी के साथ संयुक्त लेखन)

- “VISION 2025: Inclusive Growth of North Eastern Region through ICT in Open and Distance Learning (ODL)”, प्रज्ञा शिक्षण शोध रचना, वर्ष 1(5), पृ.11–17, आई.एस.एस.एन. : 2319–8079, जनवरी–जून 2017. (डॉ. एस.आर. नायक और डॉ. अमित चतुर्वेदी के साथ संयुक्त लेखन)

- “ICT in Open and Distance Learning (ODL) for Higher Education of Tribal’s”, समाज विज्ञान शोध पत्रिका, वर्ष 2(41), पृ.264–273, शोध पत्रिका संख्या 48215, आई.एस.एस.एन. : 0973–7626, अक्तूबर 2017–मार्च 2018. (डॉ. अमित चतुर्वेदी और डॉ. एस.आर. नायक के साथ संयुक्त लेखन)

- “An Assessment of the Distance Learners Acceptance and Readiness for e- Learning in the State of Uttar Pradesh (India)”, *ग्लोबल जर्नल ऑफ इंटरप्राइज इनफॉर्मेशन सिस्टम,* वर्ष 9(4), मुद्रण आई.एस.एस.एन. 0975–153ग/ऑनलाइन आई.एस.एस.एन.: 0975–1432, अक्तूबर–दिसंबर 2017. (रूपाली श्रीवास्तव और डॉ. अमित कुमार के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- :ikyh JhokLro

- “Impact of Biodiversity Education among the School Students – A case study of Madurai city, India”, ज्योर्तिमय रिसर्च जर्नल ऑफ एज्यूकेशन, वर्ष 4(2), पृ. 26–29, एम.ई.ए.आर.एफ., फैज़ाबाद, उत्तर प्रदेश, 2017. (डॉ. जी. अनबलगन के साथ संयुक्त लेखन) (http://www.mearf.in/wp-content/uploads/2017/04/ilovepdf_merged-9.pdf)

Mk- :iy ,e- d|ckor

- “Bhasha Kaushalya: Shikshannu Mahatvanu Paribal”, *प्रगतिशील शिक्षण,* वर्ष 17(9), पृ. 44–46, आई.एस.एस.एन. : 0976–3279, सितंबर 2017.
- “Significance of Human Rights Education”, *ए वीकली जर्नल ऑफ हायर एज्यूकेशन : यूनिवर्सिटी न्यूज़,* वर्ष 55(42), पृ. 15–17, आई.एस.एस.एन. : 0566–2257, अक्तूबर 2017.

Mk- bn| jfo

- “Expression analysis of candidate genes for Abiotic stress tolerance in Brassica genotypes with contrasting osmotic stress tolerance”, *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी,* अंक 55(6), पृ. 333–343, भारत, जून 2017. (डी. फुकन, वी. गोयल, पी. पालित, आर. कालिया, एम. कौंडाल, एस.वी.ए. मित्रा, डी.के. यादव, वी. चिन्नूसामि और टी. महापात्र के साथ संयुक्त लेखन)
- “Biochemical Characterization of Defense Response of Vigna Aconitifolia against the Fungal Pathogen Macrophomina Phaseolina”, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च एवं मैनजमेंट,* पृ. 158–172, आई.एस.एस.एन. : 2455–6378 भारत, जनवरी 2018. (एस.एस. पारीक और वी. शर्मा के साथ संयुक्त लेखन)

d3- lkikfnr iLrd eas v/;k;

Ñf"k fo|kihB

Mk- e|d'k d|ekj

- संजय अरोड़ा, संजय स्वामी और सूरजभान द्वारा संपादित *Natural Resource Management for Climate Smart Sustainable Agriculture* में “Precision Watershed Management through Integrated Approach –A Viable Way for Sustainable Agriculture”, पृ. 378–390, 2017.

fon's'kh Hkk"kk fo|kihB

f'kokth HkkLdj

- एस.के. मिश्रा द्वारा संपादित *Language Education in Distance Mode* में “Teaching and Learning Russian in Open & Distance Mode: From Planning to Implementation”, आई.एस.बी.एन.: 978–93–82120–68–1, लक्ष्मी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2018.

मानविकी विद्यापीठ

प्रो. नंदिनी साहू

- ए. बिस्वाल और ए. सिन्हा द्वारा संपादित *Neocolonial Literature* में "Reading Myth as an Epistolary Novel : Prativa Ray's Jagnaseni", पृ. 77–85, आर्थर्स प्रेस, नई दिल्ली, मई 2017.
- एस. संतनी और नंदिनी साहू द्वारा संपादित *Children's Literature : Research and Pedagogy* में "Children's Literature: Research and Pedagogy", पृ. 85–97, शुभि पब्लिकेशन, गुरुग्राम, जून 2017.

स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ

डॉ. तपन कुमार जैन

- चंद्रा पांडेय और वरलक्ष्मी इंद्रकांति द्वारा संपादित *Optimizing Open and Distance Learning in Higher Education Institutions* में "Skill training process in medicine through distance mode", आई.एस.बी.एन. : 978–152–25–2624–7, अध्याय 10, पृ. 228–243, जून 2017. (https://www.igi-global.com/book/optimizing-open-distance-learning-higher/177909).

प्रो. रुचिका कुबा

- शंकरदास, माला कपूर, राजन और एस. इरुदय द्वारा संपादित *Elder Abuse and Neglect in India* में "Prevention and Management of Elder Abuse", आई.एस.बी.एन. : 978–981–10–6116–5, (प्रथम संस्करण), स्प्रिंगर पब्लिशर्स, पृ. 217–238, 2018.

अंतर-विद्याश्रयी और बहु-विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ

डॉ. शुभांगी वैद्य

- रमाकांत अग्निहोत्री, अंजु सहगल गुप्ता और ए.एल. खन्ना द्वारा संपादित *Trends in Language Teaching* में "Language Teaching and Learning for Children with Autism Spectrum Disorder", हिम्मत नगर : ओरिएंट ब्लैकस्वैन, पृ. 208–218, 2017. (मैरी बरूआ के साथ संयुक्त लेखन)

डॉ. सदानंद साहू

- एस. सैमुअल असिर राज, सुरजीत सी. मुखोपाध्याय और एम. नादरजाह द्वारा संपादित *Absence, Silence and the Margin: A Mosaic of Voices on the Indian Diaspora* में "Marginality and Philanthropy: A Study of Diaspora Philanthropy in Healthcare", पृ. 385, यतुमही : पब्लिकेशंस, चेन्नई, जनवरी 2018.

विज्ञान विद्यापीठ

डॉ. सीमा कालड़ा

- *Financial Empowerment and economic development* में "Microfinancing : Battle for Financial Empowerment", आई.एस.बी.एन. : 978–81–8457–756–3, पृ. 1–16, भारत. (मनीष तिवारी के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- vjfon dekj 'kkD;

- रोजीत श्रेष्ठ द्वारा संपादित Open Access eBook में "Inborn Errors of Metabolism, Advances in Biochemistry & Applocations in Medicine", आई.एस.बी.एन. : 978–81–935757–1–0, पृ. 1–32, यू.एस.ए.

Mk- euh"kk ikM;

- *Financial Empowerment and economic development* में "Feminization of Prosperity through Microfinance", आई.एस.बी.एन. : 978–81–8457–756–3, भारत. (डॉ. निशा रानी के साथ संयुक्त लेखन)

Mk- d- Ukkx'oj jko

- डॉ. हरीत कुमार मीणा द्वारा संपादित Socio-Economic History of Tribal India में "Socio-economic conditions of vulnerable tribal population in forested habitations of Eastern Ghats Area, Visakhapatnam district, Andhra Pradesh", आई.एस.बी.एन. : 978–93–8183–965–2, पृ. 150–162, एवॉन पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2017. (पी. स्वर्णलता के साथ संयुक्त लेखन)

{k=h; lok iHkkx

Mk- Ckh- ikMjx ujflEgkjko

- बी. पांडुरंग नरसिम्हाराव, बफराइट एलिज़ाबेथ, जे. शशिधर प्रसाद और मेघना जोषी द्वारा संपादित *Handbook of Research on Science Education and University outreach as a tool for regional development* में "Science, Technology, and University Outreach as a tool for regional transformation", हर्षे, यू.एस.ए, आई.जी.आई. ग्लोबल, आई.एस.बी.एन. : 978–1–5225–1880–8, ई.आई. एस.बी.एन. : 978–1–5225–1976–8, फरवरी 2017. (एलिज़ाबेथ राइट के साथ संयुक्त लेखन)

ch- lEeyuk@lxkf"B;k@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh@fn, x, 0;k[;ku

dI;Vj vkj lpuk foKku fo|kihB

Mk- oh-oh- lcge;.;e

- 'ICT Support for Inclusive Digital Learning' विषय पर इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग द्वारा 21–22 अप्रैल 2017 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Improving Student Engagement and Active Learning through Flipped Classroom Model"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सुश्री के. स्वाति के साथ संयुक्त प्रस्तुतीकरण)

- 'VISION-2025 : Connecting North East Through Open and Distance Learning' विषय पर कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, असम और सी.एस.आई.आर–नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से इग्नू के जोरहाट क्षेत्रीय केंद्र के द्वारा असम के जोरहाट में 8–9 जुलाई 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"OERs Curation : A Step Towards Content Curation from Content Aggregation"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सुश्री के. स्वाति के साथ संयुक्त प्रस्तुतीकरण)

- 'Developmental Interventions and Open Learning for Empowering and Transforming Society' विषय पर कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा दिसपुर के एन.ई.डी.एफ.आई. सभागार में 16–17 दिसंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"QR-Code Based*

Access to OERs and SLMs for ODL Students" शोध–आलेख प्रस्तुत, सम्मेलन कार्यवाहियाँ, पृ. 285–290, आई.एस.बी.एन.: 978–81–934669–0–2। (सुश्री के. स्वाति के साथ संयुक्त प्रस्तुतीकरण)

f'k{kk fo|kihB

Ikk- ljkt ikMs;

- इंडोनेशिया के जकार्ता में 27–29 सितंबर 2017 को आयोजित एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज़ के 31वें वार्षिक सम्मेलन में *"Developing professional learning community through blended institution based collaborative professional development model : An innovative project"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Ikk- vferko feJk

- एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबलिटेशन साइंसिज़ में 11 अप्रैल 2017 को *"The rights of persons with Disabilities Act 2016 - Challenges in Human Resource Development"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Innovative Approaches and practices for Building an inclusive Society' विषय पर भारत सरकार के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि एम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन विद इंटैलेक्चुअल डिसेबिलिटीज़ द्वारा कोलकाता के आई.एस.आई. ऑडिटोरियम में 20–21 दिसंबर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Practices of inclusive Education in India"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Inclusive education as Strategy for Achieving Sustainable Development Goa is 2030' विषय पर आर.सी.आई. और यूनेस्को के साथ विज़न इंस्टीट्यूट द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में 24–25 जनवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Inclusive Education Leading to Decent work & Economic Growth"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Challenging Exclusion – ICCE 2018' विषय पर भारत सरकार के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि एम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन विद मल्टीपल डिसेबिलिटीज़, चेन्नई और एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 30 जनवरी से 2 फरवरी 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Exclusion in Education"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Challenges in Successful Inclusion of Children with Hearing Impairment' विषय पर डॉ. शकुंतला मिश्रा नेशनल रिहैबलीटेशन यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 22–24 फरवरी 2018 को आयोजित एन.सी.ई.डी. अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Has Inclusive Practice in Education lost Directions? Search for New Hope and New Light"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Challenges and Issued in Inclusive Education' विषय पर अमृतसर के गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के द्वारा 13 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Inclusive Pedagogy & Teacher Training"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- lrik ckl

- इंडोनेशिया के जकार्ता में 27–29 सितंबर 2017 को आयोजित एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज़ के 31वें वार्षिक सम्मेलन में *"Quality of learner support servies and distance learners' perceptions: a case study"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

foLrkj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- ih-oh-d- 'kf'k/kj

- ‘Agricultural Extension in India: Time to Change’ विषय पर एम.ए.एन.ए.जी.ई, हैदराबाद में 14–16 फरवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में *“Core Competencies of Extension Professionals in Livestock and Fisheries Sector: Implications for UG and PG Extension Curricula”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- ‘Shaping Livestock Extension Advisory Services (LEAS) For Doubling Farmer’s Income’ विषय पर कर्नाटक के शिमोगा में स्थित कॉलेज ऑफ वेटनरी साइंस में 29–31 जनवरी 2018 को आयोजित आई.वी.ई.एफ. राष्ट्रीय सम्मेलन में *“Livestock Extension Advisory Services for Doubling Farmer’s Income - Lessons from Commercial Poultry Sector”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- ‘Promoting the New Extensionist Learning Kit’ विषय पर एम.ए.एन.ए.जी.ई, हैदराबाद में 5–6 अक्तूबर 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में ‘Developing Capacity for Evaluation of Rural Extension and Advisory Services’ प्रस्तुतीकरण।

- ‘Improving the Core Competencies of Women Livestock Extension Professionals’ विषय पर आंध्र प्रदेश के गन्नवरम में स्थित एन.टी.आर. कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसिज़ में 23–30 अक्तूबर 2017 को आयोजित मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में *‘Assessment of Core Competencies of Veterinarians’* व्याख्यान।

- ‘Improving the Core Competencies of Women Livestock Extension Professionals’ विषय पर आंध्र प्रदेश के गन्नवरम में स्थित एन.टी.आर. कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसिज़ में 23–30 अक्तूबर 2017 को आयोजित मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में *‘Animal Welfare Education in India’* व्याख्यान।

- ‘Stress and Welfare: Concepts and Strategies for Addressing Current Challenges in Poultry Production’ विषय पर आई.सी.ए.आर.–सी.ए.आर.आई., इज्ज़त नगर में 6–26 सितंबर 2017 को आयोजित समर स्कूल में *‘Poultry Welfare Education in India’* आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुति।

Mk- fu'kk oxht

- ‘Resilience 2017 – Resilience Frontiers for Global Sustainability’ विषय पर स्वीडन के स्टॉकहोम में 20–23 अगस्त 2017 को *“Traditional Method of Biodiversity Conservation amidst Changing Land Use in the Thar Desert Region of Rajasthan”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

vfHk;kf=dh vkj ik|kfxdh fo|kihB & ,l-vk-b-Vh-

Mk- lt; vxoky

- ‘Condition Assessment Techniques in Electrical Systems (CATCON)’ विषय पर आई.आई.टी. रोपड़ में 16–18 नवंबर 2017 को आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *“Z source inverter application and control for decentralized photovoltaic system”* शीर्षक शोध–आलेख, आई.ई.ई.ई. एक्सप्लोरर, सम्मेलन कार्यवाहियाँ में प्रकाशित, पृ. 52–57. (एस. चंद्रा, वी. देवलिया और ए. यादव के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत)

- ‘Condition Assessment Techniques in Electrical Systems (CATCON)’ विषय पर आई.आई.टी. रोपड़ में 16–18 नवंबर 2017 को आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *“Experimental investigation of* *optimum wind speed for material dependent temperature loss compensation in PV modules"* शीर्षक शोध–आलेख, आई.ई.ई.ई. एक्सप्लोरर, सम्मेलन कार्यवाहियाँ में प्रकाशित, पृ. 31–35. (एस. चंद्रा, वी. देवलिया और ए. यादव के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत)

Mk- d- rfey eUuu

- 'Advanced Production and Industrial Engineering (ICAPIE 2017)' विषय पर दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में 6–7 अक्तूबर 2017 को आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Influence of Pulse on Time and Pulse Current in Wire Electrical Discharge Machining of Titanium (Ti-6AI-4V) Alloy"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत. (ए. कृष्णैया और शिव प्रसाद ए. के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत)
- 'Communication & Communicational Technologies' विषय पर आई.आर.ई.टी, जयपुर में दिसंबर 2017 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Conceptual Design Approach of Agricultural Air Crafts"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (निधि शर्मा के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत)

fon'kh Hkk"kk fo|kihB

fodkl d|ekj fl|g

- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 8–9 मार्च 2018 को आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Aprendizaje de ELE en la India: un examen critco"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

t|Mj vkj fodkl v/;;u fo|kihB

ik- uhfyek JhokLro

- 'Gender, Activation and Politics in India and Sweden' विषय पर एम.आर.सी.पी, बी.एच.यू. और कार्लस्टैड यूनिवर्सिटी, स्वीडन द्वारा 2–4 अप्रैल 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Politics of Care Economy: A study of Women Community Level Servies Providers in Rural Odisha"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

ekufodh fo|kihB

ik- ufnuh lkg|

- ओडिशा साहित्य उत्सव (ओ.एल.एफ.) में 4 अप्रैल 2017 को *"Women's Writings in Odisha"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।
- मेघालय स्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति में 10 जून 2017 को *"Bhasha Literature in India"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

LokLF; foKku fo|kihB

jkfg.kh ,l- Hkkj}kt

- 'Adolescent Health' पर नई दिल्ली के पुलमैन होटल में 27–29 अक्तूबर 2017 को आयोजित ग्यारहवीं कांग्रेस में *"Saathiya Scheme for Adolesents of India"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत; दि इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स : विशेष अनुपूरक, अक्तूबर 2017, एस.एस.1, पृ.42।

- ‘ICT Support for Inclusive Digital Learning’ विषय पर जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट, नोएडा में 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *“Online academic counseling - A futuristic model in Distance Education for Health Sciences Programmes”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (प्रो. पिटी कौल के साथ संयुक्त लेखन)

Ikk- #fpdk dck

- होटल हयात रीजेंसी, गुरुग्राम भारत में 5–8 अप्रैल 2017 को आयोजित एशियन पैसिफिक इंडोडॉन्टिक कनफेडरेशन की 19वीं वैज्ञानिक कांग्रेस और 18वीं आई.ए.सी.डी.ई. एंड आई.ई.एस. पी.जी. कनवेंशन, एशिया–पैसिफिक इकोनॉमिक को–ऑपरेशन, में *“Sensitisation and training of dental fraternity in Bio-medical Waste Management as sole author”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।
- हॉस्पि वेस्टकॉन, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 27 मार्च 2018 को *‘New Health Care Waste Program of IGNOU”* विषय पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

Ikk- riu dekj tuk

- ‘Holistic Health & Wellness’ विषय पर वी.एम.एम.सी. और सफदरजंग अस्पताल में 22–24 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *“Culturalization of health Care”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

vrj&fo|kJ;h vkj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB

Mk- lnkun lkg

- ‘Migration, Diaspora and Nation Building: Opportunities and Challenges’ विषय पर यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 7–8 मार्च 2018 को *“Feminisation of Indian Emigration: Policy Perspectives”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।
- ‘Migration, Diaspora and Nation Building: Opportunities and Challenges’ विषय पर यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 7–8 मार्च 2018 को *“Labour and Elite Diaspora: Who is Appropriating the Nation-Building?”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता: विजय के. सोनी)

Ikk- ufnuh flUgk dij

- ‘Orientation of the new awardees’ पर 9–10 नवंबर 2017 को नव–पुरस्कृत व्यक्तियों के अभिविन्यास के लिए आयोजित शास्त्री इंडो–कैनेडियन कार्यशाला में *“Metis of Canada: Sustainable economy and eco-museum”* शीर्षक व्याख्यान प्रस्तुत।

Ikc/k v/;;u fo|kihB

Mk- Lkuhy dekj

- ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी, जयपुर में 12–14 अक्तूबर 2017 को *“How does Demonitization Impact Indian Economy”* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।
- ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी, जयपुर में 12–14 अक्तूबर 2017 को *“Measuring Demonitization: A Path Towards the Cashless India”* पर शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता: पारूल कुमार)

foKku fo|kihB

ik- ltho d|ekj

- इंटरनेशनल अरब फॉरेंसिक साइंस एंड फॉरेंसिक मेडिसिन कॉन्फ्रेंस (ए.एस.एफ.एस.एफ.एम. 2017), एबस्ट्रेक्ट बुक, इंटरनेशनल अरब फॉरेंसिक साइंस एंड फॉरेंसिक मेडिसिन कॉन्फ्रेंस (ए.एस.एफ.एस.एफ.एम. 2017), 21–23 नवंबर 2017 को *"Modified Fluorescent Powder Compositions for Latent Fingerprint Development on Variable Objects"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : गुरविंदर एस. सोढी और स्माइली कपूर)

iou d|ekj

- 'R language and Drug Development' पर बायो–इनफॉर्मेटिक्स इनफ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटी, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 30–31 अक्तूबर 2017 को आयोजित संगोष्ठी–व–व्यावहारिक प्रशिक्षण में *"Analysis of Biological Networks using i-graph R package"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Recent Advances and Applications in Computer Engineering (RAACE-2017)' पर सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, जयपुर में 23–25 नवंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"The Presence of Anti-community Structure in Complex Networks"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : रवींस दोहारे)

jkts'k d-

- 'Recent Advances in Mathematics' पर गणित विभाग, अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़, फरीदाबाद (हरियाणा) में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Stochastic and Performability Analysis of Gas Turbine System Working with Different Capacities and Change in Weather"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Statistics for Humanities and Social Sciences: Recent Trends and Advancements' पर राजस्थान स्टेटिस्टिकल एसोसिएशन और राजस्थान विश्वविद्यालय के लाइफलांग लर्निंग विभाग, जयपुर (राजस्थान) में 15–16 जनवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Reliability and ability under different working capacities of Gas Turbine System with Change in Weather"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

defydk cuth

- 'ICT support for Inclusive Digital Learning' पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा (उत्तर प्रदेश) में 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"A review on Open Educational Resources (OER) in India and the world"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'ICT support for Inclusive Digital Learning' पर इंडोनेशिया के जकार्ता में 27–29 सितंबर 2017 को आयोजित 31वें एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज़ (ए.ए.ओ.यू.) सम्मेलन में *"Access across barriers to Open, Distance and Online learning through OER policies"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Indian Heritage in Chemistry (IHC 2018)' विषय पर यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित और हिसलॉप कॉलेज, नागपुर में 27 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Searching for Indian Heritage in Chemistry"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- vjfon d|ekj 'kkD;

- 'Recent research in Biomedical Engineering, Bioethics, Bioinfromatics, Cancer Biology, Stem cells and Applied Biotechnology (BIOTECH-2017)' पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 20 मई 2017 को *"Scientific Validation for Hepatoprotective potential of Sharbat-e-Deena against Acetaminophen-induced Liver toxicity"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

- बायोमेडिकल साइंसिज़ विभाग, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसिज़ फॉर वूमैन, नई दिल्ली में 18–19 जनवरी 2018 को *"Drug Discovery Technology – Computational Approaches in Drug Discovery & Design"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

डा. एम. अब्दुल करीम

- 'Drug discovery and Development' पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 7–9 अप्रैल 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Molecular Docking Studies Using Natural Phytochemicals of Aegle Marmelos Fruit Against Inflammatory Markers During Isoproterenol Induced Cardiotoxicity in Rats"* पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. स्वाति पात्रा

- इंडियन माइंड साइंस कार्यशाला संबंधी स्वदेशी इंडोलॉजी सम्मेलन श्रृंखला में *'Application of IP Concepts and Models in Counselling and Clinical Contexts'* विषय पर मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 25 मार्च 2018 को शोध–आलेख प्रस्तुत।

दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड)

प्रो. संतोष पांडा

- 'Integrating Skill Development in Teacher Education' विषय पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 7 जुलाई 2017 को *'Competency-Based Teacher Education'* पर आधार व्याख्यान।

- 'Module Design and Content Development for Secondary and Higher Secondary Teachers' पर मेघालय सरकार और आई.पी.ई. ग्लोबल द्वारा शिलांग में आयोजित विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मिलन में 12 अक्तूबर 2017 को *'Curriculum Design for Education Leadership'* विषयक आधार व्याख्यान।

योजना एवं विकास प्रभाग

डा. पंकज खन्ना

- '5th Global Conference on Cyber Space' पर 23–24 नवंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"An OER Architecture Framework and the Good Governance Framework"* शीर्षक दो तकनीकी पोस्टर।

क्षेत्रीय सेवा प्रभाग

डा. भानु प्रताप सिंह

- 'ICT Support for Inclusive Digital Learning' विषय पर इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और नोएडा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Perception and Expectations of Distance Learners towards ICT based student support: A Study of IGNOU Regional Centre,* *Aligarh and Lucknow"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Agriculture and Human Deployment in India: Indigenous Practices, Scientific Views and sustainability' विषय पर इग्नू के गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र और आई.आई.टी. गुवाहाटी द्वारा 8–9 सितंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में *"An evaluation Study of Awareness Programme on Dairy Farming (APDF): Indira Gandhi National Open University (IGNOU)"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव)

- 'Role of Distance education in Higher Education and skill Development' विषय पर सी.एस.आई.आर., जोरहाट में 8–9 जुलाई 2017 को *"Vision-2025: Connecting North East through Open and Distance Learning"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- vt uk

- 'ICT Support for Inclusive Digital Learning' विषय पर इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और नोएडा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"A comparative study of MOOCs by developing countries: Special reference to India"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : डॉ. संतोष कुमारी)

- 'ICT Support for Inclusive Digital Learning' विषय पर इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और नोएडा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Mobile application for efficient delivery of learner support services"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Agriculture and Human Deployment in India: Indigenous Practices, Scientific Views and sustainability' विषय पर इग्नू के गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र और आई.आई.टी. गुवाहाटी द्वारा 8–9 सितंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Nitrogenous Fertilizers – Boom or Bane?"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : डॉ. शाहिद उमर)

- 'Reforms in Examination and Evaluation System: Emerging problems and probable solutions' विषय पर ए.एस. कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, खन्ना, पंजाब में 5 फरवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"UGC Outline for Examination Reforms vs. Examination System in IGNOU"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- th- vucyxu

- 'Women Leadership and Empowerment' विषय पर मदर टेरेसा वूमैन्स यूनिवर्सिटी, कोडइकनाल और ए.आर.सी. मुदरै, मदुरै, तमिलनाडु द्वारा 6 अप्रैल 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Empowering The Women Education – A Case Study Of IGNOU"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Designing the 21st Century Classroom' विषय पर डॉ. पिल्लै टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई में 9–10 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Technology for Open and Distance Learning – A case study of IGNOU"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'ICT Support for Inclusive Digital Learning' विषय पर इग्नू के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और नोएडा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 21–22 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"A study on the inclusive Digital Learning initiatives of World's mega Open University – IGNOU"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : डॉ. अर्शिया हुसैन)

- 'Open and Distance Education in India : Emerging Issues and Challenges' विषय पर आचार्य

नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश के सेंटर फॉर डिस्टेंस एज्यूकेशन में 29–30 अप्रैल और 1 मई 2017 को आयोजित इक्कीसवें आई.डी.ई.ए. वार्षिक सम्मेलन में *"Academic Audit for Open Distance Learning In India–A Schematic Approach"* विषय पर व्याख्यान।

- 'Sustainable Rural Development through Governmental Programmes – Vision and Action' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु द्वारा मैसूरु में 28–29 जुलाई 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"Role of Distance Education in Skill Development of Rural Youth in India"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। शोध–आलेख इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी–डिसिप्लिनरी एज्यूकेशन रिसर्च, वर्ष 6, अंक 7(9), 2017 में भी प्रकाशित। (http://s3-ap-southeast-1.amazonaws.com/ijmer/pdf/volume6/volume6-issue7(9)-2017.pd)

- 'Teacher Education: Development, Challenges and Future Projections' विषय पर मदुरै कामराज विश्वविद्यालय और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एज्यूकेटर्स (आई.ए.टी.ई.) द्वारा मदुरै कामराज विश्वविद्यालय में 22–23 दिसंबर 2017 को आयोजित 51वें आई.ए.टी.ई. वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Professional Development of Teachers through Distance Education – Experience of IGNOU"* विषय पर शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- Ckh- ikMjx ujflEgkjko

- 'Emerging trends in Library Science, Commerce and Management & Environmental Sustainability' विषय पर श्री हलारी वीज़ा ओस्वाल कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई में 3 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"University Outreach for Corporate Education and Multidisciplinary Approaches"* विषय पर व्याख्यान।

Mk- :iy ,e- dpckor

- 'The Journey of Indian Languages: Perspectives on Culture and Society' पर बाबा साहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और इग्नू, नई दिल्ली द्वारा 14–15 अक्तूबर 2017 को संयुक्त रूप से आयोजित दो–दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Language and Culture: An Overview"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

- 'Best Practices in Teaching – Learning and Evaluation' पर आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और ए.जी. टीचर्स कॉलेज – सी.टी.ई, अहमदाबाद द्वारा 12 जनवरी 2018 को आयोजित एक–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Blended Learning: A Transformative Potential in Teaching – Learning"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- lkjk uljhu

- 'Business & Management Changing Dynamics' पर प्रबंधन प्रभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा 20–21 अप्रैल 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *"Managing Organisational Change: A Skill to Develop"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- bnq jfo

- 'Conservation and Management of Agricultural and Natural Resources: Strategies for Food Security in Developing Countries' पर कैरियर प्वांइट यूनिवर्सिटी, कोटा में 8–9 नवंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"Stress in Plants a Genetic Approach"* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : डी. फुकन)

Mk- ,l- x.ks'ku

- ‘NFTC-2018 Socio-Legal Rights of Tribals in Andaman & Nicobar islands: Issues and Challenges’ पर अंडमान लॉ कॉलेज द्वारा पोर्ट ब्लेयर, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह में 16–17 मार्च 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *“Education for Tribals: Role of IGNOU in Andaman & Nicobar Islands”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत।

Mk- Vh-vkj- lR;dhfrZ

- ‘New Frontiers in Theoretical Chemistry, NFTC-2018’ पर कैथोलिकेट कॉलेज, पथनामथिट्टा, केरल द्वारा 18–20 जनवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *“Structure Activity Relationships, Antioxidant and Anticarinogenic activities of Polyphenols from coconut husk – A short communication”* शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत। (सह–प्रस्तुतकर्ता : मणिरेखा एम.आर.)

x- vU; idk'ku@mi yfC/k;k@fo'ks"k iqjLdkj ¼if=dkvks@lekpkj&i=ks esa ys[k@ltukRed ys[ku@eksukxkQ] fo'ks"k iqjLdkj½

vrj&fo|kJ;h vkSj cg&fo|kJ;h v/;;u fo|kihB

Mk- ckbuk :fi.kh

- राष्ट्रीय पर्यावरणी विज्ञान अकादमी, भारत के द्वारा पर्यावरणी विज्ञान–रसायन विज्ञान के क्षेत्र में ’वर्ष 2017 की वैज्ञानिक’ के रूप में विशेष पुरस्कार।

ik- ufnuh flUgk dij

- कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ एल्बर्टा का ’शास्त्री इंडो–कैनेडियन फैकल्टी मोबिलिटी अवार्ड’ नामक विशेष पुरस्कार।

{ks=h; lsok iHkkx

Mk- i.kfn f=ikBh

- “International Journal of Technology and Educational Marketing” शोध–पत्रिका का मुख्य संपादक आई.जी.आई–ग्लोबल, हर्षे, पी.ए, यू.एस.ए., वर्ष 7(1, 2), आई.एस.बी.एन : 2155–5605, 2017 द्वारा प्रकाशित. (डॉ. सीरन मुकर्जी के साथ संयुक्त लेखन)

संक्षिप्ताक्षरों (Abbreviations) की सूची

ए.आई.आर.	आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो)
ए.एस.सी.आई.	भारतीय कृषि कौशल परिषद (एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया)
बी.ए.	कला स्नातक (बैचलर ऑफ आर्ट्स)
बी.ए.ओ.यू.	बाबा साहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बाबा साहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी)
बी.सी.ए.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बैचलन ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस)
बी.कॉम.	वाणिज्य स्नातक (बैचलर ऑफ कॉमर्स)
बी.ओ.एम.	प्रबंध बोर्ड (बोर्ड ऑफ मैनजमेंट)
बी.आर.ए.ओ.यू.	डॉ. भीमराव अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी)
बी.आर.पी.एल.	बी.एस.ई.एस. राजधानी पॉवर लिमिटेड
बी.एस.सी.	विज्ञान स्नातक (बैचलर ऑफ साइंस)
बी.एस.ई.आई.एल.	बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट
बी.एस.डब्ल्यू.	समाज कार्य में स्नातक (बैचलर ऑफ सोशल वर्क)
बी.टी.एस.	पर्यटन अध्ययन में स्नातक (बैचरल ऑफ टूरिज़्म स्टडीज़)
सी.ए.टी. 6	कैटेगरी 6 केबल
सी.बी.सी.आई–इग्नू चेयर	कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन पीठ
सी.बी.आई.	केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन)
सी.ई.ए.	बाल शिक्षा भत्ता (चिल्ड्रन एज्यूकेशन एलाउंस)
सी.ई.सी. (यू.जी.सी.)	शैक्षिक संचार कंसोर्टियम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (कंसोर्टियम फॉर एज्यूकेशनल कम्युनिकेशन, यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन)
सी.जी.पी.एस.	गांधी और शांति अध्ययन केंद्र (सेंटर फॉर गांधी एंड पीस स्टडीज़)
सी.एल.पी.	कंप्यूटर साक्षरता काय्रक्रम (कंप्यूटर लिटरेसी प्रोग्राम)
सी.ओ.एल.	कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग
सी.पी.जी.आर.ए.एम.एस. पोर्टल	केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और अनुवीक्षण प्रणाली पोर्टल (सेंट्रलाइज़्ड पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेस एंड मॉनीटरिंग सिस्टम पोर्टल)
सी.वी.सी.	केंद्रीय सतर्कता आयोग (सेंट्रल विजिलेंस कमीशन)
सी.वी.ओ.	मुख्य सतर्कता अधिकारी (चीफ विजिलेंस ऑफिसर)

डी.ए.ई.	प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टोरेट ऑफ एडल्ट एज्यूकेशन)
डी.ए.वी.सी.एम.सी.	दयानंद एंग्लो–वैदिक कॉलेज प्रबंधन समिति (दयानंद एंग्लो–वैदिक कॉलेज मैनजमेंट कमेटी)
डी.बी.टी.	सीधे लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर)
डी.डी.	दूरदर्शन
डी.डी.ए.	दिल्ली विकास प्राधिकरण (दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी)
डी.डी.ई.	दूर शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टोरेट्स ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेशन)
डी.ई.आईज़	दूर शिक्षा संस्थान (डिस्टेंस एज्यूकेशन इंस्टीट्यूट्स)
डेलनेट (DELNET)	डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क
डी.जे.बी.	दिल्ली जल बोर्ड
डी.एन.एस.	डोमेन नेम सर्वर
डी.एस.टी.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी)
डी.टी.एच.	डायरेक्ट–टू–होम
एडनेरू (EDNERU)	पूर्वोत्तर क्षेत्र शैक्षिक विकास एकक (एजूकेशनल डेवलमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्ट रीजन यूनिट)
ई.एम.पी.सी.	संचार केंद्र (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर)
ई.आर.पी.	उद्यम संसाधन नियोजन (इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग)
एस.ओ.एस.टी.ए.सी.	खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन)
एफ.एस.एस.ए.आई.	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया)
एफ.एम. रेडियो	फ्रीक्वैंसी मोड रेडियो
जी.बी.पी.एस.	गिगाबाइट्स पर सेकंड
जी.डी.	ज्ञान दर्शन
जी.ओ.आई.	भारत सरकार (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया)
जी.सैट–10	जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट–10
जी.एस.टी.	वस्तुएँ और सेवा कर
जी.वी.	ज्ञान वाणी
एच.आई.वी / एड्स (HIV/AIDS)	हयूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस इनफैक्शन / एक्वायर्ड इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम
एच.क्यू.	मुख्यालय (हैडक्वार्टर्स)

आई.सी.ए.आई.	इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
आई.सी.ए.आर.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च)
आई.सी.एस.एस.आर.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च)
आई.सी.टी.	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी)
आई.डी.	अंतरराष्ट्रीय प्रभाग (इंटरनेशनल डिविज़न)
आई.जी.सी.एफ.एस.एस.	इंदिरा गांधी स्वाधीनता संग्राम अध्ययन केंद्र (इंदिरा गांधी सेंटर फॉर फ्रीडम स्ट्रगल स्टडीज़)
इग्नू (IGNOU)	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी)
आई.जे.ओ.एल.	इंडियन जर्नल ऑफ ओपन लर्निंग
आई.एन.ए.	भारतीय राष्ट्रीय थल सेना (इंडियन नेशनल आर्मी)
इनसैट 3 सी.	भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह 3 सी. (इंडियन नेशनल सैटेलाइट– 3 सी)
इसरो (ISRO)	भारतीय अंतरिक्षा अनुसंधान संगठन (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन)
आई.टी.	सूचना प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)
आई.यू.सी.	अंतर–विश्वविद्यालय कंसोर्टियम (इंटर–यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम)
के.के.एच.एस.ओ.यू.	कृष्णकांत हंडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (कृष्णकांत हंडीक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी)
के.वी.एस.	केंद्रीय विद्यालय संगठन
एल. एंड डी.डी.	पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग (लाइब्रेरी एंड डॉक्यूमेंटेशन डिविजन)
एल.एस.सी.	विद्यार्थी सहायता केंद्र (लर्नर सपोर्ट सेंटर)
एम.फिल.	मास्टर ऑफ फिलॉसफी
एम.सी.डी.	दिल्ली नगर निगम (म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली)
एम.ओ.एफ.पी.आई.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज़)
एम.एच.आर.डी.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट)
एम.आई.एस.	प्रबंधन सूचना प्रणााली (मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम)
एम.ओ.सी.	सहयोग–ज्ञापन (मेमोरंडम ऑफ कोलाबोरेशन)
मूक्स (MOOCs)	व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिस)
एम.ओ.यू. (MOU)	समझौता–ज्ञापन (मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग)
एम.पी.डी.डी.	सामग्री निर्माण और वितरण प्रभाग (मैटीरियल प्रोडक्शन एंड डिस्ट्रिब्यूशन डिविज़न)

एन.बी.ई.	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशंस)
एन.सी.डी.एस.	राष्ट्रीय अक्षमता अध्ययन केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज़)
एन.सी.ई.आर.टी.	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (नेशनल काउंसिल फॉर एज्यूकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग)
एन.सी.आई.डी.ई.	राष्ट्रीय दूर शिक्षा नवप्रवर्तन केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर इनोवेशंस इन डिस्टेंस एज्यूकेशन)
एन.डी.एल.	राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी)
एन.ई.आई.एस.टी.	पूर्वोत्तर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस एंड टेक्नोलॉजी)
एन.जी.ओ.	गैर–सरकारी संगठन (नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइज़ेशन)
एन.एच.एफ.डी.सी.	नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनैंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
एन.एच.आर.सी.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (नेशनल ह्यूमैन राइट कमीशन)
एन.आई.सी.	नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर
एन.आई.ओ.एस.	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग)
एन.के.एन.	राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (नेशनल नॉलेज नेटवर्क)
एन.एल.एम.	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (नेशनल लिटरेसी मिशन)
एन.एस.क्यू.एफ.	राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशंस फ्रेमवर्क)
ओ.बी.सी.	अन्य पिछड़ा वर्ग (अदर बैकवर्ड क्लास)
ओ.डी.एल.	मुक्त और दूर शिक्षा (ओपन एंड डिस्टेंस एज्यूकेशन)
ओ.एफ.सी.	ऑप्टिकल फाइबर कम्युनिकेशन
ओपक (OPAC)	ऑनलाइन पब्लिक एक्सैस कैटेलॉग
ओ.एस.सीज़	विदेशी अध्ययन केंद्र (ओवरसीज़ स्टडी सेंटर्स)
पी.जी.	स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट)
पीएच.डी.	डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
पी.एम.ओ.	प्रधान मंत्री कार्यालय (प्राइम मिनिस्टर्स ऑफिस)
क्यू.आर. कोड	क्विक रिसपॉन्स कोड
आर.सी.	क्षेत्रीय केंद्र (रीजनल सेंटर)
आर.आर.सी.	मान्यता–प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र (रिकोग्नाइज़्ड रीजनल सेंटर)
आर.एस.डी.	क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (रीजनल सर्विस डिविज़न)
आर.टी.आई.	सूचना का अधिकार (राइट टू इनफॉर्मेशन)

आर.यू.	अनुसंधान एकक (रिसर्च यूनिट)
एस.सी.	अनुसूचित जाति (शेड्यूल्ड कास्ट)
एस.सी.एस.पी.	अनुसूचित जाति उप–योजना (शेड्यूल्ड कास्ट्स सब प्लान)
एस.ई.डी.	विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (स्टूडेंट्स इवेल्यूएशन डिविज़न)
एस.एफ.सी.	स्थायी वित्त समिति (स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी)
एस.एल.एम.	स्व–शिक्षण सामग्री (सेल्फ–लर्निंग मैटीरियल)
एस.ओ.ए.	कृषि विद्यापीठ (स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर)
एस.ओ.सी.ई.	सतत शिक्षा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ कंटीन्यूइंग एज्यूकेशन)
एस.ओ.सी.आई.एस.	कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड इनफॉर्मेशन साइंसिज़)
एस.ओ.ई.	शिक्षा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ एज्यूकेशन)
एस.ओ.ई.डी.एस.	विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ एक्सटेंशन एंड डेवलपमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.ई.टी.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी)
एस.ओ.एफ.एल.	विदेशी भाषा विद्यापीठ (स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजिज़)
एस.ओ.जी.डी.एस.	जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.एच.	मानविकी विद्यापीठ (स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज़)
एस.ओ.एच.एस.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसिज़)
एस.ओ.आई.टी.एस.	अंतर–विद्याश्रयी और बहुविद्याश्रयी विद्यापीठ (स्कूल ऑफ इंटर–डिस्प्लिनरी एंड ट्रांस–डिस्प्लिनरी स्टडीज़)
एस.ओ.जे.एन.एम.एस.	पत्रकारिता और नव जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज़)
एस.ओ.एल.	विधि विद्यापीठ (स्कूल ऑफ लॉ)
एस.ओ.एम.एस.	प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (स्कूल ऑफ मैनजमेंट स्टडीज़)
एस.ओ.पी.वी.ए.	प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स)
एस.ओ.एस.	विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ साइंसिज़)
एस.ओ.एस.एस.	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज़)
एस.ओ.एस.डब्ल्यू.	समाज कार्य विद्यापीठ (स्कूल ऑफ सोशल वर्क)

एस.ओ.टी.एच.एम.एस.	पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (स्कूल ऑफ टूरिज़्म एंड हॉस्पिटैलिटी सर्विस मैनजमेंट)
एस.ओ.टी.एस.टी.	अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ (स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज़ एंड ट्रेनिंग)
एस.ओ.यूज़	राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (स्टेट ओपन यूनिवर्सिटीज़)
एस.ओ.वी.ई.टी.	व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ (स्कूल ऑफ वोकेशनल एज्यूकेशन एंड ट्रेनिंग)
एस.आर.डी.	विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन डिविज़न)
एस.एस.सी.	विशेष अध्ययन केंद्र (स्पेशल स्टडी सेंटर)
एस.टी.	अनुसूचित जनजाति (शेड्यूल्ड ट्राइब्स)
स्ट्राइड (STRIDE)	दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एज्यूकेशन)
स्वयं (SWAYAM)	स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव–लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स
टी.ए.	यात्रा भत्ता (ट्रेवलिंग एलाउंस)
टी.ई.ई.	सत्रांत परीक्षा (टर्म एंड एग्ज़ामिनेशन)
टी.एस.पी.	जनजाति उप–योजना (ट्राइबल सब प्लान)
यू.जी.सी.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन)
यूनिसेफ	यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रंस फंड
डब्ल्यू.एच.ओ.	विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइज़ेशन)
वाई–फाई	वायरलैस फिडैलिटी
डब्ल्यू.आई.पी.ओ.	विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार संगठन (वर्ल्ड इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइज़ेशन)